प्रसार भारती

वार्षिक रिपोर्ट 2008-09

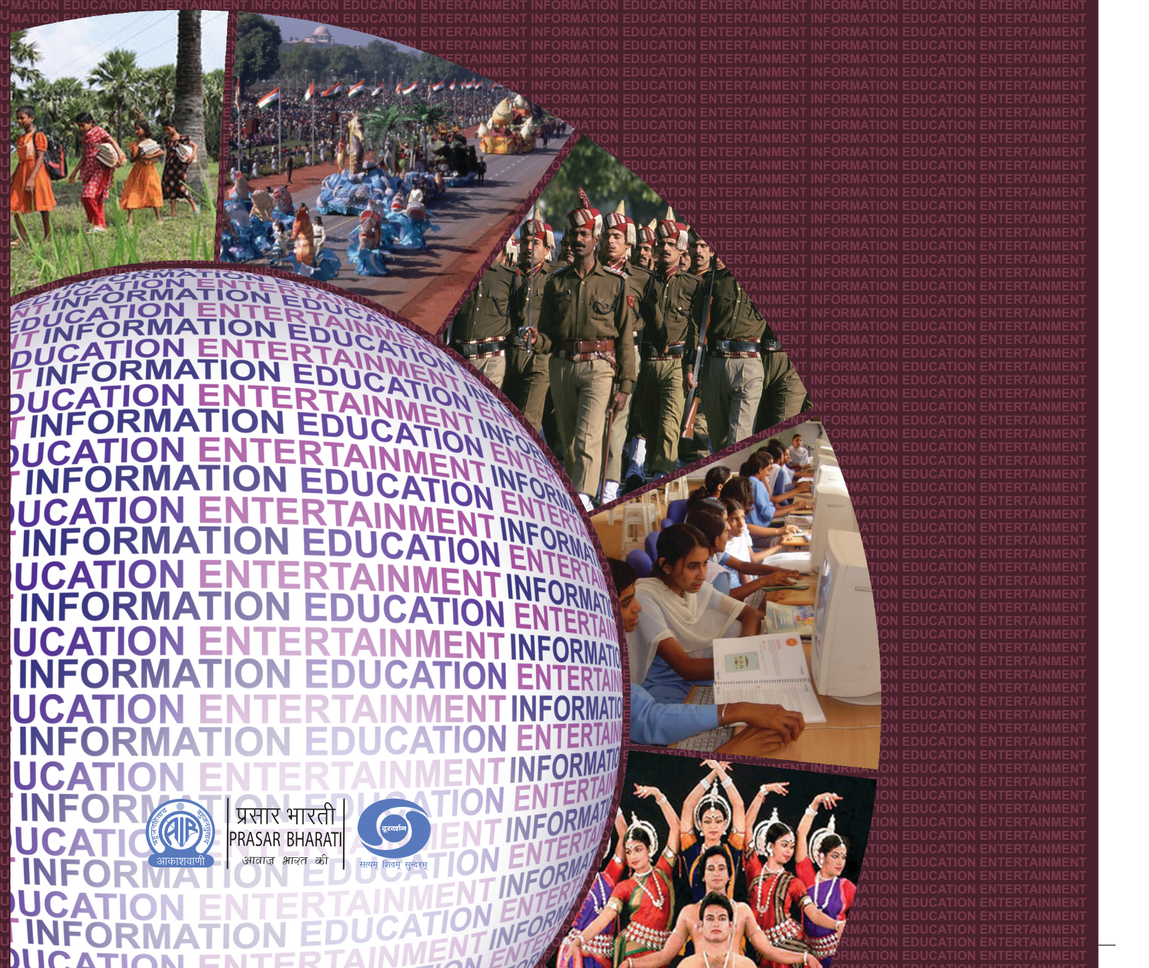

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

अध्याय-1

प्रसार भारती निगम

प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) देश का लोक सेवा प्रसारक है, जिसके आकाशवाणी और दूरदर्शन दो भाग हैं। यह 23 नवम्बर, 1997 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना, आम जनता को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य

प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए, प्रसार भारती के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैः-

- देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।
- राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।
- सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।
- शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।
- महिलाओं से संबंधित मामलों में जागरूकता उत्पन्न करना, तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।
- विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा और खेलकूद तथा युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।
- सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।
- प्रसारण सुविधाओं का विस्तार करना तथा प्रसारण प्रौद्योगिकी के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।

प्रसार भारती बोर्ड

निगम का प्रशासन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा चलाया जाता है, जिसमें एक अध्यक्ष एक कार्यकारी सदस्य (जो मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नाम से भी जाना जाता है), एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छः अंश-कालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा पदेन सदस्यों के रूप में आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सम्मिलित हैं। इसके अध्यक्ष एक अंश-कालिक सदस्य हैं जिनका कार्यकाल तीन वर्षों का होता है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 5 वर्षों का अथवा 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक होता है, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) पूर्ण-कालिक सदस्य के रूप में छः वर्ष की अवधि अथवा बासठ वर्ष की आयु पूरी होने तक कार्य करते हैं।

प्रसार भारती बोर्ड की वर्ष में कम से कम 6 बैठकें होती हैं।

बोर्ड के सदस्यगण

इस अवधि के दौरान प्रसार भारती बोर्ड का गठन निम्न प्रकार रहाः-

1. अध्यक्ष	श्री अरूण भटनागर (01.05.2008 से)
2. कार्यकारी सदस्य (मु0 का0 अधि0)	श्री बी.एस.लाली
3. सदस्य (वित्त)	श्री ए.के. जैन
4. सदस्य (कार्मिक)	श्री व्ही0 शिव कुमार
5. सूचना और प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधि	श्री उदय कुमार वर्मा अपर सचिव,
6. छः अंशकालिक सदस्य	श्री आर एन बिसारिया
	श्रीमती ममता शंकर
	डॉ. सुनील कपूर
	जॉर्ज वर्गीस
	श्री सुनील डंग (13.10.2008 से)
	लेफ्टिनेंट जनरल उत्पल भट्टाचार्य, पीवीएसएम (रिटायर्ड) (13.10.2008 से)

संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड शीर्ष स्तर पर कार्य करते हुए संगठन की नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन और प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए जनादेश का पालन सुनिश्चित करता है। कार्यकारी सदस्य, निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करता है। प्रसार भारती सचिवालय में कार्यरत विभिन्न विषयों से संबंधित अधिकारी कार्यों, संचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन को संघटित करने में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) को सहयोग देते हैं। साथ ही वे निगम के बजट, लेखा और सामान्य वित्तीय मामलों की देखरेख करते हैं।

मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै, बंगलौर जलंधर और हैदराबाद में स्थित प्रसार भारती विपणन कार्यालय आकाशवाणी एवं दूरदर्शन दोनों के विपणन संबंधी कार्यों की देख-रेख करते हैं।

प्रसार भारती मुख्यालय में एकीकृत सतक्रता व्यवस्था भी है, जिसके प्रमुख मुख्य सतक्रता अधिकारी हैं। आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय दोनों के प्रमुख, महानिदेशक हैं।

आकाशवाणी

महानिदेशक आकाशवाणी, आकाशवाणी नेटवक्र के सम्पूर्ण प्रशासन के प्रति उत्तरदायी हैं। इस नेटवक्र में दिनांक 01.04.2009 की स्थिति के अनुसार 232 आकाशवाणी केन्द्र और 374 प्रसारण ट्रांसमिटर हैं जिसमें से 149 मीडियम वेव, 171 एफ.एम. (फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन) और 54 शॉर्ट वेव ट्रांसमिटर हैं। निम्नलिखित अधिकारी कर्त्तव्यों के निर्वहन में महानिदेशक, आकाशवाणी की सहायता करते हैं:

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यक्रम प्रबंधन और उसकी रूपरेखा तैयार करने का कार्य उप-महानिदेशकों की देखरेख में होता है। ये अधिकारी आकाशवाणी के कार्यक्रम संवर्ग के होते हैं। क्षेत्रीय उप-महानिदेशकों के कार्यालय दिल्ली और चंडीगढ़ (उत्तर क्षेत्र), मुंबई और अहमदाबाद (पश्चिम क्षेत्र), लखनऊ और भोपाल (मध्य क्षेत्र), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र), गुवाहाटी (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र), चेन्नै (दक्षिण क्षेत्र-।) तथा बंगलौर (दक्षिण क्षेत्र-।।) में स्थित हैं।

श्रोता अनुसंधान स्कंध

आकाशवाणी द्वारा श्रोताओं के लिए एस एम एस आधारित सेवाओ का उदघाटन

आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की गुणवत्ता और मात्रा संबंधी विश्लेषण करने में निदेशक (श्रोता अनुसंधान), महानिदेशक को सहयोग देता है। आकाशवाणी महानिदेशालय की श्रोता अनुसंधान इकाई में छः उप-निदेशक (श्रोता अनुसंधान) हैं, जो क्षेत्रीय चल इकाइयों में शिलांग, कोलकाता, चेन्नै, मुंबई, दिल्ली और इलाहाबाद में स्थित हैं। इसके अलावा देश भर में फैली 38 श्रोता अनुसंधान इकाइयां भी हैं। यह शायद दुनियां का सबसे बड़ा मीडिया अनुसंधान संगठन है।

अभियांत्रिकी स्कंध

प्रमुख अभियंता, आकाशवाणी नेटवक्र के अभियांत्रिकी प्रमुख हैं, और इनको मुख्य अभियंता सहयोग देते हैं। रेडियो प्रसारण के विकास सहित, आकाशवाणी के संपूर्ण तकनीकी ढांचे की योजना बनाना, डिज़ाइन तैयार करना, प्रचालन और रखरखाव करना आकाशवाणी प्रमुख अभियंता का दायित्व है। प्रमुख अभियंता आकाशवाणी महानिदेशालय में अभियांत्रिकी मुख्यालय तथा योजना एवं विकास एकक, क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं और विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों के अभियांत्रिकी प्रमुखों के माध्यम से अपना कार्य करते हैं। क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं के कार्यालय मुंबई, कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नै और दिल्ली में स्थित हैं। प्रमुख अभियंता के दायित्व में रेडियो प्रसारण, अनुसंधान और विकास और इंजीनियरिंग स्टाफ को प्रशिक्षण दिलाना भी है। सिविल निर्माण स्कंध (सी सी डब्ल्यू) का प्रमुख भी एक मुख्य अभियंता होता है। यह सिविल निर्माण का कार्य देखता है। ये दूरदर्शन के निर्माण संबंधी कार्यों को भी देखता है।

प्रशासन एवं वित्त

सभी सामान्य प्रशासनिक मामलों में महानिदेशक की सहायता एक उप महानिदेशक (प्रशासन) करते हैं। आकाशवाणी के अभियांत्रिकी और कार्यक्रम दोनों के प्रशासनिक मामलों को एक निदेशक देखते हैं। वित्तीय मामलों में उपमहानिदेशक (वित्त), महानिदेशक को सहयोग देते हैं, इसके अलावा वे आंतरिक वित्तीय सलाहकार के रूप में भी कार्य करते हैं।

आकाशवाणी की संस्थापनाओं, ट्रांसमीटरों, स्टुडियो, कार्यालयों आदि की सुरक्षा एवं संरक्षण का कार्य उपमहानिदेशक (सुरक्षा) करते हैं जिनका सहयोग सहायक महानिदेशक (सुरक्षा) करते हैं। दूरदर्शन की सुरक्षा संबंधी जरूरतों की देखरेख भी ये अधिकारी करते हैं।

अधीनस्थ कार्यालय

समाचार सेवा प्रभाग

समाचार सेवा प्रभाग देश-विदेश में आकाशवाणी के विभिन्न चैनलों से समाचार बुलेटिन और समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। यह देशभर में 44 क्षेत्रीय समाचार एककों से और नई दिल्ली में इसके मुख्यालय से 50 घंटों से अधिक अवधि के लिए 87 भाषाओं/बोलियों (भारतीय और विदेशी) में प्रतिदिन 512 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है।

विदेश प्रसारण प्रभाग

आकाशवाणी का विदेश प्रसारण प्रभाग 27 भाषाओं-16 विदेशी और 11 भारतीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करता है। ये सेवाएं प्रतिदिन लगभग 72 घंटों की होती हैं और 100 से अधिक देशों में सुनी जा सकती हैं।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा एक निदेशक के मार्गदर्शन में विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों के बीच कार्यक्रम विनिमय, ध्वनि अभिलेखागार के निर्माण और रखरखाव और चुनिंदा अभिलेखागार रिकार्डिंग के विपणन का कार्य करती है। यह अभिलेखागार के टेपों और सीडी के विपणन का कार्य भी देखती है।

अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान स्कंध का कार्य आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा अपेक्षित उपस्करों का अनुसंधान और विकास करना तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन संबंधी जांच एवं कार्य अध्ययन करना है। इसके साथ ही इसके कार्यक्षेत्र में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के नेटवक्र के सीमित क्षेत्रों में फील्ड ट्रायल हेतु आर एंड डी उपकरण के प्रोटोटाइप मॉडल का विकास करना भी सम्मिलित है। अनुसंधान एवं विकास स्कंध के प्रमुख एक मुख्य अभियंता है।

केन्द्रीय भंडार कार्यालय

केन्द्रीय भंडार कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है और इसका कार्य आकाशवाणी केंद्रों में तकनीकी उपस्करों के रखरखाव हेतु अपेक्षित अभियांत्रिकी सामान की खरीद, भंडारण और वितरण है।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली के संबद्ध कार्यालय के रूप में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), वर्ष 1948 में स्थापित किया गया था। दिनांक 01.01.1990 से इसे अधीनस्थ कार्यालय घोषित किया गया। दिल्ली और भुवनेश्वर स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरूवनन्तपुरम स्थित 5 अन्य क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों (कार्यक्रम) सहित आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी कार्यक्रम और प्रशासनिक संवर्गों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देता है।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

दिल्ली स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) अभियांत्रिकी कार्मिकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताएं जुटाता है। प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए भुवनेश्वर, शिलांग एवं मुंबई में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं।

दिल्ली में संस्थान सन् 1948 में खोला गया जो इलैक्ट्रॉनिकी मीडिया में अब तकनीकी उत्कृष्टता प्रशिक्षण केन्द्र बन गया है। आधुनिक मल्टी मीडिया उपस्कर और सुव्यवस्थित पुस्तकालय इस कंप्यूटर केन्द्र संस्थान के भाग हैं।

मार्च 2008 को आकाशवाणी की स्वीकृत पदसंख्या और नए स्वीकृत पद इस प्रकार है:-

स्कंध	स्वीकृत पद	रिक्त पद
कार्यक्रम	6915	3033
समाचार स्कंध	223	53
अभियांत्रिकी	6140	1282
सी सी डब्ल्यू	1457	172
प्रशासन		
(क)	813	240
(ख) आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केन्द्र	10927	1903
जोड़	26475	6683

दूरदर्शन

देश का लोक सेवा प्रसारक, दूरदर्शन विश्व के सबसे बड़े टेलीविजन नेटवर्कों में से एक है । दूरदर्शन ने 15 सितंबर, 1959 को प्रायोगिक आधार पर दिल्ली से शैक्षिक एवं विकास कार्यक्रमों के प्रसारण से अपनी सेवा आरंभ की थी । वर्ष 1972 में मुंबई में दूसरा दूरदर्शन केंद्र आरंभ हुआ और तत्पश्चात् दूरदर्शन की टेलीविजन सेवा का विस्तार अन्य स्थानों पर किया गया । दूरदर्शन का तेजी से विस्तार वर्ष 1984 में आरंभ हुआ जब देश में लगभग प्रति दिन एक ट्रांसमीटर स्थापित किया जाने लगा । इस समय दूरदर्शन निःशुल्क डीटीएच सेवा के अलावा 31 टीवी चैनल चला रहा है तथा उसके पास संपूर्ण देश में 66 स्टुडियो और 1414 ट्रांसमीटर का स्थलीय नेटवर्क है । स्थलीय मोड में देश की 92.2% जनसंख्या को दूरदर्शन कवरेज उपलब्ध है ।

दूरदर्शन के प्रमुख महानिदेशक हैं । कार्यक्रम शाखा के उप महानिदेशक (कार्यक्रम), अभियांत्रिकी शाखा के प्रमुख अभियंता, प्रशासन एवं वित शाखा के अपर महानिदेशक (प्रशा. एवं वित) तथा समाचार एवं सामयिकी शाखा के अपर महानिदेशक (समाचार) उनकी सहायता करते हैं ।

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी की भांति दूरदर्शन में भी उपमहानिदेशक राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और आंचलिक स्तर पर कार्यक्रम संकल्पना, निर्माण और उपार्जन से संबंधित सभी कार्यों की देखरेख करते हैं। उनकी सहायता के लिए निदेशक/उपनिदेशक (कार्यक्रम) होते हैं। ये अधिकारी दूरदर्शन के कार्यक्रम संवर्ग से जुड़े हैं।

समाचार स्कंधः

दूरदर्शन का समाचार स्कंध राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर दूरदर्शन चैनलों में प्रसारित सभी समाचार बुलेटिनों एवं अन्य समसामयिक कार्यक्रमों के उपार्जन संपादन एवं प्रसारण का उत्तरदायित्व उठाता है। समाचार स्कंध के प्रमुख महानिदेशक (समाचार) हैं।

अभियांत्रिकी स्कंध :

प्रमुख अभियंता अभियांत्रिकी विंग के प्रमुख है। उनकी सहायता के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नै और गुवाहाटी में स्थित निदेशालय और आंचलिक कार्यालय के मुख्य अभियंता और निदेशक होते हैं। योजना, सिस्टम डिज़ाइन, परियोजना कार्यान्वयन, प्रचालन और अनुरक्षण, मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों सहित संपूर्ण अनुरक्षण और तकनीकी गतिविधियों का दायित्व भी प्रमुख अभियंता पर है।

प्रशासन एवं वित्त स्कंध

दूरदर्शन के प्रशासन एवं वित्त स्कंध के प्रमुख अपर महानिदेशक (एडीजी) हैं जो आंतरिक वित्तीय सलाहकार के रूप में भी कार्य करते हैं और ये सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रबंधन, बजट और योजना समन्वय सहित प्रशासन एवं वित्तीय पहलुओं में महानिदेशक की मदद करते हैं। एडीजी की सहायता के लिए उपमहानिदेशक/उप-निदेशक (प्रशासन एवं वित्त) होते हैं।

अध्याय - 2

प्रसार भारती - लोक प्रसारक

लोक प्रसारण का लक्ष्य पारंपरिक, भौगोलिक और सांस्थानिक सीमाओं से आगे सामाजिक आवश्यकतों की पूर्ति करना है। आज प्रसार भारती की पहुंच आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) नेटवक्र के माध्यम से अधिकतम जनसंख्या पर है और यह दुनियां का सबसे बडे भूभागीय नेटवक्र में से एक है। ऐसे देश में जहां उच्च शिक्षा दर है, वहां इस माध्यम से लोगों को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने की बड़ी क्षमता है। प्रसार भारती - आकाशवाणी और दूरदर्शन की सामाजिक जिम्मेदारी नेटवक्र की क्षमता के अनुरूप बड़ी व्यापक है क्योंकि यह देश भर में लोगों तक पहुंचता है। पिछले सालों में आकाशवाणी और दूरदर्शन ने लोक प्रसारक की भूमिका में सही मायनों में अपनी विविध गतिविधियां चलाईं। इस बदलते समय के दौर में हमें अपने उत्तम कार्यों को सहेजना है और शेष की पुनक्रल्पना करनी है। भविष्य सभी के लिए उत्साहवर्धक एवं चुनौतीपूर्ण होगा। डिजिटल युग में प्रवेश करते हुए लोक प्रसारण नई प्रोद्यौगिकी के साथ और विस्तृत और विविध समुदाय को बेहतर सेवा एवं कार्यक्रम प्रदान करने की दौड़ में अग्रणी है। प्रसार भारती द्वारा योजनाबद्ध विकसित एवं संचालित एक राष्ट्रीय सेवा, वर्तमान में लाखों लोगों की जिन्दगी को दिन-प्रतिदिन छूती है और सांस्कृतिक एवं अभिनय कला, सूचना एवं जन कार्य, वृत्त चित्र एवं शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च कोटि के अनुभव प्रदान करती है।

लोक सेवा प्रसारण दिवस पर अखिल भारतीय संगोष्ठि नई दिल्ली

पूरे संसार में लोक सेवा प्रसारक का लक्ष्य है - सभी को उसके घर पर जरूरी सूचना देना। इसकी सीमा अपील, विश्वास, मनोरंजन, अनुदेशात्मक एवं सूचनात्मक सेवा के क्षेत्र तक विस्तृत होनी चाहिए और यह केवल अपने एक स्वामी - जनता की सेवा करे। यह सभी समुदायों की सोच को झंझोडने वाले और उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों व प्रोजेक्टों में व्यस्त रखने की लडाई है। यह ऐसी सूचना एवं विचार को चुनौती है जो सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से समुदाय को विकासित करती है।

प्रसार भारती-नीतिगत पहलें

प्रसार भारती बोर्ड ने वर्ष 2008-09 में छह बैठकें (अर्थात 83वीं से 88वीं तक) आयोजित की जिसमें बहुत से नीतिगत और प्रशासनिक निर्णय लिए गए। ये निर्णय न केवल संगठन की लोक प्रसारण आकांक्षाओं का, अपितु प्रतिस्पर्धी वातावरण और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृष्य से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य को पूरा करते हैं। वर्ष के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय निम्न प्रकार है:-

- 83 वीं बैठक के दौरान बोर्ड ने पाया कि दूरदर्शन समाचार चैनल ने सुधार के संकेत दिए हैं, तथापि इसका स्तर सर्वोत्तम अंतराष्ट्रीय लोक प्रसारण के समकक्ष लाने के लिए अनुभवी एंकरों को किराए पर लिए जाने की आवश्यकता है। उभरती हुई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने बेसिल द्वारा दूरदर्शन समाचार में एंकर-सह-संवाददाता के 34 स्लॉट सृजित करने और उनके निष्पादन

के मूल्यांकन के उपरांत योग्य एंकरों को इन ग्रेडों पर समायोजित करने के लिए अपनी मंजूरी दी।

- विभिन्न लोक सेवा विषयों पर वृत्तचित्र के निर्माण हेतु प्रसार भारती ने एक गैर लाभीय संस्था, लोक सेवा प्रसारण न्यास के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जो कि 31 मार्च 2009 तक वैध है। 84वीं बैठक के दौरान बोर्ड इस अनुबंध की अवधि को निर्माण व्यय पर 75 प्रतिशत बजट से सहायता सहित, वृत्तचित्र/सामाजिक और जन मुद्दों से संबंधित फिल्मों के निर्माण हेतु अगले पाँच सालों तक बढ़ा दिया गया।
- दिल्ली में 3 से 14 अक्तूबर 2010 तक आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत मेज़बान देश है। प्रसार भारती इस खेल कूद की महा गतिविधियों के लिए रेडियो और टी. वी. की मेज़बान प्रसारक है जो कि विश्व भर के लिए विडियो और ओडियो कार्यक्रमों के फीड सिग्नलों के निमार्ण के लिए जिम्मेदार है। यह पहली बार होगा जब राष्ट्रमंडल खेलों का निर्माण और प्रेषण पूर्णतः एचडीटीवी फॉरमेट में होगा। बोर्ड ने अपनी 86 वीं और 87 वीं बैठक में मेज़बान प्रसारक द्वारा इस कार्य की तैयारी की समीक्षा की।
- बोर्ड ने अपनी 85वीं और 88वीं बैठक में काफी समय से रिक्त पड़े महानिदेशक, आकाशवाणी और महानिदेशक, दूरदर्शन के पदों पर भर्ती के लिए उम्मीदवारों का चयन किया।

प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

हिंदी पखवाडा प्रसार भारती सचिवालय

प्रसार भारती सचिवालय का हिंदी अनुभाग राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन में रत है।

हिंदी अनुभाग नियमित रूप से निम्नलिखित कार्य करता है:-

- प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- लेखा परीक्षा रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- संसदीय प्रश्नों का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- लेखा रिपोर्टो का हिंदी रूपांतर करना।
- अन्य रिपोर्टो और रिटर्नो को हिंदी में तैयार करना जब कभी ऐसा काम सौंपा जाए।
- सूचना अधिकार अधिनियम के उत्तर हिंदी में तैयार करना।
- हिंदी की तिमाही, छमाही और वार्षिक प्रगति रिपोर्टें तैयार करना।
- सभी बैठकों की कार्यसूचियों और कार्यवृत्तों का हिंदी अनुवाद करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का नियमित आयोजन और बैठक के कार्यवृत्त का कार्यान्वयन करना।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी पत्राचार का हिंदी अनुवाद जारी करना।

- हिंदी कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करना।
- हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी, हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण दिलवाना।
- हिंदी दिवस/पखवाड़े इत्यादि और हिंदी प्रतियोगिताओं का अयोजन करना।
- संसदीय स्थायी समिति-सूचना प्रौद्योगिकी की प्रश्नावली का हिंदी अनुवाद करना।

रेडियो कश्मीर जम्मू, हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता

- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कम्प्यूटरों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा हेतु यूनीकोड के प्रयोग का सुनिश्चत करना
- आदेशानुसार हिंदी के प्रगामी प्रयोक के लिए अन्य गतिविधियों का आयोजन करना।

इसके अतिरिक्त सचिवालय में एक हिंदी पुस्तकालय भी बनाया गया हैं। इसमें लगभग 350 हिंदी पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त कुछ नियम/संदर्भ पुस्तकें भी रखी गई हैं। इसमें 5 हिंदी/अंग्रेजी के अखबार तथा 3 पत्रिकाएं भी आती हैं/कर्मचारी पुस्तकालय में बैठकर पढ़ने और पुस्तकें जारी कराने जैसी दोनों सुविधाओं को उपयोग करते है।

अध्याय-3

वर्ष 2008-09 पर एक नजर

प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम 1990 की धारा 12 में उल्लिखित उद्देश्यों एवं कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित रखा। वर्ष 2008-09 के दौरान आकाशवाणी एवं दूरदर्शन ने कार्यक्रम एवं तकनीकी क्षेत्रों में सभी मुख्य कार्य निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूरे किए। कार्पोरेशन के लक्ष्यों एवं कार्यकलापों के विशेष संदर्भ में वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों का और की गई पहलों का संक्षिप्त रूप से वर्णन इस प्रकार है।

आकाशवाणी

कार्यक्रम गतिविधियां

1. सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम का नियमित रूप से प्रचार किया गया जिसमें 12 विषयों को कवर किया गया। जैसेः 1. सर्व शिक्षा अभियान 2. मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) स्कीम 3. राजीव गांधी पेय जल मिशन 4. पूर्ण स्वस्थता अभियान 5. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन 6. एकीकृत बाल विकास सेवा 7. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी स्कीम 8. जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीयशहरी नवीनीकरण मिशन 9. अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकार पहचान) अधिनियम, 2006 का कार्यान्वयन 10. अल्पसंख्यक कल्याण संबंधी कार्यक्रम 11. असंगठित क्षेत्रों में कामगारों संबंधी-कार्यक्रम 12. पुनर्वास नीति एवं कानून।

2. राष्ट्रीय न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर निम्नलिखित बल देने वाले क्षेत्रों के प्रत्येक क्षेत्र में नियमित रूप से प्रचार किया गया, अर्थात 1. रोजगार अवसर 2. कृषि संवृद्धि 3. शिक्षा 4. स्वास्थ्य 5. महिला और बाल विकास 6. खाद्य और पोषाहार 7. पंचायती राज 8. अनुसूचित जाति और जनजाति 9. अल्पसंख्यकों की सामाजिक एकता और कल्याण 10. उद्योग 11. आधार संरचना विकास (बुनियादी) 12. जम्मू एवं कश्मीर, उत्तर-पूर्वी और सीमावर्ती राज्यों का विकास। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा तैयार रोजगार गांरटी स्कीम जैसी स्कीमों का प्रचार किया गया।

3. यूनेस्को द्वारा वर्ष 2008 को भू-ग्रह वर्ष घोषित किया गया। इस अवसर के अनुरूप प्रसार भारती ने विज्ञान प्रसार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसके अनुसार धारावाहिक 'धरती मेरी धरती' के 52 विज्ञान सीरियलों का देश भर में फैले 117 केन्द्रों से 19 भाषाओं में जनवरी से दिसम्बर, 2008 तक प्रसारण किया जाएगा।

4. अंग्रेजी में सरदार पटेल व्याख्यानमाला का आयोजन 13 अक्तूबर, 2008 को नई दिल्ली में किया गया। डॉ. राजेन्द्र के. पचौरी, प्रसिद्ध पर्यावरण विशेषज्ञ ने 'इनलाइटिड गवर्नेंस फार सस्टेनेबल डवलप्मेंट' विषय पर व्याख्यान दिया। इसकी रिकार्डिंग का प्रसारण नैशनल हुक-अप पर सरदार पटेल की वर्षगांठ के अवसर पर 31 अक्तूबर, 2008 को किया गया।

5. हिन्दी में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन 22 नवम्बर, 2008 को कोलकाता में किया गया। सुप्रसिद्ध कवि डॉ. केदारनाथ सिंह ने 'भारतीय साहित्य क्या है- विशेषतः आज की कविता के संदर्भ में' विषय पर व्याख्यान दिया। इसकी रिकार्डिंग का प्रसारण नेशनल हुक-अप पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म की वर्षगांठ के अवसर पर 31 दिसम्बर, 2008 को किया गया।

6. सर्वभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन 16 जनवरी, 2009 को भुवनेश्वर में किया गया जिसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं के सुप्रसिद्ध कवियों ने भाग लिया।

7. विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों और संस्थापनाओं में कार्यरत स्टाफ में से सर्वोत्कृष्ट को तकनीकी उत्कृष्टता के लिए कार्यक्रम की विभिन्न श्रेणियों में प्रतिवर्ष आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार दिए जाते हैं। आकाशवाणी हर वर्ष कार्यक्रम आधारित लोक सेवा प्रसारणों और गांधी विचारधारा पर बने कार्यक्रमों को पुरस्कृत करती है। ये पुरस्कार हर वर्ष 12 नवम्बर, 1947 को महात्मा गांधी जी के आकाशवाणी स्टुडियो में प्रथम बार पदार्पण की यादगार में दिए जाते हैं। वर्ष 2007 के लिए इन पुरस्कारों का वितरण समारोह फरवरी, 2009 को लखनऊ में हुआ था।

कवरेज

- दिनांक 08.04.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में हुए 'भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 10.04.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से ''द इंडियाज़ ग्लोबल एग्रो इण्डस्ट्रीज फोरम शिखर सम्मेलन 2008'' पर प्रधान मंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह के उद्बोधन का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 10.04.2008 को बुराडी ग्राउंड, दिल्ली से जिला परिषद और मध्यस्थ पंचायत के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के उद्बोधन का सीधा प्रसारण।
- जिला परिषद और मध्यस्थ पंचायतों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 17.05.2008 को नेशनल असेम्बली आफ भूटान के संयुक्त सत्र में प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा दिए गए भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण।
- प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह का दिनांक 04.06.2008 को राष्ट्र के नाम संदेश (पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के संदर्भ में।)
- दिनांक 11.06.2008 को राष्ट्रपति भवन में हुए बालश्री पुरस्कार समारोह की रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 27.06.2008 को फील्ड मार्शल एस.एच.एफ.जे. मानिकशाह की याद में श्रद्धांजलि देने का विशेष कार्यक्रम।
- दिनांक 02.07.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा उत्तर पूर्वी क्षेत्र दृष्टिकोण-2020 दस्तावेज़ के रिलीज़ के समारोह का सीधा रिले।
- दिनांक 22.07.2008 को संसद भवन से लोक सभा मंत्री परिषद के विश्वास मत की कार्यवाही का सीधा प्रसारण
- दिनांक 31.07.2008 को विज्ञान विकास एवं मीडिया केन्द्र द्वारा आयोजित 'ई-इंडिया 2008' की समापन सत्र रिपोर्ट।

- दिनांक 02.08.2008 को कोलम्बो, श्रीलंका में हुए 15वें साक्र सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा दिए गए भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण।

- स्वतंत्रता दिवस 2008 के अवसर पर निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए:-

  (**i**) 14.08.2008 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल का राष्ट्र के नाम संदेश अंग्रेजी व हिन्दी में प्रसारित किया गया। संबंधित आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसके रूपान्तर का प्रसारण किया गया।

  (**ii**) राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह का आंखों देखा हाल हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रसारित किया गया और प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह द्वारा लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम संदेश का सीधा प्रसारण किया गया।

  (**iii**) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की रेडियो रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

- प्रो. हीरेन मुखर्जी स्मारक उद्घाटन समारोह के अवसर पर नोबल पुरस्कार विजेता प्रो.अमर्त्य सेन द्वारा 'सामाजिक न्याय की मांग' पर दिए गए संसदीय व्याख्यान का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 15.08.2008 को संसद भवन से माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल द्वारा शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 24.08.2008 को मथुरा से श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आंखों देखा हाल।

- दिनांक 01.09.2008 को 54वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का उद्घाटन।

- दिनांक 02.09.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से 54वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 04.09.2008 को संसद भवन सौध से ''संसदीय लोकतंत्र का सुदृढ़ीकरण'' विषय पर गोल मेज विचार-विमर्श **(Round table discussion)** का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 05.09.2008 को विज्ञान भवन में अध्यापकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करने का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 08.09.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 08.09.2008 को विज्ञान भवन में हुए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह की रेडियो रिपोर्ट।

- दिनांक 13.09.2008 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शिवराज पाटिल के संदेश का प्रसारण।

- दिनांक 27.09.2008 को न्यूयाक्र, अमेरीका में संयुक्त राष्ट्र जनरल एसेम्बली में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा दिए गए सम्बोधन की रिकार्डिंग।

- दिनांक 22.10.2008 को सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र, श्रीहरिकोटा से चन्द्रयान-। को अंतरिक्ष में छोड़े जाने का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 24.10.2008 को ''गुरू मानयो ग्रंथ'' (1708 से 2008 तक गुरू ता गद्दी के 300वें साल के चयनितशब्द) के सात भागों में डी वी डी केशुभारंभ के समारोह के आंखों देखे हाल की कवरेज।
- दिनांक 30.10.2008 श्री गुरू ग्रन्थ साहिब के गुरू ता गद्दी दिवस के 300वें साल मनाने के संबंध मे नांदेड में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दौरे की रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 31.10.2008 को श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि से संबंधित विभिन्न आयोजनों की रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 01.11.2008 को संसद भवन एनेक्सी से ''संसदीय लोकतंत्र का सुदृढ़ीकरण'' विषय पर दूसरे गोलमेज विचार विमर्श का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 01.11.2008 को नई दिल्ली दौरे के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री बन की मून द्वारा सम्बोधन और समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।
- 05.11.2008 को केन्द्रीय सूचना आयोग के तीसरे सम्मेलन पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 13.11.2008 को प्रगति मैदान, दिल्ली में 28वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के उद्घाटन का प्रसारण।
- दिनांक 13.11.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के उद्बोधन की रिकार्डिंग।
- दिनांक 18.11.2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से स्वच्छता से संबंधित दक्षिण एशियाई सम्मेलन के उद्घाटन समारोह का सीधा रिले।
- दिनांक 22.11.2008 को पणजी, गोवा में 39वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 25.11.2008 को '**कानून दिवस**' के अवसर पर भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश के संदेश का प्रसारण ।
- दिनांक 29.11.2008 को इलाहाबाद से भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की अन्त्येष्टि का आंखो देखा हाल।
- दिनांक 29.11.2008 को प्रधान मंत्री, डा. मनमोहन सिंह का राष्ट्र के नाम संदेश (मुम्बई में आतंकवादी हमले के संदर्भ में)
- दिनांक 02.12.2008 को पणजी, गोवा में हुए अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म समारोह के समापन समारोह का सीधा प्रसारण ।

- दिनांक 03.12.2008 को भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा "अन्तर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस" के अवसर पर सशक्त विकलांग व्यक्तियों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करने संबंधी समारोह का विज्ञान भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
- दिनांक 08.12.2008 को पुणे में हुए निर्मल ग्राम पुरस्कार समारोह का सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 13.12.2001 को संसद पर आतंकवादी हमले के दौरान मारे गए शहीदों को पुष्पांजलि समर्पण समारोह का 13.12.2008 को संसद भवन से सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 14.12.2008 को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह का सीधा प्रसारण।

राज्य विधान सभा चुनाव

भारतीय चुनाव आयोग के मार्गदर्शन के अनुसार कर्नाटक (मई, 2008) और दिल्ली, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिज़ोरम, राजस्थान और जम्मू और कश्मीर (नवम्बर-दिसम्बर,2008) की राज्य विधान सभा चुनावों के लिए राजनैतिक पार्टियों के प्रसारकों का गठन किया गया । दिनांक 25.05.2008 को कर्नाटक राज्य विधान सभा चुनावों के परिणामों पर विशेष संयुक्त कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया । इसी प्रकार का कार्यक्रम दिल्ली, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ राजस्थान और मिजोरम की राज्य विधान सभा चुनावों के लिए भी हुआ और 08.12.2008 को सीधा प्रसारण किया गया । जम्मू और कश्मीर राज्य विधान सभा चुनावों के ऐसे ही अन्य कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण 28.12.2008 को किया गया।

जनवरी से मार्च 2009 तक विशेष कार्यक्रम/कवरेज

1. वित मंत्री के बजट भाषण 2008-2009 में किसानों के लिए घोषित कृषि ऋण माफी और कृषि राहत स्कीम, 2008 का प्रचार ।
2. 7 से 9 जनवरी, 2009 तक चेन्नै में हुए प्रवासी भारतीय दिवस, 2009 की कवरेज । (उद्घाटन सत्र, विदाई सत्र)
3. 15 जनवरी, 2009 को तिरूवय्यूर त्यागराज संगीत समारोह का सीधा प्रसारण ।
4. आवास और शहरी गरीबी निवारण मंत्रालय की एकीकृत निम्न लागत स्वच्छता स्कीम का व्यापक प्रचार ।
5. दिनांक 23.01.2009 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जन्म वर्षगांठ पर रेडियो रिपोर्ट ।
6. दिनांक 25.01.2009 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा सिंह पाटिल का राष्ट्र के नाम संदेश।
7. आकाशवाणी द्वारा 25 जनवरी, 2009 को आयोजित सर्वभाषा कवि सम्मेलन की रिकार्डिंग का प्रसारण।

8. 26 जनवरी, 2009 को गणतंत्र दिवस परेड और सांस्कृतिक शोभा यात्रा का राजपथ से सीधा रिले/प्रसारण।

9. एकता स्थल, नई दिल्ली से भूतपूर्व स्वर्गीय राष्ट्रपति श्री आर0 वेंकटरामन का अन्तिम संस्कार तथा 27,28 और 29 जनवरी, 2009 को उनकी याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण।

10. भारतीय गणतंत्र का 60वां वर्ष ।

11. दिनांक 30.01.2009 को महात्मा गांधी के 61वें शहीदी दिवस समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।

12. 24 जनवरी, 2009 को राष्ट्रीय बालिका दिवस।

13. सुप्रसिद्ध हिन्दी कवि स्वर्गीय श्री सुदीप बैनर्जी (11.02.09) की याद में श्रद्धाजंलि कार्यक्रम।

14. संसद के संयुक्त सत्र(12.2.209), अंतरिम रेल बजट(13.2.09) और अंतरिम आम बजट (16.2.09) पर राष्ट्रपति के सम्बोधन का सीधा प्रसारण ।

15. संसद भवन में छत्रपति साहु जी महाराज की प्रतिमा के अनावरण समारोह का सीधा प्रसारण।

16. दिनांक 28 फरवरी, 2009 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की रिपोर्ट ।

17. लखनऊ (28.02.09) में आयोजित आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार समारोह की रिपोर्ट ।

18. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल स्थापना दिवस की रिपोर्ट ।

19. मौसम दिवस ।

20. 12-18 फरवरी, 2009 राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस विषय 'उत्पादकता द्वारा समृद्धि'।

21. राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, 4 मार्च, 2009

22. फोन इन प्रोग्राम का सीधा प्रसारण । कवर किए गए विषय-सूचना का अधिकार अधिनियम (19.01.09), महिलाओं के अधिकार (02.03.09), उपभोक्ता अधिकार (09.03.09)

23. 1 मार्च, 2009 अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस का प्रसारण । इस वर्ष का विषय 'यूनाइट फार चिल्ड्रन - टयून इन टू किड्स।

24. आई.एम.पी.सी.सी. मूल्य वृद्धि आदि की महत्वपूर्ण समिति ।

25. विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों से संबंधित विशेष कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना, सम्पक्र एवं रिपोर्ट ।

28. आम आदमी बीमा योजना-मीडिया कार्यनीति ।

29. सामाजिक कुरीतियों से लड़ना और लिंग समानता के लिए सरकारी कार्यक्रमों के समन्वय और कन्वर्जेन्स के विषय पर सिफारिश देने के लिए कार्यदल का प्रचार ।

30. "भारत में है विश्वास" (विकासात्मक गतिविधियॉं)

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कल्याण और विकास

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उत्थान के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयत्न, कानूनी अधिकार, संवैधानिक अधिकार और सरकार की विभिन्न स्कीमों का व्यापक प्रचार किया जा रहा है।

1 जनवरी, 2009 से 31 मार्च, 2009 तक की अवधि में महत्वपूर्ण त्यौहार, वर्षगांठ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय घटनाओं आदि का संक्षिप्त विवरण

नववर्ष दिवस, पशु कल्याण पाक्षिकी, सैनिक दिवस, गणतंत्र दिवस, समापन समारोह, शहीदी दिवस, तेल सरंक्षण दिवस, अंध कल्याण सप्ताह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह, राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, विश्व वन दिवस, विश्व मौसम दिवस, विश्व थिएटर दिवस, जन्म वर्षगांठ, गुरू गोबिन्द सिंह और गुरू रवि दास, महात्मा गांधी और मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की पुण्य तिथि।

त्यौहारः लोहड़ी, मकर संक्रांति/पोंगल, बसंत पंचमी, मुहरम, महा शिवरात्रि, होली।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल का राष्ट्र के नाम संदेश, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सर्व भाषा कवि सम्मेलन 2009

गणतंत्र दिवस-2009 के अवसर पर सलामी मंच, राजपथ से परेड और सांस्कृतिक झलकियों का सीधा रिले।

बजट सत्र (रेल बजट और केन्द्रीय बजट का सीधा रिले)

खेल घटनाएं

विज्ञान धारावाहिक- सितारों से आगे- अंतर्राष्ट्रीय गणित ज्योतिष वर्ष के स्मरण में जनवरी, 2009 से गणित ज्योतिष सीरियल का 54वां एपीसोड

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

आकाशवाणी महानिदेशालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक आकाशवाणी से संबंधित विभिन्न विदेशी गतिविधियां चलाने, समन्वित करने/वादों को निभाने में काफी सक्रिय रहा।

इस अवधि के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक विदेश में हुई अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं में आकाशवाणी/प्रसार भारती के अधिकतर कर्मियों की सहभागिता और समन्वय करने मे संलग्न रहा।

1) श्रीमती मेधा कुलकर्णी, कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, मुंबई ने 10-12 मार्च, 2008 से क्वालालम्पुर, मलेशिया में आयोजित सांस्कृतिक विविधता और प्रवसन रेडियो सह प्रस्तुति से संबंधित ए आई बी डी/आर सी आई क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

(2) श्री बलजीत सिंह लाली, आकाशवाणी महानिदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती ने राष्ट्रीय प्रसारक संघ-2008, में 'इलैक्ट्रानिक मीडियाशो' और इसके संबद्ध सम्मेलन में 14 से 17 अप्रैल, 2008 तक लॉस वेगास, अमरीका में भाग लिया।

(3) इस्फाहन, ईरान में 18 से 22 मई, 2008 में आयोजित नौवें ईरान अंतर्राष्ट्रीय रेडियो समारोह में आकशवाणी के दो प्रोड्यूसरों - सुश्री मीनू खरे, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, लखनऊ, श्री पी. एल. दास, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी सम्बलपुर ने भाग लिया।

(4) 'साइन्स रिपोर्टिंग एण्ड प्रोग्रामिंग' की श्रेणी में प्रथम स्थान पर आए केमिती राखिवा बूंदे पानी (द ड्राप देट काऊंट्स) नामक कार्यक्रम का पुरस्कार पाने के लिए फरवरी, 2008 में नसाउ बाहमास में सी बी ए आम सभा के दौरान पुरस्कार समारोह में आकाशवाणी, संबलपुर के कार्यक्रम निष्पादक श्री पदमलोचन दास ने सहभागिता की।

(5) आकाशवाणी के विदेश प्रसारण सेवा के तीन विदेशी भाषा विशेषज्ञों ने संबंधित विदेशों का दौरा किया जहां विदेशी भाषा में वे प्रसारण करते हैं। विदेशी भाषा में प्रसारण के स्तर में सुधार लाने के प्रयोजन हेतु विदेशी भाषा से भली भांति परिचित होने के लिए उन्होंने संबंधित विदेशों का दौरा किया।

(6) विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, तिरूवनन्तपुरम के कार्यक्रम निष्पादक श्री शिवकुमार विशम्भरन नायर ने 3 से 14 नवंबर, 2008 तक रेडियो नीदरलैण्ड प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा हनोई, वियतनाम में आयोजित 'बच्चों, युवकों और महिलाओं के विकास मेंशैक्षिक मीडिया का उपयोग' संबंधी पुनश्चर्या कार्यक्रम में सहभागिता दी।

(7) श्री बलजीत सिंह, लाली, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने 22 नवंबर से 25 नवंबर तक बाली, इण्डोनेशिया में आयोजित आम बैठकों तथा संबद्ध बैठकों में सहभागिता दी।

सह-प्रोडक्शन

आकाशवाणी ने विश्व के अन्य प्रसारण संगठनों से अच्छे संबंध स्थापित करना जारी रखा। आकाशवाणी दिल्ली और डयूश वेले रेडियो जर्मनी ने अक्तूबर, 2008 में संयुक्त रूप से एक रेडियो सह प्रोडक्शन नवीकरणीय ऊर्जा- एक अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला तैयार की जिसमें एक डयूश वेले प्रस्तुतकर्ता और एक आकाशवाणी प्रस्तुतकर्ता ने भाग लिया और भारत में प्रोत्साहित किए जा रहे ऊर्जा बचत के वैकल्पिक स्रोतों और विभिन्न तकनीकों पर एक वृत्तचित्र तैयार किया।

गैर-खेल आयोजनों का आँखो देखा हाल बयान करने का प्रदर्शन (क्षे प्रं. संस्थान अहमदाबाद)

- दिनांक 21 जून, 2008 (ग्रीष्म विज्ञान दिवस) को 'ग्लोबल वार्मिंग एवं क्लाइमेट चेंजिंग' जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर रेडियो के माध्यम से जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विशेष अभियान द्वारा ए बी यू में अनेक केन्द्रों ने भाग लिया।

- भारत सरकार और विभिन्न देशों के बीच हस्ताक्षरित सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम करार के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक विभिन्न देशों के प्रसारण संगठनों के साथ रेडियो कार्यक्रमों के बीच ताल-मेल रखता है। इस समय भारत सरकार का रेडियो प्रसारण संबंधित सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम करार 41 देशों के साथ जीवंत है। बुलगारिया राष्ट्रीय और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बुलगेरिया संगीत कार्यक्रमों का आकाशवाणी, दिल्ली से किए गए प्रसारण को सराहा गया।

- द्विपक्षीय सहयोगः आकाशवाणी/प्रसार भारती के साथ बेहतर सहयोग के अच्छे अवसर प्राप्त करने के लिए बहुत से शिष्टमण्डलों ने आकाशवाणी का दौरा किया। अन्य देशों के कई संगठनों ने भी आकाशवाणी के प्रसारण बिन्दुओं को अपने नेटवक्र पर प्रयोग करने में रूचि दिखाई।

- आकाशवाणी ने रेडियो टेलीविजन हांगकांग (आर टी एच टी)-रेडियो-4 'म्यूजिक बीयोंड बार्डरस' नामक आकाशवाणी कार्यक्रम में भाग लिया। रेडियो टेलीविजन हांगकांग ने सितंबर महीना 'संघ ऑफ इंडिया' के नाम कर दिया है। हांगकांग में भारतीय कनसुलेट के माध्यम से कार्यक्रम के लिए अपनी धनी धरोहर से कई किस्म का संगीत देने में आकाशवाणी ने योगदान दिया है।

- अंतर्राष्ट्रीय रेडियो प्रतियोगिता में भाग लेना : अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक ने विदेशों में हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडियो प्रतियोगिताओं में आकाशवाणी प्रोडक्शन में भाग लेने के लिए सतत् प्रयास किए है और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बेहतर कार्यक्रम को तैयार करने में आकाशवाणी के प्रोड्यूसरों द्वारा उनके कठिन परिश्रम और प्रयत्नों का हवाला दिया है। विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों से रेडियो प्रविष्टियां मंगवाई गई और निदेशालय में इनकी जांच की गई तथा बेहतर कार्यक्रम चुनकर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता ए.आई.बी.डी. पुरस्कार, 2008, ए बी यू पुरस्कार 2008, सी.बी.ए. पुरस्कार, 2009, अंतर्राष्टीय ग्रां प्री रेडियो प्रतियोगिता (यू आर टी आई, 2008), ईरान का नवां अंतर्राष्ट्रीय रेडियो महोत्सव, प्रिक्स ईटालिया 2008 और टरकोइज 2008 में प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां भेजी।

अंतर्राष्ट्रीय रेडियो प्रतियोगिता, 2008 में जीते गए पुरस्कार

आकाशवाणी कटक की हीरक जंयती

- आकाशवाणी सम्बलपुर के कार्यक्रम निष्पादक श्री पद्मलोचन दास द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम ने - 'जानिबा आमे कामा करिवा' (थिंक ग्लोबली एक्ट लोकली) 17 से 23 मई, 2008 तक ईरान में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय रेडियो महोत्सव में बाल कार्यक्रमों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार के रूप में 2000 यूरों का नकद इनाम, एक ट्राफी और एक प्लाक के अलावा विजेता के लिए ईरान में आयोजित समारोह में निःशुल्क प्रतिभागिताशामिल है।

- श्री पद्मलोचन दास सी बी ए- यूनेस्को पुरस्कार के लिए तैयार 'साइन रिपोर्टिंग' और उड़िया रेडियो कार्यक्रम 'कोमती राखिबा बूंदे पानी' (एक बूंद की कीमत) को भी पुस्कार दिया गया। श्री दास को सी बी ए द्वारा फरवरी, 2008 में नास्सू, बाहामास में इसके आम सम्मेलन में पुरस्कार वितरण समारोह मे भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

- श्री बीजू मैथ्यू, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी देवीकुलम ने ए.बी.यू.-एम.ए.ई. परियोजना पुरस्कार प्राप्त किया। इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय टेलीविजन और रेडियो के लिए तैयार एच आई वी/एड्स से संबंधित कार्यक्रम एशिया महासागर के लिए 1000 अमरीकी डॉलर के छोटे पुरस्कार देना है ताकि संबंधित मामलों पर कार्यक्रम बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

- आकाशवाणी सम्बलपुर के डॉ. ऋषिकेश पण्डा द्वारा निर्मित 'अवरहोम दि प्लेनट अर्थ (ई पृथ्वी अमा नीडा) नामक प्रविष्टि को ए.वी.यू. 2008 प्रतियोगिता में 'रेडियो सराहनीय प्रमाण पत्र मिला।

- आकाशवाणी करनूल की टीम को जिसमें एन सुधाकारा रेड्डी, निर्माता और डॉ.के.विजया (सह निर्माता) और श्री के रमनजनेयुलू (तकनीकी सहायक) को 2009 सी.बी.ए. पुरस्कारों के लिए उनकी प्रविष्टि 'फेवर बीगेट्स फोरच्यून' के लिए साइन्स रिपोर्टिंग सी.बी.ए. यूनेस्को पुरस्कार प्राप्त हुआ। विजेता कार्यक्रम एक लेख है कि कैसे रसायन कीटनाशकों के इस्तेमाल बिना बेहतर उत्पादन किया जा सकता है।
- आकाशवाणी द्वारा राष्ट्रमंडल लघु कहानी प्रतियोगिता, 2008 का व्यापक प्रचार किया गया जिससे पांचशौकीन भारतीय लेखकों को प्रतिष्ठित राष्ट्रमंडल लघु कहानी पुरस्कार 2008 प्राप्त करने में मदद मिली!
- उपर्युक्त उपलब्धियों के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय सबंध एकक ने सुनिश्चित किया कि समयबद्ध सभी कार्य, पत्राचार, निवेश या विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संबंध से संबंधित विभिन्न मामलों पर मांगी गई टिप्पणियां अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आवश्यकता के अनुसार समय पर निपटाई जाए।

अभियंत्रिकी गतिविधियां

बी ई एस एक्सपो-2009

- लेह (जम्मू और कश्मीर) में एफ एम ट्रांसमीटर शुरू किया गया।
- नजीबाबाद में विद्यमान 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के बदले स्टेट आफ-दि-आर्ट (अति आधुनिक) युक्त 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर लगाया गया।
- सीमा पर कवरेज बढ़ानें के लिए जम्मू और कश्मीर के विशेष पैकेज के रूप में कारगिल क्षेत्र में पदुम पर 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर सहित नया केंद्र शुरू किया गया।
- लेह, वाराणसी, रोहतक और औरंगाबाद में डिजिटल केप्टिव भू केन्द्रशुरू किए गए। देहरादून और सिलचर में नए अपलिंक केन्द्र कार्यान्वयनाधीन है।
- प्रसार भारती के क्यू बैंड द्वारा डी टी एच सेवा।
- प्रसार भारती (डी डी एच) के क्यू बैंड डी टी एच प्लेटफार्म द्वारा रेडियो कश्मीर सहित 21 रेडियो चैनलों को अब पूरे देशभर को उपलब्ध कराया गया है जिससे पूरे देश के श्रोताओं को फायदा हुआ है।

आकाशवाणी समाचार - फोन पर समाचार

'आकाशवाणी समाचार फोन पर भी उपलब्ध है। श्रोता अब दुनिया की किसी भी जगह पर किसी भी समय एक विशेष टेलीफोन नम्बर मिलाकर अंग्रेजी और हिन्दी में अद्यतन मुख्य समाचार सुन सकते है। आकाशवाणी 'न्यूज ऑन फोन सर्विस' अब 14 स्थानों पर उपलब्ध है जैसे - दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, पटना, हैदराबाद, अहमदाबाद, जयपुर, बंगलौर, तिरूवंतपुरम, इम्फाल, लखनऊ, रायपुर, गुवाहाटी और शिमला।

नई पहलें

डिजिटलीकरण : आकाशवाणी अब विद्यमान नेटवक्र के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण पर बल दे

रही है। कार्यक्रम तैयार करने संबंधी सुविधाओं का डिजिटलीकरण, अपलिंक और डाउनलिंक सुविधाओं का विकास हो रहा है ताकि तैयार विषय के लिए बेहतर क्वालिटी कनवर्जेन्स सुनिश्चित की जा सके जिससे इन्टरएक्टिव रेडियो को भी समर्थन मिल सके।

कंप्यूटर हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग, संपादन और पार्श्व प्रणाली की व्यवस्था पहले ही से 76 आकाशवाणी केन्द्रों में कर दी गई है और 61 केन्द्रों में यह कार्यान्वयनाधीन है। हार्ड डिस्क आधारित सिस्टम आकाशवाणी के 48 मुख्य केन्द्रों में प्रगति पर है। वक्रस्टेशन पूर्ति और निपटान महानिदेशालय को पहले ही 564 वक्रस्टेशनों के लिए सिस्टमों का अनुरोध किया जा चुका है और सिस्टम डिलीवर कर दिए जाने की संभावना है तथा इन केन्द्रों में नेटवक्र शीघ्र हीशुरू कर दिए जाएंगे। ध्वनि कार्ड और सर्वर जैसी अन्य मदों की खरीद कार्यान्वयन के विभिन्न स्तरों में है और पूर्ण स्कीम वर्ष 2008 तक कार्य रूप में तैयार हो जाएगी।

डाउनलिंक सुविधाओं का चरणों में डिजिटलीकरण किया जा रहा है। 2007-08 के दौरान इस सुविधा की व्यवस्था 115 केन्द्रों में की जा चुकी है। अन्य केन्द्रों के लिए खरीद प्रक्रियाधीन है।

जम्मू और कश्मीर का विशेष पैकेज फेज़-2 विद्यमान आकाशवाणी केन्द्रों और एफ एम ट्रांसमीटरों के लिए अतिरिक्त डीजल जेनरेटरों की व्यवस्था जम्मू और कश्मीर के विशेष पैकेज फेज-2 के अंतर्गत की जा रही है ताकि केप्टिव बिजली पूर्ति को और मजबूत बनाया जा सके। बिजली फेल होने के मामले में और आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रसारण सेवा जारी रखी जा सके।

उत्तर-पूर्व का पैकेज - फेस 2

सिक्किम और द्वीप समूह क्षेत्रों सहित उत्तर पूर्व क्षेत्र में आकाशवाणी सेट-अप के सुधार और विस्तार के लिए विशेष पैकेज- फेज 2 कार्यान्वयनाधीन है। इस पैकेज में ये भीशामिल है।

1 किलोवाट एफ एम स्टेशन- संख्या 19

1.	अरूणाचल प्रदेश - दापोरिजो, अनिनी, बम्डिला, चॉगलॉग, खोंसा
2.	असम - करीमगंज, लुमडिंग, गोईपारा
3.	मणिपुर - उखरूल, तमेंगलाँग
4.	मेघालय - दावकी की जगह चैरापूंजी
5.	मिजोरम - तुईपांग, चैम्फई, कोलासिब
6.	नागालैंड - ओखा, जुन्होभुटो, फेक
7.	त्रिपुरा - उदयपुर, नूतन बाजार

1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटरों वाले एफ एम केन्द्रों में से 19 एफ एम केन्द्रों के लिए बोमडिला, चॉगलॉग, खोंसा, दापोरिजो, गोलपाडा, चैम्फई, तुईपांग, नूतन बाजार, उदयपुर और तमंगलांग जैसे 10 स्थानों पर जगह ले ली गई है। कोलासिब, करीमगंज और फेक जैसे स्थान शीघ्र ही राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे है।

उदयपुर और नूतन बाजार में चारदीवारी/सुरक्षा के लिए बाड़ लगाने संबंधी निर्माण कार्य प्रगति पर है। चम्फई, तुईपांग, गोलपाड़ा, खोंसा, बोमदिला, दापोरिजो और चॉगलॉग के जैसे स्थलों को अधिगृहण करने का कार्य कार्यान्वयनाधीन है।

एशिया की सबसे बड़ी शार्टवेव टावर

लुमडिंग के लिए स्थलग्रहण के संबंधित मांग पत्र प्रक्रियाधीन है। ऊखरूल के लिए मांग पत्र राज्य सरकार द्वारा अभी दिया जाना है।

चैरापूंजी (दावकी के स्थान पर) अनिनी, ओखा और जूनोभुटो स्थानों की पहचान की जानी है।

1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटरों की खरीद के लिए आर्डर दे दिए गए है। एलसी खोला गया है और ट्रांसमीटर दिसंबर, 2008 तक प्राप्त हो जाने की संभावना है।

(ii) सिलचर में 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर और गंगतोक में 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर सिविल निर्माण कार्य प्रगति पर है और एफ एम ट्रांसमीटर खरीदे जा रहे है।

(iii) 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम रिले केन्द्र स्थानों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। 15 स्थानों पर संस्थापना पूरी कर ली गई है और अन्य स्थानों पर चालू वित्त वर्ष के दौरान पूरा हो जाने की उम्मीद है।

(iv) चिनसुरा- 1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर - आर्डर दे दिया है।

(v) कावारती - 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर - ट्रांसमीटर खरीदने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(vi) डिजिटल उपग्रह समाचार एकत्रीकरण प्रणाली/एम एस एस ट्रमिनल - उपस्कर की खरीदने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(vii) फेज-2 का कार्यान्वयन वर्ष 2009-10 तक लगभग पूरा कर लिया जाएगा।

आकाशवाणी केन्द्रों व कार्यालयों के कंप्यूटरीकरण का कार्य प्रगति पर है, ताकि ऑनलाइन सूचना के आदान-प्रदान में सुविधा हो और कार्य कुशलता में सुधार आए।

रिकार्डिंग, डबिंग, संपादन और पार्श्व सुविधा आदि के लिए कंप्यूटरीकृत हार्ड डिस्क आधारित वक्र स्टेशनों सहित डिजिटल उपकरणों वाले स्टूडियो आकाशवाणी लेह, मैसूर, जयपुर और त्वांग आदि में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

'आकाशवाणी संसाधनों' की गतिविधियां

प्रसारण के क्षेत्र में परामर्श एवं महत्वपूर्ण उपाय उपलब्ध कराने के लिए आकाशवाणी ने अपनी कमाई करने के लिए एक आकाशवाणी संसाधन की शुरूआत की है। इसकी वर्तमान गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है:-

- इग्नू को देश में 40 स्थानों पर अपने ज्ञानवाणी केन्द्र हेतु एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित करने के लिए आकाशवाणी संसाधन ने महत्वपूर्ण उपाय उपलब्ध कराए हैं। ज्ञानवाणी केन्द्रों को आधारभूत संरचना जैसे- भूमि, भवन एवं टावर पट्टे पर दिए गए हैं।
- 26 ज्ञानवाणी केन्द्र पहले ही प्रचलन में है। अभी तक आरंभ हुए सभी ज्ञानवाणी केन्द्रों के प्रचालन एवं रखरखाव का भार भी आकाशवाणी ने उठाया है।

- सूचना और प्रसारण मंत्रालय की फेस-1 स्कीम के एक भाग के रूप में बुनियादी सुविधाओं जैसे भूमि, भवन एवं टावर 10 एफ एम चैनलों के लिए 4 शहरों में निजी प्रसारकों को किराए/लाइसेंसशुल्क पर दे दी गई है। प्रस्तावित स्कीम के फेज-।। के अंतर्गत 87 शहरों में 245 एफ एम चैनलों को इन बुनियादी सुविधाओं के साझे उपयोग के करार पर सभी निजी प्रसारकों के हस्ताक्षर हो चुके है। छः शहरों में अर्थात दिल्ली, कोलकाता, बंगलौर, चैन्नईं, हैदराबाद और जयपुर में अन्तरिम सेटअप की स्थापना के लिए करार पर निजी प्रसारकों के हस्ताक्षर हो चुके हैं। बुनियादी सुविधाएं मोबाइल सर्विस आपरेटरों को किराए पर भी दी गई है।
- आकाशवाणी संसाधन ने वर्ष 2008-09 के दौरान लगभग 47.97 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया।

अनुसंधान और विकास

आकाशवाणी और दूरदर्शन प्रसारण में नवोन्मेष प्रौद्योगिकी सम्मिलित करने के लिए अनुसंधान विभाग अनुसंधान एवं विकास कार्य में व्यस्त है। यह प्रीमियर राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान है जो अभियांत्रिकी प्रसारण में लगा है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां शुरू की गईः-

1 अप्रैल, 08 से मार्च 09 तक की अवधि के दौरान उपलब्धियाँ

(i) मीडियम वेव ट्रांसमीटरों के लिए टेलीमैट्री प्रणालीः-

अनुसंधान विभाग ने मीडियम वेव (एम डब्ल्यू) ट्रांसमीटरों के लिए दूरदराज निगरानी और नियंत्रण प्रणाली (टेली मैट्री) विकसित की है। अनुसंधान और विकास द्वारा प्रणाली के हार्डवेयर और सोफ्टवेयर दोनों ही के लिए विकसित आकाशवाणी रोहतक के 20 किलोवाट हैरिस ट्रांसमीटर पर पहले ही परीक्षण किया जा चुका है। आकाशवाणी कोटा मे 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के लिए टेलीमेट्री प्रणाली के संस्थापन का कार्य पूरा हो गया है।

(ii) एफ एम एंटीना -

20 किलोवाट से 40 किलोवाट शक्ति क्षमता के हाई पावर एफ एम प्रसारण एंटीना का विकास कार्य शुरू हो गया है।

(iii) प्रचार अध्ययन और जांच

निम्नलिखित जांच की गई-

मीडियम वेव, शार्ट वेव और एफएम बैण्ड में आकाशवाणी और विदेशी ट्रांसमीटरों का एक व्यापक अभिग्रहण सर्वेक्षण किया गया।

दिन के समय मीडियम वेव (एम डब्ल्यू) ट्रांसमीटर के कवरेज क्षेत्र में कमी (यदि हो तो) की जांच के लिए प्रचार अध्ययन।

(iv) ध्वनि परीक्षण और माप

ध्वनि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनुसंधान विभाग को व्यापक अनुसंधान और विकास अनुभव है। प्रयोगशाला के यंत्रीकरण के एक भाग का हाल ही में उन्नयन किया गया है। प्रयोगशाला आकाशवाणी केन्द्रों के विभिन्न ध्वनि मापों का कार्य करती है। विद्यमान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार इलैक्ट्रो ध्वनि ट्रांसडयूसर अर्थात माइक्रोफोन और स्पीकरों के मूल्यांकन सहित ध्वनि सामग्री (एन आर पी, एस टी एम, एफ आई आई सी आदि) का मूल्यांकन किया जाता है। विभाग ने ध्वनि परीक्षण और अद्यतन ध्वनि रोधक आंकडा एकत्र करने के लिए ध्वनि परीक्षण करने की योजना बनाई है जिससे कृत्रिम और गर्म गलीयों के ध्वनि निष्पादन का अध्ययन किया जा सके।

वर्ष 2007-08 के दौरान ध्वनि फर्मों से रू.1,70,000/- शुल्क से प्राप्त हुई है। चालू वित्त वर्ष के दौरान भी रू. 1.40 लाख से अधिक राशि देश में ध्वनि सामग्री के निर्माताओं/सप्लाई से मूल्यांकन शुल्क के रूप में प्राप्त हुई है।

आकाशवाणी स्टूडियो में प्रयोग किए जाने वाले ध्वनि रोधक पक्के दरवाजों से संबंधित समस्याओं की जांच की गई। ऐसी एक जांच रायपुर नवनिर्मित आकाशवाणी स्टूडियो में पहले ही की जा चुकी है। इसके अलावा, अगरतला, कोहिमा और उड़ीसा में और जांच निर्माण में आ रही समस्याओं के अध्ययन और बाद में ध्वनि रोधक पक्के दरवाजों के रख-रखाव के लिए की जाएंगी।

(v) डिजिटल रेडियो प्रसारण परीक्षण (डी आर एम)

डिजिटल गुणवत्ता बहुमुखी श्रव्य चैनल प्रदान करके डिजिटल रेडियो प्रसारण (डी आर एम) मीडियम वेव और शार्ट वेव प्रसारण को नया रूप देगी। मुख्य परियोजना के रूप में, खामपुर, दिल्ली में उपलब्ध 250 किलोवाट एस डब्ल्यू ट्रांसमीटर को डी आर एम प्रसारण में परिवर्तित किया गया है। इस डी आर एम प्रसारण परीक्षण के प्रयोग से निम्नलिखित अध्ययन और जांच की गई। शार्ट वेव बैंड में उष्णीय प्रसारण (एन बी आई एस) के अभिग्रहण, दूरस्थ क्षेत्रों में डी आर एम प्रसारणों के अभिग्रहण, स्थानीय रेडियो के लिए 26 मेगाहर्ट्ज डीआरएम एलओसी का अध्ययन किया गया।

(vi) एफ एम- डीएआरसी बिल बोर्ड प्रयोग

इलैक्ट्रानिक एलईडी बिल बोर्ड पर टैक्स्ट मैसेज, विटमेप्स और आईकान भेजने के लिए प्रेषण किनारे पर दृश्य आधार में एक साफ्टवेयर तैयार किया गया है। आकाशवाणी से एफ एम गोल्ड 106.4 मेगा हर्ट्ज से एक वर्ष से लगातार डाटा प्रसारण किया जा रहा है। बिलबोर्ड परे प्राप्त सिग्नलों का सभी दिशाओं मे, ट्रांसमीटर से 55 किलोमीटर रेडिअल की दूरी तक संतोषजनक अभिग्रहण परीक्षण किया गया है। केबल और प्रसारण (I) में आईईटीई और बीईएस (I) प्रदर्शिनियों में सिस्टम प्रदर्शित किया गया है। एफ एम गोल्ड (106.4 मेगा हर्ट्ज) द्वारा विषय और तस्वीर प्रसारण का सीधा प्रदर्शन क्रमशः इलैक्ट्रानिक एल ई डी प्रदर्शन तथा डाटा प्रोजेक्टर पर किया गया। बिलबोर्ड का प्रदर्शन एफ एम गोल्ड से डाटा प्राप्त करते हुए आकाशवाणी भवन में लगातार एक महीने के लिए प्रदर्शन किया जा रहा है।

(vii) एफ एम ट्रांसमीटरों के लिए टेलीमेट्री पद्धति

अनुसंधान विभाग ने ृंकराचार्य हिल्स, श्री नगर में स्थापित 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटरों की रिमोट कन्ट्रोल और मानिटरिंग के संस्थापन कार्य की जिम्मेवारी ली है।इस सिस्टम की शुरूआत की गई, कंट्रोल रूम से सिस्टम का परीक्षण किया गया और कार्य संतोषजनक पाया गया।

आकाशवाणी के क्षेत्रीय समाचार एककों के लिए बहुभाषीय समाचार स्वःचलन पद्धति

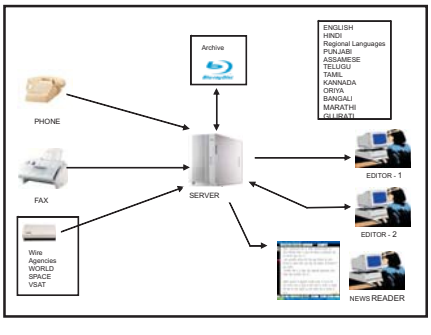

बहुभाषी समाचार स्वयं संचालन

समाचार एजेन्सी के तारों से समाचार एकत्र करने और फिर उनसे समाचार बुलेटिन तैयार करने और समाचार वाचक द्वारा आकाशवाणी बुलेटिन पढ़ने और अभिलेखागार में रखने की यह पद्धति अनुसंधान विभाग द्वारा आकाशवाणी के लिए विकसित की गई। हाल ही में प्रौद्योगिकी के विकास के कारण समाचार एजेन्सियों ने समाचार का वितरण 'वर्ड स्पेस' और 'वीएसएटी टर्मिनल' के माध्यम से शुरू किया है। अनुसंधान

विभाग ने वर्ड स्पेस रिसीवर और वीएसएटी से टर्मिनल के माध्यम से प्राप्त समाचारों के एकीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। वर्ड स्पेस रिसीवर के माध्यम से प्राप्त अंग्रेजी समाचारों को इकट्ठा करने का कार्य लगभग पूरा हो गया है और हिन्दी समाचारों से संबंधित कार्य प्रक्रियाधीन है। इसके साथ-साथ वीएसएटी रिसीवर के माध्यम से समाचार एकत्र करने का कार्य भी शुरू हो चुका है।

2. जनवरी 2009 से मार्च 2009 तक की अवधि के दौरान प्रस्तावित गतिविधियां

वर्ष की शेष अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्य/परियोजनाओं पर ध्यान दिया गया:-

(i) प्रयोगात्मक डिजिटल रेडियो प्रसारण (डीआरएम)

डीआरएम शार्ट वेव प्रचार और नेटवक्र योजना से संबंधित अधिक गहन अध्ययन जांच की जाएंगी।

(ii) आपातकालीन चेतावनी प्रसारण प्रणाली (ईडब्ल्यूबीएस)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के समन्वय से आपातकालीन चेतावनी प्रसारण प्रणाली (ईडब्ल्यूबीएस) पर आगामी विकासात्मक कार्य किया जाएगा।

(iii) एफएम टेलीमेट्री प्रणाली

कर्सियांग में एफ एम ट्रांसमीटर के लिए टेलीमेट्री प्रणाली संस्थापन के लिए तैयार है। स्टूडियो ट्रांसमीटर लिंक (लिज लाइन/टेलीफोन लाइन) का कार्य समाप्त होने के बाद प्रणाली की स्थापना की जाएगी। आईजोल, गंगटोक, सिल्चर और तुरा के लिए टेलीमेट्री प्रणाली लैंब में अंतिम चरण में है और मीडियम वेव हैरिस 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर की प्रस्तुति के लिए लिया जाएगा।

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

वर्ष 2007-08 के दौरान प्रत्येक अनुभाग/इकाई और केन्द्रों/कार्यालयों ने संघ की राजभाषा नीति का पालन करने का ईमानदारी से प्रयास किया और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाया। परिणामस्वरूप राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी पत्र द्विभाषी रूप हिन्दी-अंग्रेजी में ही जारी किए गए। इसके साथ ही, सभी पत्र जो हिन्दी में प्राप्त हुए और सभी अपीलें/अभिवेदन जो हिंदी मे हस्ताक्षरित थे उनका जवाब हिंदी में दिया गया। अतः इस वर्ष भी 100 प्रतिशत सांविधिक अनिवार्यताओं का अनुपालन सुनिश्चित किया गया।

प्रशासनिक प्रमुख की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा की गई।

14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया गया और हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। महानिदेशालय द्वारा आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों और मुख्यालयों के उन अधिकारियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र में रहकर राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ाने में विशेष योगदान दिया।

समीक्षावधि के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम में स्थित आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों के लिए संघ की राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एक विशेष पुरस्कार की शुरूआत की गई जिससे 'ग' क्षेत्र में पुरस्कारों की संख्या एक से बढ़कर दो हो गई। ये पुरस्कार 'क' और 'ख' क्षेत्रों के कार्यालयों को दिए जाने वाले पुरस्कारों के अलावा होंगे। ये राजभाषा सम्मान आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार के अवसर समारोह

के अवसर पर दिए जाएंगे जिससे राजभाषा कार्यान्वयन को आकाशवाणी की प्रमुख गतिविधियों के एक भाग के रूप में पहचान मिल सके।

आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिकाओं में भी संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन का सतत प्रयास होता है, जिनकी समय-समय निरीक्षण के दौरान संसदीय राजभाषा समिति द्वारा प्रशंसा की जाती है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण

प्रसार भारती ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को क्रियान्वित करने के सभी आवश्यक उपाय किए हैं। नोडल मंत्रालयों/विभागों द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को सरकारी सेवा और वैयक्तिक मामलों में आरक्षण देने संबंधी सभी समुचित निर्देश एवं अनुदेश आकाशवाणी के सभी कार्यालयों और क्षेत्रीय इकाइयों को परिचालित कर दिए गए हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के समन्य अधिकारी संबंधित स्टाफ के हितों की रक्षा करने संबंधी संवैधानिक अनुदेशों के क्रियान्वयन पर नजर रखते हैं। दिनांक 05.08.2004 के कार्यालय ज्ञापन सं. 36038/2004-स्थापना (आरक्षित) के अनुसरण में 01.07.2004 तक की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की आरक्षित बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान की शुरूआत की गई।

लोक शिकायत और निवारण तंत्र

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के दिशानिर्देश के अनुसार केन्द्र स्तर, क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर और केन्द्र मुख्यालय स्तर पर शिकायत निवारण और समाधान तंत्र की स्थापना की गई। आकाशवाणी के सभी कार्यालयों में सूचना और सुविधा काउंटर बनाए गए हैं। शिकायतों के समाधान की नियमित स्थिति रिपोर्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय को भेजी जाती है। वर्ष 2008 में आकाशवाणी में 42 स्टाफ शिकायतें और 4 लोक शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 12 स्टाफ शिकायतें और 2 लोक शिकायतों का निपटान कर दिया गया। शेष मामले प्रक्रियाधीन हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन

लोक सशक्तीकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के क्रम में सूचना का अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को लोगों की जानकारी में लाने के लिए आकाशवाणी के सभी केन्द्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किए गए है। सभी आकाशवाणी केन्द्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को कहा गया है कि वे अपने कार्यक्रमों में इस अधिनियम की मुख्य विशेषताओं को उजागर करें। सितंबर 2008 से इस अधिनियम को फ्लैगशिप कार्यक्रमों में शामिल किया गया है। आकाशवाणी भविष्य में भी इस अधिनियम के प्रचार-प्रसार को जारी रखेगी।

सूचना का अधिकार के क्रियान्वयन के लिए आकाशवाणी महानिदेशालय में 44 केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी सी पी आई ओ, और 6 अपील प्राधिकारी और क्षेत्रीय स्तर पर 295 सी पी आई ओ और 20 अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वर्ष 2008 में (01.04.2008 से 30.11.2008 तक) 279 आर टी आई आवेदन प्राप्त हुए और उनका निर्धारित समय में जबाब दिया गया। वर्ष 2008 (01.04.2008 से 30.11.2008 तक) के दौरान अपील प्राधिकारी को 63 अपीलें प्राप्त हुई और सबका निपटान किया गया।

विभिन्न कार्यक्रम श्रेणियों को समर्पित प्रसारण समय

प्राइमरी सेवाः आाकशवाणी

वर्ष 2008-09 के दौरान आकाशवाणी के प्रादेशिक केन्द्रों के प्राइमरी चैनलों से प्रसारित कार्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार थीः-

प्रतिशतता

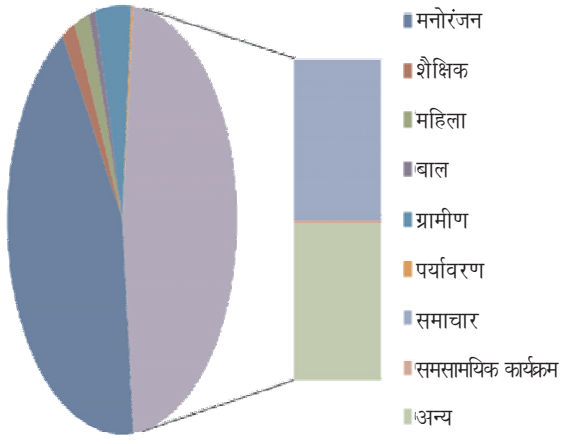

कार्यक्रम श्रेणी	प्रतिशतता
मनोरंजन	42.9
शैक्षिक	1.9
महिला	2.1
बाल	0.9
ग्रामीण	4.9
पर्यावरण	0.3
समाचार	23.7
समसामयिक कार्यक्रम	0.3
अन्य	23.0
(खेल कूद औद्योगिक कर्मी, अल्पसंख्यक भाषा बोली, वरिष्ठ नागरिक	

स्थानीय रेडियो केन्द्रः आकाशवाणी

आकाशवाणी के स्थानीय रेडियो केन्द्रों से प्रसारित कार्यक्रमों की रूपरेखा का औसत इस प्रकार थाः-

प्रतिशतता

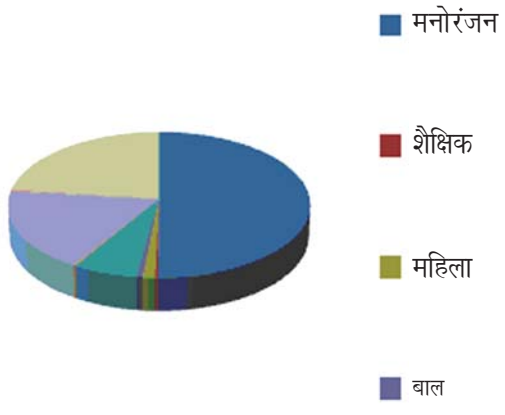

कार्यक्रम श्रेणी	प्रतिशतता
मनोरंजन	50.1
शैक्षिक	0.3
महिला	1.2
बाल	0.6
ग्रामीण	6.4
पर्यावरण	0.2
समाचार	17.9
समसामयिक कार्यक्रम	0.3
अन्य	23.0

(सांख्यिकी आंकडों को पाई चार्ट के माध्यम से भी प्रदर्शित किया जाए)

कार्यक्रम का विश्लेषण - स्रोत वार

कार्यक्रम स्रोत	प्रतिशतता
इन हाउस कार्यक्रम और कमीशंड कार्यक्रम	99.07
प्रायोजित कार्यक्रम	0.93
हासिल किए गए कार्यक्रम	-

स्टुडियो अवधि के वास्तविक उपयोग के संदर्भ में कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं का उपयोग

आकशवाणी

1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के दौरान आकाशवाणी से प्रसारित नब्बे प्रतिशत से अधिक कार्यक्रम इन-हाउस निर्मित थे। स्टुडियो की सुविधाओं का अधिकतर उपयोग सुनिश्चित किया गया।

प्रसारण समय (घंटों) के समक्ष विभिन्न प्रसारण सुविधाओं का उपयोग।

वर्ष 2008-09 के दौरान प्रसारण समय (घंटों में) प्रति माह के समक्ष आकाशवाणी की प्रसारण सुविधाओं का औसतन उपयोग निम्न प्रकार था:-

(1) मीडियम वेव ट्रांसमीटर - 52,179 घंटे

(2) शार्ट वेव ट्रांसमीटर - 18,862 घंटे

(3) एफएम ट्रांसमीटर - 64,997 घंटे

वर्ष के दौरान आकाशवाणी की स्थलीय कवरेज का क्षेत्र वार और जनसंख्या-वार किया गया विस्तार - 31 मार्च, 2009 को आकाशवाणी का क्षेत्र-वार स्थलीय कवरेज 99.79 प्रतिशत और जनसंख्या-वार 99.14 प्रतिशत था।

दूरदर्शन

वर्ष 2008-09 के दौरान दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों एवं अनुभागों की मुख्य पहलें एवं उपलब्धियाँ निम्न प्रकार है:

कार्यक्रम पहलें एवं उपलब्धियाँ

"राष्ट्रमंडल युवा खेल 2008" का टी. वी. कवरेज

12 से 18 अक्तूबर 2008 के दौरान तीसरे राष्ट्रमंडल खेल पूणे में हुए। 71 राष्ट्रों/प्रदेशों से आए राष्ट्र बंधुत्व देशों के 1300 एथलिटों ने विभिन्न खेलकुद एथलेटिक्स, बेडमिंटन, टेनिस, शूटिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी, तैराकी एवं भारोत्तोलन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। दूरदर्शन ने मेज़बान प्रसारक के रूप में शुभारंभ व समापन सहित उपर्युक्त सभी खेलकूदों का कवरेज किया।

पी. एस. बी. टी/यूनेस्को- विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर प्रसिद्ध निदेशकों द्वारा निर्मित सर्वोत्तम वृत्तचित्रों को डी. डी. भारती चैनल पर नियमित रूप से 15/1/2006 से प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक प्रत्येक रविवार प्रसारित किया जा रहा है।

क्षेत्रीय दूरदर्शन केन्द्र

वर्ष 2008-09 के दौरान विकासात्मक गतिविधियां

सभी दूरदर्शन केंद्र अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का निर्माण करते हैं । क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा तथा क्षेत्रीय राज्य नेटवर्क में लोगों से उनकी अपनी भाषा में संवाद स्थापित करने के लिए विकासात्मक समाचार,

धारावाहिक, वृत्तचित्रों, समाचार एवं सामयिकी के कार्यक्रमों को सम्मिलित करते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । डीडी नेशनल की क्षेत्रीय विंडो में क्षेत्रीय भाषाओं के कार्यक्रम संबंधित राज्यों में स्थलीय रूप से तथा क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनलों पर संपूर्ण देश में उपलब्ध होते हैं ।

डीडी-गिरनार

चैनल को दिनांक 15 सितंबर, 2008 से डीडी गिरनार का नाम दिया गया । यह चैनल 86% क्षेत्र तथा 87% जनसंख्या को कवर करता है । यह चैनल 15.00 बजे से 20.00 बजे तक के स्थलीय प्रसारण सहित 24 घंटे का प्रसारण उपलब्ध कराता है । वर्ष 2006 में किए गए आईआरएस अध्ययन के अनुसार इस चैनल की पहुंच 18,60,000 घरों तक है । सभी टीवी घरों में चैनल डीडी-गुजराती (डीडी-गिरनार) की पहुंच 29.1 तथा इसका शेयर 2-3% है ।

- केंद्र ने स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण तथा वितीय मामलों पर तीन नए लाइव फोन इन कार्यक्रम आरंभ किए हैं ।
- सूचना का अधिकार पर -फोन-इन कार्यक्रम की अवधि 30 मिनट से बढ़ाकर 1 घंटा कर दी गई है ।

दूरदर्शन द्वारा गुजरात के गरबा नृत्य की कवरेज

- श्री नारायण देसाई, विख्यात गांधीवादी द्वारा गीतों एवं भजनों के साथ गांधीजी के जीवन एवं कृतित्व पर 30 कड़ियों का "गांधी कथा नामक कार्यक्रम रिकार्ड करके प्रसारित किया गया ।
- बुद्धिजीवी वर्ग के लिए सामयिक मामलों पर एक खुला मंच परिचर्चा कार्यक्रम "दृष्टिकोण तथा सार्वजनिक जीवन में प्रमुख नागरिकों के योगदान को दर्शाने वाला एक परिचर्चा कार्यक्रम "समय ना साक्षी" आरंभ किया गया ।

- केंद्र ने इंडियन क्लासिक की 6 इन-हाउस कड़ियों का निर्माण किया ।
- भूकंप-रोधी निर्माण एवं गहरे सागर में मछली पकड़ने संबंधी कार्यक्रमों को वर्ष 2007-08 में डीडी अवार्ड से पुरस्कृत किया गया ।
- रथयात्रा, जन्माष्टमी तथा पतंग उत्सव के वार्षिक कार्यक्रमों को लाइव/डेफर्ड लाइव मोड में कवर किया गया ।
- नवरात्रि त्योहार पर नौ भागों में एक शृंखला प्रसारित की गई ।

चैनल ने गुजरात पारिस्थितिकी आयोग के लिए 13 भागों में प्रश्नोUरी कार्यक्रम का निर्माण करके एक सफल कार्यक्रम निर्माण केंद्र के रूप में सफलता दर्ज कराई है ।\

सह्याद्रि चैनल

अप्रैल, 2008 में सह्याद्रि नवरत्न पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

मई, 2008 में मराठी फीचर फिल्मों के 75 वर्ष पूरे होने पर विशेष वृतचित्र का प्रसारण ।

अगस्त, 2008 में अंतर्राष्ट्रीय रोबोकोन प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण ।

सितंबर, 2008 में पुणे से तीसरे राष्ट्रमंडल युवा खेलों का सीधा प्रसारण ।

अक्टूबर, 2008 में गुरू-ते-गद्दी नांदेड साहिब (गुरू ग्रंथ साहिब के 300 वर्ष) का प्रसारण ।

नवंबर, 2008 में यूनिसेफ के साथ नवज्योति सह्याद्रिच्या अवार्ड प्राप्त किया ।

जनवरी, 2009 में दूरदर्शन केन्द्र, मुंबई द्वारा कृषि सम्मान सोहाला का आयोजन ।

जनवरी, 2009 में मुंबई मैराथन का सीधा प्रसारण ।

फरवरी, 2009 में महिला सशक्तीकरण के लिए हिरकानी अवार्ड प्राप्त हुआ ।

मार्च, 2009 सह्याद्रि माणिक अवार्ड प्राप्त किया ।

मार्च, 2009 में पुणे में राष्ट्रीय रोबोकोन प्रतियोगिता का आयोजन किया ।

दीप प्रज्ज्वलन-श्री विश्वनाथ कराड, सू और त. मंत्री, श्री नरेन्द्र जाधव, उपकुलपति पुणे विश्वविद्यालय, श्री बी एस लाली मु. का. अधि प्रसार भारती और श्री विजय भाटकर कंप्यूटर वैज्ञानिक

खेलता हुआ खिलाड़ी

स्टेडियम और रोबोकोन पिच

उत्साहित दर्शक

वर्ष 2008-09 में आरंभ किए गए विशेष कार्यक्रम

- सिंधी कार्यक्रम ।
- अनिवासी भारतीयों के लिए कार्यक्रम ।
- माजा जिला (मेरा जिला - महाराष्ट्र के जिलों पर वृतचित्र) ।
- महाराष्ट्र वीकली (महाराष्ट्र में राज्य सरकार की सहायता से साप्ताहिक गतिविधियां) ।
- भारत निर्माण और भारत में है विश्वास (अग्रणी कार्यक्रम) ।
- अमृत वेल - मराठी साहित्य एवं विख्यात मराठी लेखकों पर कार्यक्रम । मराठी भाषा में लागू की गई नई पुस्तकों के संबंध में जानकारी ।
- सह्याद्रि कार्यक्रमों के संबंध में सह्याद्रि साप्ताहिकी ।
- मराठी में सुबह और दोपहर बाद के समाचार बुलेटिनों की अवधि में पांच मिनट की वृद्धि ।

आतंकी हमले के दौरान सह्याद्रि चैनल की गतिविधियां

मुंबई शहर 26 नवंबर 2008 की रात से 29 नवंबर 2008 की सुबह तक आंतकी निशाने पर था । देश के सभी नागरिक इस घटना के प्रति सजग थे । दूरदर्शन भी अपवाद नहीं था । आसूचना ब्यूरो के अधिकारियों के साथ सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने के लिए दूरदर्शन केंद्र के सुरक्षा अधिकारियों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक केंद्र में ही आयोजित की गई ।

इन तीन दिनों की अवधि के दौरान पांच नियमित समाचार बुलेटिनों के साथ-साथ प्रातः 11 बजे, दोपहर 12 बजे तथा अपराह्न 4 बजे विशेष समाचार बुलेटिन प्रसारित किए गए ।

दूरदर्शन केन्द्र से नियमित अंतराल पर जनहित में लघु क्विकियां जैसे सलाम मुंबई, अफवाह पसरावू नाका (अफवाहें न फैलाएं) प्रसारित की गईं ।

इस अवधि के दौरान एक विशेष कार्यक्रम "लोकमानस में राज्य सरकार के प्राधिकारियों को जनता की समस्याओं पर विचार-विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया तथा आतंकी हमले पर विशेष कार्यक्रम का निर्माण किया गया ।

दूरदर्शन केन्द्र, मुंबई ने नागरिकों का उत्साह बढ़ाने के लिए तथा सावधानी कैसे बरती जाए जैसे विषयों पर भी कार्यक्रमों का प्रसारण किया ।

भारत में है विश्वास

सह्याद्रि चैनल ने राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए राष्ट्रीय अखंडता पर एक विशेष कार्यक्रम "भारत में है विश्वास का निर्माण किया । यह कार्यक्रम देश को समर्पित था तथा इसमें लगभग 100 दृश्य सम्मिलित किए गए थे।

नक्सलियों पर कार्यक्रम

सह्याद्रि चैनल ने जनजातीय कल्याण तथा जनजातीय संस्कृति, संगीत एवं नृत्य पर आधारित संगीत गोष्ठियों सहित महाराष्ट्र में नक्सली गतिविधियों का सामना करने के लिए कई कार्यक्रमों का निर्माण किया ।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम

सह्याद्रि चैनल ने राष्ट्रीय नेटवर्क पर नव वर्ष की पूर्व संध्या पर प्रसारण के लिए कार्यक्रम का निर्माण किया। इस कार्यक्रम का विषय "नए चांद की नई सुबह था क्योंकि भारत ने चांद पर सफलतापूर्वक पीएसएलवी सी7 का प्रेक्षपण किया था ।

दूरदर्शन पुरस्कार 2009

इस वर्ष मुंबई दूरदर्शन को 3 दूरदर्शन पुरस्कार (डीडी अवार्ड) प्राप्त हुए ।

1. केंद्र के कार्यक्रम निष्पादक श्री रविदीप को बैस्ट लिटरेरी एडोप्शन ऑफ अक्लेम्ड वर्क की श्रेणी में अभिमन्यु उन्नत की लघु कहानी "आंखों में ज्वारभाटा पर आधारित उनकी टेलीफिल्म "समुद्र की रानी के लिए पुरस्कृत किया गया ।
2. श्री विजय भिंगर्डे, ग्राफिक्स आर्टिस्ट को एनिमेशन श्रेणी में दिनांक 31 अगस्त 2008 को डीडी पुणे द्वारा आयोजित एबीयू रोबोकोन 2008 के लिए काल्पनिक मोनटेज़ की परिकल्पना हेतु उनके द्वारा डिजाइन किए गए एनिमेशन के लिए पुरस्कृत किया गया जिसमें पारंपरिक एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी के सर्जनात्मक संमिश्रण की प्रस्तुति - रोबोकोन शब्द के अक्षरों को एक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पिरामिड का निर्माण करने के लिए प्रयोग किया गया । दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार में यह उनका सातवां पुरस्कार है ।
3. श्री जायु भाटकर, कार्यक्रम निष्पादक को सह्याद्रि चैनल द्वारा आयोजित कृषि रत्न सोहाला के लिए पुरस्कृत किया गया । राज्य में सर्वश्रेष्ठ किसानों को अधिक फसल उगाने के लिए प्रेरित करने की दृष्टि से पुरस्कार प्रदान किए गए थे ।

   वर्ष 2008 से सह्याद्रि चैनल ही एकमात्र चैनल है जिसने सह्याद्रि कृषि रत्न पुरस्कार आरंभ किया है । यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ किसान को खाद एवं आधुनिक तकनीक के प्रयोग द्वारा अपनी फसल में वृद्धि करने के लिए प्रदान किया गया ।

सह्याद्रि माणिक अवार्ड 2009

दूरदर्शन के गोल्डन जुबली वर्ष में सह्याद्रि चैनल ने सह्याद्रि माणिक अवार्ड का आयोजन किया । इन-हाउस निर्माताओं को स्व-वित पोषित योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों का निर्माण करने के लिए ये पुरस्कार प्रदान किए गए । कुल 42 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए । इस अवसर पर विख्यात मराठी अभिनेत्री श्रीमती स्मिता जयकर को सम्मानित किया गया ।

वर्ष 2008-09 के दौरान दूरदर्शन कोलकाता को **"कवि प्रणाम** (संगीतमय वृतचित्र श्रेणी) तथा **"दसभुजा** (पटकथा श्रेणी) के लिए दो दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं ।

वर्ष 2008-09 के दौरान दूरदर्शन कोलकाता ने निम्नलिखित उपलब्धियां हासिल की हैं जिनमें कार्यक्रमों, तथ्यों, आयोजनों आदि का ब्यौरा शामिल है ।

डीडी बांग्ला

दूरदर्शन कोलकाता से 9 अगस्त, 1975 को प्रसारण आरंभ हुआ तथा 20 अगस्त, 1992 को डीडी बांग्ला चैनल आरंभ किया गया । 1 जनवरी, 2000 से इस चैनल पर 24 घंटे का प्रसारण आरंभ कर दिया गया। उसके पश्चात दूरदर्शन कोलकाता ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लोक सेवा प्रसारण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं ।

कार्यक्रम

दिनांक 15.04.2008 को **"बरशो बरन** (बंगाली नव वर्ष कार्यक्रम) एक विशेष कार्यक्रम का प्रसारण किया गया ।

दिनांक 02.05.2008 को 20.00 बजे प्रख्यात फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे पर एक विशेष कार्यक्रम **"तुली-ओ-रेखाय** का प्रसारण किया गया ।

दिनांक 04.05.2008 को अपराह्न 12.05 बजे श्री सत्यजीत रे के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित पर विशेष कार्यक्रम **"अपराजिता सत्यजीत** प्रसारित किया गया ।

दिनांक 08.05.2008 को प्रातः 6.30 बजे कवि गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर व्यापक स्तर पर **"कवि प्रणाम"** नामक कार्यक्रम का जोरासंको तथा रविन्द्र सदन से सीधा प्रसारण किया गया ।

दिनांक 19.05.2008 को **"परंपरा** (प्रख्यात गायक श्री राम कुमार चट्टोपाध्याय का उनके परिवार के साथ एक कार्यक्रम) का प्रसारण किया गया ।

दिनांक 03.06.2008 को 20.25 बजे अदालत में **"लॉज ऑन एन्वायरमेंटल पॉल्यूशन** नामक कार्यक्रम का प्रसारण किया गया ।

दिनांक 15.06.2008 को अपराह्न 12.05 बजे विख्यात अभिनेता श्री सौमित्र चट्टोपाध्याय द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने पर **"सौमित्र आजो** नामक विशेष कार्यक्रम का प्रसारण किया गया ।

स्वतंत्रता के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री प्रिय रंजन दासमुंशी, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल द्वारा प्रख्यात फिल्म निर्देशक श्री तपन सिन्हा को भारत सरकार का **"लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड** प्रदान किए जाने पर दिनांक 20.06.2008 को 21.10 बजे एक टीवी रिपोर्ट प्रसारित की गई ।

दिनांक 26.06.2008 को 18.00 बजे विख्यात फिल्मी हस्ती जावेद अख्तर तथा शबाना आजमी द्वारा **"गीतांजलि** संस्कृति उत्सवच में कविता पाठ पर एक विशेष कार्यक्रम का प्रसारण किया गया ।

दिनांक 09.08.2008 को 20.00 बजे दूरदर्शन कोलकाता के 33वें स्थापना दिवस पर **"दूरदर्शन आजो** नामक एक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विख्यात कलाकारों ने भाग लिया ।

दिनांक 13.08.2008 को बसीरहाट के मुस्लिम गांव में महिलाओं के स्व-सहायता दल के मौके पर अध्ययन पर **"आर वीमेन इंडिपेंडेंट** नामक कार्यक्रम का प्रसारण ।

दिनांक 15.08.2008 को 21.10 बजे भारत के स्वतंत्र संग्राम तथा श्री अरविन्दो पर **"विप्लवर पंचती बाछार** नामक एक वृतचित्र दिखाया गया ।

दिनांक 06.09.2008 को 20.00 बजे युक्ति टक्को कार्यक्रम में **"सिंगूर परिस्थिति** (सिंगूर की स्थिति) पर सामयिक कार्यक्रम प्रसारित किया गया ।

दिनांक 28.09.2008 को प्रातः 5.00 बजे **"महालया** नामक एक विशेष कार्यक्रम ।

दिनांक 06.10.2008 से 10.10.2008 तक दुर्गा पूजा के अवसर पर बेलूर मठ से सीधा प्रसारण ।

दिनांक 17.10.2008 को प्रातः 09.25 बजे कैप्टन इंद्राणी सिंह (एयर बस को उड़ाने वाली प्रथम एशियाई महिला) पर एक विशेष कार्यक्रम **"मेघेर देशे राजकन्या ।**

दिनांक 23.10.2008 को 17.30 बजे कृषि दर्शन कार्यक्रम में **"नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन इन वेस्ट बंगाल** पर लाइव फोन-इन कार्यक्रम ।

दिनांक 09.11.2008 को 15.00 बजे जगदीश बोस नेशनल साइंस टेलंट सर्च की गतिविधियों पर आधारित एक कार्यक्रम **"बिज्ञान जिज्ञासा** (विज्ञान कार्यक्रम) ।

दिनांक 10.11.2008 को 18.00 बजे **"14वें कोलकाता फिल्म समारोह** पर एक विशेष कार्यक्रम (नंदन से सीधा प्रसारण) ।

दिनांक 02.12.2008 को 20.25 बजे **"राइट आफ द डिस्एबल्ड** पर एक कार्यक्रम ।

दिनांक 06.12.2008 को 12.05 बजे विश्वभारती, शांतिनिकेतन से माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण ।

दिनांक 12.01.2009 को 20.00 बजे स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस के अवसर पर **"युवा दिवस** (यूथ डे) पर एक कार्यक्रम

दिनांक 24.02.2009 को 17.30 बजे कृषि दर्शन कार्यक्रम में **"डिजीज एंड प्रीवेनशन ऑफ लाइव स्टॉक थ्रू वेक्सिनेशन** पर लाइव फोन इन कार्यक्रम ।

दिनांक 26.02.2009 को प्रातः 8.25 बजे **"श्री राम कृष्ण परमहंस देव की जयंती** के अवसर पर कमर पुकुर से सीधा प्रसारण ।

डीडी-सप्तगिरि

युवा और उभरते कलाकारों को प्रेरित करने के लिए केंद्र एक क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिता 'मुव्वाला सव्वादि का प्रसारण करता है । रविवार सायं 8.30 बजे प्रसारित किए जाने वाले इस साप्ताहिक कार्यक्रम में प्रख्यात नृतकों की जीवन गाथाओं पर संक्षिप्त वृतचित्र होते हैं ।

किसानों को अच्छी उपज प्राप्त करने के उपायों एवं साधनों को दिखाने में सप्तगिरि का पहला स्थान है । चैनल पर प्रत्येक मंगलवार को सायं 6.00 बजे रिथे राजू नामक एक क्विज कार्यक्रम आरंभ किया गया है ।

केन्द्र प्रत्येक शुक्रवार को सायं 8.00 बजे गणगंधर्वम् नामक एक संगीत कार्यक्रम का प्रसारण करता है । इसकी शुरुआत लयबद्ध गान को प्रोत्साहित करने और शास्त्रीय संगीत को जीवित रखने के लिए की गई है ।

हमारे राष्ट्र पिता की देश सेवाओं की स्मृति में डीडी-सप्तगिरि, हैदराबाद द्वारा दिनांक 16.2.09 को सायं 6.00

बजे से तम्मलपल्लीवरी क्षेत्रैया कलाक्षेत्रम, विजयवाड़ा में आमंत्रित दर्शकों के समक्ष,बापू नीकू जोहारलु नामक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया ।

केंद्र ने कथा आधारित दैनिक धारावाहिक इंतिता संतोषम की शुरुआत के लिए आंध्र प्रदेश सरकार पर दबाव डाला । यह अपनी तरह का पहला धारावाहिक है ।

केंद्र ने आमंत्रित दर्शकों के सामने वारंगल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्कृतिकोत्सव का आयोजन का सीधा प्रसारण किया ।

केंद्र त्रिमला श्रीवरि ब्रह्मोत्सवलु, तुंगभद्रा पुष्करालु, भद्राचलम से श्रीसीताराम कत्याणम, तल्लापाका से अन्नामाचार्य जयंति उत्सवलु, वेमुलवाडा से गणेशनिमरजनम् और महाशिवरात्रि उत्सव जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का सीधा प्रसारण करता है ।

केंद्र को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा संस्थापित 15वां प्रतिष्ठित टीवी नंदी पुरस्कार प्राप्त हुआ । इस पुरस्कार के अतिरिक्त केंद्र को वर्ष 2008 के लिए दो दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार भी प्राप्त हुए - पहला श्रीमती वाई. सैलजा, सहायक केंद्र निदेशक द्वारा प्रस्तुत मुव्वला सव्वादि के लिए तथा दूसरा श्री इमानी कृष्ण राव, समाचार संवाददाता द्वारा महिला सशक्तीकरण पर न्यूज स्टोरी प्रस्तुत करने के लिए ।

डीडी-14 (जयपुर)

प्रतिदिन आधा घंटे के कार्यक्रम के साथ राजस्थान के लिए क्षेत्रीय स्थलीय सेवाओं की शुरुआत जुलाई, 1987 में की गई थी । राजस्थान में दूरदर्शन केंद्र, जयपुर ही एकमात्र कार्यक्रम निर्माण केंद्र है । इस समय केंद्र सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन चार घंटे का और रविवार को 90 मिनट के अपने केंद्र के कार्यक्रमों का प्रसारण निर्माण कर रहा है । इस तरह साप्ताहिक प्रसारण 25 घंटे 30 मिनट का है । डीडी-I/डीडी-14 (जयपुर) की पहुंच जनसंख्या आधार पर 79.3% और क्षेत्रफल के आधार पर 72.4% है । दूरदर्शन समाचार की पंहुच जनसंख्या के आधार पर 36.1% और क्षेत्रफल की दृष्टि से 13.2% है । कार्यक्रमों का स्रोत इन-हाऊस और प्रायोजित है । अन्य कार्यक्रमों के अलावा केंद्र दो मूल समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है - एक प्रतिदिन 15 मिनट की अवधि का हिंदी में तथा दूसरा प्रतिदिन 10 मिनट की अवधि का राजस्थानी में । केंद्र को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत पांच दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार प्राप्त हुए - (i) वीडियो संपादन (भारतयान), (ii) वन्य जीवन और पर्यावरण (कृषि दर्शन), (iii) लगातार पांचवे वर्ष 'कल्याणी कार्यक्रम के लिए मेरिट पुरस्कार और ग्राफिक्स के लिए दो पुरस्कार - पहला ग्राफिक्स के लिए और दूसरा लगातार चौथे वर्ष स्पॉट श्रेणी के अंतर्गत । ग्रामीण विकास, कृषि और बागवानी पर आधारित कृषि दर्शन, चौपाल, खेती-बाड़ी, निर्मल ग्राम और बागवानी जैसे कार्यक्रमों ने लोकप्रियता की दृष्टि से नई ऊंचाइयों को छुआ है । कृषि, बागवानी और पशुपालन जैसे ग्रामीण विकास विभागों के साथ-साथ यूनिसेफ जैसे संस्थान ने भी जयपुर दूरदर्शन की सहायता की है ताकि उनकी गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी राज्य के प्रत्येक कोने तक पहुंच सके ।

क्लासिक कार्यक्रम शृंखला 'कथा सरिता के तहत केंद्र ने दो टेली-फिल्में निर्मित की हैं - (i) साहित्यकार कमलेश्वर की कहानी पर आधारित नीली झील तथा (ii) धर्मवीर भारती की कहानी पर आधारित 'सावित्रि नं. 2'

विभिन्न सरकारी योजनाओं और केंद्र सरकार द्वारा मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने हेतु किए गए प्रयासों का प्रचार करने के लिए विकास दर्पण, खुली चर्चा और भारत निर्माण जैसे कार्यक्रमों का निर्माण किया गया है ।

केंद्र में अब न्यूज ऑटोमेशन प्रणाली स्थापित कर दी गई है । श्री आनंद शर्मा, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था । केंद्र के निदेशक ने श्री शर्मा को केंद्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं और जरूरतों से अवगत कराया जिनमें क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा (आरएलएसएस) को पुनः आरंभ करना भी शामिल है । श्री शर्मा ने भी 24 घंटे के 'अरावली चैनल की जरूरत पर अपनी सहमति प्रकट की ।

अरावली चैनल

अपने स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर जयपुर दूरदर्शन ने एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया । इस अवसर पर राज्य के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों और कलाकारों के अलावा जाने-माने और प्रतिष्ठित कहानीकार डॉ. सूर्यबाला तथा वरिष्ठ प्रसारक श्री जसदेव सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था । डॉ. सूर्यबाला ने उनकी कहानी पर आधारित टेली फिल्म 'सजा-याफ्ता की काफी सराहना की ।

अत्यंत लोकप्रिय क्विज शो 'प्रश्नोतरी अपने 16वें वर्ष में प्रवेश कर गया है । अब तक इसकी 340 कड़ियाँ प्रसारित की जा चुकी हैं । कार्यक्रम ने पहले ही वर्ष 2003 में अपना स्थान लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स में बना लिया है और हर वर्ष इसे मार्क किया जा रहा है ।

केंद्र ने,,अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता की 22 कड़ियां निर्मित कीं । इनका प्रसारण नेशनल नेटवर्क, डीडी भारती और डीडी इंडिया पर भी किया गया था ।

पौढ़िगै चैनल

दूरदर्शन के पौढ़िगै चैनल को तमिलनाडु राज्य में लगभग 23 निजी चैनलों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। इस प्रकार चैनल को अन्य चैनलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है । इस चैनल के लिए दर्शकता को बनाए रखना एक कठिन प्रयास है । तमिलनाडु राज्य में चैनलों की बढ़ती संख्या ने टीआरपी को भी प्रभावित किया है जिसके परिणामस्वरूप प्रायोजित कार्यक्रमों के प्रायोजकों की भी चैनल से दूरी बढ़ी है तथा उतरोतर इस स्रोत से प्राप्त राजस्व में भी कमी आई है ।

इस परिदृश्य में चैनल को इन-हाउस स्रोतों के माध्यम से टाइम स्लॉट के लिए सॉफ्टवेयर के सृजन की विकट चुनौती का सामना करना पड़ रहा है । इस केंद्र के कुल प्रसारण समय का केवल 65.5 प्रतिशत समय ही इन-हाउस कार्यक्रमों से भरा जा पा रहा है ।

चूंकि प्रायोजक अपने धारावाहिकों के साथ चैनल पर आने में रुचि नहीं ले रहे हैं अतः इस केंद्र ने इन-हाउस स्रोतों से धारावाहिक निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा है । इसके अलावा, टॉक शो, मेजिक शो, संगीत कार्यक्रम, फिल्मी हस्तियों तथा समाज के सभी क्षेत्रों की सम्मानीय हस्तियों के साक्षात्कार, व्यवसाय समाचार भी आरंभ किए गए हैं ।

नए कार्यक्रमों के आरंभ किए जाने तथा सभी कार्यक्रमों के सेटों में सुधार लाने के लिए स्टाफ द्वारा किए गए विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप दर्शकता में डिजिटल सी एंड एस श्रेणी के लिए टेम रेटिंग में 4.3 की वृद्धि दर्ज की गई है ।

दर्शकों को मनोरंजन प्रदान करने के लिए आरंभ किए गए नए कार्यक्रमों के अलावा कृषि, स्वास्थ्य, महिला, बाल कल्याण, सरकार की प्रमुख योजनाओं के संदेश जन मानस तक पहुंचाने के लिए लोक सेवा कार्यक्रमों का भी प्रसारण करता है । सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्सवों संबंधी सूचना को अधिकाधिक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए वर्ष के दौरान 16 लाइव प्रसारणों का आयोजन किया गया ।

डीडी-पंजाबी

1. केंद्र में पिंगलवाड़ा, अमृतसर के सहयोग से वन महोत्सव का आयोजन किया गया । इस दौरान एक संगोष्ठि का भी आयोजन किया गया जिसमें वर्तमान के परिप्रेक्ष्य में वृक्षों की उपयोगिता पर चर्चा की गई और उन पर प्रकाश डाला गया ।

2. डीडी उपग्रह चैनल की वर्षगांठ 5.8.2008 को मनाई गई । इस दौरान आमंत्रित दर्शकों की उपस्थिति में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

3. केंद्र में दूरदर्शन स्थापना दिवस मनाया गया । इस दौरान संगोष्ठि और संगीत के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

4. गुरु ग्रंथ साहिब के गुरु ता गद्दी दिवस के 300 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में दिनांक 28.8.2008 को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया । जाने-माने कीर्तनी जत्थों ने पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के शबदों का गायन किया जिसके फलस्वरूप गुरबाणी के ईश्वरीय प्रभाव से संगत मंत्रमुग्ध हो गई ।

केंद्र ने एक घंटे के कार्यक्रम की योजना बनाई और उसका निर्माण किया जिसको नव वर्ष की पूर्व संध्या अर्थात् 31 दिसम्बर, 2008 को प्रसारित किया गया । दूरदर्शन के ओपन थियेटर में ग्रामीण पृष्ठ भूमि का मंच तैयार कर इस कार्यक्रम को आमंत्रित दर्शकों के समक्ष रिकार्ड किया गया ।

'गुरू मानयो ग्रंथ' की डी वी डी रिलीज 24.10. 2008 को 1940 बजे

5. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती के मार्गदर्शन में दूरदर्शन केंद्र, जालंधर द्वारा निर्मित गुरु मान्यो ग्रंथ के पंजाबी रूपांतर का शुभारंभ करने के लिए डीडी स्टुडियो में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण क्षेत्रीय सेवा पर किया गया ।

6. केंद्र द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती के मार्गदर्शन में 300वें गुरु ता गद्दी दिवस के अवसर पर 7 कडियों के एक विशेष कार्यक्रम की योजना बनाई गई तथा उसका निर्माण किया गया । इस कार्यक्रम के हिंदी रूपांतर का प्रसारण राष्ट्रीय नेटवर्क पर दिनांक 24.10.2008 से 30.10.2008 तक सायं 8.30 बजे किया गया । दूरदर्शन केंद्र, जालंधर से इस कार्यक्रम के पंजाबी रूपांतर का प्रसारण दिनांक 05.01.2009 से 11.01.2009 तक सायं 7.30 बजे किया गया था ।

दिनांक 04.03.2009 को 8वें डीडी वार्षिक पुरस्कारों के सिलसिले में आमंत्रित दर्शकों के समक्ष एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर माननीय महानिदेशक महोदया श्रीमती अरुणा शर्मा मुख्य अतिथि थीं तथा उन्होंने जॉय मुखर्जी, परीक्षित साहनी, डॉ. दिलीप कौर तिवाना, नेक चंद सैनी, राजेश्वरी सचदेव, वरुण वडोला और लेख टंडन आदि जैसी प्रख्यात हस्तियों के साथ पुरस्कार वितरित किए। इस कार्यक्रम का संपादित पाठ दिनांक 15.03.2009 को डीडी-I पर रात्रि 9.30 बजे से 12.30 बजे तक प्रसारित किया गया जिससे संगठन को 1 करोड़ 10 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ ।

डीडी-6(उड़िया)

उड़िसा की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को उजागर करता सांस्कृतिक कार्यक्रम बंदे उत्कल जननि उत्कल दिवस पर 01.04.2008 को प्रसारित किया गया ।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की प्रसिद्ध रथयात्रा बडा डांडा, पुरी में तीनो रथ और भक्तजन

- डीडी-6 (उड़िया) क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल के चौबीस घंटे प्रसारण के पूरा होने के उपलक्ष्य में 01.04.2008 को एक विशेष कार्यक्रम **"मो उड़ीसा"** प्रसारित किया गया ।

- 01.04.2008 से कार्य दिवसों पर अग्रणी कार्यक्रमों के अंतर्गत नियमित आधार पर **"नरेगा"** पर 5 मिनट की अवधि का कार्यक्रम और 06.06.2008 से प्रत्येक शुक्रवार को सायं 6.30 बजे मैगजीन फार्मेट में अग्रणी कार्यक्रमों में **"भारत निर्माण"** कार्यक्रम प्रसारित किया गया ।

- **"स्वास्थ्य सप्ताह"** मनाने और दर्शकों में जागरूकता लाने के लिए एक श्रृंखला में डीडी-6 पर फरवरीध्2009 के पहले सप्ताह में **"संजीवनी"** में बहुत अधिक फैली हुई बीमारियों पर कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया ।

डीडी-6(उड़िया) क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल पर निम्नलिखित कार्यक्रम आरंभ किए गए:

क. मतिरा मनीष (भूमि पुत्रः मुश्किलों में भी आम आदमी द्वारा असामान्य उपलब्धियां हासिल करने की दास्तान) - शुक्रवार सायं 8.30 बजे ।

ख. हमारी सेबारे - (लोक सेवा प्रदाता और उपभोक्ता के बीच सेतु) बुधवार सायं 8.02 बजे ।

ग. धरोहर (राज्य की समृद्ध धरोहर) सोमवार सायं 8.30 बजे ।

- "कल्याणी" कार्यक्रम को लिंग संवदेनशीलता 2007 के लिए पॉपुलेशन फर्स्ट द्वारा उड़िया में (इलेक्ट्रानिक मीडिया) मुद्दों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ सूचनाप्रद कार्यक्रम के लिए कोलकाता में 18.04.2008 को यूएनएफपीए - लाडली मीडिया पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

- दूरदर्शन केंद्र, भुवनेश्वर को वर्ष 2008 के लिए क्षेत्रीय प्रसारण के सर्वश्रेष्ठ निष्पादन के लिए राजीव गांधी फोरम, उड़ीसा द्वारा 21.05.2008 को भुवनेश्वर में राजीव गांधी सद्भावना अवार्ड - 2008 प्रदान किया गया ।

केंद्र को जालंधर में 04.03.2009 को आयोजित विशेष समारोह में निम्नलिखित दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2008 भी प्रदान किए गए:

क. सर्वश्रेष्ठ दूरदर्शन केंद्र 2008

ख. स्वास्थ्य पत्रिका कार्यक्रम "कल्याणी" को कल्याणी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का पुरस्कार मिला ।

ग. वृतचित्र "आशा" को वृत-नाट्य श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का पुरस्कार मिला ।

घ. महिला कार्यक्रम श्रेणी में कार्यक्रम "मां ही अमारा सारी दुनिया" को सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का पुरस्कार मिला।

डीडी नॉर्थ ईस्ट

लोक सेवा प्रसारक के तौर पर असम की जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के रूप में चुनिंदा दर्शक सहभागियों के समक्ष 'मुर्चना" नामक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध साहित्यकारों, संगीतकारों, कवियों, कलाकारों आदि ने भाग लिया । यह दर्शकों में काफी लोकप्रिय है । संगीत और नृत्य के क्षेत्र में बच्चों का एक टेलेंट हंट कार्यक्रम रियलिटी शो संभावना" भी काफी लोकप्रिय हुआ और सभी द्वारा सराहा गया ।

केंद्र कल्याणी और नैरोकास्टिंग कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक निर्माण कर रहा है और ये दर्शकों को पसंद भी आ रहे हैं क्योंकि इनमें कृषि फसलों के नए पैटर्न, बीजारोपण प्रबंधन, सूअर पालन, मत्स्य पालन आदि की लाभकारी जानकारी दी जाती है । कृषि विभाग, असम सरकार की सहायता से कृषि अनुसंधान केंद्र, शिलांगनी, नागौन में 08.03.2009 को सफलतापूर्वक एक फसल सेमिनार आयोजित किया गया ।

इसे वर्ष 2007-08 के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

केंद्र ने असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के साथ मिलकर फोन-इन लाइव कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया । चर्चा के अलावा, इसमें एड्स पर आधारित संगीत/गाने आदि भी होते हैं ।

'भारत निर्माण' सहित अग्रणी कार्यक्रम के प्रसारण को समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सराहा गया है ।

दूरदर्शन केंद्र, भोपाल

दूरदर्शन भोपाल-लोकसेवा प्रसारण दिवस

दूरदर्शन केंद्र, भोपाल का स्टुडियो 20 अक्तूबर, 1992 को क्षेत्रीय केंद्र के रूप में आरंभ किया गया था । यह केंद्र समाज के सभी वर्गों की अभिरुचियों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थानीय बोलियों और लोक साहित्य के कार्यक्रम प्रसारित करता है । ये सभी कार्यक्रम सूचनाप्रद, शिक्षाप्रद और मनोरंजन से भरपूर होते हैं जैसे एड्स के प्रति जागरूकता पर आधारित कार्यक्रम 'जरा सुनिए', महिलाओं का कार्यक्रम 'समझदार नारी', संगीत आधारित कार्यक्रम - 'गाता रहे मेरा दिल' लोक सेवा प्रसारण पर आधारित विशेष कार्यक्रम 'विकास गाथा' । जनमंच (टाक शो) नामक कार्यक्रम समसामयिक घटनाओं और महत्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित है । केंद्र का कुल प्रसारण समय 25 घंटे 30 मिनट प्रति सप्ताह है ।

इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त दूरदर्शन केंद्र ने विधान सभा चुनावों एवं संसदीय चुनावों की समुचित कवरेज की और इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टियों की रिकार्डिंग की । इसके अतिरिक्त डीडी भारती चैनल के लिए वार्षिक खजुराहो नृत्य उत्सव की नियमित कवरेज, राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप और इंडियन ओपन अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट जैसे मुख्य खेल समारोहों की लाइव कवरेज इस केंद्र की मुख्य उपलब्धियां हैं । इसके अलावा, इस केंद्र से अल्पसंख्यकों, जनजातियों और समाज के अन्य वर्गों के कल्याण के लिए राज्य और केंद्र सरकार की विकास योजनाओं पर आधारित 'विकास की ओर' तथा 'नये द्वार' नामक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ।

दूरदर्शन भोपाल स्थापना दिवस

दूरदर्शन केंद्र, इंफाल

दूरदर्शन केंद्र, इंफाल प्रतिदिन सायं 5.30 बजे से 8.30 बजे तक मणिपुरी भाषा में कार्यक्रम प्रसारित करता है । यह केंद्र उत्तर-पूर्व उपग्रह चैनल अर्थात् डीडी-13, जिसका प्रसारण गुवाहाटी से होता है, के लिए भी प्रमुख कार्यक्रम अंशदाता है । यह केंद्र मणिपुर राज्य की सूचना और मनोरंजन संबंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करता है । केंद्र के 'कल्पना' नामक कार्यक्रम को पंचम दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार, 2008 में सर्वोतम नृत्य प्रविष्टि का पुरस्कार प्रदान किया गया । केंद्र की 'द बीयर' नामक एक अन्य प्रविष्टि का टेली प्ले श्रेणी में सर्वोतम प्रविष्टि के रूप में चयन किया गया ।

दूरदर्शन केंद्र, रायपुर

सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालने के लिए इस अवधि के दौरान क्षेत्रीय नेटवर्क सेवा में आम जनता के लिए विशेष कार्यक्रमों का नियमित रूप से निर्माण किया गया । 'भारत निर्माण' नामक कार्यक्रम 6 जून, 2008 को शुरू किया गया तथा 'भारत में है विश्वास' नामक कार्यक्रम 19 जनवरी, 2009 को । ये कार्यक्रम अत्यधिक लोकप्रिय हुए तथा काफी दर्शकों ने इनकी सराहना की । 15 सितम्बर को दूरदर्शन के स्थापना दिवस के अवसर पर आमंत्रित दर्शकों के लिए विशेष कार्यक्रम की व्यवस्था की गई ।

बेहतर दर्शकता के लिए कृषि दर्शन कार्यक्रम सायं 7.30 बजे से 8.00 बजे तक प्राइम टाइम बैंड में प्रसारित किए जा रहे हैं । कल्याणी कार्यक्रमों का प्रचार न केवल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और कल्याणी क्लबों अपितु विभिन्न शहरों के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लगाकर किया गया ।

छतीसगढ़ के माननीय मुख्य मंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष को आमंत्रित करके डीडी न्यूज चैनल पर प्रसारण के लिए स्टुडियो के बाहर 'जनवाणी' नामक कार्यक्रम भी रिकार्ड किया गया ।

दूरदर्शन केंद्र, गुलबर्गा

ग्रामीण विकास पर 'चावड़ी' नामक एक कार्यक्रम शुरू किया गया है । यह कार्यक्रम गांव को विभिन्न सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने में ग्राम पंचायत की भूमिका पर आधारित है । किसानों के लाभ के लिए नियमित अंतराल पर विभिन्न विषयों पर फसल सेमिनार आयोजित किए जाते हैं । इन सेमिनारों में से एक सेमिनार अलग प्रकार का था जिसमें किसानों को निर्णायक बनाया गया था । उन्होंने वैज्ञानिकों से खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में उनके योगदान पर प्रश्न पूछे और उनके कार्य निष्पादन पर फैसले सुनाए तथा उन क्षेत्रों के बारे में सुझाव दिए जिन पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है ।

विश्वविद्यालय डिजीटल लाइब्रेरी और सांप्रदायिक सौहार्द पर विशेष वृतचित्र प्रसारित किए गए ।

चुनाव पद्धति के विभिन्न पहलुओं के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम प्रसारित किए गए ।

दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ

दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ को अस्तित्व में आए 34 वर्ष हो चुके हैं । 27 नवंबर, 1975 को इस केंद्र से कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू हुआ था । इस विशेष दिन (26 नवंबर, 2008) के लिए आमंत्रित दर्शकों के समक्ष विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिनकी दर्शकों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई । केंद्र ने आधुनिक कवियों एवं संगीतकारों को एक मंच पर लाने का प्रयोग किया तथा सावन के अवसर पर आमंत्रित दर्शकों के समक्ष 24 जुलाई, 2008 को '**बादल को घिरते देखा'** (24 जुलाई, 2008) नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस केंद्र से प्रसारित क्षेत्रीय कार्यक्रमों की कुल अवधि में से कम से कम 53% कार्यक्रम इन-हाउस श्रेणी के थे ।

प्रसारण दिवस/हिंदी दिवस के अवसर पर दूरदर्शन स्टुडियो में 18 सितंबर, 2008 को **''भाषा और मीडिया''** विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया ।

जनता के साथ अपने बंधन को सुदृढ़ करने के लिए केंद्र ने बाल दिवस मनाया और केंद्र में कला एवं चित्रकारी प्रतियोगिता **''बधाई पत्र बनाओ प्रतियोगिता''** का आयोजन किया । इस कार्यक्रम की थीम 'पर्यावरण संरक्षणघ थी तथा इसे **''बाल दिवस''** की पूर्व संध्या (13.11.08) को प्रसारित किया गया ।

उर्दू कविता को बढ़ावा देने के लिए 20 से 22 फरवरी, 2009 तक आमंत्रित दर्शकों के समक्ष **''कुल हिंद मुशायरा'' ''शाम-ए-गजल''** और '**बज्म-ए-कव्वाली''** का आयोजन किया गया ।

रंगों के त्यौहार 'होली' के अवसर पर केंद्र द्वारा आमंत्रित दर्शकों के समक्ष **''फाल्गुन के मीत''** (25.02.2009) और **''फाल्गुणी बहार''** (11.03.2009) नामक दो विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया ।

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार योजना के तहत इस बार कल्याणी के लिए तैयार किए गए इन-हाउस प्रोमो **''सब के मन को भाती है''** को सर्वश्रेष्ठ माना गया जबकि टी.बी (कल्याणी-I) के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए बनाए गए एक अन्य कार्यक्रम को दूरदर्शन पुरस्कार, 2008 के तहत नामांकन के लिए ऑनर ऑफ मेरिट प्राप्त हुआ । इसके अतिरिक्त समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र की **''दृष्टि-सृष्टि''** (अंक 9) नामक हिंदी गृह पत्रिका को सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ ।

दूरदर्शन केंद्र, पटना

दूरदर्शन केंद्र, पटना की शुरूआत छज्जुबाग, पटना में स्थित एक सरकारी क्वार्टर से एक अंतरिम सेट अप के रूप में 13.10.1990 को हुई थी । साथ लगे क्षेत्र को पूर्णतः विकसित स्टुडियो के लिए रखा गया । सभी

आधुनिक उपस्करों और सहायक उपकरणों के साथ नई स्टुडियो बिल्डिंग का उद्घाटन 15.03.1996 को किया गया ।

आरंभ में, दूरदर्शन केंद्र, पटना ने 45 मिनट की अवधि से अपने कार्यक्रमों का आरंभ किया जिसमें 15 मिनट की अवधि का एक समाचार बुलेटिन था । 1992 में पाँच मिनट का उर्दू समाचार बुलेटिन आरंभ किया गया 1993 में जिसकी अवधि बढ़ाकर 10 मिनट कर दी गई । 1994 में बिहार के सभी ट्रांसमीटरों के साथ सैटेलाइट लिंक स्थापित किया गया । दूरदर्शन केंद्र, पटना में विज्ञापन सेवा की शुरुआत 1995 में हुई । छज्जुबाग, पटना में नए स्टुडियो परिसर से मार्च, 1999 में कार्य आरंभ हुआ ।

प्रसारण की प्रमुख भाषा हिंदी है । इसके अलावा, दूरदर्शन केंद्र, पटना उर्दू, मैथिली और राज्य की अन्य बोलियों अर्थात भोजपुरी, मगही, अंगिका और बज्जिका में भी कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहा है ।

दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम

लोक सेवा प्रसारण दिवस के अवसर पर 12 नवंबर, 2009 को त्रिवेंद्रम में मीडिया और विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के संपादकों/रिपोर्टरों ने भाग लिया । कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. प्रभात पटनायक ने किया । डॉ. थामस इस्साक, राज्य वित मंत्री ने भी कार्यक्रम में भाग लिया ।

त्रिवेंद्रम, कोची और कालीकट में आमंत्रित दर्शकों और प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ चुनाव पूर्व बातचीत कार्यक्रम की शृंखला का आयोजन किया गया ।

30.10.2008 को लेवी हाल, त्रिवेंद्रम में छः घंटे के एक विशेष गजल कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मशहूर गजल गायकों जैसे कि रघुराम कृष्णन, पार्श्व गायिका गायत्री, अमृता सुरेश, ज्योति संतोष आदि ने भाग लिया ।

टाउन हाल सभागार, थाला सेरी, कन्नूर जिला (केरल का उतरी भाग) में दो दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम एंगने नी मरक्कम का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम महान फिल्म संगीतकार के. राघवन मास्टर को समर्पित था । राज्य के प्रसिद्ध पार्श्व गायकों ने उनके 50 से भी अधिक फिल्मी गीत प्रस्तुत किए ।

महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि के अवसर पर दूरदर्शन और महबूब आरकेस्ट्रा, कोची द्वारा संयुक्त रूप से मत्तनचेरी टाउन हाल, एर्णाकुलम में 31 जुलाई, 2008 को चार घंटे का हिंदी फिल्म संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

टाउन हाल, कोझिकोड में 23 मार्च, 2008 को एक हिंदी फिल्म संगीत स्टेज शो "एक प्यार का नगमा" का आयोजन किया गया । इसमें राज्य के प्रसिद्ध पार्श्व गायकों ने 35 से भी अधिक हिंदी युगल गीत प्रस्तुत किए।

पवित्र रमजान महीने के संबंध में दूरदर्शन केंद्र, त्रिवेंद्रम ने वडाकरा में 29 अगस्त, 2008 को म्यूनिसिपल टाउन हाल में इद निला स्टेज शो का आयोजन किया । इस सांस्कृतिक संगीत संध्या कार्यक्रम में मालाबार के प्रसिद्ध कला रूप जैसे कि ओपन्ना, कोलकली, अर्णामत्तु, प्रसिद्ध मापीला गाने प्रस्तुत किए गए ।

दूरदर्शन केंद्र, लेह

समुद्र तल से 11500 फुट की ऊंचाई पर स्थित दूरदर्शन केंद्र, लेह लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए वर्ष 2002 में आरंभ किया गया था । केंद्र का मुख्य उद्देश्य विकासात्मक गतिविधियों को लोगों तक पहुंचाने, सामाजिक बुराइयों को मिटाने, खेलों और कलाओं को बढ़ावा देने और वनों, वनस्पति और वन्य जीवन के संरक्षण पर प्रकाश डालने के साथ-साथ इस विशिष्ट स्थान की महान सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है। इस केंद्र के 90% कार्यक्रम लद्दाख के लोगों के लिए लद्दाखी में होते हैं और शेष 10% सैनिकों और लद्दाख के बाहर के सिविल लोगों के लिए होते हैं । चूंकि केंद्र के पास दैनिक घटनाओं और क्षेत्रीय समाचारों के लिए कोई समाचार शाखा नहीं है अतः यह केंद्र सद्भावना कार्यक्रम के अंतर्गत सेना के विशेष आयोजनों और विकासात्मक कार्यक्रमों सहित दर्शकों को सामाजिक - सांस्कृतिक गतिविधियों की सूचना देने के लिए सप्ताह में 'लद्दाख डायरी' नामक कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है ।

केंद्र द्वारा वर्ष 2008-09 के दौरान बनाए गए कुछ प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

1857 के स्वतंत्रता संग्राम की 150वीं वर्षगांठ पर सेमिनार	12.05.08
जम्मू और कश्मीर के मुख्य मंत्री श्री गुलाब नबी आज़ाद और प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी.एस. लाली द्वारा आकाशवाणी में एफ.एम. ट्रांसमीटर और उपग्रह अप-लिंक स्टुडियो के उद्घाटन पर टीवी रिपोर्ट ।	29-05-08
आकाशवाणी, कारगिल में 200 कि.वा के ट्रांसमीटर के उद्घाटन और भारत निर्माण योजना पर टीवी रिपोर्ट ।	02-06-08
लद्दाख महोत्सव, 2008 पर टीवी रिपोर्ट	02-09-08
स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा : दिहार (एफआरएल) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	08-09-08
सिंगे खबाब सिंधु दर्शन महोत्सव पर टी.वी. रिपोर्ट	13-06-08
बौद्ध अध्ययन के केंद्रीय संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में दूरदर्शन केंद्र, लेह द्वारा आयोजित स्पिरिट ऑफ बुद्धिस्म पर सेमिनार	30-05-08

दूरदर्शन केंद्र, शिलांग

केंद्र की उपलब्धियाँ:

(i) भारतीय विज्ञान काँग्रेस के 96वें सत्र का आयोजन प्रथम बार पूर्वोतर भारत में मेघालय की राजधानी शिलांग में किया गया । इसका उद्घाटन भारत के प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने किया । इसमें भारत तथा विदेश के वैज्ञानिकों ने भाग लिया । इसका सीधा प्रसारण राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क पर किया गया।

(ii) भारत-आस्ट्रियाई राजनयिक पहल के साठ वर्ष पूरा होने के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध वियना चेंबर आर्केस्ट्रा द्वारा प्रस्तुत संगीत कार्यक्रम की मल्टी कैमरा सेट-अप से रिकार्डिंग की गई जिसकी संगीत समालोचकों ने काफी प्रशंसा की ।

(iii) आकाशवाणी, शिलांग ने क्षेत्रीय लोक संगीत समारोह का आयोजन किया जिसमें उस क्षेत्र के लब्धप्रतिष्ठ कलाकारों ने भाग लिया । इसकी रिकार्डिंग भी मल्टी कैमरा सेट-अप में की गई और उसका प्रसारण भी उसी दिन किया गया । आकाशवाणी, शिलांग द्वारा आयोजित एक अन्य सुगम संगीत समारोह में मेघालय के प्रख्यात कलाकारों ने भाग लिया । इसकी भी रिकार्डिंग मल्टी कैमरा सेट-अप में की गई और इसका प्रसारण तुरंत किया गया ।

(iv) इस केंद्र ने 'एक्सेलेंस कोशेंट' नामक एक सुव्यवस्थित तथा नए रूप में तैयार किए गए अखिल शिलांग अंतर विद्यालय प्रश्नोतरी कार्यक्रम का प्रसारण किया । इसकी तेरह कड़ियों का प्रसारण किया गया । इस कार्यक्रम में तीन दर्जन से अधिक विद्यालयों ने भाग लिया । केंद्र द्वारा प्रथम बार ऐसे सृजनात्मक कार्यक्रम के प्रसारण करने के लिए स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में इस कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की गई ।

(v) दूरदर्शन केंद्र, शिलांग द्वारा दैनिक समाचारों पर आधारित कार्यक्रम "सिटी स्कैन" प्रस्तुत किया जाता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत 1 जुलाई, 1997 को हुई थी और इसने अपने बारह वर्ष पूरे कर लिए हैं। राज्य की राजधानी में बिना आर.एन.यू. के यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक दिखाया जा रहा है । यह भी उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी से प्रसारित दैनिक पूर्वोतर समाचार बुलेटिन में गुवाहाटी के बाद शिलांग ही ऐसा केंद्र है जिसकी सिटी स्केन कथाओं को बुलेटिन में सबसे अधिक स्थान दिया जाता है । डीडी-न्यूज पर

प्रति दिन पूर्वाह्न 10.30 बजे प्रसारित 'स्टेट स्केन' के मामले में भी यही स्थिति है । जुलाई, 2008 से सिटी स्केन का सीधा प्रसारण प्रतिदिन सायं 7.00 बजे तथा 7.45 बजे क्रमशः खासी तथा अंग्रेजी भाषाओं में किया जा रहा है ।

(vi) सितंबर, 2008 से इस केंद्र ने अपना क्षेत्रीय प्रसारण प्रारंभ किया है जिससे मेघालय में कार्यक्रम दर्शकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है । दूरदर्शन केंद्र, तुरा और अन्य एचपीटी तथा एलपीटी भी दैनिक समाचार आधारित कार्यक्रमों को डाउन लिंक कर रहे हैं ।

दूरदर्शन केंद्र, तुरा

इस केंद्र ने 02 अक्टूबर, 2008 को 'सदभावना' नामक कार्यक्रम का प्रसारण किया जिसकी प्रेस और लोगों द्वारा काफी प्रशंसा की गई ।

क) दिनांक 01.01.2009 को एक विशेष नव वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया और इसे केंद्र के स्टुडियो में रिकार्ड किया गया ।

ख) दिनांक 31.03.09 को एकता और अनेकता (लोक महोत्सव):- केंद्र ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया तथा गारो हिल्स के दूर दराज के क्षेत्रों में रिकार्डिंग के साथ-साथ इसकी केंद्र के स्टुडियो में भी रिकार्डिंग की गई ।

दूरदर्शन केंद्र, हिसार

केंद्र ने हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत "साँग" (लोक नाटक) पर 55 मिनट का एक विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया । नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 'विरासत 2009' नाम से खुले मैदान में दर्शकों के बीच राज्य के प्रसिद्ध और प्रख्यात कलाकारों द्वारा नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया । भारत में प्रथम बार, भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने हिसार में निर्मल ग्रामीण पुरस्कार वितरित किए और इस कार्यक्रम का केंद्र द्वारा निर्बाध रूप से सीधा प्रसारण किया गया ।

केंद्र ने वीर स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय संविधान के प्रारुपण समिति के एक मात्र जीवित सदस्य माननीय चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पर एक अभिलेखीय वृतचित्र का निर्माण और प्रसारण किया । माननीय चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा का हाल ही में निधन हो गया है ।

सन् 2008 के दौरान हरियाणा के सिरसा और कुछ अन्य भागों में एक धार्मिक मुद्दे पर 'धन धन सतगुरु' (सतगुरू राम-रहीम सिंह जी के नेतृत्व वाला एक धार्मिक संगठन जिसका मुख्यालय सिरसा में है) के अनुयायिओं और सिख समुदाय के लोगों के बीच धार्मिक तनाव पैदा हो गया । इस अवधि के दौरान, दूरदर्शन केंद्र, हिसार ने साम्प्रदायिक दंगों को फैलने से रोकने के लिए निष्पक्ष और सकारात्मक समाचार प्रसारित किए ।

वर्ष 2008 में आरएनयू हिसार ने आदमपुर, इंदरी और गोहाना सीटों के विधान सभा उपचुनाव को व्यापक रूप से कवर किया ।

दूरदर्शन केंद्र, राजकोट

केंद्र ने दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की योजना बनाई और उन्हें प्रसारित किया । ये कार्यक्रम हैं:-

दूरदर्शन स्थापना दिवस के अवसर पर 'सप्तरंग' नामक विविधतापूर्ण मनोरंजक कार्यक्रम प्रसारित किया गया। लोक सभा चुनाव 2009 के दौरान जिला कलेक्टर और डीसीपी, राजकोट के साथ कानून-व्यवस्था के महत्व पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम प्रसारित किया गया ।

दूरदर्शन केंद्र, नागपुर

वर्ष 2008-09 दूरदर्शन केंद्र, नागपुर के लिए बहुत ही विशेष रहा क्योंकि इस वर्ष के दौरान केंद्र ने निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक राजस्व अर्जित किया है । महाराष्ट्र पशुधन विकास बोर्ड के लिए "जीवन दिशा"

धारावाहिक के निर्माण से केंद्र ने एक ही बार में 10,00,000 रुपए अर्जित किए । केंद्र के आकार और यहाँ मौजूद सुविधाओं को देखते हुए यह एक उत्कृष्ट उपलब्धि है । केंद्र द्वारा निर्मित अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:-

आदिवासी लोक-कला महोत्सवः दूरदर्शन केंद्र, नागपुर के परिसर में दिनांक 04 फरवरी, 2009 को आमंत्रित दर्शकों के लिए विदर्भ क्षेत्र की आदिवासी लोक-कला पर आधारित 'आदिवासी लोक-कला महोत्सव-2009' नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम दूरदर्शन केंद्र, मुंबई और दूरदर्शन केंद्र, नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया जिसमें भंडारा का घोड़ा नृत्य, गोंडिया के दांदर और दाहरिया नृत्य तथा गडचिरोली जिले के कारसद और मादिया नृत्य इन क्षेत्रों के चुने हुए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए ।

"आदिवासी लोक कला महोत्सव"

मन-वेधः

5 मार्च, 2009 को आमंत्रित दर्शकों के सम्मुख दूरदर्शन केंद्र, नागपुर के परिसर में महाराष्ट्र के संतों द्वारा रचित भक्ति गीतों एवं पदों पर आधारित एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया । मन की अवस्था और इसकी पवित्रता पर आधारित मधुर पदों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम को 10 मार्च, 2009 को दूरदर्शन केंद्र, नागपुर के स्थानीय चैनल पर प्रसारित किया गया ।

सौदामिनीः

दूरदर्शन केन्द्र नागपुर का सौदामिनी कार्यक्रम

25 मार्च, 2009 को नागपुर दूरदर्शन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए 'सौदामिनी' नामक एक अति विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में अपनी विषम परिस्थितियों के विरुद्ध संघर्ष करने वाली और समाज में विजयी होने वाली चार महिलाओं को आमंत्रित दर्शकों के सम्मुख गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया । नागपुर रेलवे स्टेशन पर कुली के रूप में कार्यरत विशाखा दाबले, ग्वालिन गौरी प्रपंचे, मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चों को गोद लेने एवं देखभाल करने वाली प्रज्ञा राउत तथा 'बालिका वरदान है, अभिशाप नहीं' का संदेश फैलाने वाली तथा छः बालिकाओं की माँ मीरा बडवेक को इस अवसर पर सम्मानित किया गया । पुणे निवासी विदर्भ क्षेत्र की प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सिंधुताई सपकल इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं । कलाकारों ने स्त्री शक्ति का चित्रण करने वाले कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनकी सभी ने प्रशंसा की ।

जनकर सप्तखंजेरिचाः

अपने सरल गीतों एवं मधुर खंजेरी भजनों के कारण राष्ट्रसंत तुकोजी महाराज ग्रामीण समाज में अत्यंत पूजनीय हैं । इस वर्ष राष्ट्रसंत तुकोजी की जन्म सदी है । दूरदर्शन केंद्र, नागपुर ने राष्ट्रसंत तुकोजी महाराज के जन्म सदी वर्ष के अवसर पर 22 जनवरी, 2009 को ऐतिहासिक स्थल रामटेक में एक कार्यक्रम का आयोजन किया । राष्ट्रसंत तुकोजी महाराज के जीवन में रामटेक का विशेष महत्व है । इस कार्यक्रम में लगभग चार हजार ग्रामीण दर्शक सम्मिलित हुए और शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने वाला यह कार्यक्रम लगातार 3 घंटे तक चला ।

दूरदर्शन केंद्र, कोयंबटूर

यह केंद्र सन् 2003 के दौरान ही तैयार हो गया था लेकिन चार वर्षों तक बिना उपयोग, कार्यक्रम निर्माण और राजस्व के सन् 2007 में ही यहाँ से वास्तविक प्रसारण प्रारंभ हो सका ।

केंद्र द्वारा प्रत्येक सप्ताह 2-1/2 घंटे के नए कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं जिनमें तमिलनाडु के इस क्षेत्र की विरासत, इतिहास, प्राचीन संपदा, प्रगति एवं विकास को प्रदर्शित किया जाता है ।
नैरोकास्ट के लिए 'कृषि कार्यक्रम' प्रस्तुत करना केंद्र के लिए परम संतोष का विषय है जिसके अंतर्गत कृषि मजदूरों के साथ-साथ 12 लाख छोटे किसानों और 50 लाख सीमांत किसानों तक कार्यक्रम पहुँचता है । प्रस्तुत किए जाने वाले ऐसे कार्यक्रमों में कृषि क्षेत्र में अक्वा कल्चर से लेकर जाइटोप्लाज्म अनुसंधान तक विविध विषयों पर कार्यक्रम दिखाए जाते हैं । इनमें से कई कार्यक्रम तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के शोध अध्येताओं के बीच सतत गहन अकादमिक चर्चा के विषय बन गए हैं । दूसरे शब्दों में, दूरदर्शन केंद्र, कोयंबटूर द्वारा प्रस्तुत नैरोकास्ट कार्यक्रम कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं ।

दूरदर्शन केंद्र, ईटानगर

दूरदर्शन केंद्र, ईटानगर ने दर्शकों को केंद्रीय सरकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करने पर बल दिया । केंद्र ने भारत निर्माण के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर विभिन्न प्रकार के दस से अधिक कार्यक्रम निर्मित किए जैसे गीत दृश्यांकन, वृत चित्र, प्रोमो, क्षेत्र आधारित दर्शन सहभागिता कार्यक्रम, स्टुडियो आधारित विचार विनिमय कार्यक्रम के साथ-साथ समाज में किशोरों को सजग करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित सूचना आयुक्त के साथ कालेजों और विद्यालय के छात्रों का एचआईवी/एड्स पर विचार-विनिमय कार्यक्रम । गाँधी जयंती, राज्य स्थापना दिवस और मॉपिन, नायकुम, द्री, बुद्ध महोत्सव तथा क्रिसमस जैसे राज्य के सभी महत्वपूर्ण उत्सवों के अवसर पर केंद्र ने विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया ।

(एच आई वी एडस पर कार्यक्रम) 2008

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2008:

मार्च 2008 में जालंधर में आयोजित दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोह में केंद्र को टेलीफिल्म 'ओया' के लिए निम्नलिखित 3 विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत पुरस्कार प्राप्त हुए :-

सर्वश्रेष्ठ टेलीफिल्म	-	श्री विश्व कुमार दास
सिनेमाटोग्राफी	-	श्री शिशिर दीक्षित
ध्वनि	-	श्री निकुंज कलिता (बाह्य स्रोत)

केंद्र ने राजनीतिक प्रसारण, मुख्य चुनाव अधिकारी एवं पुलिस महानिदेशक का विशेष साक्षात्कार, राज्य में मतदान की कवरेज, पूर्वोतर समाचार डीडी गुवाहाटी को इसकी फीड देने तथा मतगणना के दिन दिनांक 16.05.09 को डीडी न्यूज दिल्ली और गुवाहाटी को हॉटस्विचिंग के साथ-साथ संसदीय चुनाव का सफल प्रबंधन किया ।

क) विशेष दिवस मनाया जाना

निम्नलिखित विशेष दिवसों के अवसर पर केंद्र ने विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए :

विश्व एड्स दिवस	01.12.08
विश्व विक्लांग दिवस	04.12.08
गणतंत्र दिवस विशेष कार्यक्रम	26.01.09
पृथ्वी दिवस पर विशेष कार्यक्रम	22.04.09
बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर जयंती पर विशेष कार्यक्रम	14.4.09
विश्व स्वास्थ्य दिवस की पूर्व संध्या पर सबके लिए सुरक्षित स्वास्थ्य पर विशेष कार्यक्रम	06.04.09
बुद्ध जयंती पर विशेष कार्यक्रम	09.05.09
किमिन में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के नागरिक सक्रियता कार्यक्रम पर टी.वी. रिपोर्ट	23 एवं 24-01-09
विश्व पर्यावरण दिवस	05-03-09

दूरदर्शन केंद्र, वाराणसी

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए:-

सेहत - फोन-इनः

प्रत्येक गुरुवार को सायं 5.30 बजे स्वास्थ्य कार्यक्रम "सेहत" फोन-इन-लाइव प्रसारित किया जाता है । यह केंद्र में निर्मित एक प्रायोजित कार्यक्रम है ।

सीप के मोतीः

यह कक्षा छः से सात तक के बच्चों के लिए प्रश्नोतरी और व्यक्तित्व विकास पर एक धारावाहिक कार्यक्रम है । इसकी कुल 52 कड़ियों का निर्माण किया गया है । इसे प्रत्येक बुधवार को सायं 5.30 बजे प्रसारित किया जाता है ।

गुंजन - 2ः

युवा संगीत कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए विगत वर्ष एक संगीत-नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । एकल प्रदर्शन का यह बहुत ही सफल कार्यक्रम था तथा दर्शकों ने इसकी काफी सराहना की । इस वर्ष कार्यक्रम के द्वितीय भाग का निर्माण किया गया जिसमें युगल कलाकारों ने 5 खंडों अर्थात शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वादन, सुगम, लोक और नृत्य में अपनी कला का प्रदर्शन किया ।

टेली धारावाहिकः

यह प्रख्यात लेखक और पत्रकार श्री बच्चन सिंह के पुरस्कृत उपन्यास पर आधारित 26 कड़ियों का कार्यक्रम है । यह धारावाहिक उन समस्याओं पर आधारित है जिनका सामना ग्रामीण पत्रकारों को करना पड़ता है । यह दूरदर्शन केंद्र, वाराणसी की एक अत्यंत प्रतिष्ठित प्रस्तुति है । यह सामग्री तथा तकनीकी दृष्टि से एक उत्कृष्ट कार्यक्रम है ।

नैरोकास्टिंगः

दूरदर्शन केंद्र, वाराणसी नैरोकास्टिंग स्वरूप में सोमवार से शुक्रवार तक प्रत्येक दिन 30 मिनट अवधि का कृषि कार्यक्रम प्रस्तुत करता है । आमंत्रित किसानों के समक्ष फसल संगोष्ठियों का भी आयोजन किया गया ।

पीजीएफ, विजयवाड़ा

पीजीएफ विजयवाड़ा विगत पाँच वर्षों से नैरोकास्टिंग कृषि कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है । वर्ष 2008-09 के दौरान इस केंद्र ने कृषि एवं संबद्ध विषयों पर 400 खंडों के 110 कार्यक्रम प्रस्तुत किए । वर्ष के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए :

1. **"रसआगयुलो रा राजू"** पद्म श्री से सम्मानित प्रसिद्ध मंच एवं फिल्म कलाकार इलापति रघु रमैया पर यह एक वृतचित्र है । शकुंतला नाटक में उनके अभिनय को देखने के बाद रबीन्द्र नाथ टैगोर ने उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें "नाइटिंगेल आफ द स्टेज' कहा था ।

2. **"गण गंधर्वुदु"** मंच और फिल्म कलाकार पी. सुरी बाबु पर एक वृतचित्र । उन्होंने सुप्रसिद्ध पौराणिक और सामाजिक नाटकों का मंचन किया था । उनकी फिल्म महाकवि कालिदास को माननीय राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ था ।

3. **"प्रख्यात चित्रकारुडु"** सुप्रसिद्ध एचिंग, ड्राई पाइंट आर्टिस्ट के. राम मोहन शास्त्री पर आधारित फीचर है ।

4. **"श्री कनक दुर्गा वैभवम्"** यह कार्यक्रम विजयवाड़ा में दुर्गा मल्लेश्वर स्वामी मंदिर में देवी दुर्गा नवरात्रि उत्सव पर आधारित है । दशहरा नवरात्रि उत्सव के दौरान लाखों भक्त देवी दुर्गा के दर्शन करते हैं ।

5. **"मोहिनी भस्मासुर"** यह एक कुच्चीपुडी नृत्य नाटक है ।

6. **"गांधी मार्गम"** गांधी जयंती के अवसर पर कवि सम्मेलन ।

7. **"संक्रांति हेला"** संक्राति के अवसर पर कवि सम्मेलन ।

8. **"शांति सौरभालु"** आतंकवाद विरोध पर कवि सम्मेलन ।

विपणन पहलें

प्रसार भारती के मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नै, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी, कोच्ची और जालंधर में 8 विपणन प्रभाग हैं । इनकी स्थापना पूरे देश में प्रसारित किए जाने वाले डीडी-नेशनल नेटवर्क, डीडी-क्षेत्रीय केंद्रों, डीडी-न्यूज और विभिन्न उपग्रह चैनलों के कार्यक्रमों की इन-हाऊस मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए की गई है ।

दूरदर्शन का अग्रणी चैनल है डीडी-I (डीडी नेशनल) जो विभिन्न फार्मेटों जैसे एसएफसी (स्व-वित), अर्जन, कमीशंड आदि के तहत प्राप्त किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से दूरदर्शन के सकल राजस्व का लगभग 55% राजस्व अर्जित करता है । डीडी-नेशनल नेटवर्क पर अप्रैल-अक्टूबर, 2007 की अवधि की लिए बुकिंग 222.31 करोड़ रुपए है और बाजार की स्थिति के अनुसार प्रभाग को इस चैनल से 380 करोड़ रुपए के सकल व्यवसाय जुटाने की संभावना है ।

इस समय डीडी-नेशनल नेटवर्क पर 95% कार्यक्रम एसएफसी के तहत तैयार होते हैं जिसके तहत चैनल सॉफ्टवेयर के मूल अधिकार अपने पास रखता है और इनका उपयोग अधिकतम राजस्व अर्जित करने में करता है । विपणन प्रभाग ने अप्रैल-अक्टूबर, 2008 की अवधि के दौरान एसएफसी के तहत 110.804 करोड़ रुपए की बुकिंग के दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया है ।

विपणन प्रभाग चैनल पर प्रसारित किए जाने वाले 'एयरटेल देश की आवाज', 'व्हील स्मार्ट श्रीमती', 'ताजा खेलो गाओ जीतो' जैसे रियल्टी शो/गेम्स शो कार्यक्रमों सहित, विभिन्न शैलियों के कार्यक्रमों की मार्केटिंग करने में सफल रहा है । इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय ब्रांड की कम्पनियां भारती, एयरटेल, एचएलएल, डाबर, इमामी, कोलगेट पामोलिव आदि ने भारी निवेश किया है । मनोरंजन के अतिरिक्त कार्यक्रमों में महिला अधिकारिता, सामाजिक सहयोग आदि के विभिन्न पहलू शामिल हैं ।

विपणन प्रभाग ने 'कथा सरिताघ की मार्केटिंग करने का बीड़ा उठाया है । 'कथा सरिता' में भारत के महान लेखकों/उपन्यासकारों द्वारा रचित प्रसिद्ध कथाओं को धारावाहिक के माध्यम से जाने-माने निर्माताओं द्वारा टीवी पर प्रस्तुत किया गया है । अप्रैल से अक्तूबर, 2008 तक की अवधि के दौरान 'कथा सरिता' की शृंखलाओं के माध्यम से प्रभाग ने 2.25 करोड़ रु. के राजस्व की रिकार्ड बुकिंग की है ।

विपणन प्रभाग प्राइम टाइम के बहुत से महिलाओं संबंधी मुद्दों और आकांक्षाओं पर केंद्रित धारावाहिकों और, सॉफ्टवेयर की प्रभावशाली ढंग से मार्केटिंग कर राजस्व अर्जित करने में भी सफल रहा है । इसमें 'एयरहोस्टेस, 'अस्तित्व एक कहानी' और बच्चों के मनभावन कार्यक्रम चंद्रमुखी शामिल हैं । प्रभाग ने इन कार्यक्रमों से क्रमशः 6.45 करोड़ रुपए, 7.15 करोड़ रुपए और 12.09 करोड़ रुपए का सकल राजस्व अर्जित किया है ।

विपणन प्रभाग एशियाई कप क्रिकेट जैसे अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद आयोजनों के प्रसारण की मार्केटिंग करने में भी सफल रहा है । इसमें प्रभाग 16.109 करोड़ रुपए का सकल राजस्व अर्जित करने में सफल रहा और यह राशि बोली प्रक्रिया में प्रतिबद्ध की गई राशि से अधिक थी । इसके अतिरिक्त, प्रभाग ने बीजिंग ओलम्पिक, 2008, ओलम्पिक टार्च, रोबोकॉन इंटरनेशनल चैम्पियनशिप, सनफीस्ट मैराथन, 2008 और कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स, 2008 जैसे अद्वितीय आयोजनों की भी मार्केटिंग की है और प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स की भागीदारी और सहायता के द्वारा मीडिया मार्केट के माध्यम से इन आयोजनों से राजस्व अर्जित किया है ।

विपणन प्रभाग पूरे देश के विभिन्न ग्राहकों से चैनल पर निवेश की गई संपतियों पर व्यवसाय जुटाने के लिए महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं । ये प्रभाग पूरे मीडिया मार्केट और कार्यक्रम के बीच तालमेल बैठाने में महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूरदर्शन पर कार्य व्यापार प्रगतिशील ढंग से किया जा रहा है ।

विपणन प्रभाग(गों) पर चैनल के कार्यक्रमों का प्रबंधन और विपणन के साथ-साथ समय-समय पर चैनल द्वारा प्रसारित किए जाने वाले विभिन्न लोक सेवा पहल के कार्यक्रमों से राजस्व अर्जित करने का उतरदायित्व है ।

मीडिया पहलें

दूरदर्शन के पास सक्रिय जन संपर्क प्रभाग है जो मीडिया और प्रचार संबंधी गतिविधियों की देखरेख करता है। सभी प्रकार के संप्रेषण जैसे विज्ञापन, डाइरेक्ट मेलर्स, प्रैस विज्ञप्तियां आदि के माध्यम से दूरदर्शन की गतिविधियों और कार्यक्रमों का प्रचार किया जाता है । चार राष्ट्रीय नेताओं - महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी पर दृश्य-श्रव्य सामग्री प्राप्त करने के लिए विज्ञापन, डीडी-उर्दू चैनल और इसके तकनीकी पैरामीटरों का प्रोमोशन, भारत एक खोज, बीजिंग ओलम्पिक-2008 की टीवी और रेडियो कवरेज संबंधी प्रचार, गुरु ग्रंथ साहिब के तीन सौ वर्ष पूर्ण होने पर मनाए गए उत्सव का प्रचार/विज्ञापन और शबदों की वीसीडी और डीवीडी जारी करना, कृषि समाचार और मंडी भाव बुलेटिनों का निर्माण करने के लिए निर्माताओं/एजेंसियों से निविदा आमंत्रित करने के लिए निविदा सूचना, डीडी-उर्दू आदि की चैनल पैकेजिंग के लिए विज्ञापन के माध्यम से पूरे देश में प्रचार किया गया । विशेष कार्यक्रमों जैसे गुरु मान्यो ग्रंथ, धारावाहिक जैसे कल्पना, रघुकुल रीत सदा चली आई, ए-दिल-ए-नादान, डीडी-भारती, डीडी-आर्काइव्स, डीडी-उर्दू और डीडी-स्पोर्ट्स

के होर्डिंग लगाए गए । मुंबई में तकनीशियनों की हड़ताल के बावजूद दूरदर्शन पर नए धारावाहिक शुरू किए गए और बड़े ही उत्साह से उनका प्रचार किया गया । इसके अतिरिक्त, डीडी वेबसाइट को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है । क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्रों में भी जनसंपर्क यूनिटों की स्थापना की गई है ताकि वे नियमित रूप से रिपोर्टें प्राप्त कर उनकी जांच कर सकें और समेकित रिपोर्ट तैयार कर सकें ।

दूरदर्शन पर ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट में अभिनव परिवर्तन

लोक सेवकों की मीडिया छवि को सुधारने और गवर्नेंस में लोगों का विश्वास पैदा करने के लिए दूरदर्शन के चैनलों पर उपयुक्त कार्यक्रम/न्यूज स्टोरीज प्रसारित करने अथवा गवर्नेंस में अभिनव परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया । इन कार्यक्रमों/न्यूज स्टोरीज में गवर्नेंस के विभिन्न स्तरों के सरकारी कर्मचारियों द्वारा केंद्र/राज्य प्रशासन में चाहे वह फोरेस्ट गार्ड/सिपाही स्तर का हो या उच्च स्तर का अधिकारी का, जनता की भलाई के लिए किए गए सामाजिक परिवर्तन में योगदान को दर्शाया गया । मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी को इस प्रकार के सरकारी संस्थान के रूप में चुना गया और इसकी उपलब्धियों को कार्यक्रमों, समाचारों/स्टोरीज के माध्यम से प्रस्तुत किया गया । कई प्रमुख केंद्रों/आरएनयू ने भी अपने-अपने प्रसारण जोन के लोक सेवकों की कार्यप्रणाली और उनकी उपलब्धियों पर वृतचित्र, फीचर, साक्षात्कार आदि के रूप में कार्यक्रम/न्यूज स्टोरीज का निर्माण किया है । ये कार्यक्रम संबंधित केंद्र की प्रमुख भाषा में प्रस्तुत किए गए थे।

वर्तमान नेटवर्क और सेवा

इस समय दूरदर्शन निम्नलिखित अलग-अलग 31 चैनलों पर कार्यक्रम प्रसारित करता है:-

i.	**डीडी1**	**-**	**नेशनल चैनल**
ii.	**डीडी न्यूज**	**-**	**समाचार चैनल**
iii.	**डीडी भारती**	**-**	**एनरिचमेंट चैनल**
iv.	**डीडी स्पोर्ट्स**	**-**	**खेल-कूद चैनल**
v.	**डीडी राज्य सभा**	**-**	**संसद चैनल**
vi.	**डीडी उर्दू**	**-**	**उर्दू भाषा चैनल**
vii.	**क्षेत्रीय चैनल**	**-**	**11**
मलयालम (केरल)		तमिल (पोढ़िगै)	उड़िया
तेलुगु (सप्तगिरि)		बंगाली (बांग्ला)	कन्नड़ (चंदना)
मराठी (सह्याद्रि)		गुजराती	कश्मीरी (कशीर)
नार्थ ईस्ट		पंजाबी	
viii.	**राज्य नेटवर्क**	**-**	**12**
राजस्थान		मध्य प्रदेश	उतर प्रदेश
बिहार		हिमाचल प्रदेश	झारखंड, छतीसगढ़, हरियाणा
उतराखंड,		त्रिपुरा	मिजोरम, मेघालय
ix.	**डीडी इंडिया**	**-**	**अंतर्राष्ट्रीय चैनल**
x.	**ज्ञान दर्शन**	**-**	**शैक्षणिक चैनल**

इन-हाउस निर्माण के लिए आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित 66 स्टुडियो देश के भिन्न-भिन्न भागों में कार्य कर रहे हैं । उपग्रह अपलिंक की सुविधा दूरदर्शन के सभी प्रमुख केंद्रों पर उपलब्ध है । स्थलीय ट्रांसमिशन के लिए पूरे देश में अलग-अलग शक्ति के 1414 ट्रांसमीटर स्थापित किए गए हैं । ये ट्रांसमीटर देश की 92.2% जनता को कवरेज उपलब्ध कराते हैं ।

वर्ष 2008-09 में दूरदर्शन के नेटवर्क में इस समय कार्य कर रहे स्टुडियो और ट्रांसमीटरों का राज्यवार ब्यौरा अनुलग्नक-क में दर्शाया गया है ।

डीटीएच सेवा "डीडी डाइरेक्ट प्लस

दूरदर्शन ने केयू बैंड ट्रांसमिशन (फ्री-टू-एयर डीटीएच "डीडी-डाइरेक्ट प्लसच) की शुरूआत 33 टीवी चैनलों के बुके के साथ दिसम्बर, 2004 में की थी । इस सेवा का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों को टीवी कवरेज उपलब्ध कराना है जो अब तक स्थलीय ट्रांसमिशन की कवरेज में नहीं थे । इस सेवा के आरंभ किए जाने से पूरे देश में (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह को छोड़कर) मल्टी चैनल टीवी कवरेज उपलब्ध हो गई है । बाद में डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता को बढ़ाकर 50 टीवी चैनल कर दिया गया तथा अब स्पेक्ट्रम की क्षमता को बढ़ाकर वर्ष 2008-09 के दौरान 59 चैनलों के ट्रांसमिशन के लिए किया जा रहा है ।

मोबाइल टीवी (डीवीबी-एच ट्रांसमिशन)

दूरदर्शन ने दिल्ली में मई, 2007 से मोबाइल टीवी सेवा (डीवीबी-एच ट्रांसमिशन) की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 8 टीवी चैनलों के बुके के साथ की थी । आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली में स्थापित 05 कि.वा. का ट्रांसमीटर यूएचएफ बैंड में ch# 26 पर कार्य कर रहा है । ट्रांसमीटर की लोकेशन से 10-12 कि.मी. के दायरे में डीवीबी-एच सुविधा युक्त मोबाइल फोन पर सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं । स्टेटिस्टिकल मल्टीप्लेक्सिंग का प्रयोग करके डीवीबी-एच बुके में टीवी चैनलों की संख्या 01 अगस्त, 2008 से 8 से बढ़ा कर 16 कर दी गई है । डीवीबी-एच बुके में सम्मिलित 16 डीडी चैनल निम्नलिखित हैं:-

डीडी नेशनल	डीडी न्यूज	डीडी स्पोर्ट्स	डीडी भारती
डीडी बांग्ला	डीडी उर्दू	डीडी पंजाबी	डीडी इंडिया
डीडी चंदना	डीडी गुजराती	डीडी मलयालम	डीडी पोढ़िगै
डीडी उड़िया	डीडी सह्याद्रि	डीडी सप्तगिरि	डीडी नार्थ ईस्ट

उतर-पूर्वी राज्यों और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज (फेज-II)

मई, 2006 में अनुमोदित विशेष पैकेज के अंग के रूप में निम्नलिखित परियोजनाएं अब तक लागू की जा चुकी हैं:-

उतर पूर्वी राज्य

- उतर पूर्वी राज्यों में टीवी सेटों सहित 25000 डीटीएच सेट उपलब्ध कराना
- एचपीटी, कोकराझार (अंतरिम सेट अप)
- दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी में डीएसएनजी यूनिट (एक)

द्वीपीय क्षेत्र

- पोर्ट ब्लेयर में एचपीटी (डीडी1 और डीडी न्यूज)
- दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर में ओ.बी. वैन
- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में एलपीटी परियोजनाएं - 02 और वीएलपीटी परियोजनाएं - 16
- लक्षद्वीप में वीएलपीटी परियोजनाएं - 13

उपर्युक्त पैकेज के अंग के रूप में निम्नलिखित परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं और इनके 2008-09 के अंत तक पूरा होने की संभावना है:-

उत्तर पूर्वी राज्य

i. गुवाहाटी अर्थ स्टेशन का अपग्रेडेशन (02 नार्थ ईस्ट चैनलों के लिए) ।
ii. दूरदर्शन केंद्रों में ओबी और निर्माणोपरांत सुविधा का विस्तार ।
iii. डीएसएनजी यूनिट - 03.

कोकराझार (असम) में स्थायी एचपीटी सेट अप के 2009 के उतरार्ध तक पूरा होने की संभावना है ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह

i. वीएलपीटी परियोजनाएं - 5
ii. पोर्ट ब्लेयर स्टुडियो को डीएसएनजी और अतिरिक्त उपकरण उपलब्ध कराना
iii. सी बैंड में डीटीएच सेवा
iv. 1000 रिसीव यूनिट और टीवी सेट उपलब्ध कराना

लक्षद्वीप द्वीपसमूह

वीएलपीटी - 2

जम्मू और कश्मीर में दूरदर्शन और आकाशवाणी की सेवाओं में सुधार लाने के लिए विशेष पैकेज (फेज-II)

जम्मू और कश्मीर में दूरदर्शन और आकाशवाणी की सेवाओं में सुधार लाने के लिए विशेष पैकेज (फेज-II) सितम्बर, 2007 में मंजूर किया गया था । दूरदर्शन के प्रमुख घटक सॉफ्टवेयर योजनाओं के लिए हैं । कार्यान्वित/कार्यान्वयनाधीन हार्डवेयर योजनाएं निम्नलिखित हैं:-

- राज्य सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों को 10000 डीटीएच सेट और टीवी सेट सौंप दिए गए हैं ।
- 40 यूपीएस खरीदने के लिए कार्रवाई की जा रही है ।
- नेटवर्क में उपलब्ध उपकरण का उपयोग करते हुए जम्मू के अर्थ स्टेशन को 3+1 कांफिग्रेशन में एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में अपग्रेड कर दिया गया है । जम्मू अर्थ स्टेशन के लिए नए उपकरण खरीदने के लिए कार्रवाई की जा रही है ।

प्रशिक्षण

प्रसारण तकनीक में तेजी से हो रहे विकास को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शन अपने कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर बल देता आया है । वर्ष 2008-09 (अप्रैल 2008 - नवम्बर, 2008) की अवधि के दौरान 981 अभियांत्रिकी अधिकारियों को विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों और उपकरण निर्माताओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

एसटीआई (टी) दिल्ली	-	516
आरएसटीआई भुवनेश्वर	-	183
आरएसटीआई (टी) शिलांग	-	14
आरएसटीआई (टी) मलाड	-	66
उपकरण निर्माताओं द्वारा	-	172
आईआईटी कानपुर (अल्पावधि)	-	30

अध्याय-4

आकाशवाणी

उद्गम

भारत में रेडियो प्रसारण 1920 के आरंभ मेंशुरू हुआ। मुंबई के रेडियो क्लब ने पहला कार्यक्रम 1923 में प्रसारित किया। इसका अनुसरण करते हुए प्रसारण सेवा आरंभ हुई और मुंबई और कोलकाता में परीक्षण के आधार पर 23 जुलाई, 1927 को उस समय की तथाकथित भारत सरकार और भारतीय प्रसारण कम्पनी लिमिटिड नामक एक निजी कम्पनी के बीच करार के अंतर्गत प्रसारण आंरभ हुआ। जब यह कम्पनी 1930 में बंद हो गई तो प्रसारण नियंत्रक विभाग के अंतर्गत भारतीय राज्य प्रसारण सेवा बनी। भारतीय राज्य प्रसारण सेवा में जून, 1936 में आल इंडिया रेडियो नाम दिया गया। आल इंडिया रेडियो को 1956 से आकाशवाणी के रूप में जाना जाता है।

जब भारत 1947 में स्वतंत्र हुआ, आकाशवाणी के नेटवक्र में 6 केन्द्र और 18 ट्रांसमीटर थे। क्षेत्रवार कवरेज 2.5 प्रतिशत और जनसंख्यावार कवरेज 11 प्रतिशत थी। आज आकाशवाणी के 225 रेडियो केन्द्र है और 361 ट्रांसमीटर हैं। इसका क्षेत्रवार कवरेज 91.78 प्रतिशत और जनसंख्यावार कवरेज 99.14 प्रतिशत है। भारत जैसे बहुसांस्कृतिक बहुभाषी देश में आकाशवाणी 24 भाषाओं और 146 बोलियों में प्रसारण कर रहा है। विदेश सेवा में यह 16 विदेशी और 11 भारतीय सहित 27 भाषाओं में प्रसारण करता है। आकाशवाणी की प्रसारण सेवाएं मीडियम वेव,शॉर्ट वेव और एफ एम में उपलब्ध हैं। एफ एम सेवा एक बड़ी बैड़विड्थ का प्रयोग करती है जिससे स्पष्ट एवं शोररहित कार्यक्रम सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

कार्यक्रमों के उद्देश्य

अपने कार्यक्रम निर्माण एवं अन्य गतिविधियों में आकाशवाणी अपने उद्देश्य वाक्य बहुजन हिताय बहुजन सुखाय से प्रेरणा प्राप्त करती है अर्थात सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के माध्यम से जनता की खुशियों और कल्याण को परिवर्धित करती है। अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु आकाशवाणी ने प्रसारण का थ्री टीयर सिस्टम-राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय विकसित किया है। देश में फैले विभिन्न केन्द्रों की सहायता से यह जनसंचार की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। ये केन्द्र संगीत, वार्ता, समाचार तथा अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। स्थानीय केन्द्र श्रोताओं की क्षेत्र विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

आकाशवाणी चैनल

आकाशवाणी सेवा का संचालन निम्नलिखित चैनलों से होता है:-

1. प्राइमरी चैनल
2. विज्ञापन प्रसारण सेवा (विविध भारती)
3. एफ एम चैनल (रेनबो और गोल्ड)
4. स्थानीय रेडियो केन्द्र (एल आर एस)
5. नैशनल चैनल
6. डीटीएच
7. विदेश सेवा प्रसारण
8. अन्य महत्वपूर्ण चैनलः अमृत वर्षिणी

प्राइमरी चैनल

आकशवाणी के प्राइमरी चैनल लोक सेवा प्रसारण का एक अंग हैं, जो सूचनात्मक मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करके श्रोताओं के जीवन को समृद्ध करते है। अधिकतर मीडियम वेव फ्रीक्वेंसी पर प्रसारित किए जाने वाले प्राइमरी चैनलों के कार्यक्रम मिले-जुले होते हैं। ये भारतीयशास्त्रीय संगीत पर विशेष बल देकर कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। प्राइमरी चैनलों पर प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों में से 40 प्रतिशत कार्यक्रम संगीत के होते हैं, जिनमें शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत, फिल्मी तथा अन्य भाषाओं के संगीत के कार्यक्रम होते हैं। प्रसारण समय का 20 से 30 प्रतिशत समय समाचार एवं सामायिकी कार्यक्रमों के लिए होता है। रेडियो नाटक, ड्रामा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं और बच्चों के लिए कार्यक्रम, ग्रामीण जनसमूह के सशक्तीकरण पर आधारित फार्म एवं होम कार्यक्रम, प्राइमरी चैनलों के अन्य महत्वपूर्ण अंग हैं। सभी आकाशवाणी चैनलों से पहुंच अधिक होने के कारण इन चैनलों द्वारा संबंधित क्षेत्र के श्रोताओं को उन्हीं की भाषा में कार्यक्रम पहुंचाने का प्रयत्न किया जाता है।

विविध भारती

लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर आधारित आकाशवाणी का मनोरंजन चैनल विविध भारती अक्तूबर, 1957 मेंशुरू किया गया था। नवंबर, 1967 से इसमें विज्ञापनों कोशामिल किया गया। विविध भारती सेवा द्वारा प्रतिदिन 15 घंटे का मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाता है। इसके कार्यक्रमों में से लगभग 85 प्रतिशत कार्यक्रम संगीत पर आधारित होते हैं, जिसमें सबसे अधिक फिल्मी संगीत होता है। शास्त्रीय, लोक, सुगम तथा भक्ति संगीत भी प्रसारित किए जाते हैं। विविध भारती के अधिकांश कार्यक्रम मुंबई से प्रसारित किए जाते हैं, जिन्हें अन्य विविध भारती केन्द्रों द्वारा रिले किया जाता है। क्षेत्रीय विविध भारती केन्द्र भी निर्धारित समय पर कुछ कार्यक्रमों का अपनी भाषा में निर्माण एवं प्रसारण करते हैं। विविध भारती के कई कार्यक्रम श्रोताओं में बहुत ही लोकप्रिय हैं। चित्रलोक (प्रातः कालीन), भूले-बिसरे गीत, छाया गीत, हवा महल, चित्रलोक (सांयकालीन), जयमाला, आप की फर्माइश, त्रिवेणी, संगीत सरिता और मनचाहे गीत 10 सर्वोत्तम कार्यक्रम हैं।

एफ एम रेनबो

आकाशवाणी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नै, बंगलौर, हैदराबाद, पणजी, लखनऊ, कटक, जलंधर, तिरूचिरापल्ली, कोडइकनाल, विशाखापट्टनम और कोयम्बटूर केन्द्रों से 14 एफ एम स्टीरियो चैनलों का संचालन करती है। इन केन्द्रों के अतिरिक्त रेनबो के कार्यक्रम कुछ समय के लिए कसौली, शिलांग, मसूरी, अलीगढ़, धर्मशाला, भटिंडा, कर्सियांग, विजयवाड़ा, कानपुर, भदरवा, पुंछ, राजौरी, नौशेरा, रेडियो कश्मीर श्रीनगर, जम्मू और लेह से रिले किए जाते हैं। ये चैनल जिन्हें आकाशवाणी रेनबो कहा जाता है, नई शैली के ताजगीपूर्ण प्रस्तुतीकरण द्वारा शहरी श्रोताओं का मनोरंजन करते हैं। हिन्दी, अंग्रेजी और प्रादेशिक संगीत कार्यक्रमों के अलावा इन एफ एम चैनलों से चैट शो, हैल्पलाइन कार्यक्रम, इंटरएक्टिव फोन-इन-प्रोग्राम आदि भी प्रसारित किए जाते हैं। यातायात, मौसम की अद्यतन जानकारी जैसे कार्यक्रम मैट्रो निवासियों के लिए विशेष रूचि के कार्यक्रम हैं।

एफ एम गोल्ड

पूर्णरूप से समाचार एवं मनोरंजन से युक्त चैनल आकाशवाणी एफ एम-।। को पहली सितंबर, 2001 सेशुरू किया गया था। इस चैनल पर रोजाना 18 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता एव चेन्नै से प्रसारित इन एफ एम-।। चैनलों को एफ एम गोल्ड कहा जाता है। इसके कार्यक्रमों में समाचार एवं मनोरंजन का मिला-जुला रूप होता है जिनका एक तिहाई भाग समाचार और सामयिकी मामलों के लिए समर्पित होता है। दिल्ली में प्रत्येक घंटे पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं, जबकि

एफ एम गोल्ड के तीनों अन्य चैनल अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में समाचारों का प्रसारण करते हैं। आकाशवाणी एफ एम गोल्ड चैनल एक प्रकार से क्लासिक चैनल के रूप में कार्य करता है जिसपर पुराने सुनहले गीत, गजल एवं सुगम शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम मनोरंजन का हिस्सा बनते है।

स्थानीय रेडियो केन्द्र (एल आर एस)

स्थानीय रेडियो प्रसारण भारत में एक नई अवधारणा हैं। प्रत्येक केन्द्र छोटे क्षेत्र को उपयोगी सेवाएं प्रदान करते हैं और समुदाय के दिलों में सीधे प्रवेश करते हैं जो माइक्रोफोन का उपयोग अपने जीवन को दर्शाने और समृद्ध करने के लिए करते हैं। स्थानीय रेडियो को प्रादेशिक नेटवक्र से जो पृथक करती है वह उसकी सहजता, अंतरंगता और निर्बाधता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम क्षेत्रीय विशेषता लिए होते हैं। ये काफी लचीले और स्वाभाविक होते हैं ताकि ये केन्द्र स्वाभाविक रूप से जनता की आवाज बन सकें।

नैशनल चैनल

आकाशवाणी तीन स्तरीय प्रसारण प्रणाली प्रदान करती है, नामतः राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय। राष्ट्रीय प्रसारण का मुख्य ध्येय भी यही है। 18 मई, 1998 को प्रारंभ आकाशवाणी का राष्ट्रीय प्रसारण शाम 6.50 बजे से अगले दिन सुबह 6.10 बजे तक रात्रि सेवा के रूप में प्रसारण करता है।

पूरे भारत को ही अपना क्षेत्र मानकर चैनल के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करके पूरे देश की विविध सांस्कृतिक गतिविधियों पर कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

राष्ट्रीय प्रसारण में विज्ञान, स्वास्थ्य, खेलकूद, साहित्य हास्य, समसामयिक सामाजिक मामले और सांस्कृतिक धरोहर से परिपूर्ण निर्धारित कार्यक्रम हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी तीन भाषाओं में प्रसारित होते हैं ताकि इसके श्रोताओं को इन सभी विषयों की जानकारी मिलती रहे। एक दिन छोड़कर हिन्दी और अंग्रेजी में प्रसारित होने वाले विविधा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक विकास है। इसी प्रकार उर्दू कार्यक्रम मंज़र का प्रसारण प्रतिदिन किया जाता है। अर्थशास्त्र, विज्ञान, खेल, संगीत और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम का नियमित आधार पर प्रसारण किया जाता है।

श्रोताओं को शामिल करने और कार्यक्रम गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, फौजी भाइयों के जय जवान कार्यक्रम सहित उनके संदेशों/अनुरोध को इन कार्यक्रमों मेंशामिल किया जाता है जो सप्ताह में छः दिन प्रसारित होते हैं।

रातभर हर घंटे समाचार बुलेटिन हिन्दी और अंग्रेजी में केवल राष्ट्रीय प्रसारण से प्रसारित किए जाते हैं। जब भी संसद सत्र चलता है, श्रोताओं के लाभ के लिए राष्ट्रीय प्रसारण से ''प्रश्न काल'' की रिकार्डिंग का प्रसारण किया जाता है। 'रमजान' के पवित्र महीने के दौरान 50 मिनट का विशेष कार्यक्रम 'सहरगाही' हर रोज (प्रातः 4.10 बजे से 5.00 बजे तक) प्रसारित किया जाता है जिसमें मानवीय मूल्यों और भारत-मुस्लिम संस्कृति पर बल दिया जाता है।

विदेश सेवा

विश्व के विदेश रेडियो नेटवर्कों में आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा की पहुंच और विस्तार उच्च श्रेणी की है। जो लगभग 100 देशों में 27 भाषाओं में होता है। विदेश प्रसारण के माध्यम से आकाशवाणी के प्रसारण का उद्देश्य विदेशों में बसे भारतीयों को भारतीय लोकाचार से जोड़े रखना है। विदेशी श्रोताओं तक पहुंचने वाली भाषाएं - अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी, स्वाहिली, अरबी, फारसी, पश्तु, देरी, बलूची, सिंहली, नेपाली, तिब्बती, चीनी, थाई, बर्मी तथा भाषा इंडेनेशिया है। हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं गुजराती की सेवाएं विदेशों में बसे भारतीयों के लिए हैं, जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सराइकी, कन्नड़ और बंगाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उप-महाद्वीप के श्रोताओं के लिए हैं।

विदेश प्रसारण सेवा की तीन मुख्य प्रसारण सेवाएं इस प्रकार हैं - (क) अंग्रेजी में जनरल ओवरसीज़ सर्विस (जी ओ एस), (ख) हिन्दी में विदेश प्रसारण सेवा और (ग) उर्दू में विदेश प्रसारण सेवा। विदेश प्रसारण एक मिले-जुले रूप में किया जाता है और इसमें आमतौर पर समाचार, सम-सामायिकी, रूपक, भारतीय प्रेस की समीक्षा, खेलकूद और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम, वृत्तचित्र और रूपक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं ऐतिहासिक विषयों पर वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल हैं। संगीत के कार्यक्रम भी काफी मात्रा में प्रसारित किए जाते हैं। विदेश प्रसारण सेवा कार्यक्रम विनिमय प्रबंधन के अंतर्गत लगभग 25 विदेशी प्रसारण संगठनों को संगीत, वार्ता व अन्य प्रकार के कार्यक्रमों की रिकार्डिंग भी उपलब्ध कराता है। 1 अप्रैल, 2008 से 30 नवंबर 2008 तक की अवधि के दौरान सभी मुख्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कवि गोष्ठी इत्यादि की कमेंट्री, रेडियो रिपोर्ट और साक्षात्कार के रूप में विस्तृत कवरेज की गई। विभिन्न राज्यों, केन्द्र प्रमुखों और अन्य विदेशी उच्चाधिकारियों के भारत दौरे, जैसे - श्रीलंका के विदेश मंत्री का दौरा, भूटान के प्रधानमंत्री, ल्यॉनचेन जिग्मे वाई थिनले का प्रथम भारत दौरा और डब्ल्यू टी ओ के प्रमुख पास्कल लेमी के दिल्ली दौरे की भी व्यापक कवरेज की गई। राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की लेटिन अमेरीकी राष्ट्रों की यात्रा, प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की जापान यात्रा और विदेश मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी की यूएई, पाकिस्तान और चीन यात्रा की भी व्यापक कवरेज की गई। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों, जैसे - भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2008 और जापान में जी-8 सम्मेलन आदि कुछ घटनाओं को विदेश प्रसारण सेवा की विभिन्न भाषा इकाइयों द्वारा कवर किया गया।

सी डी द्वारा प्रसारण

सामान्य विदेश प्रसारण अनुभाग के "फोकस" कार्यक्रम में परिचर्चा का दृश्य

विदेश प्रसारण सेवा ने नवप्रसारण भवन में स्थापित अपने नए सेट अप द्वारा डिजिटल प्रसारण की शुरूआत की है। अधिक से अधिक श्रोताओं को आकर्षित करने के लिए सभी आधुनिक कल-पुर्जे और उपस्करों का प्रयोग किया जा रहा है। आकाशवाणी द्वारा इंटरनेट प्रसारण की शुरूआत होने से संयुक्त राष्ट्र संघ, कनाड़ा, पश्चिमी और दक्षिणी अफ्रीका जैसे विश्व के विभिन्न भागों के श्रोता इन्टरनेट से आकाशवाणी की सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। आकाशवाणी पर विदेश प्रसारण सेवा की 24 घंटे उर्दू सेवा भी डी टी एच के माध्यम से उपलब्ध है।

लक्ष्य

1. विदेशों में उभरते भारत की छवि को प्रदर्शित करना।
2. महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करना।
3. देश के राजनैतिक विचारों और उनकी नीतियों को प्रदर्शित करना।
4. भारतीय कला और संस्कृति में रूचि पैदा करना।
5. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीयों को परस्पर जोड़ना।

''राष्ट्र की आवाज'' के रूप में आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा भारत की विश्व के लिए वास्तविक तस्वीर है। विश्व में भारत के बढ़ते महत्व के मद्देनजर, आने वाले समय में विदेश प्रसारण को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है।

डी टी एच

16 दिसंबर, 2004 को प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रसार भारती की डायरेक्ट टू होम सेवा - डीडी डायरेक्ट प्लस का उद्घाटन किया। इसके साथ ही आकाशवाणी ने 24 घंटे वाली सेटेलाइट प्रसारण सेवा के नए युग में प्रवेश किया। प्रथम चरण में आकाशवाणी के 12 चैनल भारत और विदेश के श्रोताओं को उपलब्ध कराए गए हैं। दूसरे चरण में 8 और चैनल शामिल किए गए हैं। इसके कार्यक्रमों में सूचना और मनोरंजन बराबर मात्रा मेंशामिल हैं।

अमृत वर्षिणी

संगीत को समर्पित अमृत वर्षिणी नामक कार्यक्रम बंगलौर में संचालित एक संगीत चैनल है। इसका उद्देश्य-शास्त्रीय संगीत - हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक दोनों के श्रोता बढ़ाना है।

समाचार सेवा प्रभाग

मुख्य विकास

- देश भर के 15 आकाशवाणी केन्द्रों से 102 अतिरिक्त एफ एम हैडलाइन बुलेटिनों कीशुरूआत।
- 8 अतिरिक्त क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों का आरंभ।
- 3 क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों की अवधि का विस्तार।
- दिल्ली से एफ एम गोल्ड पर 4 नए समाचार आधारित कार्यक्रमों कीशुरूआत।
- जुलाई, 2008 में दिल्ली में अखिल भारतीय आर एन यू प्रमुखों की कान्फ्रेंस का आयोजन।
- एस एम एस के माध्यम से अद्यतन समाचार उपलब्ध कराना।
- सभी महत्वपूर्ण घटनाओं और अति विशिष्ट व्यक्तियों के दौरों की कवरेज।

10 राज्यों में विधान सभा चुनावों की कवरेज

समाचार सेवा प्रभाग, एन एस डी, ने समाचारों और समाचारों पर आधारित कार्यक्रमों से वर्ष 2008-09 के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति की है। क्षेत्रीय भाषाओं में जन सूचनाप्रद आवश्यकताओं की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए समाचार सेवा प्रभाग ने वर्ष के दौरान बहुत सी समाचार विस्तार पहलें की हैं और 11वीं योजना की शेष अवधि में और अधिक विस्तार किए जाने की योजना है। समाचार सेवा प्रभाग और उसकी क्षेत्रीय समाचार इकाइयों आर एन यू द्वारा प्रसारित बलेटिनों की संख्या 511 बुलेटिनों से बढकर 620 हो गई है जबकि हिन्दी और अंग्रेजी के साथ-साथ 89 क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में दैनिक प्रसारण की कुल अवधि 50 घण्टे से बढकर 54 घंटे और 32 मिनट हो गई है। इसमें संविधान की 8वीं अनुसूची में सूचीबद्ध सभी 22 भाषाएंशामिल हैं। हाल ही में गोरखपुर से 5 मिनट की अवधि के भोजपुरी बुलेटिन कीशुरूआत की गई है। समाचार सेवा प्रभाग के मुख्यालय दिल्ली से 34 भाषाओं में कुल 22 घंटे 7 मिनट की अवधि के 174 बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं जबकि क्षेत्रीय समाचार एकक 74 भाषाओं/बोलियों में दैनिक आधार पर 32 घंटे 25 मिनट के 446 बुलेटिन प्रसारित करता है। समाचार बुलेटिन के अलावा समाचार सेवा प्रभाग और उसके क्षेत्रीय समाचार एककों द्वारा दैनिक और साप्ताहिक आधार पर सामयिक विषयों पर बहुत से समसामयिक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में वार्ता, साक्षात्कार, विचार-विमर्श, समाचार पत्रिका, विश्लेषण और कमेंट्री आदि शामिल हैं।

समाचार विस्तार

क्षेत्रीय भाषाओं में श्रोता सूचनाप्रद आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, समाचार सेवा प्रभाग ने बहुत सी समाचार विस्तार स्कीमों की जिम्मेवारी ली है। इस वर्ष 11वीं योजना कीशेष अवधि के दौरान विस्तार का और अधिक कार्य किया जाएगा।

एफएम हैडलाइन बुलेटिन

नवंबर, 2008 में 4 स्थानों से 16 अतिरिक्त एफ एम हैडलाइन बुलेटिनों की शुरूआत की गई। इससे पहले भी जुलाई, 2008 में देशभर के 12 स्थानों से 86 अतिरिक्त एफ एम हैडलाइन बुलेटिनों की शुरूआत की गई। इनके साथ ही अब 36 स्थानों से एफ एम हैडलाइन बुलेटिनों की कुल संख्या बढ़कर 294 हो गई है! इसमें आर एन यू केन्द्रों के अलावा गैर आर एन यू केन्द्र भी शामिल हैं। यह पहला अवसर है कि गैर - आर एन यू केन्द्रों से समाचार विस्तार की व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत गैर- आर एन यू केन्द्रों से प्रसारित होने वाले एफ एम हैडलाइन बुलेटिनों को उस राज्य के आर एन यू केन्द्र में तैयार किया जाता है और प्रसारण किए गए गैर आर एन यू केन्द्रों को फैक्स किया जाता है। इन हैडलाइनों में स्थानीय विषयवस्तु की अधिकता होती है और इनका प्रसारण एफ एम मोड पर किया जाता है, उत्कृष्ट ध्वनि गुणवत्ता के कारण ये ज्यादा लोकप्रिय होते हैं।

प्राइमरी चैनल से अतिरिक्त बुलेटिन

सभी क्षेत्रीय समाचार एककों से मुख्य क्षेत्रीय बुलेटिन कम से कम सुबह, दोपहर और शाम को प्रसारित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। नवंबर, 2008 में, गोरखपुर से 5 मिनट की अवधि के 2 अतिरिक्त बुलेटिन और जयपुर से एक आरंभ किए गए। इसमें जयपुर से मध्याह्न बुलेटिन हिन्दी में (1230-1235 बजे) और गोरखपुर से भोजपुरी (1725-1730 बजे) एवं हिन्दी में (1800-1805 बजे) एक-एक बुलेटिन शामिल है। अप्रैल, 08 में शिमला से और जुलाई, 08 में रांची से प्रातः कालीन बुलेटिन आरंभ किए गए। एक अन्य अतिरिक्त बुलेटिन श्रीनगर से 2305 बजे (5 मिनट उर्दू में) जबकि संबंधित क्षेत्र के लोगों की मांग को पूरा करने के लिए करगिल से दो पुर्गी बुलेटिन (1725-1730 बजे और 1930-1935 बजे) की शुरूआत की गई। बुलेटिनों में समाचार मदों की संख्या बढाने के लिए गुवाहाटी से प्रसारित असमी बुलेटिन की अवधि 5 मिनट से बढाकर 10 मिनट कर दी गई। इसी प्रकार पोर्ट ब्लेयर के प्रातः कालीन बुलेटिन का भी समय बढाकर 5 से 10 मिनट कर दिया गया है। इंदौर के प्रातः कालीन हिन्दी बुलेटिन का समय बढाकर 10 मिनट (0730-0740 बजे) कर दिया गया जबकि कटक में मध्याह्न (1430-1440 बजे) बुलेटिन को बढाकर 10 मिनट कर दिया गया है। हाल ही में श्रीनगर से प्रसारित एक कार्यक्रम ''जिला समाचार पत्र'' की शुरूआत सप्ताह में दो बार की गई, जबकि लेह से एक दैनिक कार्यक्रम ''तबसरा'' की शुरूआत की गई। इसके अतिरिक्त गंगतोक, ईटानगर, सिलचर, आइजोल, इम्फाल, रायपुर और लखनऊ से समाचार आधारित कार्यक्रमों और समाचार बुलेटिन प्रारंभ करने का कार्य चल रहा है।

एफएम गोल्ड, दिल्ली से समाचार विस्तार

शहरी श्रोताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, अगस्त, 2008 से एफ एम गोल्ड, दिल्ली के समाचार और समाचारों पर आधारित कार्यक्रमों में बदलाव किया गया है। इसमें आज सवेरे (0730-8000 बजे) परिक्रमा (1630-1700 बजे) स्पोर्टस स्केन की अवधि में विस्तार (15 से 25 मिनट), विश्व समाचार (2025-2040 बजे) और फोन-इन-कार्यक्रम और प्रत्येक सोमवार को पब्लिक स्पीक सहित सहित 2130-2200 बजे के दौरान कई अतिरिक्त कार्यक्रम शुरू किए गए।

नई समाचार सेवा इकाइयां:-

11वीं योजना के अंतर्गत, 7 और स्थानों जैसे कुपवाडा, करगिल (जम्मू-कश्मीर), विशाखापटट्णम (आंध्र प्रदेश), राजकोट (गुजरात), दरभंगा (विहार), सम्बलपुर (उड़ीसा), पासीघाट (अरूणाचल प्रदेश) पर क्षेत्रीय

समाचार एकक बनाए जाएंगे जिससे क्षेत्रीय समाचार एककों की कुल संख्या बढकर 51 हो जाएगी। ऐसा विभिन्न क्षेत्रों की लम्बित मांग को पूरा करने के लिए किया गया ताकि उनके राज्य में क्षेत्रीय समाचारों को सशक्त बनाया सके। धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश), कड़प्पा (आंध्र प्रदेश) और जलंधर (पंजाब) में भी नए क्षेत्रीय समाचार एकक खोलने का प्रस्ताव हैं।

बहुस्वरूपी समाचारों का प्रचार

<u>एन ओ पी-</u> न्यूज ऑन फोन, एन ओ पी बहुत प्रसिद्ध सेवा है। समाचारों को प्रत्येक घंटे अद्यतन किया जाता है और देश के किसी भी स्थान या भाग से श्रोता किसी भी समय अंग्रेजी, हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं में संक्षिप्त समाचार प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में, न्यूज आन फोन (एन ओ पी) सेवा 14 स्थानों, जैसे- दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, गुवाहाटी, इम्फाल, हैदराबाद, बेंगलूर, तिरूवन्नतपुरम, पटना, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, रायपुर और शिमला में उपलब्ध है। इस सेवा की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए, पिछले कुछ वर्षों से इसका धीमा विस्तार नए शहरों में किया गया है। 11वीं योजना में इस सेवा का देश के 30 और स्थानों पर विस्तार किया जाएगा। यह सेवा बी एस एन एल/एम टी एन एल के साथ राजस्व में साझेदारी के आधार पर है। दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की मुख्य समाचार सुर्खियां हिन्दी में फोन पर 1258 डायल करके स्थानीय श्रोताओं द्वारा और 011-2332442 डायल करके दिल्ली से बाहर के श्रोताओं द्वारा सुनी जा सकती हैं। उसी प्रकार, अंग्रेजी में फोन पर समाचार सुर्खियां सुनने के लिए स्थानीय श्रोता 1259 और दिल्ली से बाहर के श्रोता 011-23324343 डायल कर सकते हैं।

वेबसाइट-

वी ई एस एक्सपो-2009 के अवसर पर मंत्री श्री आनंद शर्मा

विभिन्न श्रेणियों जैसे- राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, व्यापार, खेल, विज्ञान और प्रोद्यौगिकी एवं कला और संस्कृति के अद्यतन समाचार एन एस डी की वेबसाइट.www.newsonair.com से प्राप्त कर सकते हैं। वेबसाइट पर सभी राष्ट्रीय बुलेटिनों के आडियो, 14 क्षेत्रीय भाषाओं में 22 क्षेत्रीय समाचार एककों (आर एन यू) से 40 क्षेत्रीय बुलेटिन, एन एस डी मुख्यालय से 13 भाषाओं में 32 भाषा बुलेटिन, एफ एम गोल्ड पर 4 नएशुरू किए गए समाचार आधारित कार्यक्रम और प्राइमरी चैनल के विभिन्न समाचार आधारित कार्यक्रम उपलब्ध हैं। वेबसाइट पर विभिन्न क्षेत्रीय समाचार एककों से तमिल, कन्नड, मराठी, हिन्दी, गुजराती और अंग्रेजी सहित विभिन्न भाषाओं में तैयार किए गए क्षेत्रीय बुलेटिनों के अलावा राष्ट्रीय बुलेटिनों के पाठ उपलब्ध है। प्रवासी भारतीय (एन आर आई) इन बुलेटिनों में विशेष रूचि रखते है, वे भारत में अपने संबंधित मूल राज्यों के स्थानीय समाचारों को पढ, सुन और प्राप्त कर सकते हैं, जबकि वे विश्व के किसी भी भाग में रह रहे हो। मौसम की जानकारी भी समाचार सेवा प्रभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वेबसाइट में सर्च और आर्काइविंग सुविधा भी उपलब्ध है। वेबसाइट के आर्काइव्स के माध्यम से पुराने बुलेटिनों के पाठ और ओडियो प्राप्त किए जा सकते हैं। श्रोता आर एस एस (रियली सिंपल सिंडिकेशन) के पाठो के लिए अंशदान कर सकते हैं ताकि उनके अपने डेस्कटापों पर अद्यतन समाचार सीधे प्राप्त कर सके।

वी ई एस एक्सपो-2009 के अवसर पर मंत्री श्री आनंद शर्मा और मु.का. अधि. श्री ची एस लाली

एसएमएसः

देश के किसी भी भाग से एस एम एस के माध्यम से भी राष्ट्रीय समाचार सुर्खियां प्राप्त की जा सकती हैं।

इस सेवा की शुरूआत दिल्ली से मई, 2008 में की गई और इसकी क्षमता बहुत अधिक है। किसी भी समाचार के प्राप्त होते ही, एस एम एस की विषयवस्तु को अद्यतन कर दिया जाता है। श्रोता अब एस एम एस के माध्यम से अपने प्रश्न और प्रतिक्रिया 'मार्केट मंत्र कार्यक्रम' में भेज सकते हैं। एन एस डी की योजना है कि धीरे-धीरे इस सेवा को देशभर में क्षेत्रीय समाचारों के लिए भीशुरू किया जाए। मोबाइल उपभोक्ता अपने मोबाइल के ''संदेश'' कालम में जाकर टैक्स्ट मैसेज का चयन करके एस एम एस द्वारा समाचार प्राप्त कर सकते हैं। टेक्स्ट मैसेज कालम में 'न्यूज' लिखकर उसे 5676744 पर भेजकर अपने मोबाइल के इन बॉक्स कॉलम में अद्यतन समाचार प्राप्त कर सकते है।

ईडीबी (इलेक्ट्रानिक डिस्पले बोर्ड)

तमिल भाषा ई डी बी के माध्यम से समाचार देने की सुविधा हाल ही में चेन्नै, में शुरू की गई है। दिल्ली में यह सेवा पहले से ही उपलब्ध है जहां 24 घंटे अद्यतन समाचार सुर्खियां हिन्दी और अंग्रेजी में उपलब्ध हैं। 11वीं योजना अवधि के दौरान इस सेवा का विस्तार जल्द ही अधिकतर आर एन यू शहरों में किया जाएगा। ई डी बी की स्थापना महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों जहां लोगों का आना जाना अधिक है जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड और हवाई अड्डा इत्यादि पर की जाएगी।

इन्ट्रा एन एस डी

इन्ट्रा-एन एस डी: देशभर में विभिन्न स्थानों पर स्थित 44 क्षेत्रीय समाचार एककों (आर एन यू) और 11 गैर क्षेत्रीय समाचार एककों को एन एस डी मुख्यालय से आरंभ से जोडने के लिए इन्ट्रा नेट सेवा आरंभ की गई है। इससे इनके बीच दो तरफा सम्प्रेषण स्थापित हो गया है। एन एस डी मुख्यालय के सभी सम्प्रेषण आर एन यू और गैर आर एन यू के संवाददाताओं की पंहुच के लिए इन्ट्रा एन एस डी पर उपलब्ध हैं। इन्ट्रा एन एस डी का उपयोग मुख्यालय के सामान्य समाचार कक्ष (जी एन आर) आर एन यू और उसके संवाददाताओं द्वारा कहानियां भरने और ध्वनि प्रेषण के साथ-साथ समय-समय पर अन्य सूचना भेजने के लिए भी किया जाता है। एन एस डी मुख्यालय द्वारा प्रशासनिक मामलों के संबंध में प्राप्त सूचना भी इन आर एन यू द्वारा इन्ट्रा एन एस डी के माध्यम से मुख्यालयों को भेजी जाती हैं। एन एस डी वेबसाइट पर डालने के लिए क्षेत्रीय बुलेटिनों की लिपि भी आर एन यू द्वारा इन्ट्रा एन एस डी पर अपलोड की जाती है।

समाचार बुलेटिनों के नए प्रारूप और जिला समाचार पत्र

सभी मुख्य राष्ट्रीय बुलेटिनों के साथ-साथ क्षेत्रीय बुलेटिनों को और समृद्ध एवं जीवंत बनाने के लिए साउंड बाइट्स, पर्यावरण ध्वनि, विशेषज्ञों और संवाददाताओं की राय ं के प्रेषण के प्रयोग से नए प्रारूप की शुरूआत की गई है। उसी तरह, जिला समाचार पत्र (डी एन एल) कार्यक्रम को क्षेत्रीय स्तर कार्यकर्ताओं की ध्वनि निवेश और अंश-कालिक संवाददाताओं (पी टी सी) के प्रेषण के साथ-साथ विभिन्न सरकारी स्कीमों/कार्यक्रमों के लाभग्राहियों कीशुरूआत से और अधिक रूचिकर बनाया गया है।

मिश्रित समाचार कार्यक्रम जैसे आज सवेरे में पुस्तक समीक्षा, सप्ताह के खास मेहमान के साथ साक्षात्कार, लोक रूचि समाचार आदि के रूप में समाचारों को एक नया आयाम दिया गया है।

स्वचालित समाचार कक्ष

11वीं योजना के भाग में रूप में एन एस डी अपने सभी आर एन यू का डिजिटलीकरण कर रहा है। इसमें अंकीय डिजिटल माध्यम से रिकार्डिंग का समावेशन सहित सभी समाचार बुलेटिनों की प्रस्तुतिशामिल है। इस योजना के तहत 6 आर एन यू के समाचार कक्षों को स्वचालित किया गया है। ये हैं - गुवाहाटी, शिलांग, त्रिच्चि, शिमला, जयपुर और इम्फाल। शेष आर एन यू स्वचालित होने की प्रक्रिया में हैं। ये पूर्णतया डिजिटल और कागजरहित कार्यालय बनाने का प्रयास हैं।

संवाददाताओं के नेटवक्र का विस्तार

किसी भी प्रसारण संगठन के पास समाचार ब्यूरो, संवाददाताओं और संपादकों का इतना बड़ा नेटवक्र नहीं है जितना एन एस डी आकाशवाणी के पास है। इसके 44 क्षेत्रीय समाचार एककों (आर एन यू) में 100 से अधिक पूर्ण कालिक संवाददाता/संपादक देशभर में कार्यरत हैं। इसके अलावा, देश के विभिन्न भागों में स्थित 11 गैर- आर एन यू संवाददाता हैं। इसके अलावा, दुबई, काबुल, ढाका, काठमांडू और कोलंबो में प्रसार भारती के 5 विशेष संवाददाता हैं। इसके महत्व को महसूस करते हुए, एन एस डी ने देश के प्रत्येक जिला मुख्यालय में जहां नियमित संवाददाता नहीं है वहां अंश कालिक संवाददाता (पी टी सी) नियुक्त करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में 525 से अधिक पी टी सी आकाशवाणी के लिए कार्यरत हैं। ये पी टी सी हमारे सहयोगी संगठन अर्थात दूरदर्शन समाचार/डी डी न्यूज की समाचार आवश्यकताओं को भी पूरा करते हैं। पी टी सी के मनोबल को बढ़ाने के लिए इस वर्ष से वर्ष का सर्वोत्तम पी टी सी पुरस्कार शुरू किया गया है।

योग्यता का उन्नयन

मानव संसाधनों की योग्यता के उन्नयन के प्रयास में नवम्बर 08 में भारतीय जन संचार संस्थान (आई आई एम सी), नई दिल्ली में समाचार वाचकों और समाचार सूत्रधारों के लिए दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 से 21 नवंबर, 08 में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली में 'कवरजेंट जर्नलिज्म' पर 5 दिवसीय कार्यशाला में एन एस डी और उसके आर एन यू से 10 संवाददाताओं ने भाग लिया। एन एस डी द्वारा अपने अंश कालिक संवाददाताओं (पी टी सी) को जो निचले स्तर पर आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों के लिए समाचारों का स्रोत है गुवाहाटी, हैदराबाद, बैंगलोर, श्रीनगर, गोरखपुर, जयपुर, देहरादून, रायपुर और चैन्नई जैसे विभिन्न क्षेत्रीय समाचार एककों पर समाचारों से संबंधित अद्यतन योग्यताओं से अवगत कराने के लिए 9 ओरियंटेशन कार्यशालाएं आयोजित की गई। समाचार वाचक सह अनुवादकों के लिए एक ओरियंटशेन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्य प्रशिक्षण के भाग के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कवरेज के लिए बहुत से आर एन यू संवाददाताओं को लगाया गया।

क्षेत्रीय समाचारों का सुदृढीकरण

समाचार कक्षों के कार्य को और सुप्रभावी बनाने के लिए, यू एन आई और पी टी आई एजेंसियों के टेलीप्रिंटर आधारित न्यूज वायर को ब्लर्ड स्पेस/बी-सेट आधारित न्यूज वायर प्रणाली में बदल दिया गया है ताकि समाचार तीव्रता से प्राप्त हो सकें। विभिन्न आर एन यू द्वारा झेली जा रही समस्याओं और मुद्दों का निवारण करने के लिए आर एन यू प्रमुखों का राष्ट्रीय स्तर का एक सम्मेलन 17 और 18 जुलाई, 2008 को दिल्ली में आयोजित किया गया। विभिन्न आर एन यू की मानव संसधानों सहित वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

स्टाइल बुक

आकाशवाणी समाचारों के लिए समाचार सेवा प्रभाग ने एक नई स्टाइल बुक तैयार की है। यह अन्य बातों के साथ संपादन, रिपोर्टिंग, ध्वनि निवेश प्रबंधन और प्रसारण कोड के क्षेत्र में बृहत संकलन है। आकाशवाणी समाचार व्यवसाय के लिए इसमें क्या करना है और क्या नहीं करना है भी बताया गया है।

राजभाषा उप समिति का दौरा

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति ने जनवरी, 2008 में समाचार सेवा प्रभाग का दौरा किया और इस प्रभाग के अधिकारियों और स्टाफ द्वारा अपने दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग संबंधी निरीक्षण किया। इस प्रभाग द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग पर उन्होंने अपनी संतुष्टि व्यक्त की और इस संबंध में आगामी सुधार के लिए सुझाव भी दिए।

संसद कवरेज

प्रत्येक सत्र के आरंभ में, समाचार सेवा प्रभाग (एन एस डी) द्वारा ''ईश्यूज बिफोर द पार्लियामेंट'' विषय पर हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विभिन्न राजनैतिक दलों के सांसदों के साथ एक विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। संसद सत्र के दौरान संसद के दोनों संदनों से दिन की कार्रवाई की समीक्षा पर कार्यक्रम ''संसद समीक्षा'' हिन्दी में और ''टुडे इन पार्लियामेंट'' अंग्रेजी में प्रसारित किया जाता है। इसी प्रकार, विधान सभाओं की कार्रवाई की समीक्षा प्रसारण का भी, जब उनका सत्र चलता है, तब संबंधित क्षेत्रीय समाचार एककों द्वारा किया जाता है। जुलाई, 2008 में यू पी ए सरकार द्वारा विश्वास मत प्राप्त करने के लिए संसद का विशेष दो दिवसीय सत्र बुलाया गया जिसका व्यापक कवरेज किया गया।

आकाशवाणी से खेल प्रसारण

आकाशवाणी द्वारा भारत और विदेश में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल ईवेंट्स जैसे जून-जुलाई, 2008 तक पाकिस्तान से एशिया कप क्रिकेट श्रृंखला-2008, जुलाई- अगस्त, 08 तक श्रीलंका से भारत - श्रीलंका क्रिकेट श्रृंखला, नवंबर, 2008 से भारत- इंग्लैण्ड एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला - 2008 की उचित और प्रभावशाली कवरेज की गई।

बीजिंग औलम्पिक-2008

आकाशवाणी से टार्च रैली ऑफ बीजिंग ओलंपिक-2008, 08.08.2008 से 23.08.08 तक बीजिंग से 29वें ओलंपिक 2008, राष्ट्रमंडल युवा खेल- 2008 की बेटन रैली का उद्घाटन समारोह, दिल्ली से राष्ट्रमंडल युवा खेल की बेटन रैली का सीधा प्रसारण, 12.10.2008 से 18.10.2008 तक पुणे से राष्ट्रमंडल युवा खेल-2008 का भी प्रसारण किया गया।

आकाशवाणी द्वारा हैदराबाद से छठे मेंनस जूनियर एशिया कप हॉकी- 2008, जालंधर से 25वें सुरजीत सिंह हॉकी मेमोरियल-2008, दिल्ली और हैदराबाद से एशियन फुटबाल कनफेडरेशन चैलेंज कप 2008, दिल्ली से 121वे डुरंड कप फुटबाल 2008 की भी व्यापक कवरेज की गई।

आकाशवाणी द्वारा दिल्ली से दिल्ली हॉफ-मेराथन और 23वीं पुणे अंतर्राष्ट्रीय मेराथन- 2008 को भी कवर किया गया।

राष्ट्रमंडल युवा खेल पुणे-2008

जनवरी से 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के दौरान, आकाशवाणी से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंट जैसे कोलकाता से 113वें बेंगटन कप हॉकी टूर्नामेंट चंडीगढ़ से फोर नेशन पंजाब गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट और चैन्नै ओपन टेनिस चैम्पियनशिप की भी उचित और प्रभावशाली कवरेज की गई।

आकाशवाणी द्वारा न्यूजीलैंड में खेली गई भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट श्रृंखला- 2009 का भी प्रसारण किया गया।

भारतीय शास्त्रीय संगीत और आकाशवाणी

हिन्दुस्तानी संगीत

संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम और रविवासरीय अखिल भारतीय सभा में अप्रैल, 2008 से दिसंबर, 2008 तक निम्नलिखित सुप्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कलाकारों का प्रसारण किया गयाः-

पं. तेजेन्द्र नारायण मजुमदार, पं. ब्रजनारायण, सुरोरंजुआन (सरोद), श्री संजीव अभयंकर, कमला बोस, कमल भोंडे, मीनाज़ मुखर्जी, राम देशपांडे, इंदुधर निरोडी, विद्या धर व्यास, पूर्वी पारिख, माधुरी ओक, मंगल जोशी, नीनाक्षी विश्वास, उस्तादशौकत हुसैन, विदू शन्नो खुराना, नीलाक्षी जुवेकर, शरद सुतावने (गायन), मौ. अहमद (तबला),शमिंदर पाल सिंह, अनवर हुसैन (सांरगी), काली नाथ मिश्रा, सूर्याक्ष देशपांडे, विजय घाटे, सोमित्राजीत, हेतल मेहता (तबला एकल), अभिजीत बैनर्जी, आमिर मोहम्मद, उमेश चंद्राकर (तबला), मौ. मोहतराम साबरी, हरशंकर भट्टाचार्य योगीराज नायक, पूनम जोशी (सितार), वसकर प्रसाद मुखोपाध्याय (गिटार), संगीताशंकर (वायलिन), फियाज वसीफुद्दीन (ध्रुपद) एवं कमल अहमद (सांरगी)

जनवरी, 2008 से मार्च, 2009 तक संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम/रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सभा में निम्नलिखित कलाकारों का प्रसारण प्रस्तावित हैः-

श्रीमती भारती वैशमपायन, श्रीमती कल्याणी देशमुख, श्री तुषार दत्ता, श्री रतन मोहनशर्मा, श्री असलम खान, श्रीमती विद्या कटागडे, श्रीमतीशुभ्रा गुहा, पं. जगदीश प्रसाद, विदू अफरोज बानो (गायन), श्री बाबूलालशर्मा, पं. रोनू मजुमदार (बांसुरी), श्री अल्लारखा कलावंत (सारंगी), श्रीशांतनु पनशीकर, श्री जे. मैसी (तबला) श्री बटुकनाथ मिश्रा, श्री नरेन्द्र कुमार (सितार), पं. बसंत काबरा (सरोद) एवं श्री रवि मोहन भट्ट (वायलिन)

सूचीबद्व कलाकार में 50 प्रतिशत उभरते और युवा कलाकार हैं जो नेशनल हुक-अप से पहली बार प्रसारित किए जा रहे हैं।

आकाशवाणी द्वारा आकाशवाणी संगीत सम्मेलन के समान ही क्षेत्रीय लोक एवं सुगम संगीत महोत्सव कीशुरूआत की गई है। यह चुने हुए स्थानों पर प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी को आयोजित किया जाएगा और इसमें सुप्रसिद्ध कलाकार भाग लेंगे। इस क्षेत्रीय लोक और सुगम संगीत आकाशवाणी संगीत सम्मेलन का उद्देश्य अपने देश की सम्पन्न/धनाढ्य लोक सांस्कृतिक धरोहर का प्रचार-प्रसार करना है।

आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता युवाओं की कला प्रतिभा को पहचानने के लिए आकाशवाणी का एक नियमित कार्यक्रम है। वर्ष 2008 के दौरान हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के लिए यह प्रतियोगिता दिल्ली और चैन्नै में आयोजित की गई।

कर्नाटक संगीत

आकाशवाणी तिरूचिरापल्ली में दिनांक 19.4.09 को आयोजित ट्रिनिटी संगीत सम्मेलन का दृश्य

यह मुख्य वार्षिक कार्यक्रम 'लोक एवं सुगम संगीत का राष्ट्रीय बंसत महोत्सव' इस वर्ष की पहली तिमाही में आयोजित किया गया, जिसमें श्री जी. गुरूराज एवं पार्टी द्वारा कन्नड लोक कहानी, श्री पनयन नरसिंहुलु द्वारा तेलुगु लोक गीत, मेलप्पावूर श्री के. मायाकृष्णन एवं पार्टी द्वारा एक लोक कला ''नेयांदी मेलम'' श्री कलानिलयम एम. उन्नीकृष्णन द्वारा कथकली पडंगल, श्रीमती मजुला गुरूराज द्वारा कन्नड़ सुगम गीत और श्रीमती राजामल एवं पार्टी द्वारा कोलाट्टम और कुम्मी प्रस्तुत किया गया।

इस साल की शुरूआत में प्रसारित होने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण महोत्सव ट्रीनिटी संगीत महोत्सव है। इसमें युवा और प्रतिष्ठित दोनों कलाकारों को शामिल किया गया। श्री दिलीप कुमार (गायन) और श्रीमती मंदा सुधारानी (गायन) द्वारा त्यागराज रचना श्रीमती सुगंधा कलमेगम (गायन) और थोपुर श्री बी साईराम (गायन) द्वारा मुथुस्वामी दीक्षितकर रचना और श्री हंसिनि नगेन्द्र (गायन) और श्री महाराजापुरम, एस. श्रीनिवासन (गायन) द्वाराश्यामाशास्त्री रचना प्रस्तुत की गई।

चेन्नै में आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन-2008

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन संगोष्ठियॉं एक अन्य महत्वपूर्ण घटना थी। इस वर्ष आकाशवाणी संगीत सम्मेलन संगोष्ठियां 20-21 सितंबर 2008 को देशभर में 24 केन्द्रों पर आयोजित की गई जिसमें हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। संगत कलाकारों को छोड़कर कुल 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कर्नाटक संगीत के सुप्रसिद्ध कलाकार जैसे श्री आर. गणेश और श्री आर. कुमरेश (वायलन युगल) लालगुडी श्री जी जे आर कृ:णन और श्रीमती लालडगुडी वियजलक्ष्मी (वायलन युगल), कु. ललिता और श्रीमती हरिप्रिया (गायन युगल), श्रीमती एस. सौम्या (गायन) श्री कादरी गोपाल नाथ (सैक्सोफोन), श्री वी.कमलाकर राडो (मृदंगम), तंजोर श्री टी.आर. गोविंदराजन (तविल एकल) और कर्नाटक संगीत के चिन्नमानुर श्री ए. विजयकार्तिकेयन (नागास्वरम), श्री ए.चंदन कुमार (बांसुरी) और सुश्री आर. माधुरी देवी (वीणा) युवा कलाकार जैसे युवा कलाकारों ने इन संगोष्ठियों में भाग लिया। इन संगोष्ठियों की रिकार्डिंग का प्रसारण 25.10.2008 से 5.12. 2008 तक किया गया।

संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम में संत त्यागराज अराधना महोत्सव का तिरूवायरू से सीधा प्रसारण जनवरी में किया जाएगा जिसके बाद कर्नाटक संगीत के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा पुष्य बहुला पंचमी के अवसर पर सुबह पंचरत्न कीर्तन का सीधा रिले किया जाएगा।

संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम और रविवासरीय अखिल भारतीय सभा में अप्रैल 2008 से दिसंबर, 2008 तक निम्नलिखित सुप्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कलाकारों का प्रसारण किया गया।

डॉ. एस. विजयराघवन (वीणा), श्री अदूर पी सुदर्शमन (गायन), श्रीमती लक्ष्मी राजगोपालन (गायन), पल्लदम श्री एस. वेंकटरमण राव (हारमोनियम), श्री गुरूवायूर दुरई (मृदंगं एकल), श्रीमती जे. योगवंदना (वीणा), श्री बी.ए. नारायण (गायन), श्री टी. वेणुगोपालन (बांसुरी), श्री कोटा सचिदानंदाशास्त्री (हरि कथा), श्रीमती रेवती मूर्ति (वीणा), श्रीमती सुधा रघुनाथन (गायन) और श्रीमती संकरी कृष्णन (गायन) और श्री अय्यागरीश्यामसुंदर (वीणा) समीक्षा के अंतर्गत अन्नामाचार्य जयंती और श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भी विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम/रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सभा में जनवरी, 2008 से मार्च, 2009 तक निम्नलिखित कलाकारों का प्रसारण प्रस्तावित है:-

श्री टी.वी.शंकरनारायण (गायन), श्री वल्लभीशेख याकूब साहिब और श्रीशेख बडे साहिब (नागास्वरम), श्रीमती विशालक्षी नित्यानन्द (गायन), मैसूर श्रीमती एस. राजलक्ष्मी (वीणा), कनहगढ श्री टी.पी. श्रीनिवासन (गायन), श्री एम.एस.एन. मूर्ति (गायन) श्री वंकयला नरसिम्हम (मृदगंम), श्रीमती एस. राजेश्वरी (गायन) और श्रीमती चित्रा लिंगम (वीणा)

आकाशवाणी अभिलेखागार

आकाशवाणी अहमदाबाद द्वारा सूरत में आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 2008 में शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करते नारायण बोडास

आकाशवाणी के स्वर अभिलेखागार को देश का राष्ट्रीय श्रव्य अभिलेखागार भी कहा जा सकता है, क्योंकि इसमें विभिन्न श्रेणियों की दुर्लभ रिकार्डिंगों की 15000 घंटे की अवधि से भी अधिक का संगीत और स्पोकन वर्ड रिकार्डिंगों का खजाना है। यह भारतीय संगीत रिकार्डिंग का सबसे बड़ा अभिलेखागार है और इसमें हिन्दुस्तानी, कर्नाटक और अन्य लोक संगीत परंपराओं की 12000 से भी अधिक टेपें हैं।

लायब्रेरी में महात्मा गांधी की 11 मई 1947 को सोडेपुर आश्रम, कोलकाता में और 29 जनवरी 1948 को बिडला हाउस में क्रमशः पहली और अंतिम प्रार्थनाओं सहित गांधी के भाषणों की रिकार्डिंग का अलग से संग्रह सुरक्षित है। आकाशवाणी दिल्ली से 12 नवंबर 1947 को केवल एक बार किया गया प्रसारण भी सुरक्षित रखा गया है। आकाशवाणी श्रव्य अभिलेखागार में प. जवाहर लाल नेहरू के भाषणों की 3000 एनालॉग टेप्स सुरक्षित रखी जाती हैं।

रविन्द्र नाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. बी आर. अंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, सरोजिनी नायडू जैसी अन्य प्रसिद्धशख्सियतों की आवाजों की रिकार्डिंगों को भी सुरक्षित रखा गया है। इसके अतिरिक्त पुरस्कृत रेडियो ड्रामा, रूपक, वृत्तचित्र आदि और मेमोरियल लेक्चर भी लायब्रेरी में उपलब्ध हैं। लायब्रेरी में भारत के सभी राष्ट्रपतियों और प्रधान मंत्रियों की रिकार्डिंग हैं।

रेडियो आत्मकथा

रेडियो आत्मकथा की श्रेणी में हमारे पास विभिन्न क्षेत्रों में सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की 252 रिकार्डिंग हैं। विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों के सहयोग से हम रिकार्डिंग के लिए सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की पहचान करते हैं और महानिदेशालय से अनुमोदन मिलने पर इन रेडियो आत्मकथाओं की रिकार्डिंग करते हैं।

केन्द्रीय अभिलेखागार ने वर्ष 2007-08 में अभिलेख रिकार्डिंग के प्रचार से रू.1,01,000/- अर्जित किए हैं। इस वर्ष एकक ने 240 नई श्रव्य रिकार्डिंग प्राप्त की है और 630 रिकार्डिंग की सूची बनाई है।

अभिलेखागार डिजिटल पुस्तकालय

वर्ष 2001 में सभी अभिलेखों की रिकार्डिंग को डिजिटलाइज करने के लिए एक विशेष परियोजना शुरू की गई और परियोजना वर्ष 2005 में पूरी हो गई। इसके साथ अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्य मानकों और नई टेप नम्बरिंग प्रणाली के साथ प्रसारण नेटवक्र में आकाशवाणी मुख्य डिजिटल पुस्तकालयों में से एक बन गई है।

डिजिटल माध्यम में स्थानांतरित कार्यक्रम लगभग 15900 घंटों के हैं। डिजिटल रूप में स्थानांतरित रिकार्डिंग का ब्यौरा निम्नलिखित हैः-

प्रधानमंत्री भाषण	:	3200 घंटे
राष्ट्रपति भाषण	:	1150 घंटे
महात्मा गांधी	:	280 घंटे

सरदार पटेल	:	35 घंटे
गुरूदेव टैगोर और टेगौर की रिकार्डिंग	:	175 घंटे
रेडियो जीवनी	:	525 घंटे
हिन्दुस्तानीशास्त्रीय	:	3000 घंटे
कर्नाटकशास्त्रीय	:	1400 घंटे
सुगम संगीत	:	1000 घंटे
लोकगीत	:	500 घंटे

वर्तमान में नई डिजिटल लाइब्रेरी का कार्य पूरा हो गया है। डिजिटलीकरण के दूसरे चरण में, जो वर्ष 2008 में शुरू हआ था, लगभग 500 घंटों की रिकार्डिंग का डिजिटलीकरण किया गया है। अनालॉग टेप में लगभग 5000 घंटों के कार्यक्रम हैं जिन्हें डिजिटलीकरण के द्वितीय चरण में डिजिटल रूप में स्थानांतरित किया जाना है।

कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी

इस एकक का मुख्य कार्य उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों का केन्द्रों में उनकी आवश्यकता के अनुसार विनिमय करना है। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में इस कार्य के लिए संगीत और उच्चरित शब्द कार्यक्रमों की रिकार्डिंगों के लगभग 8000 टेप सुरक्षित रखे गए हैं। इसके अलावा, विभिन्न भारतीय भाषाओं के संगीत और उच्चरित शब्दों के साथ कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में बंगला, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उडिया, संस्कृत, तमिल और तेलुगु भाषाओं के पाठ भी सुरक्षित रखे गए हैं। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में लोक एवं जनजाति संगीत की देश की सभी मुख्य भाषाओं और बोलियों की भी अलग से संदर्भ लाइब्रेरी है।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनियम सेवा को आर एन चैनल के माध्यम से सभी आकाशवाणी केन्द्रों के लिए 11 बजे से 12 बजे के बीच कार्यक्रम प्रसारित करने का निर्धारित समय दिया गया है जिसमें ध्वनि अभिलेखागार, कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी, रेडियो सीरियल, भाषा पाठ और आकाशवाणी महानिदेशालय के सामुदायिक गायन गीत सैल से प्राप्त सामुदायिक गायन गीत और विभिन्न केन्द्रों द्वारा दिए गए उत्कृष्ट कार्यक्रम (पी ई यू लाइब्रेरी) शामिल हैं।

कार्यक्रम विनियम लाइब्रेरी चुनिन्दा आकाशवाणी केन्द्रों में रेडियों सीरियल परिचालित करता है। ये रेडियो सीरियल आकाशवाणी महानिदेशालय के योजना एवं विकास एकक की सोफ्टवेयर विकास परियोजना के अंतर्गत बनाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त आकाशवाणी महानिदेशालय के केन्द्रीय नाटक एकांश द्वारा तैयार किए गए मासिक चेन नाटक भी आर एन चैनल की निर्धारित अवधि में नियमित प्रसारित होने के बाद चुनिंदा आकाशवाणी केन्द्रों में परिचालित किए जाते हैं।

प्रत्यंकन एकक

इस सेवा का मुख्य कार्यों में से एक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भाषणों की रिकार्डिंग को तैयार करना और उनको खण्डों के रूप में क्रमवार सुरक्षित रखना है।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक सभाओं में दिए गए सभी भाषणों को रिकार्ड करना आाकाशवाणी केन्द्रों का अनिवार्य कार्य है। विभिन्न संबंधित आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा भेजी गई भाषणों की लिखित प्रतिलिपि सहित रिकार्डिंग टी एण्ड पी ई एस द्वारा प्राप्त की जाती है। सभी लिखित प्रतिलिपियों को बांधकर अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जाता है। राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के सभी भाषण विस्तृत डाटा एंट्री के साथ सी डी के रूप में सुरक्षित रखे जाते हैं।

केंद्रीय टेप बैंक

यह एकक केंद्रों को उनकी कार्यक्रम सामग्री की मांग के अनुसार खाली टेप प्रदान करता है। कार्यक्रम विनिमय के लिए सभी आकाशवाणी सभी केन्द्रों के बीच 75,000 टेप सर्कुलेशन में हैं। बैंक नए केन्द्रों को उनके चालू होने से पहले खाली टेप की आपूर्ति करता है।

विदेश कार्यक्रम एकक

टी एण्ड पी ई एस का विदेश कार्यक्रम एकक विश्व भर के प्रसारण संगठनों से प्राप्त कार्यक्रमों के विनिमय का समन्वय करता है। इन कार्यक्रमों में विज्ञान, समसामयिक मामले, पाश्चात्य सुगमशास्त्रीय, वेस्टर्न पॉप और रॉक से लेकर महिला और पर्यावरण तक के विस्तृत विषय शामिल हैं। यह एकक भारत में साक्र आडियो विजुअल एक्सचेंज (सेव) कार्यक्रमों के प्रसारण के विनिमय का समन्वय भी करता है। इन कार्यक्रमों में श्रोताओं की रूचि के सभी पहलू शामिल होते है।

सुसज्जित एकांश

अभिलेखागार में पुराने संगीत की रिकार्डिंग को सुसज्जित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की सहायता से कुछ साल पहले इस एकांश की स्थापना की गई। 100 घंटों की संगीत की रिकार्डिंग और कई सौ घंटों की महात्मा गांधी, पंडित नेहरू इत्यादि की रिकार्डिंग यहां सुसज्जित की गई थी। वर्तमान में यह एकांश आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभिलेखागार द्वारा जारी रिकार्डिंग की आडियो गुणवत्ता को संभाले रखता है।

आकाशवाणी अभिलेखागार से जारीः ''आकाशवाणी संगीत''

आकाशवाणी को प्रारंभ से ही सभी मुख्य संगीतकारों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों के रिकार्ड करने, प्रसारण करने और उनको सुरक्षित रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत दोनों की भारतीय शास्त्रीय संगीत की सम्पन्न धरोहर इसके पास मौजूद हैं। आाकशवाणी अभिलेखागार ने ''आकाशवाणी संगीत'' के बैनर तले अपने बहुमूल्य संगीत संग्रह में से चयनित रिकार्डिंग जारी करना शुरू कर दिया है। अभी तक निम्नलिखित एलबम जारी किए जा चुके हैः-

1. पं. ओमकारनाथ ठाकुर (खंड 1 और 2)
2. पं. डी.वी.पालुसकर (खंड 1 और 2)
3. पन्नालाल घोष
4. उस्ताद अजीज अहमद खान वारसी (खंड 1 और 2)
5. मुसिरी सुब्रमन्या अय्यर (खंड 1 और 2)
6. द्वारम वेंकटस्वामी नायडू
7. सेम्मनगुडी श्रीनिवास अय्यर
8. एम.डी. रामानाथन
9. पं.वी.जी.जोग
10. सिद्धेश्वरी देवी
11. भजनावली
12. अलातुर ब्रदर्स
13. अरियाकुड़ी रामानुजा अयंगर
14. एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी (खंड 1 और 2)
15. उस्ताद आमिर खान (खंड 1 और 2)

16. पं.कृष्ण रविशंकर पंडित
17. पं.कुमार गंधर्व
18. टी वृंदा/टी मुक्ता
19. टी.एन. राजारत्नम पिल्लै
20. टी. चौडैया
21. पं. निखिल बैनर्जी
22. डागर ब्रदर्स
23. उस्ताद अलाउद्दीन खान
24. बेगम अख्तर (खंड 1 और 2)
25. चैम्पई वैद्यनाथन भगवातार
26. एम.एल. वसंताकुमारी (खंड 1 और 2)
27. भीन सेन जोशी (खंड 1 और 2)
28. बड़े गुलाम अली (खंड 1 और 2 और 3)
29. डी.के. राय
30. महाराजापुरम संथानम (खंड 1 और 2)
31. टी.आर. महालिंगम
32. आजादी के गीत (खंड 1 और 2)
33. उस्ताद बिस्मिल्लाह खान (खंड 1 और 2)
34. रामचरितमानस (सुंदर कांड)
35. अमरवाणी
36. राग रंग (गायन और वादक)
37. डी.के. पट्टामल (खंड 1 और 2)
38. पं. राम नारायण (खंड 1 और 2)
39. बानी गुरू गुरू है बाणी (खंड 1 और 2)

इसके अलावा, आकाशवाणी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग और राज्य ट्रेडिंग कार्पोरेशन (एस टी सी) के साथ को-ब्रांडिंग पर कार्य कर रही है और इनके लिए क्रमशः दो और एक एलबम तैयार किए है। जिनमें आकाशवाणी संगीत में से चयनित रिकार्डिंग शामिल हैं।

क्षेत्रीय अभिलेखागारों से जारी आकाशवाणी संगीत की सूचीः-

आकाशवाणी, कोलकाता

पंकज कुमार मलिक

राजेश्वरी दत्ता

देबव्रत विश्वास

हेमंत मुखोपाध्याय

आकाशवाणी, जयपुर

राजस्थान के लोकगीत- 3 खंड

आकाशवाणी, नागपुर

अनुभूति, संयोजन संगीत (फ्यूज़न म्यूजिक)

आकाशवाणी, इंदौर

लोकगीत (नीमाड़ी और मालवी)

दक्षिण अभिलेखागार (हैदराबाद)

वोलेटी वेंकटेशवरालू - कर्नाटक गायन
देवूलापल्ली ललिता गीतालु - सुगम संगीत
देवूलापल्ली भक्ति गीतालु - भक्ति संगीत
पालघाट के.वी. नारायणस्वामी - कर्नाटक गायन
माधुरी मणि अय्यर - कर्नाटक गायन
पी.कलिंगा राव - कन्नड ंगीत
मैसूर अनंतस्वामी - कन्नड संगीत
स्तोत्र मंजरी - भक्ति संगीत
रामदास कीर्तनालु - भक्ति संगीत
नारायण तिर्थ तरंगालु
सूर्य स्तुति - भक्ति संगीत
तेलुगु बच्चों के गीत
कन्यासुलकम - तेलुगु ड्रामा
गणपति - तेलुगु ड्रामा
वरविक्रयम - तेलुगु ड्रामा
पांडवुद्योगा विजयालू - तेलुगु ड्रामा
रजनी गीतालु
अन्नामय्या गणमृथम - अन्नामचार्या शंकरतीर्थानलु
अन्नमय्या गणमृथम - अन्नामाचार्या शंकरतीर्थानलु
अन्नमय्या गणमृथम - अन्नामाचार्या सन्केरतीरतनालु
कुपानन्दा वरियार - तमिल में भक्ति संगीत
डॉ. सीरगजल गोविंदराजन - भक्ति संगीत
मलयालम में सुगम संगीत (खंड 1)
मलयालम में सुगम संगीत (खंड 2)
तमिल बच्चों के गीत
कन्नड बच्चों के गीत
मलयालम बच्चों के गीत
कन्नड सुगम संगीत
पुरंदरदासु कीरतनालु
स्वाति तिरूनल कीर्तनलु

जनता से अच्छी प्रतिक्रिया के बाद इन नई एलबमों के अलावा पहले की अलबमों का दोबारा प्रकाशन किया गया।

आने वाली रिलीज

राधिका मोहन मोइत्रा- हिन्दुस्तानी संगीत (सरोद) (2 खंड)
उस्ताद अमजद अली खान - हिन्दुस्तानी संगीत (सरोद)
उस्ताद अमजद अली खान - रेडियो की आत्मकथा
उस्ताद फैयज खान - हिन्दुस्तानी संगीत
उस्ताद अहमद जान तिराकुवा - हिन्दुस्तानी संगीत
बालकाण्ड (रामचरित मानस)
पं. कान्थे महाराज - हिन्दुस्तानी संगीत
पं. समता प्रसाद - हिन्दुस्तानी संगीत
श्रीमती हीराबाई बरोड़कर - हिन्दुस्तानी संगीत
मदुर्रै मणि अय्यर - कर्नाटक संगीत
पालघाट मणि अय्यर - कनार्टक संगीत
जी.एन. बालसुब्रामण्यम - कर्नाटक संगीत
वाद्यवृंद
उस्ताद बिस्मिल्ला खान -शहनाई

नई वेबसाइट

वर्ष 2008-09 में महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी और श्री राजीव गांधी जैसे राष्ट्रीय नेताओं के भाषणों की वेबसाइट तैयार की जा रही है ताकि इन महान नेताओं के भाषण, पूरे विश्व की जनता सुन सकें। वेबसाइट पर इन नेताओं के चित्रों की क्लिप होंगी जो दूरदर्शन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कृषि एवं गृह प्रसारण

ग्रामीण श्रोताओं के प्रति आकाशवाणी की प्रतिबद्धता पिछले 50 वर्षों से अधिक की है। आकाशवाणी के सभी केन्द्र ग्रामीण श्रोताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं गृह प्रसारण करते हैं। वास्तव में ग्रामीण समुदाय की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष कार्यक्रम बनाए जाते हैं। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए नवीनतम तकनीक और जानकारी प्रसारित करना कृषि एवं गृह कार्यक्रम की निरंतर प्रक्रिया है। ये कार्यक्रम न केवल कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं अपितु कृषकों की जिदंगी को बेहतर बनाने हेतु अपनाए जाने वाले साधनों के प्रति उनमें जागरूकता पैदा करने का माध्यम है। कार्यक्रमों का प्रसारण रोजना सुबह, दोपहर और शाम को होता है। कृषि एवं गृह प्रसारण की औसत अवधि 60 से 100 मिनट प्रतिदिन होती है। कृषि एवं गृह कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के लिए भी कार्यक्रम शामिल हैं।

आकाशवाणी की कृषि एवं गृह इकाई मिश्रित कार्यक्रम प्रसारित करती है जिनमें ग्रामीण विकास योजना एवं प्रतिबद्ध कृषि कार्यक्रम समान मात्रा में शामिल होते हैं। जबकि एक तरफ उसमें प्रतिबद्ध कृषि विषयों, अर्थात पशुपालन, मत्स्यपालन और कृषि संबंधी गतिविधियों, सूखा एवं बाढ़ग्रस्त कृषि के बारे में चर्चा की जाती है तो वहीं दूसरी तरफ रोजगार योजना, ऋण, प्रशिक्षण सुविधा, स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सफाई विज्ञान एवं पोषण आदि पर चर्चा करता है।

आकाशवाणी ने कृषि मंत्रालय के सहयोग से स्थानीय ग्रामीणों को उनके क्षेत्र की गतिविधियों एवं मौसम की रिपोर्ट, प्रतिदिन के बाजार रेट के बारे में दिनांक 15 फरवरी, 2004 से सूचना देने के साथ अपने कृषि प्रसारण किसान वाणी के विशेष प्रोजेक्ट मास-मीडिया की शुरूआत करके अपनी गतिविधियां बढ़ा दी है। फिलहाल 'किसान वाणी' का प्रसारण आकाशवाणी के 96 एफ.एम. केन्द्रों से किया जा रहा है।

कार्यशालाएं

आकाशवाणी महानिदेशालय ने श्रोता अनुसंधान और एन.आई.सी. की मदद से देश के विभिन्न हिस्सों में किसान वाणी कार्यक्रम की कार्यक्रम निर्माण सूची एवं मॉनीटर प्रणाली और प्रतिक्रिया विषय पर कार्यशालाएं आयोजित की।

रेडियो किसान दिवस

शिमला में किसानवाणी कार्यशाला

किसान वाणी प्रसारण करने वाले आकाशवाणी केन्द्र 15 फरवरी को 'किसान दिवस' मनाते हैं। किसान वाणी प्रसारण केन्द्र इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित करते हैं।

उन्नतशील किसानों को सम्मान

किसान वाणी कार्यक्रम की सूचनाओं से लाभांवित हुए उन्नतशील किसान, जिन्होंने किसान समुदाय से बाद में अपने अनुभव बांटे, उन्हें आकाशवाणी द्वारा विशेष प्रमाण-पत्रों से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय अन्न सुरक्षा मिशन

एन एफ एस एम अभियान के दौरान किसान वाणी कार्यक्रम प्रसारण करने वाले आकाशवाणी केन्द्रों ने राष्ट्रीय अन्न सुरक्षा मिशन पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए।

बीज उपचार

इस निदेशालय ने बीज उपचार के कार्यक्रमों पर विशेष बल देने के निर्देश जारी किए।

पर्यावरण कार्यक्रम

इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए आकाशवाणी वन्य प्राणी एवं वन संरक्षण को एक चुनौती के रूप में लेती है एवं इसमें विकासीय गतिविधियों और सामाजिक रीति-रिवाजों को महत्व देता है। आकाशवाणी वनारोपण, वन्य प्राणी सरंक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन संबंधी सरकार के प्रयासों की सफलता को प्रस्तुत करती है। अतः आकाशवाणी वन्य प्राणी एवं पशुपालन पर अपने विशेष श्रोता कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारित करती है।

कुछ विशेष श्रोता कार्यक्रम जैसे-ग्रामीण, महिला/युवा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आकाशवाणी के पास पंजीकृत श्रोता समूह हैं। आमंत्रित श्रोता कार्यक्रम के दौरान ये सदस्य इस विषय पर जागरूकता फैलाने में अपना योगदान देते हैं।

सभी आकाशवाणी केन्द्र पर्यावरण एवं वनारोपण के विधिक तत्वों को व्यापक प्रचार देते हैं। आकाशवाणी केन्द्रों से भेजे गए मासिक ब्यौरों द्वारा महानिदेशालय नियमित रूप से इन कार्यक्रमों की जांच करता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम

स्वास्थ्य कार्यक्रम के नियमित प्रसारण में कवर किए विषय - विवाह की उम्र बढ़ाना, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों में अंतराल, देरी के उपाय, मातृत्व देख-रेख, शिशु उत्तरजीविता, नारी सशक्तीकरण, इंटर-स्पाउस कम्युनिकेशन में संवर्धना/पुरूषों की जिम्मेदारी पुत्र प्राप्ति की वरीयता की समाप्ति, सांस्थानिक विधि प्रावधानों का संवर्धन, पुनर्प्रजनन मार्ग संक्रमण प्रबंधन (आर.टी.आई.) और लैंगिक संचारी संक्रमण (एस.टी.आई.), गर्भपूर्व जांच तकनीक (नियमन एवं दुरूपयोग निवारण) अधिनियम 1994, एड्स, नशाखोरी, स्तनपान, बाल-अधिकार, बाल-मजदूरी, कन्या संतान, विक्लांगता, क्षयरोग, कोढ़ एवं प्रजनन, बाल स्वास्थ्य आदि हैं।

रेड रिबन एक्सप्रैस

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने रेड रिबन एक्सप्रैस ट्रेनशुरू की जिसे देशभर के 180 स्टेशनों पर एच आई वी/एड्स के संदेश के साथ घुमाया गया। आकाशवाणी ने ट्रेन के पास भीड़ जुटाने के अभियान को व्यापक प्रचार और कवरेज दी। लोगों के बीच जागरूकता और जानकारी बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किए और समाचार बुलेटिनों में इस विषय पर विशेष बल दिया।

महिला कार्यक्रम

प्रसारित कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भोजन एवं पोषण, वैज्ञानिक गृह प्रबंधन, महिला उद्यमशीलता, शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा सहित, महिला सशक्तीकरण, लिंग भेद आदि विषय होते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विधिक साक्षरता के माध्यम से महिलाओं में अधिकारों/विशेषाधिकारों की सामाजिक जागरूकता पैदा करना है।

आकाशवाणी का प्रयास है कि अपने कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के प्रति देश की सामाजिक चेतना और सुव्यवहार को बढ़ाए। ग्रामीण महिला श्रोताओं से संपक्र बनाने के लिए विभिन्न लोक परंपराओं का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस/सप्ताह

प्रतिवर्ष मार्च में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस/सप्ताह मनाया जाता है, जिसमें विशेषतः महिलाओं के कार्यक्रम, परिचर्चाएं और चर्चाएं होती है।

बच्चों के कार्यकम्र

आकाशवाणी के सभी केन्द्र नियमित रूप से बच्चों के कार्यक्रम प्रसारित करतें है। महिलाओं और सामान्य श्रोताओं को सम्बोधित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य और मां की देखभाल के साथ-साथ बच्चों से संबंधित कार्यक्रमों पर जोर दिया गया। प्रतिरक्षण, प्राइमरी स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम इस प्रसारण के अभिन्न अंग हैं।

निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखकर कार्यक्रमों की योजना बनाई जाती हैः-

- बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, विशेषकर बाल श्रम से संबंधित।
- विक्लांग बच्चों की सहायता और देखभाल।
- मुश्किल हालातों में बच्चों की सहायता और देखभाल।
- लड़कियों को बराबर का दर्जा और लड़कियों को समान अधिकार।
- बच्चों की बुनियादी शिक्षा का सार्वभौमीकरण और लड़कियों की शिक्षा की तरफ विशेष ध्यान ।

- पर्यावरण हितैषी जागरूकता।
- बच्चों को सुरक्षित और अच्छा वातावरण प्रदान करना।
- परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मनिर्भर समाज।
- बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।
- स्वच्छ पीने के पानी की सुविधा और मल-मूत्र निपटान की सफाई के साधन।
- लड़कियों की महत्ता और स्थिति पर विशेष कार्यक्रम जैसे परिचर्चा, कम्पियरिंग, चर्चा, लघु कहानियां, तुकबंदी, झलकियां आदि के माध्यम से सामाजिक जागरूकता पैदा करने के लिए नियमित अन्तराल के बाद सालभर लगातार कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।
- प्रतिवर्ष 14 नवबंर को बालदिवस विशेषकर बच्चों की गतिविधियों, मंचशो और आमंत्रित श्रोता कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है।

रेडियो नाटकः-

रेडियो कश्मीर जम्मू की 60वीं वर्षगांठ

बहुत से आकाशवाणी केन्द्र विभिन्न भाषाओं में नाटक प्रसारित करते हैं। उत्कृष्ट उपन्यासों, लघु कहानियों और स्टेज के नाटकों के रेडियो रूपांतरों का प्रसारण भी होता है। मूल नाटकों के अलावा, समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों के उन्मूलन के उद्देश्य से आकाशवाणी केन्द्र नियमित रूप से पारिवारिक नाटकों का प्रसारण करता है। वर्तमान सामाजिक-आर्थिक मुद्दे जैसे बेरोजगारी, निरक्षरता, पर्यावरण प्रदूषण, बालिकाओं की समस्या इत्यादि दर्शाते हुए नियमित रूप से प्रसारण होता है। प्रत्येक माह के चौथे गुरूवार को रात्रि 9.30 बजे नाटकों का राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है।

श्रोता अनुसंधान एकांश

इस माक्रेट संचालित प्रसारण के युग में किसी मीडिया संगठन के लिए अनुसंधान और फीडबैक के बिना और अपने श्रोताओं की नब्ज और माक्रेट की जानकारी के बगैर टिकना संभव नहीं हो सकता। इसने मीडिया संगठन विशेषकर इलैक्ट्रानिक मीडिया को अपने कार्यक्रमों के श्रोता/ दर्शकगणों के बारे में जानने के लिए बाध्य किया कि वे मीडिया अनुसंधान करे और अपने लिए मार्केट संभवनाएं तलाशें। कोई भी प्रसारण एजेंसी श्रोता/दर्शकगणों के आंकडे प्राप्त किए बगैर तेजी से नहीं बढ़ सकती। रेडियो प्रसारण का मामला अलग नहीं है, ज्यादा संख्या में निजी रेडियो केन्द्र खुलने के कारण प्रतिस्पर्धा दिन प्रतिदिन बढ़ रही है लेकिन आकाशवाणी के अलावा देश में उभरती हुई किसी भी रेडियो प्रसारण एजेंसी के पास इतनी बड़ी इन-हाउस श्रोता फीडबैक और अनुसंधान सहायक नेटवक्र नहीं है। आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश केवल इन-हाउस कार्यक्रम आयोजकों और प्रस्तुतकर्ताओं को ही नहीं बल्कि प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को भी तुरन्त फीडबैक और अनुसंधान सहायता प्रदान करता है।

गंगटोक सिक्किम में 15 से 20 मार्च 2009 तक आयोजित "किसानवाणी कार्यशाला"

बदलते जन-संचार परिदृश्य में, विशेषकर मार्केट अभिमुखी प्रसारण में, आकाशवाणी के श्रोता अनुसंधान एकांश ने भी अपने आप को पुनः अनुकूल कर लिया। यह प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं के बीच अपनी जगह बनाने और बदलाव की लहर पैदा करने की कोशिश की तरफ एक कदम है। विभिन्न एजेंसियों द्वारा विगत में श्रोता अनुसंधान एकांश को दिए गए अध्ययन से यह साफ झलकता है।

प्रायोजकों का अध्ययन

(i) वन और पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित ''कोशिश सुनहरे कल की'' और ''फेंटरस्टिक फोर'' का मूल्यांकन अध्ययन प्रदान करना।

(ii) तमिलनाडु राज्य एड्स नियत्रंण सोसायटी (टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस.) द्वारा प्रायोजित 'इनी ओनू विधि सेवम्' एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पर सर्वेक्षण ।

(iii) कर्नाटक सरकार की डी.एस.ई.आर.टी. द्वारा प्रायोजित केली-केली, चुक्की-चीना और चीन्नारा-चुक्की शैक्षिक प्रसारण पर तुरन्त प्रतिक्रिया।

(iv) भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'किसानवाणी सर्वेक्षण'।

श्रोता अनुसंधान द्वारा 2008-09 के दौरान की गई गतिविधियां

(i) देशभर में 18 जगहों पर एफ.एम. रेनबो और गोल्ड चैनल का भारतीय रेडियो श्रोता सर्वेक्षण-2008

(ii) देशभर में 11 जगहों पर वन और पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'फेंटरस्टिक फोर' और 'कोशिश सुनहरे कल की' कार्यक्रम के संबंध में प्रतिक्रिया/मूल्यांकन अध्ययन प्रदान करना।

(iii) 'अरूणाचल प्रदेश में समुदाय रेडियो सेट वितरण' पर अध्ययन (पूर्वी क्षेत्रीय विशेष पैकेज खंड-।। में से)

(iv) एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पर तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा 'इनी ओनू विधि सेवम्' पर प्रायोजित एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम का 8 आकाशवाणी केन्द्रों के कवरेज क्षेत्र के अधीन 18 जगहों पर सर्वेक्षण।

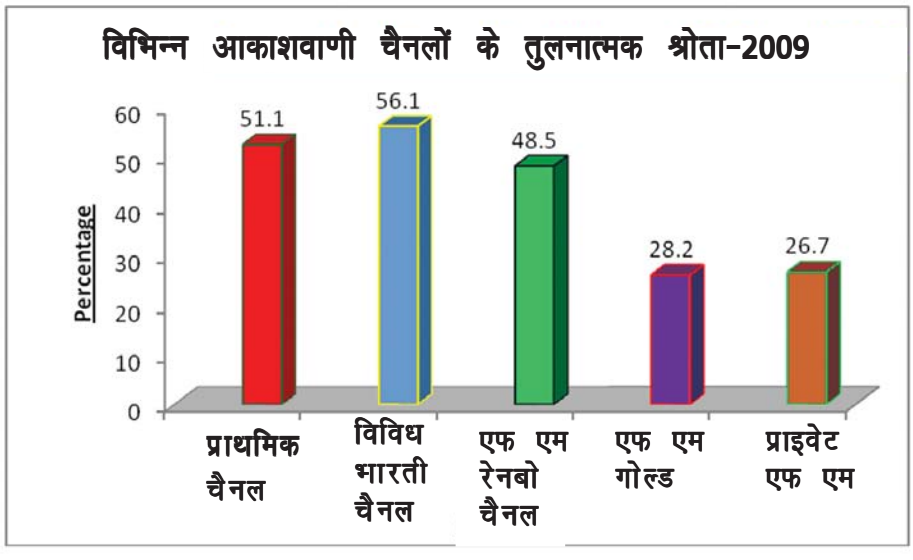

(vi) कर्नाटक राज्य सरकार की डी.एस.ई.आर.टी. द्वारा प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम केली-केली, चुक्की-चीना और चिन्नारा चुक्का परशैक्षिक प्रसारण का सर्वेक्षण।

(vii) देशभर में चार जगहों पर ऑनलाइन प्रतिक्रिया प्रणाली और किसान वाणी कार्यक्रम पर कार्यशाला की समीक्षा।

(viii) देशभर में 64 जगहों पर प्राइमरी चैनल 2008 पर भारतीय रेडियो श्रोता सर्वेक्षण 2008 किया गया।

(ix) देशभर में 20 जगहों पर आकाशवाणी के फ्लैगशिप कार्यक्रमों के प्रसारण के प्रभाव का अध्ययन।

(x) आकाशवाणी का सार संग्रह 2007 जो 2008 में प्रकाशित किया गया।

रेडियो और दूरदर्शन संग्रहालय

भारत नाट्यम प्रस्तोता वी निर्मला देवी से साक्षात्कार

देश की प्रसारण धरोहर को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से नई दिल्ली के प्रसारण भवन में रेडियो और दूरदर्शन का भारत का पहला संग्रहालय स्थापित किया गया। 2001 में खुले संग्रहालय भवन में बहुत समय पहले प्रसारित नाटकों की अमूल्य हस्तलिपियां, आकाशवाणी स्टुडियो में उस्तादों द्वारा प्रयोग में लाए गए विभिन्न संगीत वाद्य, विगत में प्रयोग होने वाले कई प्रकार के माइक और पुराने रेडियो सेट सहित प्रसारण उपस्कर हैं।

आकाशवाणी विज्ञापन सेवा

राजस्व अर्जित करने का दायित्व आकाशवाणी के विज्ञापन सैट-अप पर है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसारण के क्षेत्र में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद, आाकाशवाणी के विज्ञापन विंग ने अपने केन्द्रीय विक्रय एकक मुंबई और भारत के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्रों तथा मुंबई, नई दिल्ली चैन्नै, बंगलौर, हैदराबाद, कोलकाता, कोच्चि, तिरूवनंतपुरम और गुवाहाटी के 9 विपणन विभागों के माध्यम से लोक सेवा प्रसारक के रूप में अपनी मूल पहचान के साथ वर्ष दर वर्ष राजस्व में संवर्धन किया है।

कार्यक्रमों के साथ विज्ञापन प्रसारण आकाशवाणी की एक निर्धारित आचरण संहिता द्वारा नियंत्रित है। हाल ही में, एक प्रावधान जोड़ते हुए, आकाशवाणी पर विज्ञापन के लिए संहिता के खंड II (4) को संशोधित करते हुए मॉडल आचार संहिता लागू होने की अवधि के दौरान स्थानीय निकाय/राज्य विधानसभाओं/लोकसभा के आम चुनाव के दौरान अन्य व्यक्तियों उम्मीदवारों/राजनीतिक पार्टियों से निर्धारित फीस के भुगतान और भारत के निर्वाचन आयोग/भारत के निर्वाचन आयोग के अधीन प्राधिकारी द्वारा प्रसारण से पूर्व जांच के बाद स्पॉट और तुकबंदी के रूप में रेडियो पर विज्ञापन देने की अनुमति दी गई।

सभी आकाशवाणी केन्द्रों और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों/विविध भारती केन्द्रों/एफ एम चैनलों में प्रसारण और विज्ञापन सांहिता का पूर्णतः पालन करते हुए बजट व कर्मचारियों की कमी के बावजूद विज्ञापन विंग बड़े कोरपोरेट ग्राहकों/विज्ञापन दाताओं व साथ ही साथ सरकारी विभागों और पी.एस.यू.से व्यापार प्राप्त करने में सक्षम हो पाया है। कुछ प्रमुख निजी कोरपोरेट ग्राहक हैं- हिन्दुस्तान लीवर लि., डाबर (इंडिया) लि., हीरो

होण्डा, रिलायंस ग्रुप, एल.जी., एयरटेल, वोडाफोन और रैनबेक्सी। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र में से हमारे कुछ प्रमुख ग्राहक- ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जहाजरानी परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, इग्नू, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, इंडियन आयल, बी.पी.सी.एल., बी.एस.एन.एल., एम.टी.एन.एल., नैको, एन.एच.ए.आई., एस.बी.आई., पंजाब नेशनल बैंक, आई.आर.डी.ए. रहे हैं।

बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए विज्ञापन विंग ने अपने टैरिफ कार्ड को अधिक ग्राहक और प्रतिस्पर्धा अनुकूल बनाने के लिए इसमें संशोधन किया है। प्राइमरी चैनलों, विविध भारती चैनलों और एफ एम चैनलों के पैकेज दरों के अलावा, नए रेट कार्ड में कुछ नई विशेषताएं शामिल की गई हैं जैसे प्राइमरी चैनल स्टेट हुकअप पर इकट्ठी बुकिंग पर रियायत तथा एफ एम पैकेज दरों पर भी अनुमति/विज्ञापन एंजेसियों को प्रेरित करने के लिए एजेंसियों को दिए जाने वाले वार्षिक प्रोत्साहन की न्यूनतम स्लैब को वर्तमान में रूपए 10 लाख से कम करके 5 लाख तक कर दिया गया है। नया दर कार्ड 1.4.2008 से लागू है।

विज्ञापन विंग ने सभी प्राइमरी चैनलों, स्थानीय रेडियो केन्द्रों, एफ.एम. के साथ-साथ विविध भारती केन्द्रों पर स्पॉट-क्रय बुकिंग की चालू 1:1 बोनस योजना की सुविधा लागू कर दी है। इस बाजार अनुकूल योजना की मॉनीटरिंग करते हुए विज्ञापन विंग प्रत्येक स्तर पर ग्राहक/विज्ञापन दाताओं से लगातार जुड़ा रहता है ताकि उन्हें आकाशवाणी पर, जो पूरे देश को कवर करने वाला अकेला माध्यम है, विज्ञापन खर्च के बड़े भाग को निवेश करने के लिए मनवाया जा सके। विपणन विभाग और विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र अपने ग्राहकों को उनके उत्पादन/सेवाओं के प्रचार के लिए उनके उपलब्ध बजट के अंदर कम लागत मीडिया योजना का ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करते हैं।

आकाशवाणी का विज्ञापन विंग आकाशवाणी के अन्य निष्पादन अनुभागों/विंग से भी बराबर जुडा रहता है ताकि वह वर्तमान प्रतिस्पर्धापूर्ण मीडिया पर्यावरण में रेडियो प्रसारण को और अधिक प्रभावशाली बनाने में कार्यक्रम विंग के नीति निर्माताओं को सहायता/नीतिगत प्रतिक्रिया दे सके। वास्तव में इस पूरे संगठन के राजस्व अर्जन का उत्तरदायित्व विज्ञापन विंग पर ही है और निःसंदेह, पिछले कुछ वर्षों में इस संगठन का कुल राजस्व बढ़ाने में इसने अच्छे परिणाम दिए हैं।

विज्ञापन और विभिन्न दूसरी गतिविधियों के माध्यम से साल-दर-साल आकाशवाणी द्वारा अर्जित कुल राजस्व इस प्रकार हैः-

2002-03	रूपए 132.25 करोड
2003-04	रूपए 141.04 करोड
2004-05	रूपए 156.67 करोड
2005-06	रूपए 268.83 करोड
2006-07	रूपए 283.65 करोड
2007-08	रूपए 289.21 करोड
2008-09	रूपए 291.59 करोड

विपणन विभाग

इन-हाउस मार्केटिंग में तेजी लाने के उद्देश्य से प्रसार भारती ने मुख्य शहरों में विपणन विभाग स्थापित किए हैं। पहला विपणन विभाग मुंबई में स्थापित किया गया और इस समय नई दिल्ली, चैन्नै, बेंगलूर, हैदराबाद, कोलकाता, गुवाहाटी, कोच्चि और तिरूवंनतपुरम में भी विपणन विभाग कार्य कर रहे हैं। जालंधर में एक और विभाग जल्दी ही स्थापित किया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में स्थित विभाग क्षेत्रीय केन्द्र नामित किए गए हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि रेडियो और दूरदर्शन पर उन्नतशील तरीके से अच्छी बाजार-प्रथा शुरू की जा सके। प्रसार भारती का विपणन विभाग पूरे मीडिया मार्केट के मध्य मुख्य बिन्दु और प्रोग्रामिंग कडी के रूप में कार्यरत है और पूरी चैनल सूची की बाजार प्रक्रिया के प्रबंधन की मौजूदा जिम्मेदारी के अलावा विपणन विभाग ने समय समय पर चैनल प्रोग्रामिंग द्वारा लोक सेवा नेतृत्व की मार्केटिंग के निष्पादन में कदम रख दिया है।

इस वर्ष की उपलब्धियों में विभिन्न खेल घटनाओं की सफल मार्केटिंग और आकाशवाणी में नए सरकारी क्लायंट जैसे पंचायती राज मंत्रालय, अल्पसंख्यक मामलो का मंत्रालय, भूमिसंसाधन विभाग, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, पूर्वोतर प्रभाग का विभाग (गृह मंत्रालय) और राष्ट्रीय विपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोशामिल करना है। इन प्रभागों की लगातार और ठोस कोशिशों से अकेला आकाशवाणी वित्त वर्ष 2007-08 में कुल 289.21 करोड़ रूपए का रिकार्ड-तोड़ राजस्व अर्जित करने में सफल हुआ।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली के एक संबद्ध कार्यालय के रूप में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) की स्थापना 1948 में दिल्ली में की गई। 01.01.1990 से इसे अधीनस्थ कार्यालय घोषित किया गया। अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरूवंनतपुरम के पांच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों (कार्यक्रम) के साथ दिल्ली व भुवनेश्वर में स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान(कार्यक्रम) में आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी कार्यक्रम और प्रशासनिक संवर्ग को प्रशिक्षण दिया जाता है।

वर्ष 2008-09 के दौरान कार्यक्रम कार्मिकों के लिए कई केन्द्रित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसमें 'माइक्रो मार्केटिंग', 'विपदा प्रबंधन', 'आधुनिक प्रस्तुतिशैली', 'वाईस कल्चर', 'एंकरिंग की कला', 'रेडियो जोकिंग', 'संगीत समीक्षा', 'डिजिटल अभिसरण', 'प्रस्तुति कला', 'बदलते परिदृश्य में स्थानीय रेडियो केन्द्र', 'विज्ञापन स्पॉट की प्रस्तुति', 'निर्णय लेने की कला', 'टाइम और टीम प्रबंधन', 'कार्यालय प्रबंधन', 'प्रवर्तित कार्यक्रम' और 'अप्रत्यक्ष स्टूडियो' पर कार्यशालाएं सम्मिलित हैं।

भारत में आगामी कॉमनवेल्थ खेलों और भारत सरकार के खाद्य सुरक्षा मिशन को ध्यान में रखते हुए हमारे प्रशिक्षण संस्थाओं में 'रेडियो पर खेल' और रेडियो कृषि-दृश्य आदि की विशेष कार्यशाला श्रृंखलाएं निर्धारित की गई थी।

प्रशासनिक कार्मिकों के लिए इस साल 'कंप्यूटर प्रशिक्षण', 'सेवाओं में आरक्षण और मॉडल गणना', 'संस्था नियम', 'अनुशासनिक प्रक्रिया और विभागीय पूछताछ', 'वित्तीय प्रशासन', 'प्रशासनिक सतक्रता' आदि पर विशेष जोर दिया गया। समूह 'घ' के कर्मचारियों के लिए 'कंप्यूटर योग्यता' पर कार्यशाला के अलावा लोकप्रिय पाठ्यक्रम 'व्यवहारिक बदलाव' जारी रहा।

अब तक कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने अपने आपको बाहर को एजेंसियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षककर्ता के रूप में स्थापित कर लिया है। हमारे संस्थान अब इग्नू और इंडियन एयरलाइंस आदि को 'कार्यक्रम प्रस्तुति' और 'वाईस कल्चर' का प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हैं। प्रसारण पत्रकारिता सिखाने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थानों और विश्वविद्यालयों के व्यावसायिक संबद्ध संस्थान खोले गए हैं। मौलना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद के लिए कार्यक्रम प्रारूप पर विशेष पाठयक्रम तैयार किए गए।

इन हाउस पाठयक्रम

वर्ष 2008-09 के दौरान कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) दिल्ली और भुवनेश्वर में तथा कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), और अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरूवनंतपुरम में स्थित पांच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों में 65 पाठ्यक्रम चलाए गए, इनमें कार्यक्रम संबंधी कार्यक्रम संबंधी 35 पाठ्यक्रम और 30 प्रशासनिक पाठ्यक्रम है। इन पाठ्यक्रमों आकाशवाणी और दूरदर्शन के कुल 1003 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें 485 प्रोग्रामर और 518 प्रशासनिक अधिकारीशामिल है। जनवरी, 2009 से मार्च, 2009 के बीच 20 पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए है।

- आकाशवाणी और दूरदर्शन कार्यक्रम प्रबंधन और प्रशासनिक कार्मिकों को 'सूचना का अधिकार' अधिनियम, 2005 की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम जोर-शोर से चलाए जा रहे हैं।
- इस वर्ष काफी प्रतिभागियों को प्रसारण संबंधी कार्यशालाओं में प्रेरित करने के लिए प्रयोग के तौर पर क्रास-जोन प्रशिक्षण परीक्षण सफल सिद्ध हुआ।

समन्वित पाठ्यक्रम

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) दिल्ली ने कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) आकाशवाणी और दूरदर्शन दिल्ली के समन्वय से आकाशवाणी के लिए हार्ड डिस्क पर आधारित रिकार्डिंग सिस्टम, हार्ड डिस्क पर आधारित डिलिवरी सिस्टम, नॉन लिनियर एडिटिंग और 3 डी ग्राफिक्स पर 3 पाठ्यक्रम आयोजित किए। आकाशवाणी और दूरदर्शन के लगभग 70 कार्यक्रम कर्मियों को प्रशिक्षित किया।

वाणी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

आकाशवाणी के कई केन्द्रों में भुगतान के आधार पर नए चुने गए सूत्रधारों, उद्घोषकों, प्रस्तुतकर्ताओं, समाचार वाचकों, सम्पादकों और संवाददाताओं के लिए वाणी (वायस आर्टिकुलेशन एण्ड नरचरिंग इनीशिएटिव) प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नवंबर, 2008 तक लगभग 1498 प्रत्याशी 97 बैचों में प्रशिक्षित किए गए हैं।

वाणी प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए भुगतान पर दी जाने वाली 'वाणी' पुस्तिका अनुपूरक सामग्री के रूप में काफी सहायक सिद्ध हो रही है।

बाह्य पाठयक्रम

- प्रसार भारती इग्नू के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी जी डी आर पी) और श्रव्य कार्यक्रम प्रस्तुति (पी जी डी ए पी पी) में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। इस वर्ष आकाशवाणी के 7 केन्द्रों में 11 बैचों में 143 छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।
- प्रसार भारती के कार्यक्रम स्टाफ के लिए अक्तूबर-नवंबर, 2008 में प्रसारण विकास (ए आई बी डी) के लिए एशिया पैसिफिक संस्था के सहयोग से तीन कार्यशालाएं आयोजित की गई।

दूरदर्शन ने कार्यक्रम कर्मचारियों के साथ बाहर के प्रतिभागियों के लिए 'एच आई वी/एड्स' और 'बच्चों के गुणवत्ता टी वी कार्यक्रम' पर कार्यशालाएं आयोजित की। आकाशवाणी और दूरदर्शन के समाचार अधिकारियों की तीसरी कार्यशाला 'अभिसारी पत्रकारिता'शीर्षक पर की गई। इन तीनों के लिए विशेषज्ञ ए आई बी डी द्वारा भेजे गए थे।

- इसके अतिरिक्त कई आकाशवाणी केन्द्रों ने विश्वविद्यालयों के रेडियो पत्रिकारिता के छात्रों को पेमेंट पर व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का कार्य प्राप्त किया है।

अभियांत्रिकी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

दिल्ली स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) अभियांत्रिकी कर्मचारियों के प्रशिक्षण की जरूरतों को पूरा करता है। भुवनेश्वर, शिलांग और मुंबई में भी क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान खोले गए हैं, ताकि प्रशिक्षण सुविधाओं को बढ़ाया जा सके।

दिल्ली में यह संस्थान 1948 में स्थापित किया गया था और समय के साथ यह इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने वाले उत्कृ:ट केन्द्र बन गया है। इस संस्थान के एक हिस्से के रूप में एक सुसज्जित पुस्तकालय और आधुनिक मल्टीमीडिया उपस्करों से परिपूर्ण एक कंप्यूटर केन्द्र उपलब्ध है।

यह संस्थान विभागीय उम्मीदवारों और उनके सदृश विदेशी संगठनों के उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। विभिन्न फील्ड कार्यालयों में कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। यह संस्थान अभियांत्रिकी सहायक के पद पर सीधी भर्ती की परीक्षाएं और अधीनस्थ अभियांत्रिकी संवर्ग में पदोन्नति के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं भी आयोजित करता है। क्षेत्रीय संस्थान कंप्यूटरीकृत हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग, एडिटिंग और प्लेबैक पद्धति जैसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है।

(क) 01.04.2008 से 31.03.2009 तक प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या

(1)	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) दिल्ली	- 910
(2)	क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), भुवनेश्वर	- 172
(3)	क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), मलाड	- 71
(4)	क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), शिलांग	- 22

(ख) 01.04.2008 से 31.03.2009 तक आयोजित किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या

1.	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) दिल्ली द्वारा आयोजित किए गए आंतरिक और बाह्य पाठ्यक्रम	- 61
2.	क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) भुवनेश्वर में आयोजित किए गए पाठ्यक्रम	- 21
3.	क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) मलाड में आयोजित किए गए पाठ्यक्रम	- 07
4.	क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) शिलांग में आयोजित किए गए पाठ्यक्रम	- 02

आकाशवाणी तकनीकी पुरस्कार देने में सबंध में आकाशवाणी विशाखापटनम का निरीक्षण करते श्री एस आर अग्रवाल, मु. अभि.

(ग) प्रसार भारती ए.आई.बी.डी. और सी.बी.ए. के संरक्षण में और कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) की कंप्यूटर लैब में आकाशवाणी और दूरदर्शन के समाचार अधिकारियों के लिए एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। सारी तकनीकी सहायता और सुविधाएं कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा प्रदान की गई थी।

(घ) कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) को वर्ष 2008-09 के लिए आई.ए.बी.एम. टोम मैकगैन बरसरी प्रशिक्षण पुरस्कार प्रदान किया। कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) ने यह इनाम तीसरी बार प्राप्त किया, यह असाधारण कार्य किसी अन्य संस्था द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता था। पाठ्यक्रम फरवरी-मार्च 2009 में किया जाएगा।

(ड) **<u>अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी:</u>**- विभिन्न देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) दिल्ली के विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लिया, बी बी एस भूटान से ग्यारह और एम बी सी मॉरिशस के चार।

(च) कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा अभियांत्रिकी छात्रों के लिए चार/छः सप्ताह का डिप्लोमा/डिग्री का ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण चलाया गया और इसमें कुल 160 अभियांत्रिकी छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

(i) कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) दिल्ली द्वारा अर्जित राजस्व 4,24,000/- रूपए (अभियांत्रिकी छात्रों से फीस के तौर पर)

(ii) क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) भुवनेश्वर द्वारा अर्जित राजस्व 38,59,066/- रूपए

आकाशवाणी के ट्रांसमिटरों में बढ़ोतरी

क्रम. सं.	राज्य का नाम	केन्द्रों की संख्या	ट्रांसमिटरों की संख्या			कवरेज का ब्यौरा (राज्यवार)			
						(मी.वेव + एफ.एम) द्वारा		केवल एफ एम द्वारा	
			मी.वेव	एफ एम	शा. वेव	क्षेत्रवार प्रतिशतता	जनसंख्यावार प्रतिशतता	क्षेत्रवार प्रतिशतता	जनसंख्यावार प्रतिशतता
1.	आंध्र प्रदेश	13	7	13	1	99	99.5	23.67	26.90
2.	अरुणाचल प्रदेश	5	5	1	1	57	76	4.86	10.97
3.	असम	10	7	5	2	96.7	98.87	36.83	38.05
4.	बिहार	6	3	4	-	99*	99*	20.5	19.38
5.	छत्तीसगढ़	6	3	4	-	93.8	97.35	9.1	13.8
6.	दिल्ली	1	5	2	15	99*	99*	90	98.9
7.	गोवा	1	2	1	2	99*	99*	90	90
8.	गुजरात	8	6	5	-	99*	99*	14.93	36.9
9.	हरियाणा	3	1	3	-	99*	99*	39.5	38.85
10.	हिमाचल प्रदेश	6	2	5	1	52	88.91	48.91	88.03
11.	जम्मू एवं कश्मीर	16	14	8	3	48.05	99.5	10.5	63.1
12.	झारखंड	5	2	5	1	99	99	35.09	36.02
13.	कर्नाटक	14	5	14	6	96.4	97.3	25.63	36.36
14.	केरल	8	4	7	1	99.6	99.8	41.57	45.85
15.	मध्य प्रदेश	16	6	13	1	99.3	99.4	23.74	28
16.	महाराष्ट्र	20	12	16	2	98.67	98.99	24.3	44.15
17.	मणिपुर	1	1	1	1	94.96	98.46	42.13	65.62
18.	मेद्यालय	5	4	2	1	97.5	98.45	46.32	48.12
19.	मिजोरम	3	2	2	1	59.56	73.27	45.71	58.14
20	नागालैंड	4	3	2	1	81.5	87.67	41.75	43.38
21	उड़ीसा	13	8	7	1	98.27	99	13.74	17.76
22	पंजाब	3	3	3		99	99	55.44	59.97
23	राजस्थान	17	8	12	1	94	99	25.36	31.55
24.	सिक्किम	1	1		1	72	95.6	1.05	2.45
25.	तमिलनाडु	11	9	9	2	99*	99*	53.67	62.41

आकाशवाणी के ट्रांसमिटरों में बढ़ोतरी

क्रम. सं.	राज्य का नाम	केन्द्रो की संख्या	ट्रांसमिटरों की संख्या			कवरेज का ब्यौरा (राज्यवार)			
						(मी. वेव. एफ. एम) द्वारा		केवल एफ एम द्वारा	
			मी.वेव	एफ एम	शा. वेव	क्षेत्रवार प्रतिशतता	जनसंख्यावार प्रतिशतता	क्षेत्रवार प्रतिशतता	जनसंख्यावार प्रतिशतता
26.	त्रिपुरा	3	1	3	-	84.31	89	72.89	86.19
27.	उत्तर प्रदेश	14	11	10	6	99.9	99.9	16.2	22.04
28.	उत्तराखंड	6	5	1		52.8	77.37	30.8	46.43
29.	पश्चिम बंगाल	7	6	8	2	99	99	29.49	41.9
30.	चंडीगढ़	1	-	1	-	99*	99*	99	99
31	दमण एवं दीव	1	-	1	-	99*	99*	64.28	61
32	पांडिचेरी	2	1	2	-	99*	99*	92.07	93.52
33	एल एण्ड एम दीपसमूह	1	1	-	-	99*	99*	00	00
34	ए एण्ड एम दीपसमूह	1	1	1	1	99*	99*	36.3	28.00
	कुल जोड़	**232**	**149**	**171**	**54**	**91.82**	**99.16**	**24.55**	**35.76**

रेडियो श्रोताओं में बढ़ोत्तरी

(रेडियो सुनने वालों का प्रतिशत)

वर्ष	ग्रामीण	शहरी	कुल
1997-98	49	46	47
1998-1999	56	44	50
2000-2001	52	49	51
2001-2002	53	48	51
2002-2003	58	48	53
2003-200	45	55	54
2004-2005	58	53	56
2005-200	52	60	56
2006-2007	55	50	52
2007-2008	57	51	54
2008-2009	61	54	58

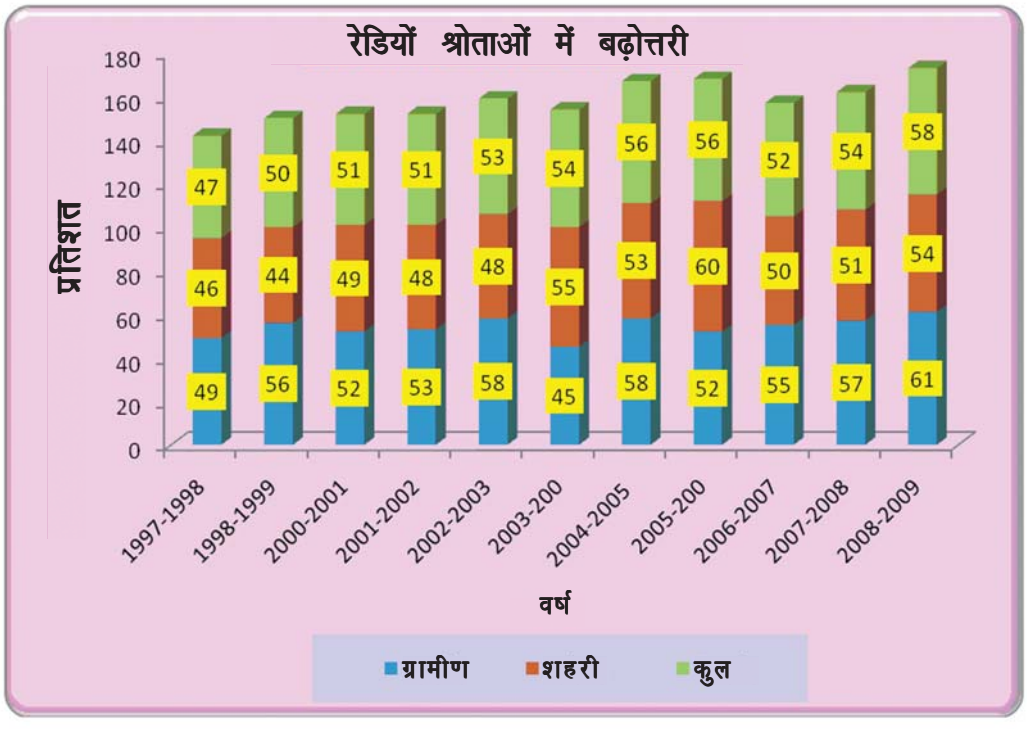

आकाशवाणी

31.04.2009 को तथ्य एक नज़र में

1. प्रसारण केन्द्र			**(232)**
(क) पूर्ण सुसज्जित केन्द्र			
i) स्थानीय रेडियो केन्द्र			85
ii) क्षेत्रीय केन्द्र			115
			200
(ख) रिले केन्द्र			24
(ग) एकमात्र विविध भारती केन्द्र			3 सी
		कुल जोड़	**232**
(च) रिकार्डिंग स्टुडियो			1 डी
(छ) विदेश सेवा के प्रसारण केन्द्र			11 ई
(ज) एकमात्र केन्द्रों सहित विविध भारती केन्द्र			40

2. ट्रांसमिटरों की संख्या		**(374)**
(क) मीडियम वेव		149
(ख) शार्ट वेव		54
(ग) एफ एम		171
		374

3. प्रसारण कवरेज	**क्षेत्र वार (%)**	**जनसंख्या (%)**
प्राइमरी गेड सिगनल द्वारा (मि वेव. एफ एम)	91.82%	99.16%
केवल एफ एम सिग्नल द्वारा	24.55%	35.76%
केवल मी. वेव सिग्नल द्वारा	90.52%	98.38%

4. केप्टिव भू केन्द्र **32**

5. स्टुडियो **211**

शीर्षक

सी. चण्डीगढ़, कानपुर, वडोदरा, भुवनेश्वर

ई. दिल्ली (खामपुर), अलीगढ़, कोलकाता, (चिनसुरा), जालंधर, मुंबई, बंगलौर, चेन्नै, गुवाहाटी, गोरखपुर, तूतीकोरिन एवं पणजी

वर्तमान आकाशवाणी केन्द्र 31.03.2009

कुल केन्द्र - 232 **(मी.वेव 149ए एफ**
कुल ट्रांसमिटर -374 **एम .171,ए शार्ट वेव-54)**

क्र.सं.	केन्द्र	श्रेणी	ट्रांसमिटर	आवृत्ति	स्टूडियो
आंध्र प्रदेश (13)			**कुल (मी.वेव) एफ एम,कवरेजः**	**क्षेत्र-99.00%**	**जनसंख्या-99.50%**
ट्रांसमिटर. 21 (मी.वेव-7			**एफ एम कवरेज क्षेत्र -23.67ः**	**जनसंख्या 26.90%**	
एफ. एफ. 13, शार्ट वेव-1)					
1	आदिलाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 **कि.वाट मी.वेव**	1485 कि. हर्ट्ज	एम पी
2	अनन्तपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	101.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
3	कडप्पा	क्षेत्र	100 **कि.वाट मी.वेव**	900 कि. हर्ट्ज	टाइप I
4	हैदराबाद	क्षेत्रीय	200 **कि.वाट मी.वेव**	738 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक
			20 **कि.वाट मी.वेव**	1377 कि. हर्ट्ज	फोन पर समाचार
			6 **कि.वाट एफ एम**	102.8 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			विविध भारती		
			5 **कि.वाट एफ एम,**	101.9 मेगा हर्ट्ज	
			रेनबो		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
5	कोटागुडम	क्षेत्रीय	6 **कि.वाट एफ एम**	100.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
6	कुरनूल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
7	मरकापुरम्	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	101.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
8	निजामाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	103.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
9	तिरूपति	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 **कि.वाट एफ एम**	103.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
			3 **कि.वाट एफ एम**	107.5 मेगा हर्ट्ज	
10	विजयवाड़ा	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	837 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			1 **कि.वाट मी.वेव**	1503 कि. हर्ट्ज	
			विविध भारती		
			1 **कि.वाट एफ एम**	102.2 कि. हर्ट्ज	
			(अंतरिम सेट अप)		
11	विशाखापतनम्	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	927 कि. हर्ट्ज	टाइप I
			10 **कि.वाट एफ एमए**	102 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			रेनबो		
12	वारंगल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 **कि.वाट एफ एम**	103.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
13	मचेरला	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 **कि.वाट एफ एम**	103.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
अरूणाचल प्रदेश (5) ट्रासमिटर-7			**कुल कवरेज (मी0वेव़एफएम,)**		
(मी0वेव.5), शा0वेव.1,एएफ एम.1)			**क्षेत्र.57.00ः जनसंख्या 76.00%**		
			एफ एम कवरेज क्षेत्र 4.86%		
			जनसंख्या 10.97%		
14	इटानगर	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	675 कि. हर्ट्ज	टाइप I, अपलिंक
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			10 **कि.वाट एफ एम**	103.1	
15	पासीघाट	क्षेत्रीय	10 **कि.वाट मी.वेव**	1062 कि. हर्ट्ज	एम पी
16	त्वांग	क्षेत्रीय	10 **कि.वाट मी.वेव**	1521 कि. हर्ट्ज	एम पी
17	तुजू	क्षेत्रीय	10 **कि.वाट मी.वेव**	1332 कि. हर्ट्ज	एम पी
18	जीरो	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 **कि.वाट मी.वेव**	1602 कि. हर्ट्ज	एम पी

असम [10] ट्रांसमिटर.14			**कुल कवरेज (मी0वेव़ + एफ एम): एफ एम कवरेज क्षेत्र 36.83% जनसंख्या 38.05%**	**क्षेत्र.96.70%**	**जनसंख्या 98.87**
(मी0वेव–7, शा0वेव.2एएफ एम–5)					
19	धुबरी	रिले	6 **कि.वाट एफ एम**	103.3 मेगा हर्ट्ज	
20	डिब्रूगढ़	क्षेत्रीय	300 **कि.वाट मी.वेव**	567 कि. हर्ट्ज	टाइप III
21	दीफू	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि0वाट मी0 वेव	1485 कि. हर्ट्ज	एम पी
22	गुवाहाटी	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	729 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक
			10 **कि.वाट मी.वेव**	1035 कि. हर्ट्ज	
			10 **कि.वाट एफ एम**	100.8 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			विविध भारती		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			क्षेत्रीय सेवा		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
23	हॉफलॉग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102 मेगा हर्ट्ज	एम पी
24	जोरहाट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 **कि.वाट एफ एम**	103.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
25	कोकराझार	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1512 कि. हर्ट्ज	टाइप I
26	नौगॉव	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
27	सिलचर	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	828 कि. हर्ट्ज	टाइप I
28	तेजपुर	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1125 कि. हर्ट्ज	एम पी
बिहार [6] ट्रांसमिटर–7			**कुल कवरेज(मी0वेव + एफ एम): क्षेत्रें 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
(मी0वेव–3, शा0वेव–0,एफ एम–4)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 20.50% जनसंख्या 19.38%**		
29	भागलपुर	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1458 कि. हर्ट्ज	टाइप I
30	दरभंगा	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1296 कि. हर्ट्ज	टाइप I
31	पटना	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	621 कि. हर्ट्ज	टाइपIV,अपलिंक, फोन पर समाचार
			6 **कि.वाट एफ एम**	102.5 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			विविध भारती		
32	पुर्णिया	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम पी
33	सासाराम	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	103.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
34	औरंगाबाद	एल टी पी रिले	100 **वाट एफ एम**	102.4 मेगा हर्ट्ज	
छत्तीसगढ़ (6) ट्रांसमिटर.7			**कुल कवरेज (मी0वेव़एफ एम): क्षेत्र**.93.80% जनसंख्या 97.35%		
(मी0वेव.3, एएफ एम.4)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 9.1% जनसंख्या 13.80%**		
35	अम्बिकापुर	क्षेत्रीय	20 कि0वा0 मी0 वेव	1260 कि0 हर्ट्ज	टाइप I
36	विलासपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	103.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
37	जगदलपुर	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	756 कि. हर्ट्ज	टाइप I
38	रायगढ़	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	100.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
39	रायपुर	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	981 कि. हर्ट्ज	टाइप I, अपलिंक, फोन पर समाचार
			1 **कि.वाट एफ एम**	101.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			(अंतरिम सेटअप)		
40	सरायपल्ली	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 **कि.वाट एफ एम**	102.8 मेगा हर्ट्ज	एम पी
दिल्ली ट्रांसमिटर.22 (मी0वेव.5)			**कुल कवरेज (मी0वेव़एफ एम): क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
			एफ एम कवरेज क्षेत्र 90.00% जनसंख्या 98.00%		
41	दिल्ली (I)	क्षेत्रीय	200 **कि.वाट मी.वेव 'ए'**	819 कि. हर्ट्ज	टाइपIV प्लस अपलिंक
			100 **कि.वाट मी.वेव 'बी'**	666 कि. हर्ट्ज	फोन पर समाचार
			20 **कि.वाट मी.वेव 'सी'**	1368 कि. हर्ट्ज	
			विविध भारती		
			10 **कि.वाट मी.वेव 'डी'**	1017 कि. हर्ट्ज	
			(युववाणी)		

			10 **कि.वाट एफ एम** (रेनबो)	102.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			5 **कि.वाट एफ एम** (गोल्ड)	106.4 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			20 **कि.वाट मी.वेव** एन सी	1215 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			100 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			100 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
गोवा (1),ट्रांसमिटर.5 (मी0वेव.2, शा0वेव.2, एफ एम.1)			**कुल कवरेज (मी0वे एफ एम,: क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.00% एफ एम कवरेज क्षेत्र 90.00% जनसंख्या 90.00%**		
42	पणजी	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	1287 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			20 **कि.वाट मी.वेव** विविध भारती	1539 कि. हर्ट्ज	
			6 **कि.वाट एफ एम** रेनबो	105.4 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 **कि0 वाट शार्ट वेव** विदेश सेवा		
गुजरात (8)ट्रांसमिटर.11 (मी0वेव 6, एफ एम.5)			**कुल कवरेज (मी0वेव + एफ एम): क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.00% एफ एम कवरेज क्षेत्र 14.93% जनसंख्या 36.90%**		
43	अहमदाबाद	क्षेत्रीय	200 **कि.वाट मी.वेव**	846 कि. हर्ट्ज	टाइप IV,अपलिंक, फोन पर समाचार
			10 **कि.वाट एफ एम** विविध भारती	96.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
44	अह्वा	क्षेत्रीय	1 **कि.वाट मी.वेव**	1485 कि. हर्ट्ज	एम पी
45	भुज	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1314 कि. हर्ट्ज	टाइप II
46	गोधरा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
47	राजकोट	क्षेत्रीय	300 **कि.वाट मी.वेव**	810 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			10 **कि.वाट एफ एम** विविध भारती	95.8 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			1000 **कि.वाट मी.वेव** विदेश सेवा	1071 कि. हर्ट्ज	प्रचलन में नहीं
48	सूरत	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**ए विविध भारती	101.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी

49	वडोदरा	विविध भारती एक्सक्लूज़िव	10 **कि.वाट एफ एम**	93.9 मेगा हर्ट्ज	टाइप II स्टीरियो
50	हिम्मतनगर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 **कि.वाट मी.वेव**	1584 कि. हर्ट्ज	एम पी
हरियाणा (3)ट्रांसमिटर 4			**कुल कवरेज (मी0 वे + एफ एम) क्षेत्र = 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
(मी0वेव.1, एफ एम.3, शार्ट वेव.0)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 39.5%** जनसंख्या **= 38.85%**		
51	हिसार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम पी ए अपलिंक, (संस्थापनाधीन)
52	कुरूक्षेत्र	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	101.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
53	रोहतक	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1143 कि. हर्ट्ज	टाइप
			1 **कि.वाट एफ एम** (अंतरिम सेटअप)	103.5 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
हिमाचल प्रदेश (6)ट्रांसमिटर 8			**कुल कवरेज (मी0वेवएफ एम): क्षेत्र.52.00% जनसंख्या 88.91%**		
(मी0वेव.2, शा0वेव-1, एफ एम 5)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 48.91% जनसंख्या 88.03%**		
54	धर्मशाला	क्षेत्रीय	10 **कि.वाट एफ एम**	103.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
55	हमीरपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	101.8 मेगा हर्ट्ज	एम पी
56	कसौली	रिले	10 **कि.वाट एफ एम**	107.2 मेगा हर्ट्ज	
57	किन्नौर (कल्पा)	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**	1584 कि. हर्ट्ज	
58	कुल्लू	रिले	6 **कि.वाट एफ एम**	102.5 मेगा हर्ट्ज	
59	शिमला	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	774 कि. हर्ट्ज	टाइपIII, अपलिंक,
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			1 **कि.वाट एफ एम** (अंतरिम सेटअप)	100.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
जम्मू और कश्मीर (16) ट्रांसमिटर 25			**कुल कवरेज (मी0वेवएफ एम): क्षेत्र 48.05% जनसंख्या 99.50%**		
(मी0वेव.14) शा0वेव-3एएफ एम-8)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 10.50% जनसंख्या 63.10%**		
60	जम्मू	क्षेत्रीय	300 **कि.वाट मी.वेव**	990 कि. हर्ट्ज	टाइप III, अपलिंक,
			3 **कि.वाट एफ एम** युववाणी	100.3 मेगा हर्ट्ज	
			10 **कि.वाट एफ एम** विविध भारती	104.5 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
61	करगिल	क्षेत्रीय	1 **कि.वाट मी.वेव**	1584 कि. हर्ट्ज	एम पी
			200 **कि.वाट मी.वेव**	684 कि. हर्ट्ज	
62	कथुवा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 **कि.वाट एफ एम**	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
63	लेह	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1053 कि. हर्ट्ज	एम पीए अपलिंक,
			10 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			100 **वाट एफ एम**		
64	पूंछ	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	100.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
65	श्रीनगर	क्षेत्रीय	300 **कि.वाट मी.वेव**	1116 कि. हर्ट्ज	टाइप III, अपलिंक,
			10 **कि.वाट मी.वेव** युववाणी	1224 कि. हर्ट्ज	
			10 **कि.वाट एफ एम** विविध भारती	102.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
66	भदरवा	क्षेत्रीय	6 **कि.वाट एफ एम**	101.0 मेगा हर्ट्ज	एम पी
67	कुपवाड़ा	रिले	20 **कि.वाट मी.वेव**	1350 कि. हर्ट्ज	
68	खालसी	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**	1485 कि. हर्ट्ज	
69	नौसेरा	रिले	20 **कि.वाट मी.वेव**	1089 कि. हर्ट्ज	
70	राजौरी	रिले	10 **कि.वाट एफ एम**	101.9 मेगा हर्ट्ज	

71	द्रास	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**	1485 कि. हर्ट्ज	
72	तिसुरू	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**	1602 कि. हर्ट्ज	
73	न्यौमा	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**	1485 कि. हर्ट्ज	
74	दिस्कित	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**	1602 कि. हर्ट्ज	
75	पदुम	रिले	1 **कि.वाट मी.वेव**		
झारखंड (5) ट्रांसमिटर-8			**एफ एम कवरेज (मी0 वेव एफ एम): क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.50%**		
(मी0वेव-2, शा0वेव-1,एफ एम-5)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 35.09% जनसंख्या 36.02%**		
76	चइबासा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	101.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
77	डाल्टनगंज	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 **कि.वाट एफ एम**	103 मेगा हर्ट्ज	एम पी
78	हजारीबाग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
79	जमशेदपुर	क्षेत्रीय	1 **कि.वाट मी.वेव**	1584 कि. हर्ट्ज	टाइप I
	6 **कि.वाट एफ एम**	विविध भारती	100.8 मेगा हर्टज	स्टीरियो	
80	रॉची	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	549 कि. हर्ट्ज	टाइपII, अपलिंक,
			6 **कि.वाट एफ एम**	103.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			वि. मा.		
			50 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
कर्नाटक (14)ट्रांसमिटर-25			**कुल कवरेज (मी0वे + एफ एम): क्षेत्र-96.40% जनसंख्या-97.30%**		
(मी0वेव-5,शा0वेव-6) एफ एम-14)			**एफ एम कवरेज: क्षेत्र-25.63% जनसंख्या -36.36%**		
81	बंगलौर (बैंगलुरू)	क्षेत्रीय	200 **कि.वाट मी.वेव**	612 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक, पर समाचार फोन
			10 **कि.वाट एफ एम**	102.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			विविध भारती		
			10 **कि.वाट एफ एम**ए रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			500 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			विदेश सेवा		
			500 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			विदेश सेवा		
			500 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			विदेश सेवा		
			500 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			विदेश सेवा		
			500 **कि0 वाट शार्ट वेव**		
			विदेश सेवा और विविध भारती		
82	भद्मावती	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	675 कि. हर्ट्ज	टाइप I
83	बेल्लारी	क्षेत्रीय	1 **कि.वाट एफ एम**	103.3 मेगा हर्ट्ज	
			(अंतरिम सेटअप)		
84	बीजापुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	101.8 मेगा हर्ट्ज	एम पी
85	चित्रदुर्ग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.6 मेगा हर्ट्ज	एम पी
86	धारवाड़	क्षेत्रीय	200 कि0वाट मी0वेव	765कि0 हर्ट्ज	टाइप III
			10 **कि.वाट एफ एम**	103.0 मेगा हर्ट्ज	
			विविध भारती		
87	गुलवर्गा	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1107 कि. हर्ट्ज	
			1 **कि.वाट एफ एम**	103.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			(अतरिम सेटअप)		
88	हासन	क्षेत्रीय	6 **कि.वाट एफ एम**	1107 कि. हर्ट्ज	टाइप I

89	हॉस्पेट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 **कि.वाट एफ एम**	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
90	कारवार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 **कि.वाट एफ एम**	100.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
91	मंगलौर - उडीपी	क्षेत्रीय	20 **कि.वाट मी.वेव**	1089 कि. हर्ट्ज	एम पी
			10 **कि.वाट एफ एम**	100.3 मेगा हर्ट्ज	टाइप I
92	मरकारा (मेडीकेरी)	क्षेत्रीय	6 **कि.वाट एफ एम**	103.1	
93	मैसूर	क्षेत्रीय	10 **कि.वाट एफ एम**	1017 कि. हर्ट्ज	एम पी
94	रायचूर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
केरल (8)ट्रांसमिटर-12			**कुल कवरेज (मी0वे+एफ एम): क्षेत्र -99.60%**		**जनसंख्या-99.80%**
(मी0वेव-4, शा0वेव-1,एफ एम-7)			**एफ एम कवरेज : क्षेत्र-41.57%**		**जनसंख्या-45.85%**
95	एलेप्पी (आलपुष्पा)	रिले	200 **कि.वाट मी.वेव**	576 कि. हर्ट्ज	
96	कालीकट(कोझीकोड)	क्षेत्रीय	100 **कि.वाट मी.वेव**	684 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			10 **कि.वाट एफ एम** (विविध भारती)	103.6 मेगा हर्ट्ज	
97	कनानूर (कन्नूर)	क्षेत्रीय	6 **कि.वाट एफ एम**	101.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
98	कोचीन (कोच्चि)	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 **कि.वाट एफ एम**	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम पी
			10 **कि.वाट एफ एम** विविध भारती	107.5 मेगा हर्ट्ज	
99	इडुक्की (देवीकुलम)	क्षेत्रीय	6 **कि.वाट एफ एम**	101.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
100	त्रिश्शुर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	630 कि. हर्ट्ज	टाइप-1
101	त्रिवेन्द्रम	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1161 कि. हर्ट्ज	टाइप IV अपलिंक फोन पर समाचार
			10 कि.वा. एफ.एम.वि.भा.	101.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि.वा.शार्ट वेव		
102	मंजेरी राज्य केन्द्र	स्थानीय रिले कोड	3 कि.वा. एफ.एम. रैनबो	102.7 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
मध्य प्रदेश (16)			**कुल कवरेज(मी वेव्+एफ.एम.) : क्षेत्र 99.30%**		**जनसंख्या-99.40%**
ट्रांसमिटर 20(मी.वेव-6,एफ.एम -13, शार्ट वेव-1)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 23.74% जनसंख्या-28%**		
103	बालाघाट	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.3 मे0 हर्ट्ज	एम.पी
104	बेतूल	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	103.1 में0 हर्ट्ज	एम.पी
105	भोपाल	क्षेत्रीय	10 कि.वा.मी.वेव	1593 कि. हर्ट्ज	टाइप 111 अपलिंक
			6 कि.वा. एफ.एम.वि.भा	103.5 में0 हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि. वा. शार्ट वेव		
106	छत्तरपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	675 कि. हर्ट्ज	टाइप 1
107	छिन्दवाड़ा	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
108	गुना	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
109	ग्वालियर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1386 हर्ट्ज	टाइप 1
110	इंदौर	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वेव	648 कि. हर्ट्ज	टाइप।।।
			6 कि.वा. एफ.एम.वि.भा	101.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
111	जबलपुर	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वेव	801 कि. हर्ट्ज	टाइप।।।
			10 कि.वा. एफ.एम.वि.भा	102.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
112	खंडवा	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.2 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
113	रिवा	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1179 कि. हर्ट्ज	टाइप।।

114	सागर	स्थानीय राज्य केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.6 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
115	शाहदल	क्षेत्रीय	6 कि.वा. एफ.एम	102. मेगा हर्ट्ज	एम.पी
116	शिवपुरी	क्षेत्रीय	6 कि.वा. एफ.एम	100.2 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
117	मांडला	स्थानीय रिले केन्द्र	1 कि.वा. एफ.एम	100.4 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
118	राजगढ	स्थानीय रिले केन्द्र	3 कि.वा. एफ.एम	100.7 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
महाराष्ट्र (20)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.): क्षेत्र 98.67%**		**जनसंख्या 98.99%**
ट्रांसमीटर 30 (मी.वेव-12, एफ.एम 16 शार्ट वेव-2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 24.3%**		**जनसंख्या-44.15%**
119	अहमदनगर	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	100.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
120	अकोला	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.4 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
121	औरंगाबाद	क्षेत्रीय	1 कि.वा. मी. वेव	1521 मेगा हर्ट्ज	टाइप ।। अपलिंक (काम जारी है)
			1 कि.वा. एफ.एम. (अंतरिम सेटअप)	101.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
122	बीड	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.9 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
123	चन्द्रपुर	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	103 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
124	धूल	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	100.5 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
125	जलगांव	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	963 कि. हर्ट्ज	टाइप-1
126	कोल्हापुर	क्षेत्रीय	6 कि.वा. एफ.एम	102.7 मेगा हर्ट्ज	टाइप-1 एम.पी
127	मुम्बई	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव ए	1044 कि. हर्ट्ज	टाइप-4 पलस अनलिंक
			100 कि.वा.मी.वेव बी	558 कि. हर्ट्ज	मल्टीट्रैक
			50 कि.वा.मी.वेव वि. मा.	1188 कि. हर्ट्ज	फोन पर समाचार
			10 कि.वा. एफ.एम.(रेनबो)	107.1 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			10 कि.वा. एफ.एम.(गोल्ड)	100.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			100 कि.वा. शार्ट.वेव		
			50 कि.वा. शार्ट.वेव		
128.	नागपुर	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वेव	585 कि. हर्ट्ज	टाइप-3
			6 कि.वा. एफ.एम. वि.भा.	100.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			1000 कि.वा.मी.वेव एन.सी.	1566 कि. हर्ट्ज	
129	नांदेड	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
130	नासिक	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.4 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
131	उसमानाबाद	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.3 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
132	परभाणी	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1305 कि. हर्ट्ज	टाइप-1
133	पुणे	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	792 कि. हर्ट्ज	टाइप-4
			6 कि.वा. एफ.एम. वि.भा.	101 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
					टाइप-1
134	रतनागिरि	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1143 कि. हर्ट्ज	टाइप-1
135	सांगली	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1251 कि. हर्ट्ज	टाइप-1
136	सितारा	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	103.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
137	सोलापुर	स्थानीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम.पी
138	यवतमाल	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.7 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
मणिपुर (1)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.): क्षेत्र 94.96%**		**जनसंख्या - 9846%**
ट्रांसमीटर 3(मी.वेव-1, शा0 वे-1, एफ.एम 1)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 42.13% जनसंख्या: 65.62%**		

139	इम्फाल	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वेव	882 कि. हर्ट्ज	टाइप-।।। अपलिंक, न्यूज ओन फोन
			50 कि.वा.शार्ट.वेव		
			10 कि.वा. एफ.एम.	103.5 मेगा हर्ट्ज	
मेघालय (5)			**कुल कवरेज(मी.वेव्+एफ.एम.) : क्षेत्र 97.50% जनसंख्या -98.45%**		
ट्रांसमीटर 7 (मी.वेव-4, शार्ट वेव-1, एफ एम-2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 46.32 % जनसंख्या-48.12%**		
140	जोवाई	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
141	नोनगोस्टोन	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	एम.पी
142	शिलॉग	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	864 कि. हर्ट्ज	टाइप-।। अपलिंक,
			50 कि.वा शार्ट.वेव (पूर्वो. इन्टेग)		
			10 कि.वा. एफ.एम. रेनबो	103.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
143	तुरा	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1233 कि. हर्ट्ज	टाइप-।
144	विलियम नगर	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम.पी
मिजोरम (3)			**कुल कवरेज(मी.वेव्+एफ.एम.): क्षेत्र 59.56 % जनसंख्या- 73.27%**		
ट्रांसमीटर 5 (मी.वेव-2, शार्ट वेव-1, एफ.एम 2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 45.71% जनसंख्या-58.14 %**		
145	आईजोल	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	540 कि. हर्ट्ज	टाइप-।। अपलिंक
			10 कि.वा.शार्ट.वेव		
			6 कि.वा. एफ.एम	100.7	
146	लुंगले	क्षेत्रीय	6 कि.वा.मी.वेव	101.9 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
147	सेहा	सीआरएस	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एमपी
नागालैंड(4)			**कुल कवरेज(मी.वेव्+एफ.एम.): क्षेत्र 81.50% जनसंख्या- 87.67%**		
ट्रांसमीटर 6 (मी.वेव-3, शार्ट वेव-1, एफ.एम 2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 41.75% जनसंख्या-43.38%**		
148	कोहिमा	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	639 कि. हर्ट्ज	टाइप-।।। अपलिंक
			1 कि.वा. एफ.एम	103 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि.वा. शार्ट.वेव		
149	मोकोकचांग	स्था रिले कोड	1 कि.वा. एफ.एम	100.9 मेगा हर्ट्ज	एमपी
150	मोन	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	एम.पी
151	त्यूनसांग	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम.पी
उडीसा(13)			**कुल कवरेज(मी.वेव्+एफ.एम.) : क्षेत्र 98.27% जनसंख्या- 99.00%**		
ट्रांसमीटर 6 (मी.वेव-8, शार्ट वेव-1, एफ.एम 7)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 13.74% जनसंख्या-17.76%**		
152	बरीपदा	स्थानीय रिले कोड़	5 कि.वा. एफ.एम	102.9 मेगा हर्ट्ज	एमपी
153	बैरमपुर	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	100.6 मेगा हर्ट्ज	एमपी
154	भवानीपटना	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वेव	1206 कि. हर्ट्ज	टाइप-।
155	बोलांगगिर	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	101.6 मेगा हर्ट्ज	एमपी
156	आईजोल	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वेव	972 कि. हर्ट्ज	टाइप-4 टपलिंक
			1 कि.वा.मी.वेव वि.भा.	1314 कि. हर्ट्ज	
			6 कि.वा. एफ.एम रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो

157	जेपोर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव 50 कि.वा.शार्टवेव	1467 कि. हर्ट्ज	टाइप-।
158	जोरांदा	स्थानीय रिले कोड	1 कि.वा. मी.बेव	1485 कि. हर्ट्ज	एमपी
159	कियोंझार	एलआरएस	1 कि.वा.मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	एमपी
160	पुरी	एलआरएस	3 कि.वा. एफ.एम	103.4 मेगा हर्ट्ज	एमपी
161	राउरकेला	एलआरएस	6 कि.वा. एफ.एम	102.6 मेगा हर्ट्ज	एमपी
162	संबलपुर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	945 कि. हर्ट्ज	
163	देवगढ़	एलपीटी रेले	100 वा. एफ.एम	101.0 मेगा हर्ट्ज	टाइप-I
164	सोरो	स्थानीय रिले कोड	1 कि.वा. मेगावाट		एमपी
पंजाब(3)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.) क्षेत्र 99.00% जनसंख्या- 99.00 %**		
ट्रांसमीटर 6 (मी.वेव-3, एफ.एम-3)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 55.44% जनसंख्या-59.97%**		
165	भटिंडा	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	101.1 मेगा हर्ट्ज	एमपी
166	जालंधर	क्षेत्रीय	300 कि.वा. मेगावाट	873 कि. हर्ट्ज	टाइप 4 अपलिंक
			200 कि.वा. मेगावाट	702 कि. हर्ट्ज	उर्दू सेवा
			1 किलो वाट मी. वेव वि. मा. 1350 कि. हर्ट्ज		
			10 किलो वाट एफ एम, रेनबो 102.7 मेगा हर्ट्ज स्टीरियो		
167	पटियाला	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	100.2 मेगा हर्ट्ज	एमपी
राजस्थान (17) ट्रां.21			**कुल कवरेज (मी.वे .एफ.एम) एरिया-94.00% जनसंख्या 99.00%**		
(मी.वे.8, एफ.एम. 12, शा.वे.1)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 25.36% जनसंख्याः 31.55%**		
168	अजमेर	रिले	200 कि.वा.मी.वे.	603 कि.हर्ट्ज	
			1 किलो वाट मी. वेव वि. मा. 1350 कि. हर्ट्ज		
			10 किलो वाट एफ एम, रेनबो 102.7 मेगा हर्ट्ज स्टीरियो		
169	अलवर	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.1मे.हर्ट्ज	एमपी
170	बांसवाड़ा	स्था.रेडियो केन्द्र	20 कि.वा.मी.वे.	101.3 मे.हर्ट्ज	एमपी
171	बाड़मेर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1458 कि.हर्ट्ज	एमपी
172	बीकानेर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1395 कि.हर्ट्ज	टाइप-II
173	चित्तौड़गढ़	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	102.9 मे.हर्ट्ज	एमपी
174	चुरू	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम.	100.7 मे.हर्ट्ज	एमपी
175	जयपुर	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1476 कि.हर्ट्ज	टाइप-III अपलिंक फोन पर समाचार
			6 कि.वा.एफ.एम. ट्रां.वि.भा. 50 कि.वा.शा.वे.	100.3 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
176	जैसलमेर	क्षेत्रीय	10 कि.वा.एफ.एम	101.8 मे.हर्ट्ज	टाइप-I
177	झालवाड़	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.2 मे.हर्ट्ज	एमपी
178	जोधपुर	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वे.	531 कि.हर्ट्ज	टाइप-III
			6 कि.वा.एफ.एम.वि.भा.	102.1 मे.हर्ट्ज	
179	कोटा	स्था.रेडियो केन्द्र	20 कि.वा.मी.वे.	1413 कि.हर्ट्ज	एमपी
180	माउण्ट आबू	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम.	103.5 मे.हर्ट्ज	एमपी
181	नागौर	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.7 मे.हर्ट्ज	एमपी
182	सवाई माधोपुर	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	101.5 मे.हर्ट्ज	एमपी
183	सूरतगढ़	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वे.	918 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
184	उदयपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1125 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
			1 कि.वा.एफ.एम. (आंतरिक व्यवस्था.)	1001.7 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो

सिक्किम (1) ट्रां.2 (मी.वे.1, शा.वे.1)			**कुल कवरेज (मी.वे + एफ.एम) एरिया-72.00% जनसंख्या 95.60%**		
			एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 1.05% जनसंख्याः 2.45%		
185	गंगटोक	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1404 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
			10 कि.वा.शा.वे.		
तमिलनाडु (11) ट्रां.20 (मी.वे.9, एफ.एम.9,शा.वे.2)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) क्षेत्र-99.00% जनसंख्या 99.00%'**		
			एफ.एम कवरेज क्षेत्र 53.67% जनसंख्याः 62.41%'		
186	चेन्नई	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे. 'ए	720 कि.हर्ट्ज	मल्टी ट्रैक
			'20 कि.वा.मी.वे.'बी'	1017 कि.हर्ट्ज	टाइप iv प्लस
			20 कि.वा.मी.वे.वि.भा.	1395 कि.हर्ट्ज	अपलिंक
			20 कि.वा.एफ.एम.(रेनबो)	101.4 मे.हर्ट्ज	फोन पर
			20 कि.वा.एफ एम 'गोल्ड'	102.3 मे.हर्ट्ज	समाचार
			50 कि.वा.शा.वे.		स्टीरियो
			100 कि.वा.शा.वे.वि.भा. समक्रिमिक		स्टीरियो
187	कोयम्बटूर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे	999 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
			10 कि.वा.एफ.एम. वि.भा.	103 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
188	कोडईकनाल	क्षेत्रीय	10 कि.वा.एफ.एम.	100.5 मे.हर्ट्ज	एमपी स्टीरियो
189	मदुरै	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1269 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
			1 कि.वा.एफ.एम(आ.व्यवस्था)	103.3 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
190	नागरकोइल	स्था.रेडियो केन्द्र	10 कि.वा.एफ.एम.	101 मे.हर्ट्ज	एमपी
191	उटकामुंड	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	एमपी
192	तिरूचिरापल्ली	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे	936 कि.हर्ट्ज	टाइप-IV
			10 कि.वा.एफ.एम.वि.भा.	102.1मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
193	तिरूनेलवेली	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1197 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
194	तूतीकोरन	क्षेत्रीय	200 कि.वामी.वे.विस्तार सेवा	1053 कि.हर्ट्ज	टाइप-I
195	धर्मपुरी	स्था.रेडियो केन्द्र	10 कि.वा.एफ.एम.ट्रां	102.5 मे.हर्ट्ज	
196	सलेम (येरकाड)	एलपीटी क्षेत्रीय	100 वा.एफ.एम.	100.9 मे.हर्ट्ज	
त्रिपुरा (3) ट्रां.4 (मी.वे.1, एफ.एम. 3)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया-84.31% जनसंख्या 89.00%**		
			एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 72.89% जनसंख्याः 86.19%		
197	अगरतला	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1269 कि.हर्ट्ज	टाइप-I अपलिंक
			10 कि.वा.एफ.एम.	101.6 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
198	बेलोनिया	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.7 मे.हर्ट्ज	एमपी
199	कैलाशहर	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.2 मे.हर्ट्ज	एमपी
चण्डीगढ़ संघ शासित ट्रां.1 (एफ.एम.1)			**कुल कवरेज (मी.वे .एफ.एम) एरिया-99.00%' जनसंख्या 99.00% '**		
			एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 99.00% जनसंख्याः 99.00%		
200	चण्डीगढ़ (1)	विविध भारती एक्सक्ल्यूसिव	6 कि.वा.एफएम	103.1में.हर्ट्ज	स्टीरियो टाइप-I
			10कि.वा.एफ.एम.	101.6 मे.हर्ट्ज	
दमन एवं दीव ट्रां.1(एफ.एम.)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया-99.00%' जनसंख्या 99.00%'**		
			एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 64.28% जनसंख्याः 61.00%		
201	दमन (1)	स्था.रेडियो केन्द्र	3 कि.वा.एफएम	102.3 में.हर्ट्ज	एमपी
पुदुचेरी (2) ट्रां.3 (मी.वे.1, एफ.एम. 2)			कवरेज एरिया-99.00%' जनसंख्या 99.00%'		
			एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 92.07% जनसंख्याः 93.52%		
202	पुदुचेरी	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1215 कि.हर्ट्ज	एमपी स्टीरियो
			5 कि.वा.एफ.एम.(आ.व्यवस्था)	102.8 मे.हर्ट्ज	(एफएम रेनबो चेन्नै)

203	करैकाल	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	100.3 मे.हर्ट्ज	
लक्ष्य एवं मिनिकाय द्वीप(1) ट्रां.1 (मी.वे. 1)			**कुल कवरेज (मी.वे + एफ.एम) एरिया-99.00%' जनसंख्या99.00%' एफ.एम कवरेजः क्षेत्र जनसंख्याः 0.0%**		
204	कावारती (1)	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1584 किं.हर्ट्ज	एमपी
अंदमान एवं निकोबार द्वीप (1) ट्रां.3 (मी.वे.1,शा.वे.1,एफ.एम.1)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया-99.00%' जनसंख्या 99.00%' एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 36.03% जनसंख्याः 28.00%**		
205	पोर्टब्लेयर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे.	684 किं.हर्ट्ज	टाइप I
	अंदमान एवं निकोबार9में.हर्ट्ज		10 कि.वा.शा.वे.		टाइप II
			10 कि.वा.एफएम.	100.9 में हर्ट्ज	स्टीरियो
उत्तर प्रदेश (14) ट्रां.27 (मी.वे.11, एफ.एम. 10,शा.वे.6)			**कुल कवरेज (मी.वे एफ.एम) एरिया-99.00%' जनसंख्या 99.00%' एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 16.2% जनसंख्याः 22.04%**		
206	आगरा	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1530 कि.हर्ट्ज	टाइप I
207	अलीगढ़	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम. रेनबो	101.3 मे.हर्ट्ज	
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
208	इलाहाबाद	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1026 कि.हर्ट्ज	टाइप III
			10 कि.वा.मी.वे. वि.भा.	1000.3 मे.हर्ट्ज	
209	बरेली	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफएम	100.4 मे.हर्ट्ज	एमपी
210	फैजाबाद	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफएम	101.9 मे.हर्ट्ज	एमपी
211	गोरखपुर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे.		टाइप III
			50 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा	909 कि.हर्ट्ज	स्टीरियो
			1 कि.वा.एफएम.(आ.व्यवस्था)	100.1मे.हर्ट्ज	
212	झांसी		6 कि.वा.एफ.एम.	103 मे.हर्ट्ज	एमपी
213	कानपुर	वि.भा.एक्सक्ल्यू.	1 कि.वा.मी.वे.	1449 कि.हर्ट्ज	टाइप I
			6 कि.वा.एफ.एम.(आ.व्यवस्था)	103.7 मे.हर्ट्ज	
214	लखनऊ	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वे.	747 कि.हर्ट्ज	टाइप IV
			10 कि.वा.एफएम विभा.	1278 कि.हर्ट्ज	अपलिंक, फोन
			10 कि.वा.एफएम रेनबो	100.7 मे.हर्ट्ज	पर समाचार
			50 कि.वा.शा.वे.		स्टीरियो
215	मथुरा	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1584 कि.हर्ट्ज	टाइप I
216	नजीबाबाद	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे.	954 कि.हर्ट्ज	टाइप I
217	ओबरा	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम.	102.7 मे.हर्ट्ज	एमपी
218	रामपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	891 कि.हर्ट्ज	टाइप I
219	वाराणसी	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे.	1242 कि.हर्ट्ज	टाइप II
			1 कि.वा.मी.वे.वि.भा.	1602 कि.हर्ट्ज	अपलिंक
			1 कि.वा.एफ एम (आ.व्यवस्था)	100.6	(संस्थापनाधीन)
उत्तरांचल (6) ट्रां.6 (मी.वे.5, एफ.एम.1)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया-52.80% जनसंख्या 77.37% एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 30.8% जनसंख्याः 46.43%**		
220	अल्मोडा	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	999 कि.हर्ट्ज	टाइप Iअपलिंक
221	गोपेश्वर (चमोली)	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1485 कि.हर्ट्ज	एमपी
222	मसूरी	रिले	10 कि.वा.एफएम रेनबो	102.1 मे.हर्ट्ज	
223	पौड़ी	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	एमपी
224	पिथौरागढ़	रिले	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	एमपी
225	उत्तरकाशी	रिले	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	टाइप III स्टीरियो

पश्चिमी बंगाल ट्रां. (6)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया-99.00% जनसंख्या 99.00%**		
(मी.वे.6, शार्ट न.2, एफ एम 8)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 29.49% जनसंख्याः 41.90%**		
226	आसनसोल	रिले	6 कि.वा.एफएम रिले	100.3 मे.हर्ट्ज	
227	कोलकाता	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे.'ए'	657 कि.हर्ट्ज	टाइप IV अपलिंक
			100 कि.वा.मी.वे.'बी'	1008 कि.हर्ट्ज1	
			20 कि.वा.मी.वे.वि.भा.	1323 कि.हर्ट्ज	
			10 कि.वा.एफ एम ट्रां.(गोल्ड)	100.2 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
			10 कि.वा.एफ एम (रेनबो)	107 मे.हर्ट्ज'	स्टीरियो
			50 किवा.शा.वे.		
			1000 कि.वा.मी.वे.	594 कि.हर्ट्ज और	दिन मे
			विदेश सेवा (चिंसुरा)	1134 कि. हर्ट्ज	रात में
228	कर्सियांग	क्षेत्रीय	50 कि.वाशा.वे.		टाइप II
			1 कि.वा.मी.वे.क्षेत्रीय सेवा	1440 कि.हर्ट्ज	
			5 कि.वा.एफएम रेनबो	102.3मे.हर्ट्ज	
229	मुर्शिदाबाद	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफएम	102.2 मे.हर्ट्ज	एमपी
230	शांतिनिकेतन	स्था.रेडियो केन्द्र	3कि.वा.एफएम	103.1 मे.हर्ट्ज	एमपी
231	सिलीगुड़ी	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे.	711 कि.हर्ट्ज	टाइप I
			10 कि.वा.एफएम वि.भा.	107 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
232	दार्जिलिंग	एलपीटी रिले	100 वा.एफएम	100.2 मे.हर्ट्ज	

कुल ट्रांसमीटरः 374

अध्याय-5

दूरदर्शन

दूरदर्शन का अधिदेश जनता को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करना है

सूचना

अपने लोक सेवा अधिदेश के अंग के रूप में दूरदर्शन ने एनआरएचएम, बालिका, महिला सशक्तीकरण, सर्व शिक्षा अभियान के तहत अग्रणी अभियान चलाए तथा विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति और विकास पर प्रकाश डालते हुए इन अभियानों का भारत निर्माण के तहत प्रसारण किया ।

सभी दूरदर्शन केंद्र अग्रणी कार्यक्रमों को सप्ताह में एक बार मैगजीन फार्मेट में कवर करते हैं । कुछ केंद्र स्पॉट्स और जिंगल्स का हर रोज प्रसारण कर रहे हैं । दूरदर्शन का समाचार प्रभाग भी अपने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों में कार्यक्रमों और तत्संबंधी सफलता की कहानियों का प्रसारण कर रहा है । डीडी न्यूज के सामयिक कार्यक्रमों में भी नियमित आधार पर फ्लैगशिप थीम शामिल किए जाते हैं ।

यूनिसेफ के सहयोग से डीडी-I पर "क्यूंकि जीना इसी का नाम हैच जैसे कार्यक्रम एनएचआरएम, प्रौढ़ शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और आपदा प्रबंधन संबंधी पहलुओं को कवर करते हैं ।

शिक्षा

विभिन्न स्तरों पर शिक्षा के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं जो अशिक्षित लोगों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के कार्यक्रम हैं । कल्याणी, जो स्वास्थ्य संबंधी पत्रिका कार्यक्रम है, विभिन्न रोगों और लिंग निर्धारण के बारे में जनता को शिक्षित करने के अपने प्रयास में एक सफल कार्यक्रम है ।छोटे गांवों और कस्बों के छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की पूरे देश में कक्षाएं चलाई जाती हैं जिनका नेशनल नेटवर्क पर प्रातः और दोपहरबाद दो बार प्रसारण किया जाता है । इसके अलावा, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम आधारित कार्यक्रम भी नेशनल नेटवर्क पर प्रसारित किए जा रहे हैं ।

मनोरंजन

दूरदर्शन विभिन्न श्रेणियों के तहत फीचर फिल्मों का प्रसारण करता है, जैसेकि "फ्राइडे हाउसफुल" जिसमें नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्में दिखाई जाती है, "सेटरडे जुबली", जिसमें सुपरहिट लोकप्रिय फिल्में दिखाई जाती हैं, "रिट्रोस्पैक्टिव" जिसमें रविवार को प्रख्यात फिल्म निर्माताओं/कलाकारों की फिल्में दिखाई जाती हैं, "बाइस्कोप", जिसमें सोमवार से बुधवार तक पुरानी लोकप्रिय फिल्में धारावाहिक के रूप में दिखाई जाती हैं ।लोक प्रसारक के रूप में बेहतर गुणता वाले सिनेमा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता का अनुपालन करते हुए दूरदर्शन प्रति माह राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त दो क्षेत्रीय फिल्में प्रसारित करता है । स्वर्ण कमल (गोल्डन लोटस) और रजत कमल (सिलवर लोटस) पुरस्कार प्राप्त फिल्में दूसरे और चौथे रविवार को रात्रि 11.30 बजे प्रसारित की जाती हैं। "बाघी-पंजाबी", "थाई तमिल" हाल ही में प्रसारित की गई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्म हैं । "इंडियन क्लासिक" के तहत इन - हाउस निर्मित कार्यक्रम दर्शकों का अच्छा मनोरंजन करते हैं ।केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र, दूरदर्शन पूरे देश के विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से समय पर प्राप्त उनकी मांग पर संगीत आदि के उच्च कोटि के कार्यक्रम उपलब्ध कराता/सप्लाई करता हैडीडी भारती चैनल स्वास्थ्य, बच्चों और कला संबंधी कार्यक्रमों के अलावा, संस्कृति, संगीत, नृत्य, सफरनामा से संबंधित कार्यक्रम भी प्रसारित करता है जो देश की महान परंपराओं और मूल्यों को संरक्षित करते हैं ।

डीडी नेशनल : अग्रणी चैनल

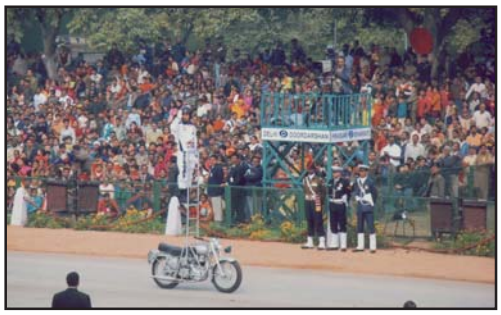

दूरदर्शन केंद्र दिल्ली पर विजय चौक से इंडिया गेट तक 26 जनवरी 2009 परेड की कवरेज

डीडी नेशनल पूर्णतया केवल मनोरंजन चैनल नहीं है बल्कि यह एक मिश्रित चैनल है । लोक सेवा प्रसारक होने के नाते पूरे भारत में इसकी विशाल स्थलीय पहुंच है तथा इस चैनल पर भारी दबाव रहता है । डीडी नेशनल संसद की कार्यवाही, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कार्यक्रमों, स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस और उसके समापन समारोहों, त्यौहारों और जयंतियों, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/ शिखर सम्मेलनों, क्रिकेट मैचों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अन्य खेल-कूद के आयोजनों, फिल्म समारोहों आदि का सीधा प्रसारण करता है । सीधे प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों के अलावा इस चैनल पर प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों में यूजीसी और एनसीईआरटी के शिक्षण कार्यक्रम, कृषि कार्यक्रम, ग्रामीण विकास के कार्यक्रम, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों पर आधारित स्वास्थ्य कार्यक्रम, संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा अल्पसंख्यकों सहित कमजोर वर्गों से संबंधित कल्याण कार्यक्रम शामिल हैं ।

बहु चैनल परिवेश में व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए नेशनल चैनल ने कार्यक्रमों के निर्माण में नई विचारधारा को शामिल करने के लिए कई कदम उठाए हैं । इसने अपने कार्यक्रमों की विषय-वस्तु में सुधार किया है तथा समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट कार्यक्रम तैयार किए हैं । "आप की बैठक इसी श्रेणी का कार्यक्रम है जिसमें विषय को समाजवादियों, पत्रकारों, राजनीतिज्ञों और राजनीतिक पार्टियों की भागीदारी के साथ दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाता है । वास्तव में डीडी नेशनल चैनल समाज के प्रत्येक वर्ग की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करता है ।

चैनल में पुनः जीवन का संचार करने के लिए वर्ष 2005 में स्व-वित पोषित कमिशनिंग योजना लागू की गई थी । यह योजना नेशनल चैनल पर मिड-प्राइम टाइम स्लॉटों और प्राइम टाइम स्लॉटों के लिए बनाई गई थी । स्व-वित पोषित कमिशनिंग योजना के तहत कार्यक्रम आरंभ करने के फलस्वरूप कार्यक्रमों की गुणता एवं विषय-वस्तु में सुधार हुआ है । ऐसा करने से दर्शकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा दूरदर्शन के राजस्व में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई है ।

सायं 8.30 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक के प्राइम टाइम स्लॉटों के प्रायोजित कार्यक्रमों से प्राप्त होने वाला राजस्व लगभग 17.5 लाख रुपए प्रतिदिन (3.5x5) था जबकि इन स्लॉटों के स्व-वित पोषित धारावाहिकों से प्राप्त होने वाला औसत राजस्व 65.00 लाख रुपए प्रतिदिन से भी अधिक है । इसी प्रकार, मिड प्राइम टाइम स्लाटों के मामले में प्रायोजित कार्यक्रमों के तहत छह स्लॉटों से प्राप्त होने वाला औसत राजस्व लगभग 6 लाख रुपए (6x1.00 लाख) था जबकि इन स्लॉटों के स्व- वित पोषित धारावाहिकों से प्राप्त होने वाला औसत राजस्व 16 लाख रुपए से भी अधिक है ।

स्व-वित पोषित धारावाहिकों का दूसरा लाभ यह है कि संपति का अधिकार दूरदर्शन के पास रहता है तथा दूरदर्शन द्वारा भविष्य में भी इस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा सकता है ।

स्व-वित पोषित कमीशननिंग योजना के द्वारा दूरदर्शन देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ निर्माण गृहों और प्रतिभाओं के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने में सफल रहा है जैसे कि श्री परीक्षित साहनी, श्री राकेश चौधरी, सुश्री रानी मुखर्जी, श्री राजा मुखर्जी, श्री जॉय मुखर्जी, श्रीमती सायरा बानू, श्री लेख टंडन परसेप्ट पिक्चर कंपनी, बी.आर. फिल्म्स,

इंडमोल, श्री अरुण गोविल, श्री अश्विन धीर, श्री रूपेश गोहिल, श्री ज्ञान सहाय, श्री गजेंद्र सिंह, श्री एन. चन्द्रा, हिन्दुस्तान लिवर लिमिटेड और आदित्य बिरला ग्रुप आदि ।

नेशनल चैनल पर भारतीय कलासिक्स के संबंध में एक अन्य योजना भारत के स्थापित एवं सुविख्यात कलाकारों एवं निर्देशकों को आकर्षित करने में सहायक हुई है । कमीशंड श्रेणी के तहत साप्ताहिक स्लॉट "कथा सरिता" में मुजफ्फर अली, गुलजार, अमोल पालेकर और बासु चटर्जी आदि जैसे देश की उत्कृष्ट प्रतिभाओं द्वारा निर्मित कार्यक्रमों को दिखाया जाता है । दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाले अन्य कार्यक्रम ए.आर. रहमान का एशियन बैंड सर्च बैंड, रिएलिटी शो "द बिग बैंड" भी बारी का इंतजार कर रहे हैं ।

विभिन्न नवीन योजनाओं और कार्यक्रमों के कारण पिछले कुछ समय से चैनल की टीआरपी और दर्शकता में लगातार वृद्धि हुई है । यहां तक कि शनिवार और रविवार के स्लॉटों ने भी इन दिनों दर्शकों को आकर्षित करना आरंभ कर दिया है, जो अब से पहले इतने लोकप्रिय नहीं थे ।

15/09/2009 को दूरदर्शन की वर्षगांठ का 28/09/08 को 11.00 बजे प्रसारण

दूरदर्शन ने रॉयल्टी श्रेणी के तहत अपने सभी चैनलों पर प्रसारित करने के लिए केंद्रीय रूप से फिल्में प्राप्त करने के लिए नए दिशा-निर्देश लागू किए हैं ।

राष्ट्रीय चैनल पर शुक्रवार और शनिवार को रात्रि 9.30 बजे और रविवार को दोपहर 12.00 बजे और सायं 4.00 बजे (एचबीएन) प्रसारित की जाने वाली फीचर फिल्मों की दर्शकता बहुत अधिक है । इसी प्रकार, सोमवार, मंगलवार और बुधवार को रात्रि 11.00 बजे बाइस्कोप में धारावाहिक के रूप में प्रसारित हिन्दी फीचर फिल्मों से भी चैनल की दर्शकता में वृद्धि करने में सहायता मिली है ।

फीचर फिल्में

फीचर फिल्में प्रसार भारती की बहुत अधिक राजस्व जुटाने वाली मनोरंजन संपति हैं । दूरदर्शन के नेशनल नेटवर्क पर पांच हिन्दी फीचर फिल्मों के प्रसारण से अर्जित सकल राजस्व दो करोड़ रुपए प्रति सप्ताह से भी अधिक है । पैकेजिंग और मार्केटिंग की दृष्टि से इनके प्रसारण को और अधिक आकर्षक एवं बेहतर बनाने के लिए दूरदर्शन ने फीचर फिल्मों के स्लॉटों को ब्रांड नाम दिए हैं जैसे कि नवीन ब्लॉकबस्टर फिल्में दिखाने के लिए "फ्राइडे हाउसफुलच, सुपरहिट लोकप्रिय फिल्में दिखाने के लिए "सेटरडे जुबली", रविवार को प्रख्यात फिल्म निर्माताओं/कलाकारों की फिल्में दिखाने के लिए "रिट्रॉस्पैक्टिव", सोमवार से बुधवार तक पुरानी लोकप्रिय फिल्मों को धारावाहिक के रूप में दिखाने के लिए "बाइस्कोप" । उपर्युक्त विभिन्न श्रेणियों में दूरदर्शन पर जो लोकप्रिय फिल्में हाल में दिखाई गई हैं उनमें "गुरु", "बाबुल", "नया दौर-रंगीन", "खोया खोया चांद", "कैश", "डॉन (नई)", "क्रिश", "एकलव्य-द रॉयल गार्ड", "जॉनी गद्दार", "प्रोवोक्ड", "चीनी कम" शामिल हैं । नेशनल नेटवर्क पर रिट्रोस्पैक्टिव स्लॉट में "अक्षय कुमार", "मुमताज", "काजोल", "रेखा" की फिल्में दिखाई गईं । "रिट्रोस्पैक्टिव" स्लॉट की लोकप्रियता को देखते हुए इस स्लॉट में कुछ और नवीन परिवर्तन किए गए हैं । त्योहार के मौसम के लिए "मेलोडी मसाला मिक्सच विषय पर आधारित फिल्में प्रसारित की गई तथा अमर प्यार की कहानियों की विषय-वस्तु पर आधारित "यह इश्क नहीं आसान" आदि जैसी फिल्में आगे प्रसारित की जाएंगी ।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त क्षेत्रीय फिल्में

लोक प्रसारक के रूप में बेहतर गुणता वाले सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए अपनी वचनबद्धता का पालन करते हुए दूरदर्शन प्रति माह राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त दो क्षेत्रीय फिल्मों का प्रसारण करता है । दूसरे और चौथे शनिवार

को रात्रि 11.30 बजे स्वर्ण कमल (गोल्डन लोटस) और रजत कमल (सिलवर लोटस) पुरस्कार प्राप्त फिल्में प्रसारित की जाती हैं । "बाघी-पंजाबी", और "थाई-तमिल" हाल ही में प्रसारित की गई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्में हैं ।

नए फिल्म दिशा-निर्देशों के तहत प्राप्त फिल्मों की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए दूरदर्शन बेहतर राजस्व प्राप्त करने और दर्शकता में वृद्धि करने के लिए नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने की योजना बना सकता है ।

डीडी न्यूज : भरोसा भारत का

डीडी न्यूज देश में एक मात्र द्विभाषी समाचार चैनल है । समाचार और सामयिकी कार्यक्रम चैनल के मिश्रित कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण अंग हैं । 03 नवम्बर, 2003 को अपनी शुरुआत से दूरदर्शन का समाचार चैनल अर्थात् "डीडी न्यूज" पिछले पांच वर्ष से लोक प्रसारक के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है । यह सनसनी फैलाए बिना समाचार एवं सामयिकी कार्यक्रम निष्पक्ष, संतुलित और उद्देश्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत काने के लिए प्रतिबद्ध है । एकमात्र स्थलीय एवं उपग्रह समाचार चैनल की अद्वितीय विशिष्टता के कारण डीडी न्यूज बिना केबल और बिना उपग्रह वाले घरों तक भी पहुंचता है, जो जनसंख्या के विशाल भाग को कवर करते हैं । यह ऐसा समाचार चैनल है जिसकी पहुंच देश में सबसे अधिक है तथा "आल होम" श्रेणी में यह बाजार में अग्रणी है ।

चैनल के कार्यक्रमों में राजनीति, व्यवसाय, खेल-कूद, अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं से संबंधित समाचार, संसद की कार्यवाही, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि के बारे में अनेक पहलुओं को व्यापक के रूप से कवर किया जाता है ।

डीडी न्यूज पूरे वर्ष प्रतिदिन 16 घंटे लाइव प्रसारण करता है जिसमें 17 हिन्दी और 13 अंग्रेजी के समाचार बुलेटिन होते हैं । प्रतिदिन उर्दू और संस्कृत दोनों का एक-एक समाचार बुलेटिन तथा इसके अलावा सप्ताह में एक दिन मूक और वधिरों के लिए समाचार बुलेटिन प्रसारित किया जाता है । डीडी न्यूज ने प्रतिदिन दो प्रातःकालीन समाचार बुलेटिनों और दो सायंकालीन बुलेटिनों का हिन्दी और अंग्रेजी में निर्माण किया ।

डीडी न्यूज की पूरे देश में 24 क्षेत्रीय समाचार यूनिटें कार्यरत हैं । इन यूनिटों ने 2008-09 के दौरान क्षेत्रीय नेटवर्क में 19 विभिन्न भाषाओं में प्रतिदिन 89 समाचार बुलेटिन प्रसारित किए तथा ये क्षेत्रीय समाचारों का एक महत्वपूर्ण स्रोत बने रहे । चौबीस क्षेत्रीय समाचार यूनिटों के साथ-साथ एकमात्र समाचार ब्यूरो ने समाचार चैनल को प्रतिदिन घटनाओं को फीड करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा पूरे देश से समाचारों और आयोजनों के बारे में समाचारों की समग्र कवरेज में महत्वपूर्ण योगदान दिया । "मेट्रो स्कैन", "स्टेट स्कैन" और "समाचार राज्यों क्षेत्रीय समाचार थे जिनमें डीडी न्यूज चैनल पर राज्यों की गतिविधियों को दिखाया गया । अहमदाबाद से 5-5 मिनट के दो क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन आरंभ किए गए । वर्ष के दौरान तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय समाचार यूनिट से आधे घंटे का समाचार आधारित साक्षात्कार कार्यक्रम शुरु किया गया । बेंगलूर क्षेत्रीय समाचार यूनिट ने कन्नड़ में समाचार प्रसारण के 25 वर्ष पूरा करने का एक उल्लेखनीय सफर पूरा किया । ईटानगर से क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू करने की कार्रवाई की जा रही है ।

चैनल की प्रस्तुति को और अधिक बेहतर बनाने के लिए चैनल के लोगो, ग्राफिक्स, सेटों, क्रोमा, बैकड्रॉप और रंगों के साथ-साथ नीचे चलने वाले स्क्रोल को भी वर्ष में दो बार नया एवं सुंदर स्वरूप प्रदान किया गया।

सार्वभौम वितीय संकट और स्वदेशी वितीय बाजार में मंदी को डीडी न्यूज द्वारा वर्ष के दौरान नियमित समाचार बुलेटिनों में तथा सप्ताह के दौरान प्रतिदिन दो बार प्रसारित किए जाने वाले और सप्ताह के अंत में एक बार प्रसारित किए जाने वाले व्यावसायिक कार्यक्रमों में विस्तृत रूप से कवरेज प्रदान की गई । शेयरों के लाइव डाटा के ट्रांसमिशन के अलावा एनएसई, बीएसई, एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स से धातुओं एवं वस्तुओं के सूचकांक भी पूरे दिन नीचे चलने वाले स्क्रोल पर आटोमेटेड डिलीवरी मोड में चलाए गए ।

खेल-कूद की कवरेज भी वर्ष के दौरान डीडी न्यूज चैनल के ट्रांसमिशन के महत्वपूर्ण घटकों में से एक घटक बना रहा । वर्ष के दौरान हिन्दी में आधे घंटे का अतिरिक्त खेल-कूद समाचार बुलेटिन आरंभ किया गया तथा इस अभिवृद्धि के साथ 24 घंटे में चैनल पर अब दो घंटे के खेल-कूद समाचार बुलेटिन हो गए हैं । डीडी न्यूज ने बीजिंग ओलंपिक, भारत की क्रिकेट शृंखला जैसे खेल-कूद के आयोजनों के दौरान विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए । चैनल ने हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में ओलंपिक खेलों के संबंध में 50 दिन तक उलटी गिनती का प्रसारण किया । ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा द्वारा स्वर्ण पदक जीतने, ओलंपिक में मुक्केबाजों के प्रदर्शन और अन्य महत्वपूर्ण खेल-कूद समाचारों की विस्तृत कवरेज की गई ।

डीडी न्यूज ने वर्ष के दौरान अनेक महत्वपूर्ण आयोजनों की लाइव कवरेज सहित विशेष एवं विस्तृत कवरेज की । मुंबई पर आतंकी हमले, जयपुर, बेंगलूर, दिल्ली, गुवाहाटी, अगरतला और अहमदाबाद में बम धमाकों, बिहार, असम आदि में आई बाढ़, कर्नाटक, दिल्ली, छतीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा तथा जम्मू और कश्मीर से विधान सभा चुनावों, भारत-अमरीका परमाणु समझौता तथा चंद्रयान का ऐतिहासिक प्रक्षेपण ऐसी कुछ घटनाएं हैं जिनकी वर्ष के दौरान विस्तृत कवरेज की गई । नई दिल्ली में आयोजित भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन, बीआईएमएसटीईसी शिखर सम्मेलन, भारत फ्रांस शिखर सम्मेलन, भारत-रूस शिखर सम्मेलन तथा कोलंबो में आयोजित सार्क शिखर सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा द्विपक्षीय शिखर सम्मेलनों को भी विस्तार से कवर किया गया । पूरे वर्ष के दौरान जब कभी भी ब्रेकिंग न्यूज की स्थितियां उत्पन्न हुईं तत्काल विशेष समाचार कार्यक्रम तैयार किए गए । सामान्यतः कई-कई घंटों तक चले लाइव कार्यक्रमों में लाइव इनपुट और रिपार्टेज के सभी तत्व मौजूद रहे । इसके अलावा उनमें स्टुडियो में आमंत्रित अतिथियों के साथ चर्चा भी की गई ।

डीडी न्यूज ने माननीय राष्ट्रपति और माननीय प्रधान मंत्री के राष्ट्र के संबोधनों का एक्सक्लूसिव प्रसारण किया। माननीय राष्ट्रपति, माननीय उप राष्ट्रपति और माननीय प्रधान मंत्री के विदेशी दौरों से संबंधित समाचारों की कवरेज को सुविधाजनक बनाने के लिए इन अति विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विशेष दल भेजे गए । माननीय प्रधान मंत्री द्वारा संयुक्त राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया । जब संसद का सत्र चल रहा था तब सदन की कार्यवाही को कवर करने के लिए चैनल ने विशेष समाचार बुलेटिन तैयार किए । संघ के बजट और रेल बजट की विस्तृत कवरेज की गई ।

चुनाव 2009 की पूर्व संध्या पर सांध्य सीधे प्रसारण में दिल्ली मु. चु. आयुक्त

मौसम संबंधी समाचार भी डीडी न्यूज चैनल का एक महत्वपूर्ण घटक था । मौसम के पूर्वानुमान सहित दो मिनट के मौसम संबंधी कैप्सूल पूरे वर्ष दिन में तीन बार हिन्दी और अंग्रेजी में प्रसारित किए गए ।

सप्ताह में एक दिन सामयिक विषयों (करंट अफेयर्स) का एक घंटे का इन-हाउस कार्यक्रम तैयार किया गया और चैनल पर प्रसारित किया गया । दिन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों, महत्वपूर्ण सरकारी नीति संबंधी घोषणाओं आदि पर "चर्चा में", "लेट एडिशन" और "आमने-सामने" जैसे कार्यक्रमों में सुविख्यात एवं विशेषज्ञ मेहमानों के साथ चर्चा की गई । सप्ताह के मुद्दों पर "बड़ी चर्चा में", युवाओं से संबंधित विषयों पर "जेनेक्सट", अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर "प्राइम मेरिडियन" और "जायजा", कला एवं संस्कृति के कार्यक्रम "रंग तरंग" और अपराध से संबंधित "रंगे हाथ" तथा "क्राइम इस हफ्ते" जैसे वीकली रैप अप शो में सप्ताह के अंत में करंट अफेयर्स कार्यक्रमों की अवधि बढ़ाई गई । रविवार के दिन दर्शकों के लिए डॉक्टर से स्वास्थ्य संबंधी युक्तियां

एवं सलाह देने वाला एक घंटे का लाइव साक्षात्कार कार्यक्रम "टोटल हैल्थ" प्रसारित किया गया । साप्ताहिक करंट अफेयर्स कार्यक्रमों में सामुदायिक सद्भावना, रक्षा और सुरक्षा से संबंधित मामलों, ग्रामीण विकास, सूचना का अधिकार जैसे विषयों पर भी विशेष बल दिया गया । वर्ष के दौरान प्रातः ब्रेकफास्ट न्यूज में हिन्दी और अंग्रेजी में योग के बारे में पांच मिनट का कैप्सूल आरंभ किया गया ।

डीडी न्यूज चैनल ने चौबीस घंटे के ट्रांसमिशन के लिए वाणिज्यिक और प्रोत्साहन पैकेज के संबंध में कार्रवाई की तथा क्रॉस चैनल प्रचार के लिए एक मंच उपलब्ध कराया ।

डीडी न्यूज ने फोन इन कार्यक्रम और एसएमएस कंटेस्ट सहित कई पारस्परिक क्रिया के कार्यक्रमों का भी निर्माण किया तथा इन कार्यक्रमों के संबंध में पूरे देश के दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई । न्यूज राउंड अप और न्यूज टॉप 10 सहित नए वर्ष के संबंध में प्रसारित किए गए समाचार कार्यक्रम दर्शकों में अत्यधिक लोकप्रिय साबित हुए ।

वेबसाइट पर समाचार

दूरदर्शन समाचार की एक न्यूज वेबसाइट www.ddinews.gov.in. भी है जिससे इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोग अद्यतन समाचार प्राप्त कर सकते हैं । वेबसाइट पर लाइव दूरदर्शन समाचार बुलेटिन भी उपलब्ध हैं तथा इसके संबंध में देश के अंदर तथा विदेश से बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं ।

डीडी भारती : जीवन समृद्धि की राह पर

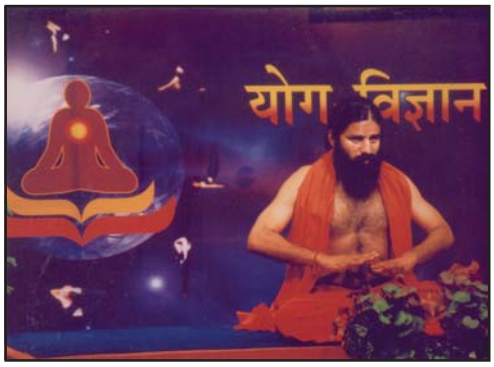

योग विज्ञान में बाबा रामदेव

प्रसार भारती द्वारा डीडी भारती चैनल का शुभारंभ 26 जनवरी, 2002 को किया गया था । अब 26 जनवरी, 2008 को चैनल ने छह वर्ष पूरे कर लिए हैं । यह चैनल स्वास्थ्य, बच्चों, कला एवं संस्कृति, संगीत, नृत्य, महिलाओं, शिक्षा, यात्रा संस्मरणों से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण करता है तथा देश की महान परंपराओं और मूल्यों का संरक्षण करता है ।

प्रायोजित कार्यक्रम : डीडी भारती विभिन्न मंदिरों और पर्यटकों की अभिरुचि वाले स्थानों को कवर करते हुए यात्रा शो प्रसारित करता है । चैनल ने प्रायोजित कार्यक्रमों को अपनी ओर आकर्षित किया है जैसेकि :

(क) "सिंधु दर्शन" - इसमें सिंधु संस्कृति एवं परंपराओं पर प्रकाश डाला गया है ।

(ख) "संस्कृत भाषा शिक्षणम" - यह भारतीय संस्कृत संस्थान का संस्कृत भाषा से संबंधित कार्यक्रम है ।

(ग) "देखो भारत लॉरी से" तथा "श्री राम लीला"

चूंकि दर्शकों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसलिए कुछ अन्य कार्यक्रम विचाराधीन हैं, जैसे कि "आपके लिए (पत्रिका कार्यक्रम)"

इन-हाउस कार्यक्रम : डीडी भारती दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों से उत्कृष्ट गुणता वाले कार्यक्रम प्राप्त करता है। इसे दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ, भोपाल, इलाहाबाद, जयपुर, मथुरा आदि से प्रख्यात कवियों एवं लेखकों, कवि

सम्मेलन, मुशायरा, हास्य कवि सम्मेलन, देश भक्ति काव्य गोष्ठी आदि से संबंधित साहित्यिक कार्यक्रम भी प्राप्त हुए हैं । उपर्युक्त के अलावा, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली द्वारा निर्मित पत्रिका, सृजन और कला परिक्रमा जैसे अन्य साहित्यिक कार्यक्रम, भारत के संविधान के निर्माण पर परिचर्चा, डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म शताब्दी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए ।

लाइव इवेंट्स और कवरेज : डीडी भारती समूचे देश से संगीत और नृत्य कार्यक्रमों के आयोजनों का "सीधा" प्रसारण करता रहा है जैसेकि ग्वालियर का तानसेन समारोह, भुवनेश्वर का मुक्तेश्वर नृत्य समारोह, बिहार के जमई जिले का गिधौर उत्सव, मध्य प्रदेश का खुजराहो नृत्य समारोह, तुरा का ड्रम फेस्टिवल, तमिलनाडु का त्यागराज महोत्सव, पुणे का संगीत महोत्सव, इलाहाबाद में कुंभ और अर्ध कुंभ का शाही स्नान, कपूरथला (पंजाब) का हेरिटेज फेस्टिवल तथा श्रीलंका का केंडी फेस्टिवल । डीडी भारती चैनल पर संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम (दिल्ली) में गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित समारोह, संसद की कार्यवाही (दिल्ली) का सीधा प्रसारण तथा महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजनों की अन्य कवरेज, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, महात्मा गांधी के शहीदी दिवस आदि का सीधा प्रसारण भी किया गया ।

स्पोर्ट्स चैनल : भावना भारत की

दूरदर्शन का समर्पित भारतीय खेल-कूद चैनल 18 मार्च, 1999 को आरंभ किया गया था । 25 अप्रैल, 1999 से चैनल का प्रसारण समय 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे प्रतिदिन कर दिया गया था तथा चैनल की लोकप्रियता को देखते हुए जून 2000 से इसका प्रसारण समय बढ़ाकर 24 घंटे कर दिया गया । वर्ष के दौरान चैनल ने दर्शकों के लिए खेल-कूद के आयोजनों के बेहतरीन कार्यक्रम/कवरेज प्रस्तुत की है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

1. बीजिंग ओलंपिक खेल
2. राष्ट्रमंडल युवा खेल, पुणे
3. पुणे मैराथन
4. दिल्ली हाफ मैराथन
5. मुम्बई स्टैंडर्ड चार्टर्ड मैराथन
6. राष्ट्रमंडल युवा खेलों की मशाल मार्च
7. डेविस कप

ओलंपिक खेलों से इतर तथा पारंपरिक खेलों को कवर करने के लिए कैश आउटफ्लो की प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया गया है । कैश आउटफ्लो की राशि मुख्य रूप से डीएसएनजी और ओबी वैन के आने-जाने पर होने वाले खर्च और साथ ही कमेंटेटरों को दी जाने वाली राशि को पूरा करने के लिए वसूल की जाती है । उन विभिन्न खेल-कूद संघों और संस्थाओं द्वारा आयोजित खेल-कूद के आयोजनों को कवर करना जारी रखने का भी निर्णय लिया गया है जिनके साथ दूरदर्शन ने करार कर रखे हैं और जिनके लिए हम उन्हें अधिकार शुल्क का भुगतान करते हैं ।

डीडी उर्दू : उर्दू प्रेमियों का चैनल

डीडी उर्दू का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा 15 अगस्त 2006 को आरंभ में थोड़ी अवधि के प्रसारण के लिए किया गया था जिसे 14 नवम्बर, 2007 से चौबीस घंटे प्रसारण करने वाला चैनल बना दिया गया ।

- राष्ट्र के निर्माण में समान भागीदारी की भावना उत्पन्न करने के लिए समाज के उर्दू भाषी वर्ग को सूचित एवं शिक्षित करना तथा प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कथनानुसार एक सम्मिलित (इनक्लूसिव) समाज सृजित करना । विकास के सभी प्रयासों की सफलता के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

- उर्दू भाषी जनता में आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा को लोकप्रिय बनाना ताकि आधुनिक भारत में उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके ।

- उर्दू भाषी लोगों के संवेदनशील वर्ग के व्यवहार में परिवर्तन लाना तथा उन्हें आधुनिक विचारों, आधुनिक चिंतन और आधुनिक शिक्षा के प्रति अनुकूल बनाना । सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा व्यक्त किए सकारात्मक विचारों पर ध्यान केंद्रित करके इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है ।

- उर्दू भाषा की समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा को विशेष रूप से इसकी मुशायरा और मुहावरा परंपरा को संरक्षित करना, जो पिछले कई दशकों के दौरान विस्मृत हो गई है ।

- देश के अंदर और विदेशों में उन लोगों में लोकतंत्र की शक्तियों पर बल देना, जिनके लिए लोकतंत्र अब तक वर्जित रहा है।

- इस बात को मन में बिठाना कि आज हिंसा से किसी मानव समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता चाहे वह हिंसा विचारों की हो, कार्य में हो, आचरण की हो और व्यवहार में हो ।

- सबसे ऊपर, हमारे विशाल देश की भारी समृद्ध अनेकताओं में इस चैनल को राष्ट्रीय अखंडता, सामुदायिक सौहार्द, सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक मेल-मिलाप का साधन बनाना ।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान डीडी उर्दू चैनल पर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति के राष्ट्र के नाम संदेशों के उर्दू रूपांतरण का प्रसारण शुरू किया गया । डीडी उर्दू के लिए और अधिक सॉफ्टवेयर प्राप्त करने की कार्रवाई भी शुरू की गई जो अब अंतिम चरण में है ।

डीडी उर्दू ने मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (एमएएनयूयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया है जिसके तहत एमएएनयूयू प्रतिदिन एक घंटे का सॉफ्टवेयर उपलब्ध करा रही है, जिसे अगले पांच वर्ष तक प्रत्येक वर्ष दुगुना किया जाएगा । उनके द्वारा निर्मित कार्यक्रमों में शिक्षा, विरासत तथा सूचना एवं मनोरंजन से संबंधित पहलुओं को शामिल किया जाएगा ।

आने वाले दिनों में, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया इस्लामिया, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, खुदा बक्श लाइब्रेरी तथा भारत में सभी उर्दू अकादमियों जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रामाणिक और प्रमुख उर्दू केन्द्रों को जोड़ने (लिंक करने) का प्रस्ताव है । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व के चुने गए स्थानों तथा यूरोप और अमरीका के उर्दू अनुसंधान केंद्रों को भी उर्दू के विकास के संबंध में विचारों के उपग्रह के जरिए आदान-प्रदान के लिए जोड़ा जाएगा जिससे लक्षित दर्शकों में सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकेगा ।

डीडी इंडिया - भारत का सार तत्व

दूरदर्शन ने विश्व के लिए अपने दरवाजे दिनांक 14 मार्च, 1995 को अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरूआत करके खोले । यह चैनल पहले डीडी वर्ल्ड के नाम से जाना जाता था । 1 मई, 2002 को इसे डीडी इंडिया का नाम दिया गया । इस चैनल के कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक परिदृश्य से अवगत कराया जाता है । डीडी इंडिया की शुरूआत विदेशों में बसे भारतीयों के साथ उच्च गुणवता वाले कार्यक्रमों के माध्यम से संवाद सेतु बनाने और पूरे विश्व को भारत की संस्कृति, मूल्यों, परंपराओं, आधुनिकता, विविधता, एकता, पीड़ा, आनंदानुभूति और सच्चे भारत के दर्शन कराने के उद्देश्य से की गई थी ताकि लोक सेवा प्रसारण सेवा की ऊंची परंपराओं के जरिए लोगों को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन मिलता रहे ।

डीडी इंडिया पर समाचार बुलेटिन, सामाजिक घटनाओं पर रूपक, मनोरंजन कार्यक्रम, फीचर फिल्में, संगीत और नृत्य, बच्चों के कार्यक्रम, आयोजन और पर्यटन संबंधी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । इस अंतर्राष्ट्रीय चैनल

पर हिंदी और अंग्रेजी के अलावा, उर्दू, पंजाबी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम, गुजराती और मराठी भाषाओं के कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं ।

डीडी इंडिया चौबीस घंटे कार्यक्रम प्रसारित करता है । डीडी इंडिया के कार्यक्रम नई दिल्ली से अपलिंक किए जाते हैं तथा पीएएस-10 उपग्रह के जरिए इन्हें विश्व के 146 देशों में देखा जा सकता है ।

डीडी इंडिया के कार्यक्रम दूरदर्शन के अन्य चैनलों से लिए जाते हैं अर्थात् हिंदी के मनोरंजन धारावाहिक डीडी-1 से लिए जाते हैं, शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम डीडी भारती से, समाचार बुलेटिन डीडी न्यूज से तथा क्षेत्रीय भाषाओं के समाचार एवं कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं के उपग्रह चैनलों से लिए जाते हैं । चूंकि डीडी इंडिया के लक्षित दर्शकों की प्रमुख प्रतिस्पर्धा विदेशों में उपलब्ध अन्य चैनलों से है अतः विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए चैनल को नया रूप दिए जाने की आवश्यकता है ताकि उनकी अभिरुचियों तथा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके । डीडी इंडिया चैनल विदेश मंत्रालय के साथ सहयोग करता है और प्रति वर्ष महत्वपूर्ण आयोजन "प्रवासी भारतीय दिवसच की कवरेज करता है जिसमें 2000 से भी अधिक प्रतिनिधि भाग लेते हैं । डीडी इंडिया इसके उद्घाटन तथा समापन समारोहों के प्रसारण के साथ-साथ तीन दिनों तक प्रतिदिन दैनिक रिपोर्ट तैयार कर प्रसारित करता है ।

पूरे विश्व में डीडी इंडिया को निम्नलिखित देशों में देखा जा सकता है:-

एशिया (दक्षिण-पूर्व एशिया)

अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, कंबोडिया, हांगकांग, इंडोनेशिया, कोरिया (उतर और दक्षिण), मालदीव, मलेशिया, माइक्रोनेशिया, मंगोलिया, म्यंमार, जापान, लाओस, नेपाल, पलाऊ, पपुआ न्यू गीनिया, फिलीपींस, सिंगापुर, श्री लंका, ताइवान, थाइलैंड, वियतनाम ।

सीआईएस

अलबानिया, अर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, क्रोशिया, जार्जिया, एस्टोनिया, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लताविया, मकदूनिया, मोलडोवा, चैक गणराज्य, रोमानिया, रूस परिसंघ, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, युक्रेन, युगोस्लाविया ।

पश्चिमी एशिया

बेहरीन, ईरान, इराक, इजरायल, जोर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, फिलिस्तीन, सउदी अरब, सीरिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यमन ।

अफ्रीका

अंगोला, अल्जीरिया, बेनिन, बुर्कीना फासो, बुरुंदी, बोत्स्वाना, कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, कांगो, कोट डीघ आयवरी, जीबूती, मिश्र, इरीट्रिया, इथोपिया, गैबन, घाना, गीनिया, इक्वेटोरियल गीनिया, गीनिया बिसाऊ, केन्या, लिसोथो, लाइबेरिया, लीबिया, मेडागास्कर, मालावी, माली, मोरक्को, मारीशस, मॉरीतानिया, मोजाम्बिक, नामिबिया, नाइजीरिया, नाइजर, रवांडा गणराज्य, सेनेगल, सेशल्स, सिएरा लियोन, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, स्वाज़ीलैंड, सूडान, तंजानिया, टोगोलिस गणराज्य, ट्यूनीशिया, युगांडा, ज़ायरे, जाम्बिया, जिम्बाब्वे ।

यूरोप

आस्ट्रिया, बेल्जियम, साइप्रस, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, जर्मन, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लीस्टेंस्टीन, लिथूनिया, लग्जमबर्ग, माल्टा, मोनाको, नार्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंग्डम ।

अन्य

आस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा, मेक्सिको ।

कार्यक्रम के स्रोतः डीडी इंडिया

कार्यक्रम के स्रोतः डीडी इंडिया

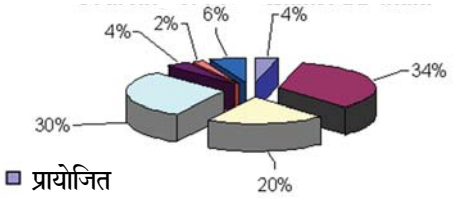

- प्रायोजित
- समाचार एवं सामायिकी
- क्षेत्रीय कार्यक्रम
- फीचर फिल्म
- इन-हाउस/कमीशंड/अर्जित/अभिलेखागार
- डीडी (नेशनल प्रायोजित कार्यक्रम (पुनः प्रसारण)
- आयोजन

1.	प्रायोजित	04%
2.	इन-हाउस/कमीशंड/अर्जित/अभिलेखागार	34%
3.	समाचार एवं सामायिकी	20%
4.	डीडी (नेशनल प्रायोजित कार्यक्रम (पुनः प्रसारण)	30%
5.	क्षेत्रीय कार्यक्रम	04%
6.	आयोजन	02%
7.	फीचर फिल्म	06%

केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र (सीपीसी)

केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र (सीपीसी) दिल्ली में स्थित है तथा इस समय यह 24 घंटे के चार चैनलों अर्थात् डीडी न्यूज, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी इंडिया एवं डीडी नेशनल और डीडी भारती जैसे दूरदर्शन चैनलों के प्रबंधन का कार्य देखता है । इसे वृतचित्रों और अन्य दूरदर्शन कार्यक्रमों के निर्माण में विशेषज्ञता हासिल है । हाल के वर्षों में सीपीसी प्रोग्राम प्रोमो तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाने लगा है । डीडी स्पोर्ट्स, डीडी इंडिया, डीडी उर्दू की कार्यक्रम अनुसूचियां दूरदर्शन महानिदेशालय द्वारा तैयार की जाती हैं । इसे दूरदर्शन महानिदेशालय के इंडियन क्लासिक अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर 30 मिनट की अवधि के कार्यक्रम अलॉट किए गए हैं जिनका प्रसारण प्रत्येक सोमवार को डीडी-I (राष्ट्रीय नेटवर्क) पर किया जाता है ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त सीपीसी, दूरदर्शन देश भर में स्थित विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से समय-समय पर प्राप्त मांग पर उन्हें संगीत आदि के उच्च गुणता के कार्यक्रम नियमित रूप से उपलब्ध करा रहा है । सीपीसी, दूरदर्शन महानिदेशालय की कमर्शियल विंग द्वारा भेजी गई अनुसूची के अनुसार "डीडी उर्दू" एवं "कृषि दर्शन" पर प्रायोजित/कमीशंड कार्यक्रम भी प्रसारित करता है ।

सीपीसी, दूरदर्शन वर्ष 2009 के दौरान देश में स्थित विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों को हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत (शास्त्रीय, सुगम शास्त्रीय, नृत्य आदि) पर सुप्रसिद्ध/शीर्ष ग्रेड के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इन-हाऊस निर्मित विशेष कार्यक्रमों की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है ।

केंद्रीय कमिशनिंग यूनिट (सी सी यू)

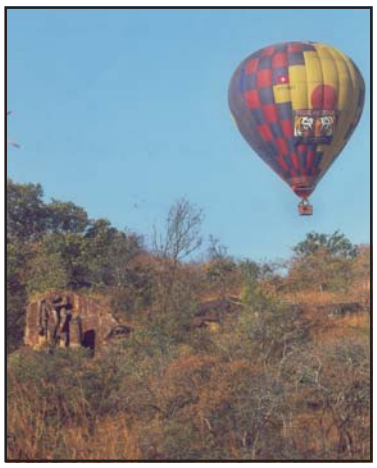

बांधवगढ़ किले पर लहराता भगवान विष्णु के नृसिंह अवतार के भव्य चित्र वाली वेदी ब्रदर्स का हाट एयर बैलून

यह यूनिट दूरदर्शन चैनलों पर प्रसारण के लिए बहुविध विषयों पर साफ्टवेयरों का निर्माण एवं प्राप्ति कर रहा है । यूनिट ने अभिलेखीय महत्व के साहित्यिक कार्यक्रमों के निर्माण के लिए शुरू की गई "इंडियन क्लासिक्स" योजना को जारी रखा है । इसके अंतर्गत "इंडियन क्लासिक्सच कार्यक्रमों का प्रसारण हर सोमवार 21.30 बजे डीडी-I चैनल पर 'कथा सरिता' नाम से किया जा रहा है । इन कार्यक्रमों को व्यापक जन प्रशंसा तथा अच्छी विज्ञापन सहायता प्राप्त हो रही है । साथ ही ये डीडी-I, डीडी भारती, डीडी इंडिया, डीडी उर्दू और क्षेत्रीय चैनलों की साफ्टवेयर संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी कर रहे हैं।

केंद्रीय कमिशनिंग यूनिट की अन्य उपलब्धियां और पहलकदमियां निम्नानुसार हैं:-

डीडी-I पर वाइल्ड एडवेंचर्स - बैलूनिंग विद बेदी ब्रदर्स नामक 13 कडियों की शृंखला का प्रसारण किया गया। यह एक अनूठी शृंखला है जिसमें भारत में पहली बार 'गर्म हवा के गुब्बारे के साथ एरियल फोटोग्राफी का संयोजन किया गया है । प्रख्यात निर्देशक श्री एम.के. रैना द्वारा मुंशी प्रेमचंद की दस कहानियों का निर्माण किया गया है ।

महाराजा रणजीत सिंह पर 52 कड़ियों के एक धारावाहिक का निर्माण किया जा रहा है । इस धारावाहिक का निर्देशन प्रसिद्ध अभिनेता एवं निर्माता श्री राज बब्बर द्वारा किया गया है ।

लोक सेवा प्रसारण संबंधी पहल के अंग के रूप में 'भारत के दुर्ग', 'लोकतंत्र की संस्थाएं' एवं सर्वजन उपासना स्थल जैसे चयनित विषयों पर विशेष कार्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है ।

दूरदर्शन ने 'लघु - कालावधि अर्जन योजना' के अंतर्गत 3 वर्षों के लिए कार्यक्रम प्राप्त किए हैं । इस योजना के अंतर्गत विभिन्न दूरदर्शन चैनलों के लिए आधे-आधे घंटे के 10,000 से भी अधिक कडियों के विभिन्न शैलियों के कार्यक्रम, हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में प्राप्त किए गए हैं ।

डीटीएच सेवा

दूरदर्शन ने वर्ष 2004 में निःशुल्क डीटीएच सेवा डीडी डाइरेक्ट+ शुरू की जिसमें 33 चैनल शामिल हैं । डीटीएच अर्थ स्टेशन की क्षमता 50 टीवी चैनलों के प्रसारण तक बढ़ा दी गई है तथा स्पेक्ट्रम क्षमता को और बढ़ाकर 59 टीवी चैनलों के प्रसारण योग्य बनाया जा रहा है । इस समय डीटीएच प्लेटफार्म पर 47 टीवी चैनल और 21 रेडियो चैनल उपलब्ध हैं । शीघ्र ही दूरदर्शन इस प्लेटफार्म पर सभी 50 चैनल उपलब्ध करवाने जा रहा है । वर्ष 2007-08 के दौरान हिमाचल प्रदेश सरकार को किन्नौर, लाहौल-स्पीति और चंबा जिलों में स्थापना हेतु 20 हजार डीटीएच रिसीविंग यूनिटें उपलब्ध करवाई गईं । इन चैनलों का विवरण इस प्रकार से है:-

डीडी डाइरेक्ट प्लस पर उपलब्ध चैनलों की सूची

डीडी चैनल	प्राइवेट चैनल
डीडी 1	एंटर 10 चैनल
डीडी न्यूज	पीटीसी न्यूज
डीडी स्पोर्ट्स	टाइम टीवी हिंदी
डीडी इंडिया	जी जागरण हिंदी
डीडी भारती	स्माइल टीवी हिंदी
डीडी उर्दू	टोटल टीवी हिंदी
डीडी बांग्ला	विन टीवी
डीडी चंदना	एमएच 1 टीवी
डीडी गुजराती	म्यूजिक इंडिया हिंदी
डीडी कशीर	आस्था टीवी
डीडी लोक सभा	इग्नू II ज्ञान दर्शन
डीडी राज्य सभा	कलैंगर चैनल
डीडी नॉर्थ ईस्ट	मेगा टीवी
डीडी उड़िया	मक्कल तमिल टीवी
डीडी पोढ़िगै	इटीसी हिंदी म्यूजिक
डीडी सह्याद्रि	जय हिंद टीवी
डीडी सप्तगिरि	कैराली मलयालम

डीडी मलयालम स्टार	उत्सव
डीडी पंजाबी	91एनएक्सएम
	बी4यू
	ड्यूश वेले
	कोरियन ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम
	न्यूज लाइव गुवाहाटी
	एनएचके टीवी
	अमृता टीवी
	इंडिया न्यूज
	बैग (न्यूज 24 चैनल)
	इग्नू ज्ञानदर्शन

नैरोकास्टिंग

कृषि दर्शन का सीधा फोन इन कार्यक्रम

कृषि संबंधी क्षेत्र विशिष्ट सूचना उपलब्ध कराने के लिए दूरदर्शन द्वारा वर्ष 2002 में एक पायलट परियोजना शुरू की गई जिसे 18 राज्यों में कार्यान्वित किया गया । नैरोकास्टिंग की इस परियोजना की सफलता को देखते हुए परियोजना को देश के अन्य भागों में भी लागू करने का निर्णय लिया गया और तदनुसार कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से योजना आयोग को एक प्रस्ताव भेजा गया । केंद्र द्वारा प्रायोजित कृषि विस्तार के लिए मास मीडिया सहयोग परियोजना को जनवरी 2004 में अनुमोदित किया गया तथा इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया । यह परियोजना दसवीं पंचवर्षीय योजना में 225 करोड़ रुपए तथा ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 562.36 करोड़ रुपए के बजट के साथ तीन स्तरों पर कार्यान्वित की जा रही है ।

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा वस्तुओं और सेवाओं के विज्ञापन बुक करने के लिए उतरदायी है । सामान्यतः मान्यताप्राप्त एवं पंजीकृत एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त विज्ञापन स्वीकार किए जाते हैं । इसके अलावा, एजेंसी कमीशन के बिना भी अग्रिम भुगतान पर विज्ञापन स्वीकार किए जाते हैं । वर्ष 2008-09 के दौरान दूरदर्शन ने विज्ञापन राजस्व के रूप में 818.19 करोड़ रुपए की राशि अर्जित की है ।

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2008 के लिए वर्ष 2008 में पूरे भारत से करीब 600 कार्यक्रम प्रविष्टियां प्राप्त हुईं ।

वर्ष 2008 में दूरदर्शन पुरस्कार अनुभाग ने एक और पुरस्कार (सर्वोतम कल्याणी-II) शामिल किया और कुल 49 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए । दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोह 2008 का आयोजन 4 मार्च, 2009 को जालंधर में किया गया । पुरस्कार राशि के वितरण का अनुपात 60% और 40% (अर्थात 60% निर्माता के लिए और 40% निर्माण दल के लिए) है । दूरदर्शन ने वर्ष 2008 में वार्षिक पुरस्कार समारोह के आयोजन से 1,10,00,000/-रुपए) (केवल एक करोड़ दस लाख रुपए) का राजस्व अर्जित किया ।

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार प्रकोष्ठ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रविष्टियां भेजने का कार्य भी करता है ।

वर्ष 2008 में दूरदर्शन को गुणतापूर्ण निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार यूएनएफपीए - लाडली मीडिया पुरस्कार (सुनीती देवी) प्राप्त हुआ ।

दूरदर्शन आर्काइव्स :

दूरदर्शन आर्काइव्स एक ऐसी यूनिट है जिसका तेजी से विस्तार हो रहा है । इसका मुख्य लक्ष्य विभिन्न केंद्रों की लाइब्रेरियों में उपलब्ध सभी एनालॉग सामग्री को डिजीटल करना है । इस परियोजना पर यह यूनिट 2004 से कार्य कर रही है, जिसके अंतर्गत यह विभिन्न केंद्रों में संजो कर रखे गए टेप प्राप्त कर उन्हें डिजीटल मीडिया में बदल रहा है । वर्ष 2008 इस यूनिट के लिए काफी महत्वपूर्ण वर्ष रहा है । इसने उच्च श्रेणी के पुनःस्थापना (रेस्टोरेशन) उपस्कर, फिजीकल क्लीनर और इलेक्ट्रानिक क्लीनर; ध्वनि न्यूनीकरण उपस्कर और सॉफ्टवेयर आधारित नॉन-लीनियर ऑडिटिंग प्रणाली प्राप्त की है जो ऑडियो को और भी उत्कृष्ट बना सकती है । उपस्करों का यह सेट एनॉलाग टेप में उपलब्ध सभी खामियों को दूर कर उसे उच्च गुणवता प्रदान कर सकता है । डीडी आर्काइव्स की सूचीकरण एवं श्रेणीकरण उप-इकाई ने 50,000 घंटे से भी अधिक समय की विभिन्न श्रेणी की आर्काइव्स योग्य सामग्री का पता लगाया है । विषय मीडिया विशेषज्ञों और मीडिया व्यवसायिकों द्वारा प्रत्येक टेप के लिए मेटाडाटा तैयार किया जा रहा है । वर्ष 2008 में आधुनिकतम मीडिया असेट मैनेजमेंट प्राप्त की गई । डीडी आर्काइव्स इस क्षेत्र में अग्रणी है क्योंकि कार्यक्रमों को आर्काइव्स में संरक्षित रखने तथा वापस उपयोग में लाए जाने हेतु अपनाई जाने वाली प्रणाली विश्व मानकों के अनुरूप है । यद्यपि इसके लिए एजेंसियों के माध्यम से बाहर के कर्मचारी रखे गए हैं लेकिन युवा आर्काइव सहायक को आर्काइव्स पद्धतियों के संबंध में सभी उपस्करों का प्रशिक्षण दिया गया है । मीडिया असेट मैनेजमेंट के माध्यम से डिजीटलीकरण के उपरांत आर्काइव में उपलब्ध सामग्री का उपयोग किसी भी प्रकार के बहुविध प्लेटफार्म जैसे वीडियो ऑन डिमांड, वेबकास्टिंग के लिए किया जा सकता है । इसने अविस्मरणीय कार्यक्रमों को स्थायी रखने का अवसर प्रदान तो किया ही है, साथ में प्रसारण के लिए तैयार किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए संदर्भ सामग्री का एक समृद्ध स्रोत भी बन गया है । डीडी-आर्काइव, समाजशास्त्र, संप्रेषण मीडिया अध्ययनों, बाल एवं महिला अध्ययनों तथा पारिस्थितिकी संबंधी शोध के लिए एक संसाधन केंद्र भी बन गया है । क्लासिक श्रेणी के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रमों को विभिन्न भाषाओं में रूपांतरित करने संबंधी एक विस्तृत परियोजना भी डीडी-आर्काइव द्वारा शुरू कर दी गई है । इस तरह के 50 से भी ज्यादा कार्यक्रमों को 8 भाषाओं में डब किया जा चुका है । डीडी आर्काइव्स की गौरवशाली डीवीडी परियोजना के अंतर्गत इस वर्ष महान पार्श्वगायक मन्ना डे की रिकार्डिंग पर आधारित दो डीवीडी जारी कर 80वीं डीवीडी जारी की गई । वर्ष 2008 में इसने लोकप्रिय और गौरवशाली धारावाहिक 'भारत एक खोजघ की 18 डीवीडी भी बिक्री हेतु जारी की । इसके अलावा गुलजार द्वारा निर्देशित 'तहरीरघ जो मुंशी प्रेमचंद की लघुकथाओं पर आधारित है, 'परसाई कहते हैं और कथा सरिता की डीवीडी भी जारी की गई हैं । इसकी सबसे गौरवशाली परियोजना भारत के 4 महान नेताओं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गाँधी और राजीव गाँधी की ऑडियो एवं वीडियो रिकार्डिंग पर आधारित वेबसाइट का निर्माण है । इस वेबसाइट में सामान्य एवं एडवांस सर्च की सुविधा सहित सौ घंटे की वीडियो और सैंकड़ों घंटे की ऑडियो रिकार्डिंग तिथिवार उपलब्ध है । इस वेबसाइट की अनूठी विशेषता यह है कि हम अपने महान नेताओं को सीधे देख और सुन सकते हैं । विश्व में यह अपने प्रकार की एक अनुपम वेबसाइट है ।

दिल्ली दूरदर्शन के स्टुडियो से भारत एक खोज कार्यक्रम की डी वी डी का सीधा प्रसारण 27/06/2008 को 18.00 बजे

विकास संप्रेषण प्रभाग (डीसीडी)

विकास संप्रेषण प्रभाग वर्ष 2001 से ही विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से जुड़ा हुआ है । विभिन्न सरकारी सहभागी इकाइयों जैसे मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से निधि प्राप्त कर राजस्व जुटाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह संकल्पना अस्तित्व में आई ।

वर्ष 2001-02 में 5 भागीदारों और 9 अभियानों से इसकी शुरूआत हुई जो वर्ष 2008-09 में बढ़कर 23 भागीदार और 133 अभियानों तक पहुंच गई । इस प्रकार, विकास संप्रेषण प्रभाग ने पिछले कुछ वर्षों में अभियानों की संख्या के मामले में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है ।

इसके अंतर्गत आने वाले विभिन्न अभियानों में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, सर्वशिक्षा अभियान, संपूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम, पेयजल आपूर्ति, जन्म एवं मृत्यु का रजिस्ट्रीकरण, अतुल्य भारत, रेल मंत्रालय, खाद्य और पोषण बोर्ड, स्कूल शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय औषधीय मूल्य निर्धारण प्राधिकरण, श्रम और रोजगार मंत्रालय, उतर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, कृषि मंत्रालय तथा उपभोक्ता कार्य मंत्रालय शामिल हैं ।

दूरदर्शन ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, बालिका, महिला सशक्तीकरण, सर्वशिक्षा अभियान पर अग्रणी अभियान आरंभ किए जिन्हें भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति और विकास पर प्रकाश डालते हुए भारत निर्माण के अंतर्गत प्रसारित किया गया ।

2009 में प्रारंभ किए गए कुछ नए अभियान मेंटल रिटार्डेशन, राष्ट्रीय संक्रामक रोग, भारतीय सेना, भारतीय नौसेना तथा ऑटिज्म हैं । भारतीय कृषि बीमा कंपनी लिमिटेड, अल्पसंख्यक मामला मंत्रालय तथा गुरु नानक आई केयर सेंटर जैसे नए सहयोगी भी हमारे साथ जुड़े हैं । दूरदर्शन ने रेड-रिबन एक्सप्रेस (नाको द्वारा आरंभ किया गया) अभियान भी पूरा किया है जिसका प्रसारण 2008 में पूरे भारत में वर्ष भर किया गया तथा एचआईवी/एड्स के बारे में जनता को जागरूक किया ।

इसके अलावा 'यूनिसेफ' के सहयोग से निर्मित एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम ''क्योंकि जीना इसी का नाम है'' को फरवरी, 2009 के आगे 130 कड़ियों के विस्तार की स्वीकृति प्राप्त हुई । इसका प्रसारण डीडी नेशनल पर प्रति सप्ताह तीन बार किया जा रहा है । यह एक मनोरंजन धारावाहिक है जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, प्रौढ़ शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों को दर्शाया गया है ।

वर्ष 2008-09 में दूरदर्शन ने 436 करोड़ रुपए की सकल और बोनस एयर-टाइम के साथ 236 करोड़ रुपए का निवल राजस्व अर्जित किया ।

इस वर्ष विकास संप्रेषण प्रभाग के सीधे पर्यवेक्षण में अप्रैल, 2009 तक 5991 नए कार्यक्रमों का निर्माण केन्द्रीकृत तौर तथा क्षेत्रीय केंद्रों में किया गया । इन कार्यक्रमों का निर्माण अग्रणी कार्यक्रम 'कल्याणी" के अंतर्गत किया गया जिसे अब तक निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है:-

- भारत में एचआईवी/एड्स पर सर्वोत्कृष्ट संप्रेषण कार्यक्रम - एशियन मीडिया इंफार्मेशन कम्यूनिकेशन सेंटर, सिंगापुर एवं कॉमनवेल्थ सेक्शन, लंदन 2008
- द मलेरिया फाउंडेशन इंटरनेशनल (एमएफआई), मलेरिया अवार्ड 2007 - वर्ष का सर्वोतम न्यूज शो - कल्याणी
- यूएनएफपीए - लाडली मीडिया पुरस्कार (पूर्वी क्षेत्र) 2007 - सामयिक समस्या पर आधारित सर्वोतम सूचनात्मक सह मनोरंजन कार्यक्रम (उड़िया)
- यूएनएफपीए - लाडली मीडिया पुरस्कार (पश्चिमी क्षेत्र) 2006-07 - सामयिक समस्या पर आधारित सर्वोतम सूचनात्मक सह मनोरंजन कार्यक्रम ।

'कल्याणी' को उपर्युक्त पुरस्कार लिंग निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषय को मनोरंजक सह सूचनात्मक टीवी कार्यक्रमों में सफलतापूर्वक रूपांतरित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए दिए गए ।

वर्ष 2008-09 के दौरान कुल 133 अभियान प्रारंभ किए गए एवं 884 कार्यक्रमों का निर्माण किया गया।

दर्शक अनुसंधान

दूरदर्शन का दर्शक अनुसंधान एकांश देश के विभिन्न केंद्रों में स्थित इसकी 19 क्षेत्रीय इकाइयों के साथ वर्ष 1976 से ही प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कर रहा है ।

इसकी क्षेत्रीय इकाइयां राँची, जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद, नागपुर, चेन्नै, बेंगलुरु, लखनऊ, हैदराबाद, भुवनेश्वर, भोपाल, कोलकाता, गुवाहाटी, मुंबई, गोरखपुर, राजकोट, जालंधर, तिरुवनंतपुरम और श्रीनगर में स्थित हैं । इन यूनिटों में प्रोफेशनल अनुसंधानकर्ता कार्यरत हैं तथा इनके प्रमुख महानिदेशालय स्तर पर निदेशक, दर्शक अनुसंधान हैं ।

वर्ष 2008-09 के दौरान दर्शक अनुसंधान एकांश ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य जारी रखे:-

पैनल डायरियों के माध्यम से डार्ट रेटिंग ।

कृषि मंत्रालय द्वारा वित-पोषित कृषि विस्तार के लिए मास मीडिया सहायता परियोजना के अंतर्गत और कृषि कार्यक्रमों पर नियमित फीडबैक।

टैम टीवीआर का साप्ताहिक विश्लेषण और रिपोर्टिंग ।

उपर्युक्त के अलावा इस एकांश के अन्य योगदान इस प्रकार हैं:-

वर्ष 2008-09 के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट हेतु सामग्री का संकलन करना ।

वर्ष 2008-09 के लिए दूरदर्शन की वार्षिक रिपोर्ट तैयार की जा रही है ।

दूरदर्शन के अग्रणी कार्यक्रमों का जनसाधारण पर प्रभाव संबंधी अध्ययन कार्य पूर्ण कर लिया गया है ।

केबल टीवी विनियम अधिनियम नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995 के अनुसार दूरदर्शन चैनलों की दर्शकता को मॉनिटर करने के लिए पायलट परियोजना तैयार की जा रही है ।

"दूरदर्शन, निजी केबल और उपग्रह चैनलों का महिलाओं और परिवार पर प्रभाव" संबंधी अध्ययन कार्य अभी जारी है।

सूचना प्रौद्योगिकी पर संसद की 67वीं स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुसार सैंपल साइज को बढ़ाकर और उसकी पुनः संरचना करके डार्ट अध्ययन को नया स्वरूप प्रदान करने तथा कार्यक्रमों की रेटिंग तेजी से सूचित करने के उद्देश्य से नवीनतम सॉफ्टवेयर और इंटरनेट का प्रयोग करने के लिए योजना तैयार की जा रही है ।

दर्शकता

वर्ष दर वर्ष दूरदर्शन की दर्शकता में असाधारण वृद्धि हुई है । अनुमान है कि इस समय कुल 9,96,19,000 घरों में टीवी सेट हैं जिनमें से 6,09,89,000 केबल और सेटेलाइट घर हैं (आईआरएस 2008 आर1) । इसी प्रकार 2,42,88,000 घरों में डीटीएच सुविधा है (आईआरएस 2008 आर2) । ग्रामीण क्षेत्रों में एक घर में उपलब्ध टीवी के दर्शकों की संख्या और भी अधिक हो जाती है क्योंकि जिन घरों में टीवी नहीं हैं वे भी वहाँ आ जाते हैं । इससे दूरदर्शन, दर्शकों के मामले में विश्व के सबसे बड़े टीवी नेटर्वकों में से एक नेटवर्क बन जाता है । प्रति राज्य टीवी वाले घरों और केबल एवं सेटेलाइट घरों की राज्यवार स्थिति नीचे दी गई है:-

राज्य	टीवी वाले घर (हजार में)	केबल एवं सेटेलाइट टीवी वाले घर
आंध्र प्रदेश	10386	9294
असम	2027	608
बिहार	2480	733
झारखंड	1518	841
चंडीगढ़	199	159
दिल्ली	3065	2593
दिल्ली एवं शहरी क्षेत्र	3679	3104
गोवा	280	148
गुजरात	6268	3250
हरियाणा	2659	1590
हिमाचल प्रदेश	953	126
जम्मू और कश्मीर	157	296

कर्नाटक	6793	5457
केरल	5144	3282
मध्य प्रदेश	4299	1847
छतीसगढ़	1748	636
महाराष्ट्र	12969	7565
उड़ीसा	2816	1399
पंजाब	3961	2142
राजस्थान	3812	1676
तमिलनाडु	10593	9644
उतर प्रदेश	9301	2958
उतराखंड	1076	491
पश्चिम बंगाल	7133	4254

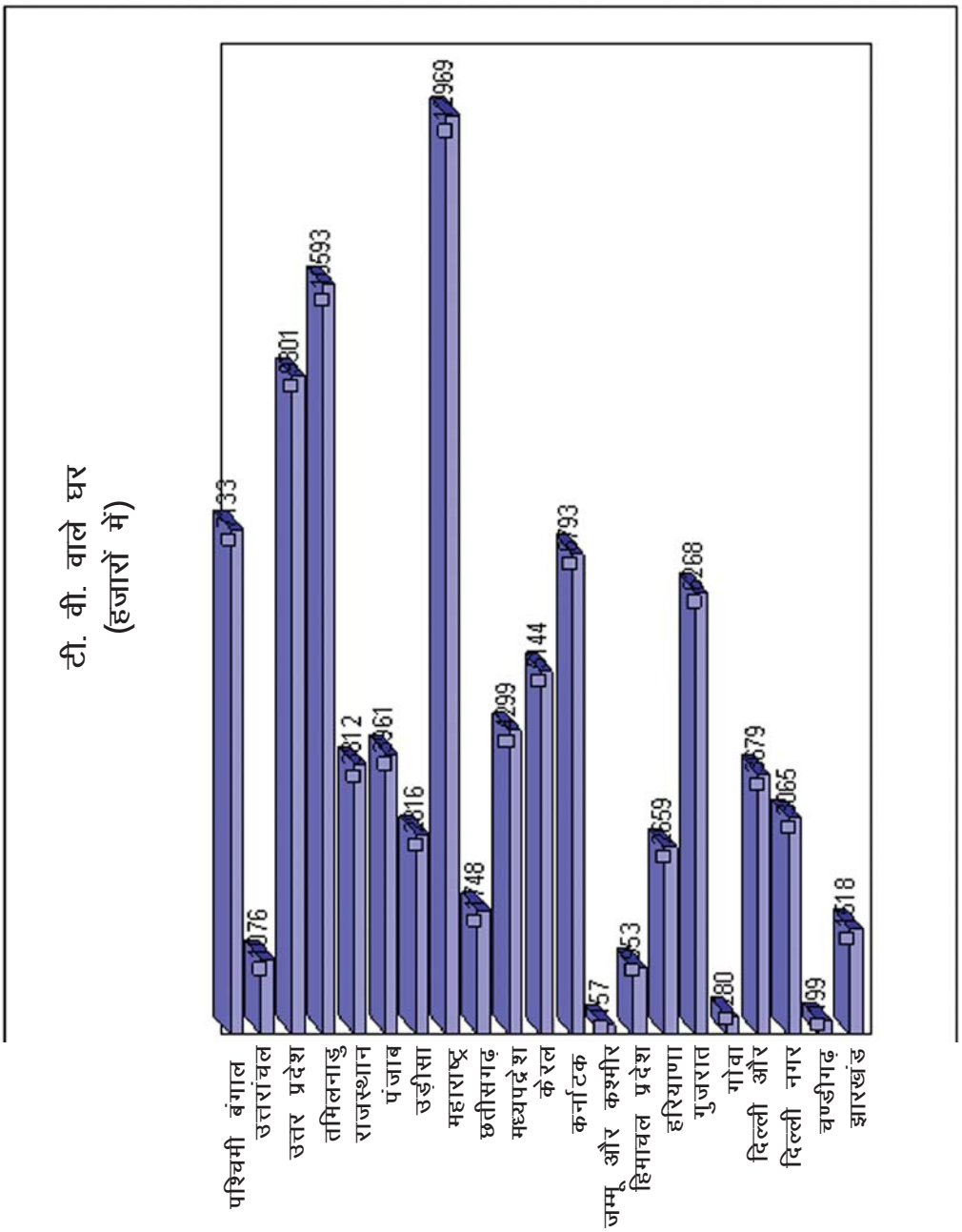

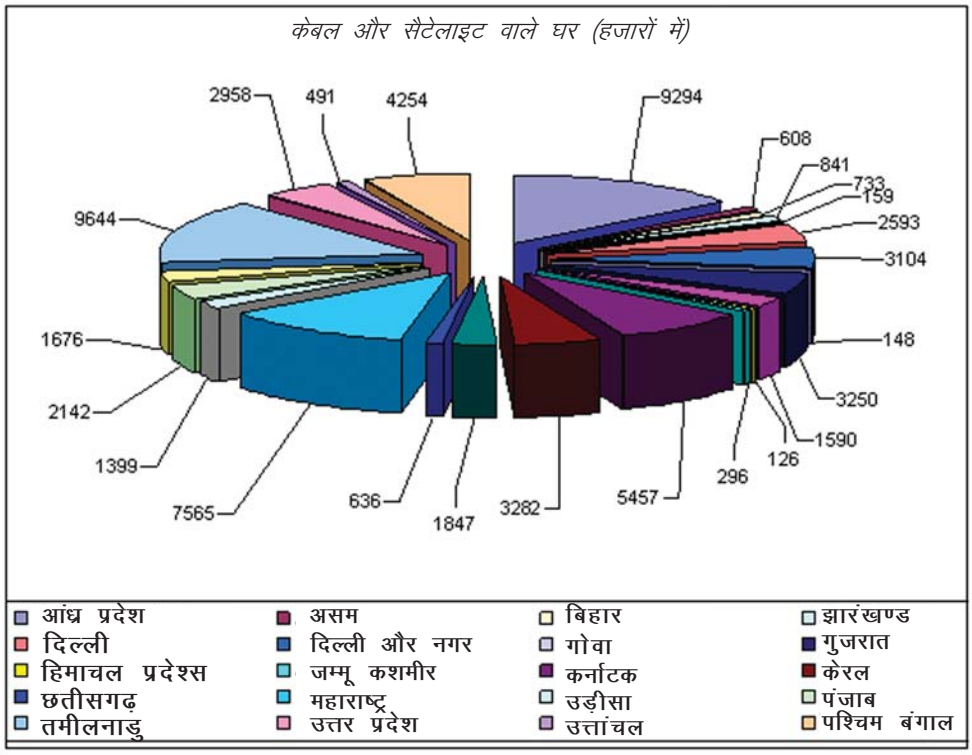

क्रम.	राज्य/संघ	स्टुडियो	नेशनल चैनल					न्यूज चैनल			
सं.	राज्य क्षेत्र		(डीडी 1) ट्रांस					(डीडी न्यूज) ट्रांस			
			उशट्रां	अशट्रां	अअशट्रां	ट्रांस.	कुल	उशट्रां	अशट्रां	अअशट्रां	कुल
1	आंध्र प्रदेश	**3**	9	75	10	1	**95**	4	6	0	**10**
2	अरुणाचल प्रदेश	**1**	1	3	39	1	**44**	1	0	0	**1**
3	असम	**4**	4	20	1	1	**26**	2	1	0	**3**
4	बिहार	**2**	4	32	2	0	**38**	2	2	0	**4**
5	छत्तीसगढ़	**2**	3	16	8	0	**27**	1	0	0	**1**
6	गोवा	**1**	1	0	0	0	**1**	1	0	0	**1**
7	गुजरात	**2**	7	51	3	0	**61**	4	3	0	**7**
8	हरियाणा	**1**	2	13	0	0	**15**	1	7	0	**8**
9	हिमाचल प्रदेश	**1**	3	7	39	2	**51**	2	1	0	**3**
10	कश्मीर	**4**	14	15	87	1	**117**	5	3	0	**8**
11	झारखंड	**2**	3	17	2	0	**22**	2	2	1	**5**
12	कर्नाटक	**2**	8	47	7	0	**62**	4	2	0	**6**
13	केरल	**3**	4	20	4	0	**28**	3	2	0	**5**

14 मध्य प्रदेश	**3**	8	60	6	0	**74**	4	0	0	**4**
15 महाराष्ट्र	**3**	8	79	20	0	**107**	5	10	0	**15**
16 मणिपुर	**1**	2	1	4	0	**7**	1	0	0	**1**
17 मेघालय	**2**	2	3	2	1	**8**	2	0	0	**2**
18 मिजोरम	**1**	2	1	2	1	**6**	1	1	0	**2**
19 नागालैंड	**1**	2	2	6	2	**12**	1	1	0	**2**
20 उड़ीसा	**3**	5	62	16	1	**84**	2	7	2	**11**
21 पंजाब	**2**	4	5	0	1	**10**	3	0	0	**3**
22 राजस्थान	**1**	7	65	17	2	**91**	4	4	0	**8**
23 सिक्किम	**1**	1	0	6	0	**7**	1	0	0	**1**
24 तमिलनाडु	**3**	7	44	7	1	**59**	2	9	0	**11**
25 त्रिपुरा	**1**	1	5	1	1	**8**	1	1	0	**2**
26 उत्तर प्रदेश	**7**	11	52	3	0	**66**	7	10	1	**18**
27 उत्तराखंड	**1**	1	15	33	2	**51**	1	2	0	**3**
28 पश्चिम बंगाल	**3**	9	19	1	0	**29**	4	2	0	**6**
29 अडमान और निकोबार	**1**	1	1	17	0	**19**	1	1	5	**7**
30 चंडीगढ़	**1**	0	1	0	0	**1**	0	0	0	**0**
31 दादरा और नगर हवेली	0	0	1	0	0	**1**	0	0	0	**0**
32 दमन और दीव	0	0	2	0	0	**2**	0	0	0	**0**
33 दिल्ली	**2**	1	0	0	0	**1**	1	0	0	**1**
34 लक्ष्यदीप द्वीपसमूह	0	0	1	8	0	**9**	0	0	7	**7**
35 पांडिचेरी	**1**	1	1	2	0	**4**	0	1	0	**1**
योग	**66**	**136**	**736**	**353**	**18**	**1243**	**73**	**78**	**16**	**167**

टप्पणी 1.: उपर्युक्त ट्रांसमीटरों के अलावा मेट्रो शहरों में 4 डिजीटल ट्रांसमीटर भी कार्य कर रहे हैं ।

ट्रांसमीटरों की कुल संख्या - **1414**

अध्याय –6

प्रसार भारती – वित्त और लेखे

लेखांकन प्रणाली और लेखे

1 अप्रैल 2000 से प्रसार भारती ने सरकारी बजट प्रणाली के स्थान पर नई लेखांकन प्रणाली अपनाई है। इसके अंतर्गत प्रसार भारती को केंद्र सरकार से राजस्व व्यय (योजना और गैरयोजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए सहायता अनुदान और पूंजीगत व्यय (योजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए ऋण के रूप में वित्तीय सहायता मिलती हैं प्रसार भारती द्वारा अर्जित किया गया राजस्व, जिसे सरकारी बजट प्रणाली के अंतर्गत पहले भारत सरकार की संचित निधि में जमा करना पड़ता था अब प्रसार भारती के पास ही रहता है। योजना और गैर योजना दोनों मदों में प्रसार भारती के व्यय का एक भाग प्रसार भारती द्वारा अर्जित राजस्व अर्थात् आईईबीआर (बजट के आंतरिक और अतिरिक्त संसाधन) से पूरा किया जाता है।

22 मई 2000 को प्रसार भारती और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके अनुसार प्रसार भारती को मासिक व्यय और आय का लेखा सरकार को प्रस्तुत करना होता है। वार्षिक लेखा विवरणी भी तैयार करके उसकी लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से करवानी पड़ती है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट सहित नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा लेखा परीक्षित प्रसार भारती का लेखा हर वर्ष केंद्र सरकार को भेजना होता है। इसके पश्चात् उसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जाता है।

मार्च 2009 के अंत तक प्रसार भारती ने 2006-07 तक का लेखा संसद में रख दिया था। इसके साथ ही प्रसार भारती के लेखे अद्यतन हो जाएंगे। प्रसार भारती का वर्ष 2007-08 का लेखापरीक्षित लेखा संलग्नक 3 में दिया गया है।

प्रोफार्मा एकाउंट

प्रसार भारती के निगम बनने से पहले दूरदर्शन और आकाशवाणी अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों से संबंधित संचालन को दर्शाने के लिए प्रोफार्मा एकाउंट बनाते थे। ये एकाउंट पिछले कई सालों के बकाया थे। इन एकाउंटों को पूरा करने के लिए विशेष जोर दिया गया और आकाशवाणी और दूरदर्शन ने अब 31 मार्च 2000 तक के अपने एकाउंट पूरे कर लिए हैं। आंकड़ों में कुछ विसंगतियां हैं जिन्हें दूर किया जा रहा है।

निगम पर लगने वाले कर

निगम बन जाने के फलस्वरूप प्रसार भारती पर संपत्ति कर, विद्युत उपभोग की बढ़ी हुई दरें, बिजली कर, सड़क कर, प्रवेश कर, चुंगी जैसे राज्य सरकारों और नगर निगमों के विभिन्न कर लगने लगे हैं। इन अतिरिक्त देनदारियों के कारण प्रसार भारती को लोक प्रसारक (पब्लिक ब्रॉडकास्टर) के रूप में अपनी भूमिका अदा करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रसार भारती अधिनियम की धारा 22 के अधीन प्रसार भारती को हुए लाभ पर आयकर या किसी अन्य कर से छूट थी किंतु वित्तीय बिल 2002 में इस छूट को समाप्त कर दिया गया जिसके कारण प्रसार भारती पर आयकर और सेवाकर लगने लगे। प्रसार भारती ने स्वयं को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 ए ए (1) (बी) के साथ पठित धारा 12ए के अधीन सामान्य जनोपयोगी उद्देश्यों की उन्नति के मार्ग में लगे परोपकारी संगठन के रूप में रजिस्टर करा लिया है। इससे वित्तीय बिल 2002 में समाप्त की गई आयकर छूट 1 अप्रैल 2002 से पुनः लागू हो गई। किंतु सेवाकर में इस प्रकार की छूट नहीं मिल पाई है। प्रसार भारती ने वर्ष 2008-09 में लगभग 92 करोड़ रूए सेवाकर के रूप में अदा किए।

आंतरिक लेखापरीक्षा

सरकारी बजट प्रणाली में आंतरिक लेखापरीक्षा संबंधी कार्य वेतन एवं लेखा कार्यालयों के माध्यम से मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा किए जाते थे। अपने स्वयं के आंतरिक लेखा परीक्षा ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने तक, जो कि पी ए ओ स्टाफ की सेवाएं, प्रसार भारती में स्थानांतरित होने पर संभव होगा, मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ एक अंतरिम व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत आंतरिक लेखापरीक्षा की वही प्रणाली जारी रहेगी जो प्रसार भारती के निगम बनने से पहले लागू थी। इसके साथ ही प्रसार भारती अब अपने लेखों की आंतरिक लेखापरीक्षा आउटसोर्स के जरिए चार्टरित लेखाकार से कराने का प्रयत्न कर रहा है।

आकाशवाणी

वार्षिक योजना 2008-09

करोड़ रुपए में

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
	अनवरत योजनाएं						
1	जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज राजस्व पूंजी	6.21 3.80 0.32	2.5 2.00 0 50	1.85 1.53 0.32	फेस-I स्कीम पूरी हो गई है। जम्मू और कश्मीर में स्थित केंद्रों के लिए फेस-II के अंतर्गत स्वीकृत डी जी सेट और यूपीएस प्राप्त किए जाने है।	जम्मू और कश्मीर पैकेज के फेस-II 62.5 केवीए (6 नं.) और 15 केवीए (9 नं.) के डी जी सैट प्राप्त किए गए। यूपीएस (7 नं.) के लिए संविदाएं तकनीकी मूल्यांकनाधीन है एसआईटीसी आधार पर कार्य हेतु डीजी सैट एमवीए (3) और डीजी सैट 500 केवीए (2) के लिए प्राप्त संविदाएं तकनीकी मूल्यांकनाधीन हैं।	
2	मी. वे सेवा का विस्तार	0.08	0.6	0.53	डूंगरपुर में 1 किलोवाट मिडियम वेव ट्रांसमीटर और कोटा में 20 किलोवाट मिडियम वेव ट्रांसमीटर का भुगतान लंबित	डूंगरपुर में 1 किलोवाट मिडियम वेव ट्रांमीटर लगाया गया निष्पादन कार्य मापा गया। स्टॉफ की मंजूरी प्रतीक्षारत है।	
3	एफ. एम. सेवा का विस्तार	39.03	19.35	19.26	ओरस में 5 किलोवाट के एफ एम ट्रांसमीटर का स्थापना कार्य पूर्ण हुआ	ओरस में 5 किलोवाट का एफ एम ट्रांसमीटर लगाया गया। माप लिया गया। स्टॉफ की मंजूरी प्रतीक्षारत है।	
					लोंगतराई-5 किलोवाट के एफ एम ट्रांसमीटर के स्थान पर 1 कि. वा. का अंतरिम सैटअप उपलब्ध कराया गया क्योंकि लोंगतराई का 5 किलोवाट का एफ एम ट्रांसमीटर कुर्सियांग में लगाया गया है।	लोंगतराई में 5 किलोवाट के एफ एम ट्रांसमीटर के कार्य की प्रगति स्थानीय कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण रूकी। स्थानीय पुलिस ने प्रतिस्थापन कार्य क्षेत्र में सशस्त्र सुरक्षाकर्मी लगाने की बात स्वीकार कर ली है। प्रतिस्थापना का कार्य अगस्त, 09 तक पूर्ण होने की आशा है।	

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					1 केलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर-रायरंगपुर	रायरंगपुर-1 किलोवाट का एफ एम ट्रांसमीटर का कार्य पूर्ण हुआ और संशोधित माप लेने का कार्य प्रगति पर है। स्टॉफ की मंजूरी प्रतीक्षारत है।	
					10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर -36-करीमनगर	10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर-36-क्रय आदेश के दिए गए हैं और जुलाई, 09 तक सुपुर्दगी की जाएगी	10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की प्राप्ति का लक्ष्य है। क्रय आदेश विवेचनाधीन है। उच्च न्यायालय का निर्णय प्रतीक्षारत है।
					5 करीमनगर किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर-	करीमनगर-5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर-सिविल कार्य पूरा हो गया है। विभागीय कार्य प्रगति पर है।	करीमनगर ट्रांसमीटर को बदल दिया गया है और रैनबो सेवा के लिए हैदराबाद में कमीशन किया गया है, हैदराबाद के लिए 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की प्राप्ति के बाद इसे वापिस बदल दिया जाएगा।
					श्रीकाकुलम-1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर	श्रीकाकुलम-1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर-सिविल कार्य पूरा हुआ। विभागीय कार्य प्रगति पर है।	श्रीकाकुलम ट्रांसमीटर को बदला दिया है और विजयवाड़ा में शुरू किया गया है इसे विजयावाड़ा के लिए 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर प्राप्त होने पर बदल दिया जाएगा।
4	निर्माण सुविधाओं का डिजीटीलीकरण	1.30	3.86	3.79	डिजिटल कंसोल (स्विचिंग, रिकार्डिंग, डबिंग एवं ट्रांसमीशन कंसोल) की प्राप्ति	1. ट्रांसमीशन कंसोल (91)-संशोधित विशिष्टियों के साथ दोबारा निविदा भेजी जाएगी।	ट्रांसमीशन कंसोल (91) मापने के बाद कोई भी प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं पाया गया।
						2. रिकार्डिंग कंसोल (75)-दोबारा निविदा भेजी गई। 20.3.09 को एन. आई. टी. खोले गए।	रिकार्डिंग कंसोल (75)- कोई भी प्रस्ताव तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं पाया गया। नए एन. आई. टी. जारी किए गए।
						3. स्विचिंग कंसोल (85)- 14.1. 2009 को मंगाने के आदेश दिए। सुपुदर्गी शीघ्र अपेक्षित है।	आई. एफ. ए. ने डबिंग कंसोल के साथ कंसोल के सममूल्य कटौती हेतु मोल-भाव करने का परामर्श दिया।

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
						4. डबिंग कंसोल (39)- 5.3. 2009 को मंगाने के आदेश दिए। शीघ्र सुपुदर्गी अपेक्षित है।	
5	स्टूडियों सुविधाओं का स्वचालन और विविध योजनाएं	26.02	11.75	11.73	1. सिल्चर में केप्टिव भूकेंद्र उपकरण मंगवाने के लिए एन. आई. टी. जारी किए गए।	1. सिल्चर में केप्टिव भूकेंद्र -नई संविदा मंगाई गई।	तकनीकी रूप से कोई निविदा स्वीकार्य नहीं पाई गई।
					2. 564 हार्ड डिस्क कार्य केंद्रों के लिए व्यवसायिक ऑडियो कार्ड एवं सर्वर जैसे उपकरण प्राप्त किए गए।	2. 564 हार्ड डिस्क कार्य केंद्रों के लिए व्यवसायिक ऑडियो कार्ड एवं सर्वर प्राप्त किए गए।	
					3. सी डी प्लेयर-110- एन आई टी जारी किए गए।	3. सी. डी. प्लेयर-110-वित्त स्कंध के पास क्रय के/प्रस्ताव पर विचार चल रहा है।	
					4. हस्त रिकॉर्डर-255-एन आई टी जारी किए गए।	हस्त रिकार्डर-255-उपस्करों की खरीद के आदेश दे दिए है। इनके 2009-10 की तीसरी तीमाही में सुपुर्दगी की संभावना है।	
					5. राजकोट-1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर निर्माण कार्य पूरा और ट्रांसमीटर व मास्ट की खरीद करना।	राजकोट-1000 किलोवाट मडियम वेव ट्रांसमीटर-तकनीकी क्षेत्र में बदलाव को छोड़कर सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है। ट्रासंमीटर प्राप्त होने पर तकनीकी क्षेत्र का बदलाव कार्य भी हो जाएगा। अक्तूबर, 09 तक सुपुदर्गी दे दी जाएगी। • 156 मीडियम वेव मास्ट खड़े कर दिए है। रंगने का कार्य पूरा हो गया है।	
					6. लेह एवं तवंग में स्थायी स्टूडियो (सीमित कार्य सीजन)-तकनीकी क्षेत्र में सिविल कार्य पूरा हुआ।	6. लेह एवं तवंग में स्थायी स्टूडियो (सीमित कार्य समय)-लेह में स्थापना कार्य पूर्ण हो गया है और तवंग में कार्य प्रगति पर है।	कार्य का समय सीमित है।
					7. जयपुर में स्थायी स्टूडियों-भवन एवं उपकरण का कार्य पूर्ण।	7. जयपुर में स्थायी स्टूडियो-भवन सौप दिया गया है। प्रतिस्थापन का कार्य प्रगति पर है।	निर्माण कार्य विलंबित

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					8. आई एस डी एन कोडक्स-66 सैट	8. आई एस डी एन कोडक्स-66 सैट खरीद आदेश जारी किए। एल/सी खुलने के बाद 4 माह में सुपुदर्गी। ये कार्य प्रगति पर है।	
6	पूर्वोत्तर विशेष पैकेज (पूंजीगत राजस्व)	39.03 3.00 36.03	19.00 1.00 18.00	11.38 0.43 10.95	1. 19 नए एफ एम केंद्र-क्षेत्र उपलब्ध एवं एफ एम ट्रांसमीटर की प्राप्ति	चालू वर्ष में 6 साइटों सहित 10 साइटों पर अधिकार प्राप्त किया। तीन स्थानों पर आकाशवाणी को भूमि स्थानांतरण को अधिसूचित किया गया है। एक साइट का भुगतान किया जा चुका है और एक साइट की मांग पूरी की जा रही हैं, उखरुल में एक साइट की मांग प्रतिक्षारत है, चैरापूंजी, (डावकी के स्थान पर) जूनेबाटों एवं अनिनि में 3 कार्यक्षेत्र का ब्यौरा प्रतिक्षारत है। • सिविल कार्य-उदयपुर और नूतन बाजार में सुरक्षा बाड़ का निर्माण प्रगति पर है। तुईपांग, कोलासिब, गोलपारा, खोंसा, चेम्फई, बोमडिला, दपोरिजो, लुम्डींग एवं चांगलंग के कार्यक्षेत्रों की सुरक्षा बाड़ के लिए अनुमानित स्वीकृति ले ली गई है। कोलासिब, गोलपारा और तुईपंग में भवन निर्माण के आकलन की स्वीकृति ले ली गई है और दपोरिजो, चांगलांग और उदयपुर में भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है 2. कोलकाता में 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर प्राप्त किया गया है और उसकी कस्टम अनुमति शेष हैं। डब्न्यू. पी. सी. से फ्रिक्विर्सी अनुमति प्राप्त हो गई हे।	

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					2. सिल्चर-5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर- सिविल कार्य एवं ट्रांसमीटर लगाना संपूर्ण हुआ। नवम्बर, 2007 को 5 किलोवाट ट्रांसमीटर मंगवाने के लिए आदेश दिए।	3. सिविल कार्य पूर्ण हो गया है, सिल्चर के 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर मंगवाने के आदेश रद्द करने पडे क्योंकि यह फर्म निरीक्षण हेतु संपूर्ण ट्रांसमीटर देने में असफल रही। इसे अब अन्य 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटरों के साथ प्राप्त किया जाएगा। जिनके क्रय प्रस्ताव के लिए निविदाएं शीघ्र भेजी जाएंगी।	सिल्चर में 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर मंगवाने के आदेश रद्द करने पड़े क्योंकि यह फर्म निरीक्षण हेतु संपूर्ण ट्रांसमीटर देने में असफल रही।
					3. गंगटोक-10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर-सिविल कार्य सौपंना और निर्माण कार्य संपूर्णा होना और ट्रासंमिटर की खरीद	3. गंगटोक-10 कि0 वा0 एफ. एम. ट्रांसमीटर सिविल कार्य पूर्ण। ट्रांसमीटर मंगवाने के लिए आदेश दे दिए हैं और सुर्पुदगी जुलाई, 09 तक देय हो जाएगी	क्रय आदेश न्यायाधीन है न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा है।
					4. चिनसुरा-1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर-सिविल कार्य निर्णित और पूर्ण किया गया। ट्रांसमीटर की खरीद	4. चिनसुरा- 1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर-सिविल कार्य प्रगति पर है। ट्रांसमीटर मंगवाने के लिए आदेश दे दिए हैं और सुपुदर्गी अक्टूबर, 09 तक होगी। इसी दौरान आदेश को न्यायालय में चुनौती दी गई है और यह उच्चतम न्यायालय में निर्णयाधीन है।	न्यायालय में मामला लंबित होने के कारण आगे की कार्रवाई नही की जा सकी।
					5. डी एस एन जी/एम एस एस टर्मिनल-उपकरणों का क्रय प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।	5. डी एस एन जी/एम एस एस टर्मिनल-डी एस एन जी/एम एस टर्मिनल के लिए नई निविदाएं खोली गई हैं और इस पर कार्य चल रहा है। एम एस एस टर्मिनल के लिए आदेश दे दिए गए है।	डी एस एन जी सिस्टम के लिए फर्म ने आफर की वैधता सीमा बढ़ाने से इंकार किया अतः नई निविदाएं मंगवाई गई। एम एस एस टर्मिनल के लिए आदेश दिए गए हैं। यद्यपि इस फर्म ने दिए गए उपकरण के मॉडल संख्या में परिवर्तन की जानकारी दी है जो स्वीकार्य नहीं है। इस आदेश को रद्द करने के लिए विधि कक्ष द्वारा जांच की जा रही है।

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					6. दूरदराज इलाकों में (100 स्थानों पर) 100 वाट एफ. एम. रिले सेंटर लगाने का प्रस्ताव है- 55 विद्यमान आकाशवाणी/दूरदर्शन क्षेत्रों और शेष 45 उपयुक्त स्थानों पर बिजली पूर्ति आदि राज्य सरकारें उपलब्ध करवाएंगी	6. 100 वाट रिले सेंटर-49 स्थानों पर इसे लगाने का कार्य संपूर्ण हो चुका है। 10 जगहों पर कार्य चल रहा है। 6 स्थानों पर इसे लगाने संबंधी निविदाएं दी गई। बाकी स्थानों पर इन ट्रांसमीटरों को लगाने के लिए राज्य सरकारों के सहयोग से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हे लगाने का कार्य जुलाई, 09 तक पूर्ण होने की आशा है।	स्थापना स्थल पर सामग्री के परिवहन संबंधी कठिनाई आ रही है क्योंकि ये अधिकतर स्थान अति दुर्गम इलाको में है। मणिपुर त्रिपुरा, नागालैंड और असम के करबी अंगलांग जिलों सहित कानून व्यवस्था की स्थिती ठीक नही हैं। कई स्थानों पर राज्य के नोडल अधिकारी बदल गए हैं। नए स्थलों की पहचान और चुनाव के कारण भी कार्य में देरी हो रही है।
7	स्टाफ के लिए आवास	6.51	10	6.42	दिल्ली	विकास कार्य को छोड़कर दिल्ली फेस-I पूर्ण हो चुका है। फेस-II कार्य सौंपा गया।	
					मुंबई	मुंबई-बी एम सी से 2 ब्लॉक के लिए स्थानीय सरकार का अनुमोदन प्राप्त हो गया है। बाकि दो ब्लॉकों की अनुमति प्रतीक्षारत है। बहुत सा स्थापना कार्य प्रगति पर है। सुपर स्ट्रक्चर के निविदा का कार्य भी प्रक्रियाधीन है।	
					चेन्नै	चेन्नै-सी.एम.डी.ए.(चेन्नै महानगर विकास प्राधिकरण) से भवन योजना का अनुमोदन प्रतीक्षारत है।	सी.एम.डी.ए. ने योजना की अनुमति जारी करने के लिए ढांचागत एवं सुख सुविधा हेतु 1.47 करोड़ रुपये के अतिरिक्त भुगतान की मांग की है। चूंकि गुडी में आकाशवाणी की भूमि सरकारी भूमि है इसलिए इस भूमि को छोड़ने के लिए यह मामला सी.एम.डी.ए. को भेजा गया हैं। मंत्रालय ने इस संबंध में दिनांक 7.10.2008 के फा.सं. 212/184/2008- बी(डी) सी. एम.डी.ए. को लिखा है। संयुक्त सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दिनांक 4.2.2009 को एक

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
							अर्थ सरकारी पत्र प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग तमिलनाडू सरकार को यह अनुरोध करते हुए लिखा कि अन्य विभागों के मामलों के समान आकाशवाणी को ढांचागत एवं सुख सुविधा प्रभार के भुगतान से मुक्त करने के आवश्यक आदेश जारी किए जाएं इस मामले पर कार्रवाई की जा रही है।
					कोलकाता	कोलकाता-के. एम. सी. से योजना का अनुभोदन प्रतीक्षारत है।	के.एम.डी.ए. ने आकाशवाणी को आबंटित भूमि अपनी ओर से वापिस ले ली। मुख्य अभियंता (पू. क्षे.) द्वारा एक रिट याचिका कोलकाता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई है और के.एम. डी.ए. और के.एम.सी. को नोटिस जारी किए गए। कार्रवाई की जा रही है।
	कुल अनवरत योजनाएं	**118.18**	**67.06**	**54.96**			
	नई योजनाएं						
8	साफ्टवेयर का अधिग्रहण (आकाशवाणी समाचार)	4.94		0.00			
9	ट्रांसमीटरों, स्टूडियो, कनेक्टीविटी और डीटीएच चैनलों का डिजिटलीकरण,	63.88		0.00	1. पुराने मीडियम चल ट्रांसमीटर के स्थान पर एस.एफ.सी. द्वारा अनुमोदित 10 किलोवाट मीडियम वेव के 6 डी. आर. एम. ट्रांसमीटरों की खरीद।	निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है।	

क्र सं	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2008-09 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2008-09 व्यय (दिनांक 31.3.2009 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					2. सी. बैड टर्मिनल-44-सं. 44 टर्मिनलों के लिए एन.आई.टी. आमंत्रित किए गए।	सी-बैड टर्मिनल-44 मूल्य बोली लगाई गई और क्रय प्रस्ताव प्रगति पर है।	
10	डिजीटल द्वारा बाह्य सेवाओं का सुदृढ़िकरण	4.74		0.00	डी.आर.एम. से दिल्ली, अलीगढ़ प्रत्येक के लिए 250 किलोवाट के 2 एस डब्लू ट्रांसमीटर परिवर्तित करने के लिए उपकरण की प्राप्ति	मूल विनिर्माता के प्रतिनिधि मैसर्स फेलकन को निविदा प्रस्ताव जारी किया गया और इस फर्म से कोटेशन प्राप्त की गई। वित्त स्कंध की स्वीकृति हेतु आदेश विचाराधीन है।	
11	ई-शासन, प्रशिक्षण, सुरक्षा, अतिरिक्त कार्यालय, आवास, स्टॉफ क्वार्टर्स आदि	1.30		0.00	एस.एफ.सी./ई.एफ.सी. प्रस्ताव अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया है।	वेबकास्टिंग और पोडकास्टिंग की योजना पूरी हो गई है।	
12	नई तकनीक और विज्ञान और प्रौद्योगिकी (अनु. एवं विकास)	1.96	1.50	1.47	एस. एफ. सी./ई.एफ.सी. प्रस्ताव/अनुमोदन भेजे जा रहे हैं।		
	कुल नई योजनाएं	**76.82**	**1.5**	**1.47**			
	आकाशवाणी का योग	**195.00**	**68.56**	**56.43**			

दूरदर्शन (पूंजीगत योजना)
वार्षिक योजना 2008-09

करोड़ रुपए में

क्र. सं.	योजना का नाम	स्वीकृत परिव्यय (2008-09) (एसबीजी)	व्यय	31.3.09 तक व्यय	वास्तविक लक्ष्य	31.3.09 तक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
	जारी योजना						
1.	जम्मू और कश्मीर विशेष योजना (फेस-I)	15.99	19.13	17.45	उ.श.प्रे. (डीडी I एवं डीडी समाचार-स्थायी सैटअप)-I		अमृतसर में उ.श.प्रे का अंतरिम सैटअप पुरानी जगह पर चालू है। नई जगह पर स्थायी सैटअप के लिए भवन तैयार हो चुका है। 300 मीटर टावर की नींव डाली जा चुकी है। और निर्माण कार्य प्रगति पर है (50 मीटर ऊँचाई तक तैयार है)
	जम्मू और कश्मीर विशेष योजना (फेस-II)				जम्मू-I में भू केंद्र के लिए उन्नयन	1	नेटवर्क में उपलब्ध उपकरणों के उपयोग आतंरिक सैटअप द्वारा उन्नयन किया गया है। स्थायी भू केंद्र सैटअप के लिए निविदाएं प्राप्त हुई और उनका तकनीकी मूल्यांकन किया गया। वाणिज्यिक बोली लगाई गई और अगली कार्रवाई की जा रही है।
					उ.श.प्रे. और ल.श.प्रे. के लिए यूपीएस-40	16	उ. श. प्रे 40 39 यूपीएस के क्रय आदेश दे दिये है। एक के लिए कार्यवाही चल रही है।
					10000 डीटीएच और टीवी सैट-जम्मू और कश्मीर के लिए	10000 डीटीएच और टीवी सैट जम्मू एवं कश्मीर सरकार के नोडल अधिकारियों को सौंपे गए	
2.	निर्माण सुविधाओं (स्टुडियो/ओ. बी.) का डिजीटलीकरण और आधुनिकरण	40.81	40.41	33.08			
3.	पूर्वोत्तर राज्यों एवं द्वीप समूहों के लिए विशेष पैकेज (फेस-II)	15.00	21.61	16.15	1) वीएलपीटी (समाचार)-14	11	एक ट्रांसमिटर लगवाने का कार्य प्रगति पर है। एक वीएलपीटी के लिए वैकल्पिक परिसर का अंतिम निर्णय लेना शेष है। एक वीएलपीटी मई, 2009 में आरंभ किया गया।
					2) वीएलपीटी (उन्नयन)-10	9	एक ट्रांसमीटर के संवर्धन का कार्य प्रगति पर।
					3) भू केंद्र (पूर्वोत्तर राज्यों के 2 चैनलो का उन्नयन)		भू केंद्र लगाने के लिए आदेश दिए गए।
					4) अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह मे डीटीएच सेवा (सी बैंड) के 10 अपलिंक चैनल-1	1	संस्थापन कार्य पूर्ण किया गया।
4.	डीटीएच	0.00	0.00	6.16	डीटीएच की उ.श-2000 की यूनिट प्राप्त	राज्य सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकरियों करे 20000 डीटीएच सैट सौंपे गए	

दूरदर्शन (पूंजीगत योजना)
वार्षिक योजना 2008-09

करोड़ रुपए में

क्रं. सं.	योजना का नाम	स्वीकृत परिव्यय (2008-09) (एसबीजी)	व्यय	31.3.09 तक व्यय	वास्तविक लक्ष्य	31.3.09 तक उपलब्धियाँ	टिप्पणी
5.	एचडीटीवी जारी योजना	0.71	0.00	0.00	एचडीटीवी प्रमुख परियोजना		एचडीटीवी ओबी वैन मंगवाने के आदेश दिए गए
6.	अन्य स्पिलओवर एक्स योजना	48.86	86.75	84.03	**I. स्टुडियो प्रोजेक्ट**		
					(1) अतिरिक्त स्टूडियो-2	1	एग जगह (पणजी) में अतिरिक्त स्टूडियों लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। दूसरी जगह (जम्मू) में भवन निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।
					II. उ.श.प्रे. परियोजना (1) नए उ.श.प्रे.I	1	छत्तरपुर में कार्य पूर्ण
					(2) उ.श.प्रे. (स्थायी सैटअप)-6	2	वडोदरा और खडगपुर में स्थायी उ.श.प्रे. चालू किए गए। सहरसा में टावर पूरी ऊँचाई बनाई गई है। कुंबाकोणम, काननौर और बाड़नेर तीन स्थानों पर टावर निर्माण का कार्य प्रगति पर है।
					(3) पुराने उ.श.प्रे. बदलना-1	1	चेन्नै में डीडी। उ.श.प्रे. का कार्य पूर्ण।
					III. ल.श.प्रे./उ.श.प्रे. परियोजनाएं		
					ल.श.प्रे. का स्वचलन-100	8	41 ल.श.प्रे. (यूएचएफ) की आपूर्ति और संस्थापन का कार्य प्रगति पर है 50 ल.श.प्रे. के आदेश दिए जाने है। अप्रैल 2009 में 2 ल.श.प्रे. लगाने का कार्य पूर्ण ।
	जारी नई योजनाओं का कुल योग	121.37	167.9	156.87			
1.	प्रेषित्रों का डिजीटलीकरण,स्टूडियो/ ओ.बी. उपकरणों को बदलना उनका आधुनिकरण, संवर्धन।	24.44	0	0.00			
2.	स्टूडियो (स्टू./ओ.बी.) का डिजीटलीकरण, संवर्धन और स्टुडियो डिजीटलीकरण	24.16	0	0.00			
3.	डीटीएचः आधुनिकरण, संवर्धन उपग्रह प्रसारण उपकरणों को बदलना	14.26	4.85	4.17			
4.	एचडीटीवी	9.51	0	0.00			
5.	स्टाफ के आवास, अन्य विविध कार्य	0.43	0	0.10			
6.	साफ्टवेयर अर्जन/निर्माण	52.3	0	0.10			
	नई योजनाओं का कुल जोड़	125.10	4.85	4.27			
	दूरदर्शन योजना का कुल जोड़ (पूंजी)	246.47	172.75	161.14			

वार्षिक योजना 2008-09 (पूंजीगत)

(रुपये करोड़ो में)

योजना का नाम	स्वीकृत परिव्यय 2008-09 (एसबीजी)	व्यय	31.3.09 तक व्यय	वास्तविक लक्ष्य	31.3.09 तक उपलब्धियां	प्रतिशत	टिप्पणी
जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज	**20.00**	**36.96**	**30.31**	कशीर चैनल के लिए 1904 एपिसोड का निर्माण और अर्जन	**3160** ऐपिसोड	**166%**	नियतन राशि बढ़ने के कारण
पूर्वोत्तर विशेष पैकेज	**13.53**	**31.20**	**30.32**	6742 एपिसोड का निर्माण और अर्जन	**5400** ऐपिसोड	**80%**	पिछले वर्ष के दायित्व पूरे किए जाने थे जिस कारण गिरावट आई।
कुल राजस्व योजना	**33.53**	**68.16**	**60.63**				
कुल जोड़ दूरदर्शन	**280.00**	**240.91**	**221.77**				

लेखा विवरणी
प्रसार भारती
31-03-08 का तुलन पत्र

	अनुसूची संख्या	रुपये 31-3-08 की स्थिति	रुपये 31-3-07की स्थिति
कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां			
	1		
रिजर्व्स और अधिशेष	2		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	23396927395	20788421235
सुरक्षित कर्जे	4		
असुरक्षित कर्जे	5	84267421120	77099264980
आस्थागित जमा देनदारियां	6		
वर्तमान देनदारियां एवं शर्ते	7	12587923669	11497297745
जोड़		120252272184	109384983960
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां	8	19048902495	23849599919
प्रमुख कार्य प्रगति पर	8	4819431812	3701940228
निवेश (1) उद्दिष्ट/अक्षय निधि	9		
(2) अन्य	10		
वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम	11	13173169202	10281404145
विविध व्यय			
आय और व्यय लेखा के अनुसार घाटा		83210768675	71552039668
कुल		120252272184	109384983960
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	25		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	26		

बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

ए. के जैन
सदस्य(वित)

शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

लेखा विवरणी
प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
वर्ष 2007-08 का आय और व्यय लेखा

	अनुसूची संख्या	रुपये 2007-2008	रुपये 2006-2007
आय			
बिक्री और सेवा से आय	12	9367815867	9639070768
अनुदान-सहायता	13	8324193840	8529731016
फीस/अंशदान	14	13513789	17018460
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के निवेश से आय	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	0	0
अर्जित ब्याज	17	611666152	423266581
अन्य आय	18	574760954	354154163
योग - क		18891950602	18963240988
व्यय			
स्थापना व्यय	19	8761696770	8218331688
अन्य प्रशासनिक व्यय	20	5664652335	5062106214
कार्यक्रमों से संबंधित व्यय	21	4436062364	5578598858
अनुदान/आणथक सहायता पर व्यय	22	0	0
ब्याज	23	5126256140	4357998660
ह्रास		6291712000	6121406679
योग-ख		**30280379609**	**29338442099**
आय से अधिक व्यय के अंतर का शेष (क-ख)		11388429007	-10375201111
घटा/जमाः- अवधिपूर्व के समायोजन	24	-270300000	-221655144
जमाः पिछले वर्ष के अग्रेनित शेष		-71552039668	-60955183413
तुलनपत्र को अग्रेनित घाटा शेष		**-83210768675**	**-71552039668**
मुख्य लेखांकन नीतियां	**25**		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	**26**		

बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

ए. के जैन
सदस्य(वित)

शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 के तुलन पत्र का भाग है

अनुसूची-1 कॉर्पस/पूंजीगत निधि

	रुपये 31.03.08 की स्थिति	रुपये 31.03.07 की स्थिति
वर्ष के प्रारंभ में शेष		
जमाः वर्ष के दौरान सहायतार्थ अनुदान		
कॉर्पस/पूंजीगत निधि शेष		
आय और व्यय लेखा		
वर्ष के अंत में शेष		

अनुसूची-2 आरक्षित एवं अधिशेष

1. पूंजीगत आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान शामिल		
कुल		
2. सामान्य आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान शामिल		
घाटाः वर्ष के दौरान घाटा		
कुल		

अनुसूची-3 उद्दिष्ट/अक्षय निधि

पूंजीगत परिसंपत्तियां/निधियां		
क. निधियों का अथ शेष	20788421235	17981352251
ख. निधियों में जमाः पूंजीगत व्यय/अग्रिमः खर्च के लिए कॉर्पस/पूंजीगत निधि से हस्तांतरित राशि	2608506160	2807068984
वर्ष के अंत में निबल शेष (क + ख)	23396927395	20788421235

अनुसूची-4 सुरक्षित कर्जे और उधार

अनुसूची-5 असुरक्षित कर्जे

1. शाश्वत कर्जे	42580802000	42580802000
इनके ब्याज को माफ कराने का प्रस्ताव (संदर्भ अनुसूची 26-लेखा टिप्पणियां की टिप्पणी-4)	23845249120	20864592980
2. केंद्र सरकार		
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूंजीगत कर्ज	8708770000	7242770000
4. कर्ज चुकौती देय है पर भुगतान नहीं की गई	2111200000	1535300000
इसके ब्याज को माफ करने का प्रस्ताव भेज दिया है। (संदर्भ अनुसूची 26-लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी-5)	6489800000	4534200000
ब्याज पर ब्याज/	531600000	341600000
कुल	**84267421120**	**77099264980**
नोट- एक वर्ष में देय राशि (शून्य)		

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूची–8 नियत परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक			मूल्य ह्रास			निबल ब्लॉक	
क. नियत परिसंपत्तियां	01.04.06 लागत	वर्ष के दौरान सिविल विंग से परिवर्धन हस्तांतरण	वर्ष के दौरान कटौती हस्तांतरण निपटान/पुनः वर्गीकरण	31.03.08 समाप्त वर्ष को लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31.03.08 की स्थिति	31.03.08 की स्थिति
1. भूमि	7872630	7388538		15261168			15261168	7872630
2. भवन/अन्य	71683377	17442149		89125526	1608089	5231171	83894355	68060295
3. संयत्र मशीनरी और उपस्कर								
क) स्टुडियो	20271033017	531857647		20802890664	2053696184	14326054808	6476835856	799867439
ख) ट्रांसमीटर	29963898351	665962092		30629860443	3029687940	21761271839	8868588604	11232314452
ग) मशीनरी/उपस्कर	1312477827	197220249		1509698076	141108795	524939055	984759021	928647568
घ) विद्युत संस्थापन	17405462	8459293		25864756	865404	2510187	23354569	15760680
4. वाहन	48582312	17869463		66451774	11503409	37824552	28627223	22261168
5. फर्नीचर/फिक्सचर	68041299	14080558		82121856	4692599	19060289	63061568	53673608
6. कार्यालय	108430339	14154779		122585118	19255138	85049116	37536002	42636361
7. कम्प्यूटर	88584748	16579807		105164555	32288321	100588125	4576430	20284944
8. अन्य नियत परिसंपत्तियां विभिन्न योजनाओं पर पूंजीगत व्यय	9970061214			9970061214	997006121	7507653515	2462407699	3459413821
वर्तमान वर्ष का योग(क)	61928070575	1491014576		63419085151	6291712000	44370182656	19048902495	23849599919
(ख) प्रमुख कार्य प्रगति पर								
योग (ख)	**3701940228**	**1117491584**		**4819431812**			**4819431812**	**3701940228**
योग	**65630010803**	**2608506160**		**68238516963**	**6291712000**	**44370182656**	**23868334307**	**27551540147**
गत वर्ष	**62822941819**	**2807068984**		**65630010803**	**6121406679**	**38078470656**	**27551540147**	

बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

ए. के जैन
सदस्य(वित)

शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 के तुलन पत्र का भाग है

	31.03.08 की स्थिति	31.03.07 की स्थिति

अनुसूची-6 नियत परिसंपत्तिया

अनुसूची-**7** वर्तमान देनदारियां और उपबंध

क. वर्तमान देनदारियां - प्राप्त अग्रिम निक्षेप कार्य के बदले	477652606	353260449
निक्षेप, बयान, जमानती रुपया/प्रतिभूति जमा	406489650	373707482
अन्य वर्तमान देनदारियां-वेतन और मजदूरी इत्यादि से वसूली	1949598	743084
स्रोत पर काटा गया आयकर/बिक्रीकर विविध ऋण दोता-अन्य		
मुख्यालय पारगत डी.डी.ओ/समायोजन से प्रेषित रुपया	1683714295	1916035310
कुल-क	2569806149	2643746325
ख. व्यवस्था स्पेक्टरम/स्पेस सेगमेंट खर्चे के लिए	10013717520	8851351420
अन्य खर्चे के लिए (सीएजी लेखा परीक्षा शुल्क)	4400000	2200000
कुल-ख	**10018117520**	**8853551420**
योग (क-ख)	**12587923669**	**11497297745**

अनुसूची-9 उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश

1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		
3. अन्य		
योग		

अनुसूची-10 निवेश अन्य

1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित में		
3. अन्य		
योग		

अनुसूची-11 वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम इत्यादि

क. वर्तमान परिसंपत्तियां		
वस्तु सूचियां	50044924	36656135
विविध कर्जदार-सामान	1566620019	1357540616
विविध कर्जदार-संदिग्ध नकद शेष/अग्रदाय	43240251	55072281
बैक में शेष राशि		
अनुसूचित बैंको में		
चालू खातों में	81761345	2691080295
संग्रहण खातों में	78968934	484031795
जमा खाते और अन्य एफ. डी. आर. में	8644735725	2837785859
विभिन्न कार्यालयों में	2483289664	2623802989
अंशदायी भविष्य निधि खातों में	3967821	605056
योग (क) (संदर्भ अनुसूची 26-लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी-12)	**12952628683**	**10086575026**

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 के तुलन पत्र का भाग है

	रुपए 31.3.08 की स्थिति	रुपए 31.3.07 की स्थिति
ख. कर्जे/अग्रिम		
1. कर्जे/अग्रिम		
कर्मचारीगण	72231334	46616205
अन्य विभागीय	148212914	148212914
उचंत खाते 2. अग्रिम और नकद माल या कीमत के रुप में वसूल की जाने वाली अन्य राशि पूंजीगत खातों पर पूर्व भुगतान अन्य		
3. प्राप्त ब्याज		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि में निवेश पर		
अन्य निवेशों पर		
अन्य		
4. आयकर जमा	96271	
योग (ख)	**220540519**	**194829119**
योग (क+ख)	**13173169202**	**10281404145**

अनुसूची-12 बिक्री सेवाओं से आय

	रुपये 2007.08	रुपये 2006.07
सेवाओं से आय		
आकाशवाणी और दूरदर्शन विज्ञापन से आय	9977182985	9636209651
घटा-आय एजेंसियो का भाग	609375000	
सी.डी./वी.सी.डी. की बिक्री	7882	2861117
योग	**9367815867**	**9639070768**

लेखा टिप्पणी की अनुसूची 26 की टिप्पणी 12 देखे

अनुसूची-13 अनुदान/परिदान

जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	1191300000	2555000000
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय गैर योजना से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	9741400000	8781800000
जमाः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता		
घटाः पूंजीगत परिसंपति निधि को हस्तांतरित	2608506160	2807068984
योग	**8324193840**	**8529731016**

अनुसूची-14 फीस/अंशदान

व्यवसायिक/परामर्श सेवाओं की फीस	13513789	17018460
योग	**13513789**	**17018460**

अनुसूची-15 निवेश से आय

	निश्चित धन से निवेश	निवेश अन्य
सावधि जमा पर ब्याज		
योग		

अनुसूची-16 रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय

अनुसूची-17 अर्जित ब्याज

अनुसूचित बैंकों में मियादी जमा से	487625571	230921145
कर्मचारी के अगिम्र इत्यादि जैसे अन्य	490907	1236305
आकाशवाणी व दूरदर्शन की अप्राप्त राशि	123549674	191109131
योग	611666152	423266581

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 के आय और व्यय खाते का भाग है

	रुपए 2007-08	रुपए 2006-07
अनुसूची/18 अन्य आय		
टॉवरों/स्टॉफ क्वार्टरों की फीस सहित अन्य प्राप्तियां	551442209	334867019
परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ		
क) मालकीय परिसंपत्तियां	112021	525390
ख) अनुदान या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	1222697	
ग) 1.4.2000 से पहले अर्जित परिसंपत्तियां	21984027	18761754
योग	**574760954**	**354154163**

अनुसूची-19 स्थपना और अन्य प्रशासनिक व्यय

	रुपए	रुपए 2007-08	रुपए	रुपए 2006-07
	योजना	गैर योजना	योग	योग
स्थापना व्यय				
क. वेतन और मजदूरी	511585738	6627432540	7139018278	6718097361
ख. भत्ते और बोनस	18070484	313251755	331322239	371949255
ग. अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान	365200	3620259	3985459	2880997
घ. कर्मचारियों की सेवानिवृति/सेवांत व्यय/ पेंशन आदि पर व्यय	179889000	944194516	1124083516	1095565325
ङ कर्मचारी कल्याण व्यय	167115	1441749	1608864	1824399
च. छात्रवृत्ति/वजीफा	230720	17704547	17935267	10922266
छ. अन्य	9190875	134552272	143743147	17092085
योग	**719499132**	**8042197638**	**8761696770**	**8218331688**
(संदर्भ अनुसूची 26-लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी-8)				

अनुसूची-20 अन्य प्रशासनिक व्यय योजना

	रुपए	रुपए 2007-08	रुपए	रुपए 2006-07
	योजना	गैर योजना	योग	योग
बिजली और पावर	155677459	1602101625	1757779084	1647626286
जल प्रभार	867414	32053169	32920583	24487689
संयत्र और मशीनरी का बीमा				185995
संयत्र और मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव	574123	22728726	23302849	201918028
भूमि और भवन का बीमा				15520
किराया, महसूल और कर	6170578	109380070	115550648	123634256
वाहनों की मरम्मत और रख-रखाव	34149051	238571719	272720770	248967643
डाक टेलीफोन और संचार प्रभार	12200525	127493544	139694069	155646372
प्रिंटिंग और लेखन सामग्री	16704441	87364816	104069257	89584056
यात्रा-घरेलू और वाहन व्यय स्थानीय	34767687	155976909	190744596	181521816
यात्रा विदेश	10568	5874609	5885177	8812410
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक		2200000	2200000	1402893
आतिथ्य सत्कार व्यय	486100	6488406	6974506	6056272
व्यवसायिक प्रभार	11517231	350397562	361914793	305563006
डूबा और संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए व्यवस्था				
गैर वसूली योग्य राशि-बट्टे खाते में डाली गई				
विज्ञापन और प्रचार	532554	5994632	6527186	18238613
बैंक प्रभार		2383588	2383588	6966569
उपभोगीय वस्तु एवं आपूर्ति	52850319	400092914	452943233	520884921
अन्य प्रशासनिक खर्चे	48914596	302573146	351487742	290927884
उपकरण एवं औजार	113764894	706368880	820133774	360420671
सेवा कर		1017420480	1017420480	868576127
आय कर				669187
बिक्री कर				
योग	**489187540**	**5175464795**	**5664652335**	**5062106214**

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 के आय और व्यय खाते का भाग है

	रुपए	रुपए 2007-08	रुपए	रुपए 2006-07

अनुसूची-21 कार्यक्रम संबंधी व्यय

	योजना	गैर योजना	योग	योग
रॉयल्टी	152429953	157980928	310410881	329282068
पीटीआई/यूएनआई को भुगतान	2899054	132039070	134938124	145795296
कार्यक्रम सोफ्टवेयर खर्चो की कमिशनिंग	535749736	327914253	863663989	371169104
पैनम सेटेलाइट व्यय	35602511	185481487	221083998	519742548
खेल-कूद आयोजनों पर व्यय	102017767	156738963	258756730	603842784
कलाकारों को भुगतान	343534770	472581711	816116481	737934832
अन्य कार्यक्रम व्यय	258934674	395475454	654410128	749856812
जम्मू एवं कश्मीर पैकेज	929333	3386600	4315933	1673994
स्पेकट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार		1172366100	1172366100	2119301420
योग	1432097798	3003964566	4436062364	5578598858

अनुसूची-22 अनुदान परिदान आदि पर व्यय

	योजना	गैर योजना	योग	योग
अनुदान पर व्यय		2007-08		2006-07

अनुसूची-23 ब्याज

	योजना	गैर योजना	योग	योग
		2007-08		2006-07
कर्जे पर ब्याज-केंद्र सरकार		1955600000	1955600000	1261747664
शाश्वत कर्ज पर ब्याज		2980656140	2980656140	2980656140
अन्य दाण्डिक ब्याज आदि		190000000	190000000	115594856
कुल ब्याज		5126256140	5126256140	4357998660
(संदर्भ अनुसूची 26-लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी-4 और 5)				

अनुसूची-24 पूर्व अवधि समायोजन

	योजना	गैर योजना	योग	योग
		2007-08		2006-07
पूर्व अवधि व्यय-कर्जों पर ब्याज				226005144
पूर्व अवधि व्यय-स्पेकट्रम/स्पेस सेगमेंट और लेखा परीक्षा फीस आदि				
पूर्व अवधि व्यय सहायतार्थ अनुदान की वापसी	270300000		270300000	
पूर्व अवधि आय				-4350000
योग	270300000		270300000	221655144
(संदर्भ अनुसूची 26-लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी-1)				

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 को समाप्त वर्ष के लेखे का भाग है।

अनुसूची-25 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. **लेखांकन पद्धति**

   प्रोदभूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी के आधार पर निगम के लेखों का लेखांकन तैयार किया गया है।

2. **वस्तुसूची का मूल्यांकन**

   भंडार सामग्री और पुर्जों (मशीनी पुर्जों सहित) का मूल्य निर्धारण उनकी कीमत पर किया जाता है।

3. **नियत परिसंपत्तियाँ**

   नियत परिसंपत्तियाँ, में प्रसार भारती को हस्तांतरित परिसंपत्तियों की हस्तांतरण राशि आती है और तदनुरूप जमा राशि में 'शाश्वत ऋण' आता है।

   केंद्र सरकार द्वारा परिसंपत्तियों का हस्तांतरण वास्तविक मूल्यांकन और सत्यापन के अधीन है।

   आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर किए गए पूंजीगत व्यय के संबंध में सभी संबंधित और सह व्यय पूंजीगत है।

4. **मूल्यह्रास पद्धति**

   मूल्यह्रास को आई. एम. जी. की सिफारिशें पर निर्धारित आधार पर परिसंपति के उपयोग काल की दरों पर गणन करते हुए स्ट्रेट लाइन प्रणाली पर चार्ज किया जाता है। तदनुसार, दर जो मान्य है :- भवन 2%, प्रेषित, यंत्र और उपकरण और अन्य नियत परिसंपति-10%, इलैक्ट्रिकल संस्थापना-4%, फर्नीचर और फिक्सचर 6.25%, कार्यालय उपकरण-16.67%, और कंप्यूटर-33.33%।

5. **विदेशी मुद्रा का लेन देन**

   विदेशी मुद्रा का लेन देन का हिसाब लेने देने की तिथि की विद्यमान विनिमय दर पर किया जाता है।

6. **लाइसेंस फीस और परामर्श फीस**

   लाइसेंस फीस और परामर्श फीस को मान्यता प्राप्त होने पर

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 को समाप्त वर्ष के लेखे का भाग है।

अनुसूची-26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

लेखा अनन्तिम है तथा इसकी सीएजी द्वारा लेखा परीक्षा होनी है

1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की स्थापना एक सामान्य लोक उपयोगी संस्था के रूप में की गई हैं, तथा यह 'लाभ के लिए नही संगठन' के अंतर्गत आता है। तदनुसार आम स्वीकार्य लेखा पद्धतियों (जीएपी) और आयकर अधिनियम की धारा 145 के आधार पर यह निगम लेखांकन की रोकड़ या वाणिज्यिक पद्धति अपना सकता है। संगठनात्मक ढाँचे, पूर्व पद्धतियों और सहज पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले के आधार पर लेखांकन को अपनाया गया। लेखा परीक्षा केंद्रीय राजस्व महानिदेशक के सुझाव पर दिनांक 1.04.2005 से ये लेखे लेखांकन की प्रोदभूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी पर तैयार किए गए है।

2. आकस्मिक देनदारियां

2.1	एनटिटी जिन्हें ऋण नहीं माना गया, के लिए दावे	रुपए शून्य
2.2	के विषय में	
	• एनटिटी की ओर से दी गई बैंक गारंटियां	रुपए शून्य
	• एनटिटी की ओर बैंक द्वारा क्रेडिट देने का पत्र	रुपए शून्य

3. केंद्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान को आय माना जाता है जिसका उपयोग पूंजीगत परिसंपति निर्माण और राजस्व खर्चो के लिए किया जाता है।

4. सरकार द्वारा मंजूर शाश्वत ऋण पर 7 प्रतिशत की दर से ब्याज देय है। ब्याज की शर्तो को माफ करने के लिए मामला सरकार के साथ उठाया जा रहा है।

5. ऋण की शर्तो के अनुसार सरकार द्वारा 1.4.2000 से 31.3.2006 के दौरान जारी ऋण पर ब्याज की दर 14.5 प्रतिशत है और 2006-07 के दौरान ऋण के निबंधन और शर्तो के अनुसार प्राप्त ऋण के लिए ब्याज की दर 11.5 प्रतिशत सालाना है। तथापि ऋण को ब्याज मुक्त करने का निगम का अनुरोध सरकार के पास लंबित है।

6. केंद्र सरकार द्वारा खाता मूल्य पर प्रसार भारती को हस्तांतरित नियत परिसंपत्तियों की राशि मुख्य लेखा नियंत्रक के पत्र संख्या-सीसीए/आई एण्ड बी/2002 दिनांक 3.09.2002 पर आधारित मानी गई है, तथा यह वास्तविक सत्यापन और मूल्यांकन के अधीन है।

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31-03-2008 को समाप्त वर्ष के लेखे का भाग है।

अनुसूची-26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

7. कर प्रणाली
   प्रसार भारती को आयकर अधिनियम की धारा 12 ए के अंतर्गत आयकर में छूट प्राप्त है।

8. प्रसार भारती द्वारा अवकाश वेतन और कर्मचारियों के पेंशन संबंधी लाभों को भारत सरकार को भुगतान किया जाता है। क्योंकि प्रसार भारती की ओर से भारत सरकार को निगम में हस्तांतरित करने की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है।

9. अन्तकार्यालय लेनदेन खाते
   सामान्यतया इन खातों में भिन्नता वित्त वर्ष के समापन में पारगमन काल में धन भेजने को दर्शाती है। तदनुसार इन्हें लेखा में इसी तरह दर्शाया जाता है।

10. डिपोजिट वर्क्स
    कार्य के व्यय के लिए समायोजन के बाद पार्टियों से डिपोजिट वर्क्स के लिए प्राप्त राशि इस शीर्ष में रखी जाती है।

11. प्रसार भारती के लेखे की लेखा परीक्षा के लिए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की फीस की व्यवस्था लेखा में की गई है।

12. प्राप्ति और भुगतान खाते में अन्य एजेंसियो के हिस्से के राजस्व का भुगतान "अन्य भुगतान" शीर्ष के आय उपशीर्ष में दर्शाया जाता है।

13. निगम द्वारा कानूनी कार्रवाई आरंभ करने के संबंध में संदिग्ध ऋण के लेखे में कोई प्रावधान नही है क्योंकि वर्तमान स्थिति में संदिग्धता की सीमा को जाना नहीं जा सकता

14. स्पेस सेंगमेंट प्रभार का प्रावधान अनुमान के आधार पर किया गया है।

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

प्राप्ति और भुगतान लेखा

1	वर्ष 2006-07 का प्राप्ति खाता	योग		वर्ष 2006-07 का भुगतान लेखा	गैर-योजना	योजना	कुल योग
	अथ शेष		1	व्यय			
	क) नकद रोकड़	17365615		क) संस्थापना खर्चे	7082893091	734422020	7817315111
	ख) बैंक शेष			(ब्यौरा संलग्नक 1 के अनुसार)			
	(1) चालू खाते में			ख) प्रशासनिक व्यय	4146296969	491674572	4637971541
	प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	706475106		(ब्यौरा संलग्नक 2 के अनुसार)			
	दूरदर्शन खाता (503120)	470536777		ग कार्यक्रम संबंधी व्यय	1841598466	1432097798	3273696264
	आकाशवाणी खाता (503122)	13495018		(ब्यौरा संलग्नक 3 के अनुसार)			
	व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	1917327883		(घ) अनुदान/परिदान पर व्यय			
	एस बी आई खाता (578651)	1690963951		(1) संस्थानों को दिया गया अनुदान			
	कैनरा बैंक, खाता (1730)	997819569		(2) संस्थानों को दी गई परिदान राशि			
	इंडियन ओवरसीज खाता(7430)	2021680		(3) अन्यों से प्राप्त अनुदान			
	बैंक ऑफ इंडिया खाता (12255)	275095	2	प्रसार भारती द्वारा चालू खातें			
	(2) जमा खाते में (सावधि जमा)	2782066879		फंड का अंतर्हस्तातरण			
	(3) अग्रदाय खाता	605056		क) प्रसार भारत को	9177089064		9177089064
	(ग)	37706666					
				ख) अन्य स्टेशन/केंद्र कार्यालय को	19720798120		19720798120
2	प्राप्त अनुदान						
	क) भारत सरकार से			ग) आई ई बी आर एच.बी.ए. और अन्य राशि अग्रिम को	42986205		42986205
	(1) पूंजीगत			घ) सी पी एफ की वसूली को	2823145		2823145
			3	अपने धन से जमा की गई राशि	142909690		142909690
	(2) राजस्व योजना	1191300000		(निवेश/अन्य एफ.डी.आर.)			
	गैर योजना	8799800000					
			4	नियत परिसंपत्तियों और पूंजी का			
	(3) अन्य मंत्रालय/विभाग			व्यय कार्य प्रगति पर			
				क) नियत परिसंपत्तियों का क्रय	31454280	1446726657	1478180937
				(ब्यौरा संलग्नक 4 के अनुसार)			
				ख) पूंजी पर व्यय कार्य प्रगति पर			
3	प्रसार भारती मुख्यालय द्वारा चालू						
	क) प्रसार भारती से प्राप्त निधि	19087001766		(1) प्रमुख निर्माण कार्य		534190586	534190586
	ख) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय	9721103354		(2) विविध निर्माण कार्य योजना		583300998	583300998
	ग) आई.ई.बी.आर./एच.बी.ए.	4055196					
	घ) प्राप्त आय का हंस्तातरण	11959907	5	अधिशेष धन/ऋण की वापसी			
				क)भारत सरकार को (सहायतार्थ अनुदान)	270300000		270300000
4	प्राप्त ब्याज						
	क) बैंक में जमा पर (एफडीआर)	487625571		ख) प्रसार भारती मुख्यालय को	112744704		112744704
	ख) ऋण और अगिम्र आदि		6	वित्त प्रभार (ब्याज)			
	(1) कर्मचारियों से	232421		क) सरकार से ऋण पर			
	(2) अन्य	258486		ख) अन्य ऋण			
5	अन्य आय			ग) अन्य	314251		314251

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

	ख) आ./दू. के टॉवरों की ला. फीस	430710781	7	अन्य भुगतान			
				क) भारत सरकार को (पूंजी कर्ज)	93687876		93687876
	ग) परि. सं. के वि./निपटान का लाभ						
				ख) डिपोजिट कार्य पर व्यय	427789596		427789596
	(1) अपनी परिसंपत्तियां	112021					
				ग) पार्टियों को अग्रिम			
	(2) सरकारी अनुदान से प्राप्त की	1222697					
	गई परिसंपत्तियां			घ) स्टाफ को अग्रिम			
	(3) विविध आय	21984027		1) गृह निर्माण अग्रिम	5543950		5543950
	(1.4.2000 से पहले प्राप्त की गई परि.)			2) मोटर साइकिल अग्रिम	5011600		5011600
				3) मोटर कार अगिम्र	7733150		7733150
	घ) अन्य	365821		4) कंप्यूटर अगिम्र	4566400		4566400
				5) साइकिल अगिम्र	91500		91500
6	उधार ली गई राशि			6) अन्य अगिम्र	8019152		8019152
	क) सरकार से पूंजीगत ऋण	2041900000		ङ) आर कर	96271		96271
				च) सेवा कर	1017420480		1017420480
7	विक्रय से आय						
	क) वाणिज्यिक प्राप्तियां			छ) बैंक प्रभार	2069337		2069337
	आकाशवाणी	2037980652					
	दूरदर्शन	7853672604		ज) अन्य	643055813		643055813
	ख) सी. डी./वी.सी.डी. की बिक्री	7882	8	सरकारी व्यापार से प्राप्तियों पर खर्च			
				मंत्रा./वि. के अनुसार ब्यौरा			
8	सेवाओ से आय						
	(1) व्यवसायिक/परामर्श सेवाएं	13513789	9	इतिशेष			
				क) नकद रोकड़	4486510		4486510
9	अन्य प्राप्तियां						
	क) प्रतिभूति जमा/बयाना राशि	126470044		ख) बैंक शेष			
				(1) चालू खाते में			
	ख) डिपोजिट कार्य	552181753		प्राप्ति खाता (अन्य कार्यालय)	600805539		600805539
				दूरदर्शन खाता (503120)	99246		99246
	ग)			आकाशवाणी खाता (503122)	78869688		78869688
	1) गृह निर्माण अग्रिम	1913128					
	2) मोटर साइकिल अग्रिम	102006		व्यय खाता (अन्य कार्यालय)	1882484125		1882484125
	3) कंप्यूटर अग्रिम	1249110		एस बी आई (578651)	63373997		63373997
	4) कार अग्रिम	231766		केनरा बैंक (1730)	16096699		16096699
	5) साइकिल अग्रिम	193084		इंडियन ओवरसीज बैंक (7430)	2060683		2060683
	6) अन्य अग्रिम	1661529		बैंक ऑफ इंडिया (12255)	229966		229966
	घ) इयरमार्कड फंड सीपी फंड	1206514					
	ङ) अन्य	101731219		(2) जमा खाते में एफ. डी. आर.	8560756533		8560756533
10	सरकारी व्यापार से प्राप्ति			(3) सीपी फंड खाता	3967821		3967821
	मंत्रा./वि. के अनुसार ब्यौरा						
				(ग) अप्रदाय खाता	38753741		38753741
11	एफ. डी. आर.	114649478					
	योग	61261690289		योग	56039277658	5222412631	61261690289

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

संलग्नक-I

	संलग्नक खाता 2007-08	गैर योजना	योजना	योग
1	**स्थापना खर्चे**			
	क) वेतन और मजदूरी (मानदेय/एलटीसी/टीएफ सहित)	6627432540	511585738	7139018278
	1) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	123007278	8784792	131792070
	ख) समयोपरि भत्ते/स. शि. भत्ते और बोनस	313251755	18070484	331322239
	ग) अ.भ.निधि में अंशदान (यदि कोई है)	3620259	365200	3985459
	घ) स्टाफ कल्याण व्यय	1441749	167115	1608864
	ङ) अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान सहित कर्मचारियों के सेवानिवृत्त और सेवांत लाभ	2594516	179889000	182483516
	च) स्थापना पूंजीगत		15153608	15153608
	छ) अन्य	11544994	406083	11951077
	योग	**7082893091**	**734422020**	**7817315111**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

संलग्नक-II

संलग्नक खाता 2007-08	गैर योजना	योजना	योग
2 अन्य प्रशासनिक व्यय			
क) स्वदेश यात्रा व्यय	152668352	34287249	186955601
ख) विदेश यात्रा व्यय	5874609	10568	5885177
ग) किराया महसूल	109380070	6170578	115550648
घ) विज्ञापन और प्रचार	5994632	532554	6527186
ङ) व्यवसायिक प्रभार, सशस्त्र गार्ड आदि	350397562	11517231	361914793
च) छात्रवृत्ति/वजीफा	17704547	230720	17935267
छ) आपूर्ति और समाग्री	319337211	47143931	366481142
ज) वाहन मरम्मत और अनुरक्षण	238571719	34149051	272720770
झ) विद्युत शुल्क और अनुरक्षण	1602101625	155677459	1757779084
ण) जल शुल्क और अनुरक्षण	32053169	867414	32920583
त) डाक खर्च	18228237	1907946	20136183
थ) दूरभाष एवं संचार			
(1) लैंडलाइन	102669837	9536632	112206469
(2) मोबाइल	6595470	755947	7351417
द) आतिथ्य एवं सत्कार व्यय	6488406	486100	6974506
ध) पी एंड एम पर बीमा			
न) भूमि एवं भवनों का बीमा			
प) लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक			
फ) प्रिटिंग और लेखन सामग्री	86234036	15515252	101749288
ब) अप्राप्य शेष-बट्टे खाते			
भ) डूबा एवं संदेहात्मक उधार/अग्रिम के लिए प्रावधान			
म) खरीद (भंडार)	9943288	3445501	13388789
य) माइनर वर्क्स	489405382	67460690	556866072
र) मशीनरी एवं उपस्कर, टूल प्लांटस	216963498	46304204	263267702
ल) उपभोज्य लेखा	80755703	5706388	86462091
व) स्थानीय परिवहन	3308557	480438	3788995
श) पूंजीगत परिसंपत्तियों का परिचालन एवं अनुरक्षण	22728726	574123	23302849
ह) अन्य	268892333	48914596	317806929
योग	4146296969	491674572	4637971541

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

संलग्नक-III

	संलग्नक खाता 2007-08	गैर योजना	योजना	योग
3	**कार्यक्रम व्यय**			
	क) रॉयल्टी	**157980928**	**152429953**	**310410881**
	ख) यूएनआई/पीटीआई को भुगतान	**132039070**	**2899054**	**134938124**
	ग) कार्यक्रमों की कमीशनिंग	**327914253**	**535749736**	**863663989**
	घ) पानमसेट उपग्रह व्यय	**185481487**	**35602511**	**221083998**
	ङ) खेल गतिविधियों पर व्यय	**156738963**	**102017767**	**258756730**
	च) कलाकारों को भुगतान	**472581711**	**343534770**	**816116481**
	छ) जे एंड के पैकेज	**3386600**	**929333**	**4315933**
	ज)	**10000000**		**10000000**
	ज) अन्य	**395475454**	**258934674**	**654410128**
	योग	**1841598466**	**1432097798**	**3273696264**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

संलग्नक-**IV**

संलग्नक खाता 2007-08	गैर योजना	योजना	योग
4 नियत परिसंपत्तियों की खरीद			
1) **भूमि**		7313331	7313331
2) **भवन**			
(1) स्टूडियो		526443914	526443914
(2) प्रेषित			
क) सामान्य		649356679	649356679
ख) जम्मू और कश्मीर		9798704	9798704
ग) उत्तर-पूर्व		9826643	9826643
(3) कार्यालय		43140	43140
(4) अन्य		17111920	17111920
3 प्लांट मशीनरी तथा उपस्कर			
क) सामान्य		176541885	176541885
ख) जम्मू और कश्मीर		6255070	6255070
ग) उत्तर-पूर्व		574393	574393
4 वाहन			
(क) ट्रक, जीप तथा वैन		5586590	5586590
(ख) मोटर कार		12075989	12075989
(ग) मोटर साइकिल/स्कूटर तथा तिपहिया			
(घ) रिक्शा/साइकिल	24992		24992
5 फर्नीचर/फिक्सचर			
(क) कैबिनेट, अलमारी, फाईल रैक	1707419	1069380	2776799
(ख) एसी/ए सी प्लांट	1829654	747370	2577024
(ग) एयर कूलर्स	1243231	255622	1498853
(घ) वाटर कूलर	771729	312617	1084346
(ङ) मेज/कुर्सी/सोफा/कारपेट	6007387	2390345	8397732
(च) लकड़ी के पार्टीशन	96604	60986	157590
(छ) वोल्टेज स्टेबलाइजर/यूपीएस प्रणाली	726380	774594	1500974
(ज) अन्य	2240512	364600	2605112
6 कार्यालय उपस्कर			
(क) टाईपराइटर	104022	22050	126072
(ख) फोटोकोपियर/डुप्लीकेटर	3323070	1332202	4655272
(ग) फैक्स मशीन	1476267	514224	1990491
(घ) अन्य	227158	350509	577667
7 कंप्यूटर्स/पैरीफैरल्स			
(क) कंप्यूटर्स	6707878	4938689	11646567
(ख) प्रिंटर्स	2217408	1089980	3307388
(ग) फ्लापी	173599	37358	210957
(घ) सी.डी.	957181	1151831	2109012
(ङ) साफ्टवेयर	674856	646941	1321797
(च) अन्य	135291		135291
8 इलैक्ट्रिकल संस्थापन			
(क) इलैक्ट्रिकल मशीनरी		1905460	1905460
(ख) इलैक्ट्रिकल लाइट/पंखे		410911	410911
(ग) स्वीचगीयर उपकरण		155202	155202
(घ) ट्रांसफार्मर		124275	124275
(ङ) इलैक्ट्रिक वायरिंग एवं फिटिंग्स		1075592	1075592
(च) अन्य		4701747	4701747
9 पुस्तकालय की पुस्तकें	713645	1329064	2042709
10 ट्यूब वैल तथा जल आपूर्ति प्रणाली	95997	13550	109547
11 मध्यस्थम प्रभार		23300	23300
योग	**31454280**	**1446726657**	**1478180937**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)